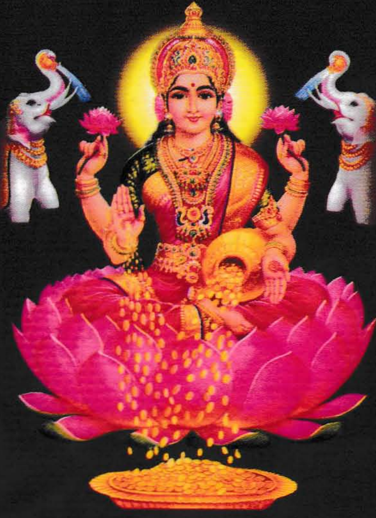
श्री देव्यै नमः





श्री देवीनामस्तोत्रमञ्जरी

द्वितीयो भागः

श्री देवीनामावलीमञ्जरी



ஸ்ரீ தேவீநாம ஸ்தோத்திர மஞ்ஜரீ

இரண்டாம் பாகம்





Sri Devinama Stotra Manjari

Second Part

SRI DEVI NAMAVALI MANJARI

First Edition : 2003 - 500 copies

தொகுத்தளித்தவர் :

வைத்ய S.V. ராதாகிருஷ்ண சாஸ்திரி

ஸ்ரீரங்கம்

Published by :

SRI MAHA PERIYAVAL TRUST
GURUKRIPA,
94. I.T.I. LAYOUT,
M S R I T,
BANGALORE - 560 054

Copies available at :–
Smt. P. Vijaya,
Door No. 11, Plot No. 7, Ganapathy Street,
St. Thomas Nagar, Madipakkam,
Chennai - 600 091

***Price* : Rs. 151/-**

Lasertypeset & Printed at :
V.K.N. ENTERPRISES,
8/1, Dr. Rangachari Road, Mylapore, Chennai-4
Phone : 2495 07 75

॥ श्रीः ॥

श्री देवीनामस्तोत्रमञ्जरी

द्वितीयो भागः

श्री देवीनामावलीमञ्जरी

ஸ்ரீ தேவீநாமஸ்தோத்ர மஞ்ஜரீ

இரண்டாம் பாகம்

ஸ்ரீ தேவீநாமாவளீ மஞ்ஜரீ

ஸ்ரீ காஞ்சீ காமகோடி பீடாதிபதி ஜகத்குரு

ஸ்ரீ சங்கராசார்ய

ஸ்ரீ ஜயேந்திர ஸரஸ்வதீ ஸ்ரீ சரணர்களின்

பீடாரோஹண ஸ்வர்ண ஜயந்தீ மலராக

ஸ்ரீ ஜகத்குரு ஸ்ரீ சரணங்களில் ஸமர்ப்பிக்கப்பட்டது

வெளியிடுவோர் :

ஸ்ரீ மஹாபெரியவாள் டிரஸ்ட்

குரு கிருபா, 94, I.T.I. Layout, M.S.R.I.T. Post

பங்களூர் - 560 054

சித்ரபானு - 2003

विषयानुक्रमणिका

देवीनामावलीमञ्जरी

श्रीगुरुभ्यो नमः

श्रीमात्रे नमः

देवीनामस्तोत्रमञ्जरी

द्वितीयो भागः

देवीनामावलीमञ्जरी

श्रीकाली-अष्टोत्तर-शतनामावलिः

काल्यै नमः
कपालिन्यै
कान्तायै
कामदायै
कामसुन्दर्यै
कालरात्र्यै
कालिकायै
कालभैरवपूजितायै
कुरुकुल्लायै
कामिन्यै १०
कमनीय स्वभाविन्यै
कुलीनायै
कुलकर्त्र्यै
कुलवर्त्मप्रकाशिन्यै
कस्तूरीरसनीलायै
काम्यायै
कामस्वरूपिण्यै
ककारवर्णनिलयायै
कामधेन्वै
करालिकायै २०
कुलकान्तायै
करालास्यायै
कामार्तायै
कलावत्यै
कृशोदर्यै
कामाख्यायै
कौमार्यै
कुलपालिन्यै
कुलजायै
कुलकन्यायै ३०
कुलहायै
कुलपूजितायै
कामेश्वर्यै
कामकान्तायै
कुञ्जरेश्वरगामिन्यै
कामदात्र्यै

कामहर्त्र्यै
कृष्णायै
कपर्दिन्यै
कुमुदायै ४०
कृष्णदेहायै
कालिन्द्यै
कुलपूजितायै
काश्यप्यै
कृष्णमात्रे
कुलिशांग्यै
कलायै
क्रींरूपायै
कुलगम्यायै
कमलायै ५०
कृष्णपूजितायै
कृशांग्यै
किन्नर्यै
कर्त्र्यै
कलकण्ठ्यै
कार्तिक्यै
कंबुकण्ठ्यै
कौलिन्यै
कुमुदायै
कामजीविन्यै ६०
कुलस्त्रियै
कीर्तिकायै
कृत्यायै

कीर्त्यै
कुलपालिकायै
कामदेवकलायै
कल्पलतायै
कामाङ्गवर्धिन्यै
कुन्तायै
कुमुदप्रीतायै ७०
कदम्बकुसुमोत्सुकायै
कादम्बिन्यै
कमलिन्यै
कृष्णानन्द प्रदायिन्यै
कुमारीपूजनरतायै
कुमारीगणशोभितायै
कुमारीरञ्जनरतायै
कुमारीव्रतधारिण्यै
कङ्काल्यै
कमनीयायै ८०
कामशास्त्रविशारदायै
कपालखट्वाङ्गधरायै
कालभैरवरूपिण्यै
कोटर्यै
कोटराक्ष्यै
काश्यै
कैलासवासिन्यै
कात्यायन्यै
कार्यकर्यै
काव्यशास्त्रप्रमोदिन्यै ९०

कामाकर्षणरूपायै
कामपीठनिवासिन्यै
कङ्किन्यै
काकिन्यै
क्रीडायै
कुत्सितायै
कलहप्रियायै
कुण्डगोलोद्भवप्राणायै
कौशिक्यै
कीर्तिवर्धिन्यै १००
कुंभस्तन्यै
कटाक्षायै
काव्यायै
कोकनदप्रियायै
कान्तारवासिन्यै
कान्त्यै
कठिनायै
कृष्णवल्लभायै १०८

श्रीकालीसहस्रनामावलिः (ककारादिः)

ओं क्रीं काल्यै नमः
क्रूं कराल्यै
कल्याण्यै
कमलायै
कलायै
कलावत्यै
कलाढ्यायै
कलापूज्यायै
कलात्मिकायै
कलाहृष्टायै १०
कलापुष्टायै
कलामस्तायै
कलाधरायै
कलाकोटिसमाभासायै
कलाकोटिप्रपूजितायै
कलाकर्मकलाधारायै
कलापारायै
कलागमायै
कलाधारायै
कमलिन्यै २०
ककारायै
करुणायै
कव्यै
ककारवर्णसर्वाङ्ग्यै
कलाकोटिप्रभूषितायै
ककारकोटिगुणितायै
ककारकोटिभूषणायै
ककारवर्णहृदयायै
ककारमनुमण्डितायै
ककारवर्णनिलयायै ३०

ककशब्दपरायणायै
ककारवर्णमुकुटायै
ककारवर्णभूषणायै
ककारवर्णरूपायै
काकशब्दपरायणायै
कवीरास्फालनरतायै
कमलाकरपूजितायै
कमलाकरनाथायै
कमलाकररूपधृषे
कमलाकरसिद्धिस्थायै ४०
कमलाकरपारदायै
कमलाकरमध्यस्थायै
कमलाकरतोषितायै
कथङ्कारपरालापायै
कथङ्कारपरायणायै
कथङ्कारपदान्तस्थायै
कथङ्कारपदार्थभुवे
कमलाक्ष्यै
कमलजायै
कमलाक्षप्रपूजितायै ५०
कमलाक्षवरोद्युक्तायै
ककारायै
कर्बुराक्षरायै
करतारायै
करच्छिन्नायै
करश्यामायै
करार्णवायै
करपूज्यायै
कररतायै
करदायै ६०
करपूजितायै
करतोयायै
करामर्षायै
कर्मनाशायै
करप्रियायै
करप्राणायै
करकजायै
करकायै
करकान्तरायै
करकाचलरूपायै ७०
करकाचलशोभिन्यै
करकाचलपुत्र्यै
करकाचलतोषितायै
करकाचलगेहस्थायै
करकाचलरक्षिण्यै
करकाचलसम्मान्यायै
करकाचलकारिण्यै
करकाचलवर्षाढ्यायै
करकाचलरञ्जितायै
करकाचलकान्तारायै ८०
करकाचलमालिन्यै
करकाचलभोज्यायै
करकाचलरूपिण्यै
करामलकसंस्थायै

करामलकसिद्धिदायै
करामलकसम्पूज्यायै
करामलकतारिण्यै
करामलककाल्यै
करामलकरोचिन्यै
करामलकमात्रे ९०
करामलकसेविन्यै
करामलकवद्ध्येयायै
करामलकदायिन्यै
कञ्जनेत्रायै
कञ्जगत्यै
कञ्जस्थायै
कञ्जधारिण्यै
कञ्जमालाप्रियकर्यै
कञ्जरूपायै
कञ्जजायै १००
कञ्जजात्यै
कञ्जगत्यै
कञ्जहोमपरायणायै
कञ्जमण्डलमध्यस्थायै
कञ्जाभरणभूषितायै
कञ्जसम्माननिरतायै
कञ्जोत्पत्तिपरायणायै
कञ्जराशिसमाकारायै
कञ्जारण्यनिवासिन्यै
करञ्जवृक्षमध्यस्थायै ११०
करञ्जवृक्षवासिन्यै
करञ्जफलभूषाढ्यायै
करञ्जारण्यवासिन्यै
करञ्जमालाभरणायै
करवालपरायणायै
करवालप्रहृष्टात्मने
करवालप्रियायै गत्यै
करवालप्रियायै कन्थायै
करवालविहारिण्यै
करवालमय्यै १२०
कर्मायै
करवालप्रियङ्कर्यै
कबन्धमालाभरणायै
कबन्धराशिमध्यगायै
कबन्धकूटसंस्थानायै
कबन्धानन्तभूषणायै
कबन्धनादसन्तुष्टायै
कबन्धासनधारिण्यै
कबन्धगृहमध्यस्थायै
कबन्धवनवासिन्यै १३०
कबन्धकाञ्च्यै
करण्यै
कबन्धराशिभूषणायै
कबन्धमालाजयदायै
कबन्धदेहवासिन्यै
कबन्धासनमान्यायै
कपालमाल्यधारिण्यै
कपालमालामध्यस्थायै

कपालव्रततोषितायै
कपालदीपसन्तुष्टायै १४०
कपालदीपरूपिण्यै
कपालदीपवरदायै
कपालकज्जलस्थितायै
कपालमालाजयदायै
कपालजपतोषिण्यै
कपालसिद्धिसंहृष्टायै
कपालभोजनोद्यतायै
कपालव्रतसंस्थानायै
कपालकमलालयायै
कवित्वामृतसारायै १५०
कवित्वामृतसागरायै
कवित्वसिद्धिसंहृष्टायै
कवित्वादानकारिण्यै
कविपूज्यायै
कविगत्यै
कविरूपायै
कविप्रियायै
कविब्रह्मानन्दरूपायै
कवित्वव्रततोषितायै
कविमानससंस्थानायै १६०
कविवाञ्छाप्रपूरिण्यै
कविकण्ठस्थितायै
कंह्रींकंकंकंकविपूर्तिदायै
कज्जलायै
कज्जलादानमानसायै
कज्जलप्रियायै
कपालकज्जलसमायै
कज्जलेशप्रपूजितायै
कज्जलार्णवमध्यस्थायै
कज्जलानन्दरूपिण्यै १७०
कज्जलप्रियसन्तुष्टायै
कज्जलप्रियतोषिण्यै
कपालमालाभरणायै
कपालकरभूषणायै
कपालकरभूषाढ्यायै
कपालचक्रमण्डितायै
कपालकोटिनिलयायै
कपालदुर्गकारिण्यै
कपालगिरिसंस्थानायै
कपालचक्रवासिन्यै १८०
कपालपात्रसन्तुष्टायै
कपालार्घ्यपरायणायै
कपालार्घ्यप्रियप्राणायै
कपालार्घ्यवरप्रदायै
कपालचक्ररूपायै
कपालरूपमात्रगायै
कदल्यै
कदलीरूपायै
कदलीवनवासिन्यै
कदलीपुष्पसम्प्रीतायै १९०
कदलीफलमानसायै
कदलीहोमसन्तुष्टायै

कदलीदर्शनोद्यतायै
कदलीगर्भमध्यस्थायै
कदलीवनसुन्दर्य्यै
कदम्बपुष्पनिलयायै
कदम्बवनमध्यगायै
कदम्बकुसुमामोदायै
कदम्बवनतोषिण्यै
कदम्बपुष्पसम्पूज्यायै २००
कदम्बपुष्पहोमदायै
कदम्बपुष्पमध्यस्थायै
कदम्बफलभोजिन्यै
कदम्बकाननान्तस्थायै
कदम्बाचलवासिन्यै
कक्षपायै
कक्षपाराध्यायै
कच्छपासनसंस्थितायै
कर्णपूरायै
कर्णनासायै २१०
कर्णाढ्यायै
कालभैरव्यै
कलप्रीतायै
कलहदायै
कलहायै
कलहातुरायै
कर्णयक्ष्यै
कर्णवार्ताकथिन्यै
कर्णसुन्दर्यै
कर्णपिशाचिन्यै २२०
कर्णमञ्जर्यै
कविकक्षदायै
कविकक्षविरूपाढ्यायै
कविकक्षस्वरूपिण्यै
कस्तूरीमृगसंस्थानायै
कस्तूरीमृगरूपिण्यै
कस्तूरीमृगसन्तोषायै
कस्तूरीमृगमध्यगायै
कस्तूरीरसनीलाङ्ग्यै
कस्तूरीगन्धतोषितायै २३०
कस्तूरीपूजकप्राणायै
कस्तूरीपूजकप्रियायै
कस्तूरीप्रेमसन्तुष्टायै
कस्तूरीप्राणधारिण्यै
कस्तूरीपूजकानन्दायै
कस्तूरीगन्धरूपिण्यै
कस्तूरीमालिकारूपायै
कस्तूरीभोजनप्रियायै
कस्तूरीतिलकानन्दायै
कस्तूरीतिलकप्रियायै २४०
कस्तूरीहोमसन्तुष्टायै
कस्तूरीतर्पणोद्यतायै
कस्तूरीमार्जनोद्युक्तायै
कस्तूरीचक्रपूजितायै
कस्तूरीपुष्पसम्पूज्यायै
कस्तूरीचर्वणोद्यतायै

कस्तूरीगर्भमध्यस्थायै
कस्तूरीवस्त्रधारिण्यै
कस्तूरिकामोदरतायै
कस्तूरीवनवासिन्यै २५०
कस्तूरीवनसंरक्षायै
कस्तूरीप्रेमधारिण्यै
कस्तूरीशक्तिनिलयायै
कस्तूरीशक्तिकुण्डगायै
कस्तूरीकुण्डसंस्नातायै
कस्तूरीकुण्डमज्जनायै
कस्तूरीजीवसन्तुष्टायै
कस्तूरीजीवधारिण्यै
कस्तूरीपरमामोदायै
कस्तूरीजीवनक्षमायै २६०
कस्तूरीजातिभावस्थायै
कस्तूरीगन्धचुम्बनायै
कस्तूरीगन्धसंशोभाविराजित
-कपालभुवे
कस्तूरीमदनान्तस्थायै
कस्तूरीमदहर्षदायै
कस्तूर्यै
कवितानाढ्यायै
कस्तूरीगृहमध्यगायै
कस्तूरीस्पर्शकप्राणायै
कस्तूरीनिन्दकान्तकायै २७०
कस्तूर्यामोदरसिकायै
कस्तूरीक्रीडनोद्यतायै
कस्तूरीदाननिरतायै
कस्तूरीवरदायिन्यै
कस्तूरीस्थापनासक्तायै
कस्तूरीस्थानरञ्जिन्यै
कस्तूरीकुशलप्राणायै
कस्तूरीस्तुतिवन्दितायै
कस्तूरीवन्दकाराध्यायै
कस्तूरीस्थानवासिन्यै २८०
कहरूपायै
कहाढ्यायै
कहानन्दायै
कहात्मभुवे
कहपूज्यायै
कहेत्याख्यायै
कहहेयायै
कहात्मिकायै
कहमालायै
कण्ठभूषायै २९०
कहमन्त्रजपोद्यतायै
कहनामस्मृतिपरायै
कहनामपरायणायै
कहपरायणरतायै
कहदेव्यै
कहेश्वर्यै
कहहेतवे
कहानन्दायै
कहनादपरायणायै

कह्मात्रे ३००
कहान्तस्थायै
कह्मन्त्रायै
कहेश्वरायै
कह्गे(ज्ञे)यायै
कहाराध्यायै
कह्ध्यानपरायणायै
कह्तन्त्रायै
कह्कहायै
कह्चर्यापरायणायै
कहाचारायै ३१०
कह्गत्यै
कह्ताण्डवकारिण्यै
कहारण्यायै
कह्गत्यै
कह्शक्तिपरायणायै
कह्राज्यरतायै
कर्मसाक्षिण्यै
कर्मसुन्दर्यै
कर्मविद्यायै
कर्मगत्यै ३२०
कर्मतन्त्रपरायणायै
कर्ममात्रायै
कर्मगात्रायै
कर्मधर्मपरायणायै
कर्मरेखानाशकर्त्र्यै
कर्मरेखाविनोदिन्यै
कर्मरेखामोहकर्यै
कर्मकीर्तिपरायणायै
कर्मविद्यायै
कर्मसारायै ३३०
कर्माधारायै
कर्मभुवे
कर्मकार्यै
कर्महार्यै
कर्मकौतुकसुन्दर्यै
कर्मकाल्यै
कर्मतारायै
कर्मच्छिन्नायै
कर्मदायै
कर्मचाण्डालिन्यै ३४०
कर्मवेदमात्रे
कर्मभुवे
कर्मकाण्डरतानन्तायै
कर्मकाण्डानुमानितायै
कर्मकाण्डपरीणाहायै
कमठ्यै
कमठाकृत्यै
कमठाराध्यहृदयायै
कमठायै
कण्ठसुन्दर्य्यै ३५०
कमठासनसंसेव्यायै
कमठ्यै
कर्मतत्परायै

करुणाकरकान्तायै
करुणाकरवन्दितायै
कठोरायै
करमालायै
कठोरकुचधारिण्यै
कपर्दिन्यै
कपटिन्यै ३६०
कठिन्यै
कङ्कभूषणायै
करभोर्वै
कठिनदायै
करभायै
करभालयायै
कलभाषामय्यै
कल्पायै
कल्पनायै
कल्पदायिन्यै ३७०
कमलस्थायै
कलामालायै
कमलास्यायै
क्वणत्प्रभायै
ककुद्मिन्यै
कष्टवत्यै
करणीयकथार्चितायै
कचार्चितायै
कचतन्वै
कचसुन्दरधारिण्यै ३८०
कठोरकुचसंलग्नायै
कटिसूत्रविराजितायै
कर्णभक्षप्रियायै
कन्दायै
कथायै
कन्दगत्यै
कल्यै
कलिघ्न्यै
कलिदूत्यै
कविनायकपूजितायै ३९०
कणकक्षानियन्त्र्यै
कविवरार्चितायै
कर्त्र्यै
कर्तृकाभूषायै
करिण्यै
कर्णशत्रुपायै
करणेश्यै
करणपायै
कलवाचायै
कलानिध्यै ४००
कलनायै
कलनाधारायै
कलनायै
कारिकायै
करायै
कलगे(ङ्गे)यायै
कर्कराश्यै

कर्कराशिप्रपूजितायै
कन्याराश्यै
कन्यकायै ४१०
कन्यकाप्रियभाषिण्यै
कन्यकादानसंतुष्टायै
कन्यकादानतोषिण्यै
कन्यादानकरानन्दायै
कन्यादानग्र(तृगृ)हेष्टदायै
कर्षणायै
कक्षदहनायै
कामितायै
कमलासनायै
करमालानन्दकर्त्र्यै ४२०
करमालाप्रतो(भू)षिताषै
करमालाशयानन्दायै
करमालासमागमायै
करमालासिद्धिदात्र्यै
करमालायै
करप्रियायै
करप्रियाकररतायै
करदानपरायणायै
कलानन्दायै
कलिगत्यै ४३०
कलिपूज्यायै
कलिप्रसुवे
कलनादनिनादस्थायै
कलनादवरप्रदायै
कलनादसमाजस्थायै
कहोलायै
कहोलदायै
कहोलगेहमध्यस्थायै
कहोलवरदायिन्यै
कहोलकविताधारायै ४४०
कहोलऋषिमानितायै
कहोलमानसाराध्यायै
कहोलवाक्यकारिण्यै
कर्तृरूपायै
कर्तृमय्यै
कर्तृमात्रे
कर्त्र्यै
कनीयायै
कनकाराध्यायै
कनीनकमय्यै ४५०
कनीयानन्दनिलयायै
कनकानन्दतोषितायै
कनीनककरायै
काष्ठायै
कथार्णवकर्य्यै
कर्य्यै
करिगम्यायै
करिगत्यै
करिध्वजपरायणायै
करिनाथप्रियायै ४६०
कण्ठायै

कथानकप्रतोषितायै
कमनीयायै
कमनकायै
कमनीयविभूषणायै
कमनीय समाजस्थायै
कमनीयव्रतप्रियायै
कमनीयगुणाराध्यायै
कपिलायै
कपिलेश्वर्यै ४७०
कपिलाराध्यहृदयायै
कपिलाप्रियवादिन्यै
कहचक्रमन्त्रवर्णायै
कहचक्रप्रसूनकायै
कएईलह्रींस्वरूपायै
कएईलह्रींवरप्रदायै
कएईलह्रींसिद्धिदात्र्यै
कएईलह्रींस्वरूपिण्यै
कएईलह्रींमन्त्रवर्णायै
कएईलह्रींप्रसूकलायै ४८०
कवर्गायै
कपाटस्थायै
कपाटोद्घाटनक्षमायै
कङ्काल्यै
कपाल्यै
कङ्कालप्रियभाषिण्यै
कङ्कालभैरवाराध्यायै
कङ्कालमानसस्थितायै
कङ्कालमोहनिरतायै
कङ्कालमोहदायिन्यै ४९०
कलुषघ्न्यै
कलुषहायै
कलुषार्त्तिविनाशिन्यै
कलिपुष्पायै
कलादानायै
कशिप्व्यै
कश्यपार्चितायै
कश्यपायै
कश्यपाराध्यायै
कलिपूर्णकलेवरायै ५००
कलेवरकर्व्यै
कांच्यै
कवर्गायै
करालकायै
करालभैरवाराध्यायै
करालभैरवेश्वर्यै
करालायै
कलनाधारायै
कपर्दीशवरप्रदायै
कपर्दीशप्रेमलतायै ५१०
कपर्दिमालिकायुतायै
कपर्दिजपमालाढ्यायै
करवीरप्रसूनदायै
करवीरप्रियप्राणायै
करवीरप्रपूजितायै

कर्णिकारसमाकारायै
कर्णिकारप्रपूजितायै
करीषाग्निस्थितायै
कर्षायै
कर्षमात्रसुवर्णदायै ५२०
कलशायै
कलशाराध्यायै
कषायायै
करिगानदायै
कपिलायै
कलकण्ठ्यै
कलिकल्पलतायै
कल्पमात्रे
कल्पलतायै
कल्पकायै ५३०
कल्पभुवे
कर्पूरामोदरुचिरायै
कर्पूरामोदधारिण्यै
कर्पूरमालाभरणायै
कर्पूरवासपूर्तिदायै
कर्पूरमालाजयदायै
कर्पूरार्णवमध्यगायै
कर्पूरतर्पणरतायै
कटकाम्बरधारिण्यै
कपटेश्वरसम्पूज्यायै ५४०
कपटेश्वररूपिण्यै
कट्वै
कपिध्वजाराध्यायै
कलापपुष्पधारिण्यै
कलापपुष्परुचिरायै
कलापपुष्पपूजितायै
क्रकचायै
क्रकचाराध्यायै
कथंब्रूमायै
करालतायै ५५०
कथङ्कारविनिर्मुक्तायै
काल्यै
कालक्रियायै
क्रत्वै
कामिन्यै
कामिनीपूज्यायै
कामिनीपुष्पधारिण्यै
कामिनीपुष्पनिलयायै
कामिनीपुष्पपूर्णिमायै
कामिनीपुष्पपूजार्हायै ५६०
कामिनीपुष्पभूषणायै
कामिनीपुष्पतिलकायै
कामिनीकुण्डचुम्बनायै
कामिनीयोगसन्तुष्टायै
कामिनीयोगभोगदायै
कामिनीकुण्डसम्मग्नायै
कामिनीकुण्डमध्यगायै
कामिनीमानसाराध्यायै
कामिनीमानतोषितायै

कामिनीमानसञ्चारायै ५७०
कालिकायै
कालकालिकायै
कामायै
कामदेव्यै
कामेश्यै
कामसम्भवायै
कामभावायै
कामरतायै
कामार्तायै
काममञ्जर्यै ५८०
काममञ्जीररणितायै
कामदेवप्रियान्तरायै
कामकाल्यै
कामकलायै
कालिकायै
कमलार्चितायै
कादिकायै
कमलायै
काल्यै
कालानलसमप्रभायै ५९०
कल्पान्तदहनायै
कान्तायै
कान्तारप्रियवासिन्यै
कालपूज्यायै
कालरतायै
कालमात्रे
कालिन्यै
कालवीरायै
कालघोरायै
कालसिद्धायै ६००
कालदायै
कालाञ्जनसमाकारायै
कालञ्जरनिवासिन्यै
कालऋद्ध्यै
कालवृद्ध्यै
कारागृहविमोचिन्यै
कादिविद्यायै
कादिमात्रे
कादिस्थायै
कादिसुन्दर्य्यै ६१०
काश्यै
कांच्यै
काञ्चीशायै
काशीशवरदायिन्यै
क्रींबीजायै
क्रींबीजहृदयायनमःस्मृतायै
काम्यायै
काम्यगत्यै
काम्यसिद्धिदात्र्यै
कामभुवे ६२०
कामाख्यायै
कामरूपायै
कामचापविमोचिन्यै

कामदेवकलारामायै
कामदेवकलालयायै
कामरात्र्यै
कामदात्र्यै
कान्ताराचलवासिन्यै
कामरूपायै
कालगत्यै ६३०
कामयोगपरायणायै
कामसम्मर्दनरतायै
कामगेहविकाशिन्यै
कालभैरवभार्यायै
कालभैरवकामिन्यै
कालभैरवयोगस्थायै
कालभैरवभोगदायै
कामधेन्वै
कामदोग्ध्र्यै
काममात्रे ६४०
कान्तिदायै
कामुकायै
कामुकाराध्यायै
कामुकानन्दवर्धिन्यै
कार्त्तवीर्य्यायै
कार्त्तिकेयायै
कार्त्तिकेयप्रपूजितायै
कार्यायै
कारणदायै
कार्यकारिण्यै ६५०
कारणान्तरायै
कान्तिगम्यायै
कान्तिमय्यै
कात्यायै
कात्यायन्यै
कायै
कामसारायै
काश्मीरायै
काश्मीराचारतत्परायै
कामरूपाचाररतायै ६६०
कामरूपप्रियंवदायै
कामरूपाचारसिद्ध्यै
कामरूपमनोमय्यै
कार्त्तिक्यै
कार्त्तिकाराध्यायै
काञ्चनारप्रसूनभुवे
काञ्चनारप्रसूनाभायै
काञ्चनारप्रपूजितायै
काञ्चरूपायै
काञ्चभूम्यै ६७०
कांस्यपात्रप्रभोजिन्यै
कांस्यध्वनिमय्यै
कामसुन्दर्यै
कामचुम्बनायै
काशपुष्पप्रतीकाशायै
कामद्रुमसमागमायै
कामपुष्पायै

कामभूम्यै
कामपूज्यायै
कामदायै ६८०
कामदेहायै
कामगेहायै
कामबीजपरायणायै
कामध्वजसमरूढायै
कामध्वजसमास्थितायै
काश्यप्यै
काश्यपाराध्यायै
काश्यपानन्ददायिन्यै
कालिन्दीजलसंकाशायै
कालिन्दीजलपूजितायै ६९०
कादेवपूजानिरतायै
कादेवपरमार्थदायै
कार्मणायै
कार्मणाकारायै
कामकार्मणकारिण्यै
कार्मणत्रोटनकर्य्यै
काकिन्यै
कारणाह्वयायै
काव्यामृतायै
कालिङ्गायै ७००
कालिङ्गमर्दनोद्यतायै
कालागुरुविभूषाढ्यायै
कालागुरुविभूतिदायै
कालागुरुसुगन्धायै
कालागुरुप्रतर्पणायै
कावेरीनीरसम्प्रीतायै
कावेरीतीरवासिन्यै
कालचक्रभ्रमाकारायै
कालचक्रनिवासिन्यै
काननायै ७१०
काननाधारायै
कार्वै
कारुणिकामय्यै
काम्पिल्यवासिन्यै
काष्ठायै
कामपत्न्यै
कामभुवे
कादम्बरीपानरतायै
कादम्बर्य्यै
कलायै ७२०
कामवन्द्यायै
कामेश्यै
कामराजप्रपूजितायै
कामराजेश्वरीविद्यायै
कामकौतुकसुन्दर्य्यै
काम्बोजजायै
काञ्चिनदायै
कांस्यकाञ्चनकारिण्यै
काञ्चनाद्रिसमाकारायै
काञ्चनाद्रिप्रदानदायै ७३०
कामकीर्त्यै

कामकेश्यै
कारिकायै
कान्तराश्रयायै
कामभेद्यै
कामार्त्तिनाशिन्यै
कामभूमिकायै
कालनिर्णाशिन्यै
काव्यवनितायै
कामरूपिण्यै ७४०
कायस्थाकामसन्दीप्त्यै
काव्यदायै
कालसुन्दर्यै
कामेश्यै
कारणवरायै
कामेशीपूजनोद्यतायै
काञ्चीनूपुरभूषाढ्यायै
कुङ्कुमाभरणान्वितायै
कालचक्रायै
कालगत्यै ७५०
कालचक्रमनोभवायै
कुन्दमध्यायै
कुन्दपुष्पायै
कुन्दपुष्पप्रियायै
कुजायै
कुजमात्रे
कुजाराध्यायै
कुठारवरधारिण्यै
कुञ्जरस्थायै
कुशरतायै ७६०
कुशेशयविलोचनायै
कुनठ्यै
कुरर्यै
कुद्रायै
कुरङ्ग्यै
कुटजाश्रयायै
कुम्भीनसविभूषायै
कुम्भीनसवधोद्यतायै
कुम्भकर्णमनोल्लासायै
कुलचूडामण्यै ७७०
कुलायै
कुलालगृहकन्यायै
कुलचूडामणिप्रियायै
कुलपूज्यायै
कुलाराध्यायै
कुलपूजापरायणायै
कुलभूषायै
कुक्ष्यै
कुररीगणसेवितायै
कुलपुष्पायै ७८०
कुलरतायै
कुलपुष्पपरायणायै
कुलवस्त्रायै
कुलाराध्यायै
कुलकुण्डसमप्रभायै

कुलकुण्डसमोल्लासायै
कुण्डपुष्पपरायणायै
कुण्डपुष्पप्रसन्नास्यायै
कुण्डगोलोद्भवात्मिकायै
कुण्डगोलोद्भवाधारायै ७९०
कुण्डगोलमय्यै
कुह्वै
कुण्डगोलप्रियप्राणायै
कुण्डगोलप्रपूजितायै
कुण्डगोलमनोल्लसायै
कुण्डगोलबलप्रदायै
कुण्डदेवरतायै
क्रुद्धायै
कुलसिद्धिकरायै परायै
कुलकुण्डसमाकारायै ८००
कुलकुण्डसमानभुवे
कुण्डसिद्ध्यै
कुण्डऋद्ध्यै
कुमारीपूजनोद्यतायै
कुमारीपूजकप्राणायै
कुमारीपूजकालयायै
कुमार्यै
कामसन्तुष्टायै
कुमारीपूजनोत्सुकायै
कुमारीव्रतसन्तुष्टायै ८१०
कुमारीरूपधारिण्यै
कुमारीभोजनप्रीतायै
कुमार्यै
कुमारदायै
कुमारमात्रे
कुलदायै
कुलयोन्यै
कुलेश्वर्यै
कुललिङ्गायै
कुलानन्दायै ८२०
कुलरम्यायै
कुतर्कधृषे
कुन्त्यै
कुलकान्तायै
कुलमार्गपरायणायै
कुल्लायै
कुरुकुल्लायै
कुल्लुकायै
कुलकामदायै
कुलिशाङ्ग्यै ८३०
कुब्जिकायै
कुब्जिकानन्दवर्धिन्यै
कुलीनायै
कुञ्जरगत्यै
कुञ्जरेश्वरगामिन्यै
कुलपाल्यै
कुलवत्यै
कुलदीपिकायै
कुलयोगेश्वर्यै

कुण्डायै ८४०
कुङ्कुमारुणविग्रहायै
कुङ्कुमानन्दसन्तोषायै
कुङ्कुमार्णववासिन्यै
कुसुमायै
कुसुमप्रीतायै
कुलभुवे
कुलसुन्दर्यै
कुमुद्वत्यै
कुमुदिन्यै
कुशलायै ८५०
कुलटालयायै
कुलटालयमध्यस्थायै
कुलटासङ्गतोषितायै
कुलटाभवनोद्युक्तायै
कुशावर्त्तायै
कुलार्णवायै
कुलार्णवाचाररतायै
कुण्डल्यै
कुण्डलाकृत्यै
कुमत्यै ८६०
कुलश्रेष्ठायै
कुलचक्रपरायणायै
कूटस्थायै
कूटदृष्ट्यै
कुन्तलायै
कुन्तलाकृत्यै
कुशलाकृतिरूपायै
कूर्चबीजधरायै
कै
कुंकुंकुंकुंशब्दरतायै ८७०
क्रूंक्रूंक्रूंक्रूंपरायणायै
कुंकुंकुंशब्दनिलयायै
कुक्कुरालयवासिन्यै
कुक्कुरासङ्गसंयुक्तायै
कुक्कुरानन्तविग्रहायै
कूर्चारम्भायै
कूर्चबीजायै
कूर्चजापपरायणायै
कुलिन्यै
कुलसंस्थानायै ८८०
कूर्चकण्ठपरागत्यै
कूर्चवीणाभालदेशायै
कूर्चमस्तकभूषितायै
कुलवृक्षगतायै
कूर्मायै
कूर्माचलनिवासिन्यै
कुलबिन्द्वै
कुलशिवायै
कुलशक्तिपरायणायै
कुलबिन्दुमणिप्रख्यायै ८९०
कुङ्कुमद्रुमवासिन्यै
कुचमर्दनसन्तुष्टायै
कुचजापपरायणायै

कुचस्पर्शनसन्तुष्टायै
कुचालिङ्गनहर्षदायै
कुगतिघ्न्यै
कुबेरार्च्यायै
कुचभुवे
कुलनायिकायै
कुगायनायै ९००
कुचाधारायै
कुमात्रे
कुन्ददन्तिन्यै
कुगेयायै
कुहराभाषा(सा)यै
कुगेयाकुघ्नदारिकायै
कीर्त्यै
किरातिन्यै
क्लिन्नायै
किन्नरायै ९१०
किन्नर्यै
क्रियायै
क्रीङ्कारायै
क्रींजपासक्तायै
क्रीह्रूंस्त्रींमन्त्ररूपिण्यै
किर्मीरितदृशापाङ्ग्यै
किशोर्यै
किरीटिन्यै
कीटभाषायै
कीटयोन्यै ९२०
कीटमात्रे
कीटदायै
किंशुकायै
कीरभाषायै
क्रियासारायै
क्रियावत्यै
कींकींशब्दपरायै
क्लांक्लींक्लूंक्लैंक्लौंमन्त्ररूपिण्यै
कांकींकूंकैंस्वरूपायै
कःफट्मन्त्रस्वरूपिण्यै ९३०
केतकीभूषणानन्दायै
केतकीभरणान्वितायै
कैकदायै
केशिन्यै
केशिसूदनतत्परायै
केशरूपायै
केशमुक्तायै
कैकेय्यै
कौशिक्यै
कैरवायै ९४०
कैरवाह्लादायै
केशरायै
केतुरूपिण्यै
केशवाराध्यहृदयायै
केशवासक्तमानसायै
क्लैब्यविनाशिन्यै क्लैं
क्लैंबीजजपतोषितायै

कौशल्यायै
कोशलाक्ष्यै
कोशायै ९५०
कोमलायै
कोलापुरनिवासायै
कोलासुरविनाशिन्यै
कोटिरूपायै
कोटिरतायै
क्रोधिन्यै
क्रोधरूपिण्यै
केकायै
कोकिलायै
कोट्यै ९६०
कोटिमन्त्रपरायणायै
कोट्यनन्तमन्त्रयुतायै
कैरूपायै
केरलाश्रयायै
केरलाचारनिपुणायै
केरलेन्द्रगृहस्थितायै
केदाराश्रमसंस्थायै
केदारेश्वरपूजितायै
क्रोधरूपायै
क्रोधपदायै ९७०
क्रोधमात्रे
कौशिक्यै
कोदण्डधारिण्यै
क्रौञ्चायै
कौशल्यायै
कौलमार्गगायै
कौलिन्यै
कौलिकाराध्यायै
कौलिकागारवासिन्यै
कौतुक्यै ९८०
कौमुद्यै
कौलायै
कुमार्यै
कौरवार्चितायै
कौण्डिन्यायै
कौशिक्यै
क्रोधज्वालाभासुररूपिण्यै
कोटिकालानलज्वालायै
कोटिमार्तण्डविग्रहायै
कृत्तिकायै ९९०
कृष्णवर्णायै
कृष्णायै
कृत्यायै
क्रियातुरायै
कृशाङ्ग्यै
कृतकृत्यायै
क्रः फट्स्वाहास्वरूपिण्यै
क्रौंक्रौंहूंफट्मन्त्रवर्णायै
क्रींह्रींहूंफट्नमस्स्वधायै
क्रींक्रींह्रींह्रींहूँहूँफट्स्वाहामन्त्ररूपिण्यै
१०००

श्रीकालीसहस्रनामावलिः

श्मशानकालिकायै नमः
काल्यै
भद्रकाल्यै
कपालिन्यै
गुह्यकाल्यै
महाकाल्यै
कुरुकुल्लायै
अविरोधिन्यै
कालिकायै
कालरात्र्यै १०
महाकालनितम्बिन्यै
कालभैरवभार्यायै
कुलवर्त्मप्रकाशिन्यै
कामदायै
कामिन्यै
काम्यायै
कमनीयसुभाविन्यै
कस्तूरीरसनीलाङ्ग्यै
कुञ्जरेश्वरगामिन्यै
ककारवर्णसर्वाङ्ग्यै २०
कामिन्यै
कामसुन्दर्यै
कामातर्यि
कामरूपायै
कामधेनवे
कलावत्यै
कान्तायै
कामस्वरूपायै
कामाख्यायै
कुलपालिन्यै ३०
कुलीनायै
कुलवत्यै
अम्बायै
दुर्गायै
दुर्गार्तिनाशिन्यै
कौमार्यै
कुलजायै
कृष्णाकृष्णदेहायै
कृशोदर्यै
कृशांग्यै ४०
कुलिशांग्यै
क्रींकार्यै
कमलायै
कलायै
करालास्यायै
कराल्यै
कुलकान्तायै
अपराजितायै

उग्रायै
उग्रप्रभायै ५०
दीप्तायै
विप्रचित्तायै
महाबलायै
नीलायै
घनायै
बलाकायै
मात्रामुद्रापितायै
असितायै
ब्राह्म्यै
नारायण्यै ६०
भद्रायै
सुभद्रायै
भक्तवत्सलायै
माहेश्वर्यै
चामुण्डायै
वाराह्यै
नारसिंहिकायै
वज्रांग्यै
वज्रकङ्काल्यै
नृमुण्डस्रग्विण्यै ७०
शिवायै
मालिन्यै
नरमुण्डाल्यै
गलद्रक्तविभूषणायै
रक्तचन्दनसिक्तांग्यै
सिन्दूरारुणमस्तकायै
घोररूपायै
घोरदंष्ट्रायै
घोराघोरतरायै
शुभायै ८०
महादंष्ट्रायै
महामायायै
सुदत्यै
युगदन्तुरायै
सुलोचनायै
विरूपाक्ष्यै
विशालाक्ष्यै
त्रिलोचनायै
शारदेंदुप्रसन्नायै
स्फुरत्स्मेराम्बुजेक्षणायै ९०
अट्टहासायै
प्रसन्नास्यायै
स्मेरवक्त्रायै
सुभाषिण्यै
प्रसन्नपद्मवदनायै
स्मितास्यायै
प्रियभाषिण्यै
कोटराक्ष्यै
कुलश्रेष्ठायै
महत्यै १००
बहुभाषिण्यै
सुमत्यै

कुमत्यै
चण्डायै
चण्डमुण्डायै
अतिवेगिन्यै
प्रचण्डायै
चण्डिकायै
चण्ड्यै
चर्चिकायै १९०
चण्डवेगिन्यै
सुकेश्यै
मुक्तकेश्यै
दीर्घकेश्यै
महत्कचायै
प्रेतदेहाकर्णपूरायै
प्रेतपाणीसुमेखलायै
प्रेतासनायै
प्रियप्रेतायै
प्रेतभूमिकृतालयायै १२०
श्मशानवासिन्यै
पुण्यायै
पुण्यदायै
कुलपण्डितायै
पुण्यालयायै
पुण्यदेहायै
पुण्यश्लोक्यै
पावन्यै
पुत्रायै
पवित्रायै १३०
परमायै
पुरायै
पुण्यविभूषणायै
पुण्यनाम्न्यै
भीतिहरायै
वरदायै
खड्गपाणिन्यै
नृमुण्डहस्तशस्तायै
छिन्नमस्तायै
सुनासिकायै १४०
दक्षिणायै
श्यामलायै
श्यामायै
शान्तायै
पीनोन्नतस्तन्यै
दिगम्बरायै
घोररावायै
सृक्कान्तायै
रक्तवाहिन्यै
घोररावायै १५०
शिवायै
खड्गायै
विशङ्कायै
मदनातुरायै
मत्तायै
प्रमत्तायै

प्रमदायै
सुधासिन्धुनिवासिन्यै
अतिमत्तायै
महामत्तायै १६०
सर्वाकर्षणकारिण्यै
गीतप्रियायै
वाद्यरतायै
प्रेतनृत्यपरायणायै
चतुर्भुजायै
दशभुजायै
अष्टादशभुजायै
कात्यायन्यै
जगन्मात्रे
जगत्यै १७०
परमेश्वर्यै
जगद्बन्धवे
जगद्धात्र्यै
जगदानन्दकारिण्यै
जगन्मय्यै
हैमवत्यै
महामायायै
महामहायै
नागयज्ञोपवीताङ्ग्यै
नागिन्यै १८०
नागशायिन्यै
नागकन्यायै
देवकन्यायै
गन्धर्व्यै
किन्नरेश्वर्यै
मोहरात्र्यै
महारात्र्यै
दारुणायै
भासुराम्बरायै
विद्याधर्यै १९०
वसुमत्यै
यक्षिण्यै
योगिन्यै
जरायै
राक्षस्यै
डाकिन्यै
वेदमय्यै
वेदविभूषणायै
श्रुत्यै
स्मृत्यै २००
महाविद्यायै
गुह्यविद्यायै
पुरातन्यै
चिन्त्यायै
अचिन्त्यायै
सुधायै
स्वाहायै
निद्रायै
तन्द्रायै
पार्वत्यै २१०

अपर्णायै
निश्चलायै
लोलायै
सर्वविद्यायै
तपस्विन्यै
गङ्गायै
काश्यै
शच्यै
सीतायै
सत्यै २२०
सत्यपरायणायै
नीत्यै
सुनीत्यै
सुरुच्यै
तुष्ट्यै
पुष्ट्यै
धृत्यै
क्षमायै
वाण्यै
बुद्ध्यै २३०
महालक्ष्म्यै
लक्ष्म्यै
नीलसरस्वत्यै
स्रोतस्वत्यै
सरस्वत्यै
मातङ्ग्यै
विजयायै
जयायै
नद्यै
सिन्धवे २४०
सर्वमय्यै
तारायै
शून्यनिवासिन्यै
शुद्धायै
तरङ्गिण्यै
मेधायै
लाकिन्यै
बहुरूपिण्यै
स्थूलायै
सूक्ष्मायै २५०
सूक्ष्मतरायै
भगवत्यै
अनुरूपिण्यै
परमाणुस्वरूपायै
चिदानन्दस्वरूपिण्यै
सदानन्दमय्यै
सत्यायै
सर्वानन्दस्वरूपिण्यै
सुनन्दायै
नन्दिन्यै २६०
स्तुत्यायै
स्तवनीयस्वभाविन्यै
रङ्गिण्यै
टङ्किन्यै

चित्रायै
विचित्रायै
चित्ररूपिण्यै
पद्मायै
पद्मालयायै
पद्ममुख्यै २७०
पद्मविभूषणायै
डाकिन्यै
शाकिन्यै
क्षान्तायै
राकिण्यै
रुधिरप्रियायै
भ्रान्त्यै
भवान्यै
रुद्राण्यै
मृडान्यै २८०
शत्रुमर्दिन्यै
उपेन्द्राण्यै
महेन्द्राण्यै
ज्योत्स्नायै
चंद्रस्वरूपिण्यै
सूर्यात्मिकायै
रुद्रपत्न्यै
रौद्र्यै
स्त्रियै
प्रकृत्यै २९०
पुंसे

शक्त्यै
मुक्त्यै
मत्यै
मात्रे
भक्त्यै
मुक्त्यै
पतिव्रतायै
सर्वेश्वर्यै
सर्वमात्रे ३००
शर्वाण्यै
हरवल्लभायै
सर्वज्ञायै
सिद्धिदायै
सिद्धायै
भव्याभव्यायै
भयापहायै
कर्त्र्यै
हर्त्र्यै
पालयित्र्यै ३१०
शर्वर्यै
तामस्यै
दयायै
तमिस्रातामस्यै
स्थास्नवे
स्थिरायै
धीरायै
तपस्विन्यै

चार्वंग्यै
चंचलायै ३२०
लोलजिह्वायै
चारुचरित्रिण्यै
त्रपायै
त्रपावत्यै
लज्जायै
विलज्जायै
हरयौवत्यै
सत्यवत्यै
धर्मनिष्ठायै
श्रेष्ठायै ३३०
निष्ठुरवादिन्यै
गरिष्ठायै
दुष्टसंहन्त्र्यै
विशिष्टायै
श्रेयस्यै
घृणायै
भीमायै
भयानकायै
भीमनादिन्यै
भिये ३४०
प्रभावत्यै
वागीश्वर्यै
श्रियै
यमुनायै
यज्ञकर्त्र्यै
यजुःप्रियायै
ऋक्सामाथर्वनिलयायै
रागिण्यै
शोभनायै
सुरायै ३५०
कलकण्ठ्यै
कंबुकंठ्यै
वेणुवीणापरायणायै
वंशिन्यै
वैष्णव्यै
स्वच्छायै
धात्र्यै
त्रिजगदीश्वर्यै
मधुमत्यै
कुंडलिन्यै ३६०
ऋद्ध्यै
शुद्ध्यै
शुचिस्मितायै
रंभोर्वशीरतीरामायै
रोहिण्यै
रेवत्यै
मघायै
शंखिन्यै
चक्रिण्यै
कृष्णायै ३७०
गदिन्यै
पद्मिन्यै

शूलिन्यै
परिघास्त्रायै
पाशिन्यै
शार्ङ्गपाणिन्यै
पिनाकधारिण्यै
धूम्रायै
सुरभ्यै
वनमालिन्यै ३८०
रथिन्यै
समरप्रीतायै
वेगिन्यै
रणपंडितायै
जटिन्यै
वज्रिण्यै
नीललावण्यांबुधिचंद्रिकायै
बलिप्रियायै
सदापूज्यायै
दैत्येंद्रमथिन्यै ३९०
महिषासुरसंहर्त्र्यै
कामिन्यै
रक्तदंतिकायै
रक्तपायै
रुधिराक्तांग्यै
रक्तखर्परधारिण्यै
रक्तप्रियायै
मांसरुच्यै
वासवासक्तमानसायै
गलच्छोणितमुंडाल्यै ४००
कण्ठमालाविभूषणायै
शवासनायै
चितांतस्स्थायै
माहेश्यै
वृषवाहिन्यै
व्याघ्रत्वगम्बरायै
चीनचैलिन्यै
सिंहवाहिन्यै
वामदेव्यै
महादेव्यै ४१०
गौर्यै
सर्वज्ञभामिन्यै
बालिकायै
तरुण्यै
वृद्धायै
वृद्धमात्रे
जरातुरायै
सुभ्रुवे
विलासिन्यै
ब्रह्मवादिन्यै ४२०
ब्राह्मण्यै
सत्यै
सुप्तवत्यै
चित्रलेखायै
लोपामुद्रायै
सुरेश्वर्यै

अमोघायै
अरुंधत्यै
तीक्ष्णायै
भोगवत्यै ४३०
अनुरागिण्यै
मंदाकिन्यै
मंदहासायै
ज्वालामुख्यै
असुरांतकायै
मानदायै
मानिनीमान्यायै
माननीयायै
मदातुरायै
मदिरायै ४४०
मेदुरायै
उन्मादायै
मेध्यायै
साध्यायै
प्रसादिन्यै
सुमध्यायै
अनन्तगुणिन्यै
सर्वलोकोत्तमोत्तमायै
जयदायै
जित्वरायै (४५०)
जैत्र्यै
जयश्रियै
जयशालिन्यै
सुखदायै
शुभदायै
सत्यायै
सरल्यै
संक्षोभकारिण्यै
शिवदूत्यै
भूतिमत्यै ४६०
विभूत्यै
भूषणाननायै
कौमार्यै
कुलजायै
कुन्त्यै
कुलस्त्रीकुलपालिकायै
कीर्त्यै
यशस्विन्यै
भूषायै
भूष्ठायै ४७०
भूतपतिप्रियायै
सुगुणायै
निर्गुणायै
अधिष्ठायै
निष्ठायै
काष्ठायै
प्रकाशिन्यै
धनिष्ठायै
धनदायै
धन्यायै (४८०)

वसुधायै
सुप्रकाशिन्यै
उर्वीगुर्व्यै
गुरुश्रेष्ठायै
षड्गुणायै
त्रिगुणात्मिकायै
राज्ञामाज्ञायै
महाप्राज्ञायै
सुगुणायै
निर्गुणात्मिकायै (४९०)
महाकुलीनायै
निष्कामायै
सकामायै
कामजीवनायै
कामदेवकलायै
रामायै
अभिरामायै
शिवनर्तक्यै
चिन्तामण्यै
कल्पलतायै ५००
जाग्रत्यै
दीनवत्सलायै
कार्तिक्यै
कृत्तिकायै
कृत्यायै
अयोध्यायै
विषमायै
समायै
सुमंत्रायै
मंत्रिण्यै ५१०
घूर्णायै
ह्लादिन्यै
क्लेशनाशिन्यै
त्रैलोक्यजनन्यै
हृष्टायै
निर्मांसामलरूपिण्यै
तडागनिम्नजठरायै
शुष्कमांसास्थिमालिन्यै
अवन्त्यै
मधुरायै ५२०
हृद्यायै
त्रैलोक्यपावनक्षमायै
व्यक्ताव्यक्तायै
अनेकमूर्त्यै
शरभ्यै
भीमनादिन्यै
क्षेमंकर्यै
शांकर्यै
सर्वसम्मोहकारिण्यै
ऊर्ध्वतेजस्विन्यै ५३०
क्लिन्नायै
महातेजस्विन्यै
अद्वैतायै
योगिन्यै

पूज्यायै
सुरभ्यै
सर्वमङ्गलायै
सर्वप्रियंकर्यै
भोग्यायै
धनिन्यै ५४०
पिशिताशनायै
भयङ्कर्यै
पापहरायै
निष्कलङ्कायै
वशंकर्यै
आशायै
तृष्णायै
चंद्रकलायै
निद्राणायै
वायुवेगिन्यै ५५०
सहस्रसूर्यसङ्काशायै
चंद्रकोटिसमप्रभायै
निशुंभशुंभसंहर्त्र्यै
रक्तबीजविनाशिन्यै
मधुकैटभसंहर्त्र्यै
महिषासुरघातिन्यै
वह्निमण्डलमध्यस्थायै
सर्वसत्वप्रतिष्ठितायै
सर्वाचारवत्यै
सर्वदेवकन्यातिदेवतायै ५६०
दक्षकन्यायै
दक्षयज्ञनाशिन्यै
दुर्गतारिण्यै
इज्यायै
पूज्यायै
विभायै
भूत्यै
सत्कीर्त्यै
ब्रह्मचारिण्यै
रम्भोर्वै ५७०
चतुरायै
राकायै
जयंत्यै
वरुणायै
कुह्वै
मनस्विन्यै
देवमात्रे
यशस्यायै
ब्रह्मवादिन्यै
सिद्धिदायै ५८०
वृद्धिदायै
वृद्ध्यै
सर्वाद्यायै
सर्वदायिन्यै
आधाररूपिण्यै
ध्येयायै
मूलाधारनिवासिन्यै
आज्ञायै

प्रज्ञायै
पूर्णमनसे ५९०
चंद्रमुख्यै
अनुकूलिन्यै
वावदूकायै
निम्ननाभ्यै
सत्यसन्धायै
दृढव्रतायै
आन्वीक्षिक्यै
दंडनीत्यै
त्रय्यै
त्रिदिवसुंदर्यै ६००
ज्वालिन्यै
ज्वलिन्यै
शैलतनयायै
विंध्यवासिन्यै
प्रत्ययायै
खेचर्यै
धैर्यायै
तुरीयायै
विमलातुरायै
प्रगल्भायै ६१०
वारुण्यै
क्षामायै
दर्शिन्यै
विस्फुलिङ्गिन्यै
भक्त्यै
सिद्ध्यै
सदाप्राप्त्यै
प्रकाम्यायै
महिमायै
अणिमायै ६२०
ईक्षायै
सिद्ध्यै
वशित्वायै
ईशित्वायै
ऊर्ध्वनिवासिन्यै
लघिमायै
सावित्र्यै
गायत्र्यै
भुवनेश्वर्यै
मनोहरायै ६३०
चितायै
दिव्यायै
देव्युदारायै
मनोरमायै
पिङ्गलायै
कपिलायै
जिह्वायै
रसज्ञायै
रसिकायै
रसायै ६४०
सुषुम्नेडायोगवत्यै
गान्धार्यै

नवकान्तकायै
पाञ्चालीरुक्मिणीराधाराध्यायै
भीमायै
राधिकायै
अमृतायै
तुलसीबृन्दायै
कैटभ्यै
कपटेश्वर्यै ६५०
उग्रचण्डेश्वर्यै
वीरजनन्यै
वीरसुन्दर्यै
उग्रतारायै
यशोदाख्यायै
देवक्यै
देवमानितायै
निरञ्जनायै
चित्रदेव्यै
क्रोधिन्यै ६६०
कुलदीपिकायै
कुलरागीश्वर्यै
ज्वालायै
मात्रिकायै
द्राविण्यै
द्रवायै
योगीश्वर्यै
महामार्यै
भ्रामर्यै
बिन्दुरूपिण्यै ६७०
दूत्यै
प्राणेश्वर्यै
गुप्तायै
बहुलायै
डामर्यै
प्रभायै
कुब्जिकायै
ज्ञानिन्यै
ज्येष्ठायै
भुशुण्ड्यै ६८०
प्रकटाकृत्यै
द्राविण्यै
गोपिन्यै
मायाकामबीजेश्वर्यै
प्रियायै
शाकम्भर्यै
कोकनदायै
सुसत्यायै
तिलोत्तमायै
अमेयायै ६९०
विक्रमायै
क्रूरायै
सम्यक्छीलायै
त्रिविक्रमायै
स्वस्त्यै
हव्यवहायै

प्रीतिरुक्मायै
धूम्रार्चिरङ्गदायै
तपिन्यै
तापिन्यै ७००
विश्वभोगदायै
धरणीधरायै
त्रिखण्डायै
रोधिन्यै
वश्यायै
सकलायै
शब्दरूपिण्यै
बीजरूपायै
महामुद्रायै
वशिन्यै ७१०
योगरूपिण्यै
अनङ्गकुसुमायै
अनङ्गमेखलायै
अनङ्गरूपिण्यै
अनङ्गमदनायै
अनङ्गरेखायै
अनङ्गांकुशेश्वर्यै
अनङ्गमालिन्यै
कामेश्वर्यै
सर्वार्थसाधिकायै ७२०
सर्वतन्त्रमय्यै
सर्वमोदिन्यै
आनन्दरूपिण्यै
वज्रेश्वर्यै
जयिन्यै
सर्वदुःखक्षयङ्कर्यै
षडङ्गयुवत्यै
योगयुक्तायै
ज्वालांशुमालिन्यै
दुराशयायै ७३०
दुराधारायै
दुर्जयायै
दुर्गरूपिण्यै
दुरन्तायै
दुष्कृतिहरायै
दुर्ध्येयायै
दुरतिक्रमायै
हंसेश्वर्यै
त्रिलोकस्थायै
शाकम्भर्यै ७४०
अनुरागिण्यै
त्रिकोणनिलयायै
नित्यायै
परमामृतरञ्जितायै
महाविद्येश्वर्यै
श्वेतायै
भेरुण्डायै
कुलसुन्दर्यै
त्वरितायै
भक्तिसंयुक्तायै ७५०

भक्तिवश्यायै
सनातन्यै
भक्तानन्दमय्यै
भक्तभावितायै
भक्तशङ्कर्यै
सर्वसौन्दर्यनिलयायै
सर्वसौभाग्यशलिन्यै
सर्वसम्भोगभवनायै
सर्वसौख्यानुरूपिण्यै
कुमारीपूजनरतायै ७६०
कुमारीव्रतचारिण्यै
कुमारीभक्तिसुखिन्यै
कुमारीरूपधारिण्यै
कुमारीपूजकप्रीतायै
कुमारीप्रीतिदप्रियायै
कुमारीसेवकासङ्गायै
कुमारीसेवकालयायै
आनन्दभैरव्यै
बालभैरव्यै
वटुभैरव्यै ७७०
श्मशानभैरव्यै
कालभैरव्यै
पुरभैरव्यै
महाभैरवपत्न्यै
परमानन्दभैरव्यै
सुरानन्दभैरव्यै
उन्मदानन्दभैरव्यै
यज्ञानन्दभैरव्यै
तरुणभैरव्यै
ज्ञानानन्दभैरव्यै ७८०
अमृतानन्दभैरव्यै
महाभयङ्कर्यै
तीव्रायै
तीव्रवेगायै
तरस्विन्यै
त्रिपुरा परमेशान्यै
सुन्दर्यै
पुरसुंदर्यै
त्रिपुरेश्यै
पञ्चदश्यै ७९०
पञ्चम्यै
पुरवासिन्यै
महासप्तदश्यै
षोडश्यै
त्रिपुरेश्वर्यै
महाङ्कुशस्वरूपायै
महाचक्रेश्वर्यै
नवचक्रेश्वर्यै
चक्रेश्वर्यै
त्रिपुरमालिन्यै ८००
राजचक्रेश्वर्यै
राज्ञ्यै
महात्रिपुरसुंदर्यै
सिंदूरपूररुचिरायै

श्रीमत्त्रिपुरसुंदर्यै
सर्वाङ्गसुंदर्यै
रक्तारक्तवस्त्रोत्तरीयकायै
यवायावकसिंदूररक्तचंदनधारिण्यै
यवायावक सिन्दूर रक्तचन्दन रूपधृषे
चमरीवालकुटिलायै ८१०
निर्मलश्यामकेशिन्यै
वज्रमौक्तिकरत्नाढ्यायै
किरीटकुण्डलोज्ज्वलायै
रत्नकुण्डलसंयुक्तायै
स्पुरद्गण्डमनोरमायै
कुञ्जरेश्वरकुंभोत्थमुक्तारञ्जित नासिकायै
मुक्ताविद्रुममाणिक्य हाराढ्य स्तनमण्डलायै
सूर्यकान्तेंदुकान्ताढ्यायै
स्पर्शाश्मगलभूषणायै
बीजपूरस्फुरद्बीजदन्तपंक्तये ८२०
अनुत्तमायै
कामकोदण्डकाभग्नभ्रूकटाक्ष प्रवर्षिण्यै
मातङ्गकुंभवक्षोजायै
लसत्कनकदक्षिणायै
मनोज्ञशष्कुलीकर्णायै
हंसीगतिविडंबिन्यै
पद्मरागाङ्गदद्योतद्दोश्चतुष्क-
प्रकाशिन्यै
कर्पूरागरुकस्तूरीकुङ्कुमद्रव कलेपितायै
विचित्ररत्नपृथिवी कल्पशाखि-तलस्थितायै
रत्नद्वीपस्फुरद्रत्नसिंहासन निवासिन्यै ८३०
षट्चक्रभेदनकर्यै
परमानन्दरूपिण्यै
सहस्रदलपद्मांतायै
चन्द्रमण्डलवर्तिन्यै
ब्रह्मरूपायै
शिवक्रोडायै
नानासुखविलासिन्यै
हरविष्णुविरिंचीन्द्रग्रहनायक सेवितायै
शिवायै
शैवायै ८४०
रुद्राण्यै
शिवनादिन्यै
महादेवप्रियायै
देव्यै
अनङ्गमेखलायै
डाकिन्यै
योगिन्यै
उपयोगिन्यै
मतायै

माहेश्वर्यै ८५०
वैष्णव्यै
भ्रामर्यै
शिवरूपिण्यै
अलम्बुसायै
भोगवत्यै
क्रोधरूपायै
सुमेखलायै
गान्धार्यै
हस्तिजिह्वायै
इडायै ८६०
शुभङ्कर्यै
पिङ्गलायै
दक्षसूत्र्यै
सुषुम्नायै
गन्धिन्यै
भगात्मिकायै
भगाधारायै
भगेश्यै
भगरूपिण्यै
लिङ्गाख्यायै ८७०
कामेश्यै
त्रिपुरायै भैरव्यै
लिङ्गगीत्यै
सुगीत्यै
लिङ्गस्थायै
लिङ्गरूपधृषे
लिङ्गमालायै
लिङ्गभवायै
लिङ्गलिङ्गायै
पावक्यै ८८०
भगवत्यै
कौशिक्यै
प्रेमरूपायै
प्रियंवदायै
गृध्ररूप्यै
शिवारूपायै
चक्रेश्यै
चक्ररूपधृषे
आत्मयोन्यै
ब्रह्मयोन्यै ८९०
जगद्योन्यै
अयोनिजायै
भगरूपायै
भगस्थात्र्यै
भगिन्यै
भगमालिन्यै
भगात्मिकायै
भगाधाररूपिण्यै
भगशालिन्यै
लिङ्गाभिधायिन्यै ९००
लिङ्गप्रियायै
लिङ्गनिवासिन्यै
लिङ्गस्थायै

लिङ्गिन्यै
लिङ्गरूपिण्यै
लिङ्गसुन्दर्यै
लिङ्गगीत्यै
महाप्रीत्यै
भगगीत्यै
महासुखायै ९१०
लिङ्गनामसदानन्दायै
भगनामसदारत्यै
भगनामसदानन्दायै
लिङ्गनामसदारत्यै
लिङ्गमालाकराभूषायै
भगमालाविभूषणायै
भगलिङ्गामृतवृतायै
भगलिङ्गामृतात्मिकायै
भगलिङ्गार्चनप्रीतायै
भगलिङ्गस्वरूपिण्यै ९१०
भगलिङ्गस्वरूपायै
भगलिङ्गसुखावहायै
स्वयम्भूकुसुमप्रीतायै
स्वयम्भूकुसुमार्चितायै
स्वयम्भूकुसुमप्राणायै
स्वयम्भूकुसुमोत्थितायै
स्वयम्भूकुसुमस्नातायै
स्वयम्भू पुष्पतर्पितायै
स्वयम्भू पुष्पघटितायै
स्वयम्भू पुष्पधारिण्यै ९३०

स्वयम्भू पुष्पतिलकायै
स्वयम्भू पुष्पचर्चितायै
स्वयम्भू पुष्पनिरतायै
स्वयम्भू कुसुमाग्रहायै
स्वयम्भू पुष्पयज्ञेशायै
स्वयम्भू कुसुममालिकायै
स्वयम्भू पुष्पनिचितायै
स्वयम्भू कुसुमप्रियायै
स्वयम्भूकुसुमादानलालसोन्मत्त
मानसायै
स्वयम्भू कुसुमानन्दलहरी
स्निग्धदेहिन्यै ९४०
स्वयम्भू कुसुमाधारायै
स्वयम्भू कुसुमाकुलायै
स्वयम्भू पुष्पनिलयायै
स्वयम्भू पुष्पवासिन्यै
स्वयम्भू कुसुमस्निग्धायै
स्वयंभू कुसुमात्मिकायै
स्वयम्भू भूपुष्पकरिण्यै
स्वयम्भू पुष्पमालिकायै
स्वयम्भू कुसुमन्यासायै
स्वयम्भू कुसुमप्रभायै ९५०
स्वयम्भू कुसुमज्ञानायै
स्वयम्भू पुष्पभोगिन्यै
स्वयम्भू कुसुमोल्लासायै
स्वयम्भू पुष्पवर्षिण्यै
स्वयम्भू कुसुमानन्दायै

स्वयम्भू पुष्पपुष्पिण्यै
स्वयम्भू कुसुमोत्साहायै
स्वयम्भू पुष्परूपिण्यै
स्वयम्भू कुसुमोन्मादायै
स्वयम्भू पुष्पसुन्दर्यै ९६०
स्वयम्भू कुसुमाराध्यायै
स्वयम्भू कुसुमोद्भवायै
स्वयम्भू कुसुमव्यग्रायै
स्वयम्भू पुष्पपूजितायै
स्वयम्भूपूजकप्राज्ञायै
स्वयम्भूहोतृमात्रिकायै
स्वयम्भूदातृरक्षित्र्यै
स्वयम्भू भक्तभाविकायै
स्वयम्भू कुसुमप्रीतायै
स्वयम्भू पूजकप्रियायै ९७०
स्वयम्भू वन्दकाधारायै
स्वयम्भू निन्दकान्तकायै
स्वयम्भूप्रदसर्वस्वायै
स्वयम्भूप्रदपुत्रिण्यै
स्वयम्भूप्रदसस्मेरायै
स्वयम्भूतशरीरिण्यै
सर्वलोकोद्भवप्रीतायै
सर्वलोकोद्भवात्मिकायै
सर्वकालोद्भवोद्भावायै
सर्वकालोद्भवोद्भवायै ९८०
कुण्डपुष्पसमप्रीत्यै
कुण्डपुष्पसमारत्यै
कुण्डगोलोद्भवप्रीतायै
कुण्डगोलोद्भवात्मिकायै
स्वयम्भुवे
शिवायै
शक्तायै
पावन्यै
लोकपावन्यै
कीर्त्यै ९९०
यशस्विन्यै
मेधायै
विमेधायै
सुरसुन्दर्यै
अश्विन्यै
कृत्तिकायै
पुष्यायै
तेजस्वि चन्द्रमण्डलायै
सूक्ष्मासूक्ष्मप्रदायै
सूक्ष्मासूक्ष्मभयविनाशिन्यै १०००
वरदायै
अभयदायै
मुक्तिबन्धविनाशिन्यै
कामुक्यै
कामदायै
क्षांतायै
कामाख्यायै
कुलसुन्दर्यै
सुखदायै

दुःस्वदायै १०१०
मोक्षायै
मोक्षदार्थप्रकाशिन्यै
दुष्टादुष्टमत्यै
सर्वकार्यविनाशिन्यै
शुक्राधारायै
शुक्ररूपायै
शुक्रसिन्धुनिवासिन्यै
शुक्रालयायै
शुक्रभोगायै
शुक्रपूजासदारत्यै १०२०
शुक्रपूज्यायै
शुक्रहोमसंतुष्टायै
शुक्रवत्सलायै
शुक्रमूर्त्यै
शुक्रदेहायै
शुक्रपूजकपुत्रिण्यै
शुक्रस्थायै
शुक्रिण्यै
शुक्रसंस्कृतायै
शुक्रसुन्दर्यै १०३०
शुक्रस्नातायै
शुक्रकर्यै
शुक्रसेव्यायै
अतिशुक्रिण्यै
महाशुक्रायै
शुक्रभवायै
शुक्रवृष्टिविधायिन्यै
शुक्राभिधेयायै
शुक्रार्हायै
शुक्रवन्दकवन्दितायै १०४०
शुक्रानंदकर्यै
शुक्रसदानन्दविधायिन्यै
शुक्रोत्साहायै
सदाशुक्रपूर्णायै
शुक्रमनोरमायै
शुक्रपूजकसर्वस्वायै
शुक्रनिन्दकनाशिन्यै
शुक्रात्मिकायै
शुक्रसम्पदे
शुक्राकर्षणकारिण्यै १०५०
रक्ताशयायै
रक्तभोगायै
रक्तपूजासदारत्यै
रक्तपूज्यायै
रक्तहोमायै
रक्तस्थायै
रक्तवत्सलायै
रक्तपूर्णारक्तदेहायै
रक्तपूजकपुत्रिण्यै
रक्ताख्यायै १०६०
रक्तिन्यै
रक्तसंस्कृतायै
रक्तसुन्दर्यै

रक्ताभिदेहायै
रक्ताहार्यै
रक्तवन्दकवन्दितायै
महारक्तायै
रक्तभवायै
रक्तवृष्टिविधायिन्यै
रक्तस्नातायै १०७०
रक्तप्रीतायै
रक्तसेव्यातिरक्तिन्यै
रक्तानन्दकर्यै
रक्तसदानन्दविधायिन्यै
रक्तारक्तायै
रक्तपूर्णायै
रक्तसव्येक्षणीरमायै
रक्तसेवकसर्वस्वायै
रक्तनिन्दकनाशिन्यै
रक्तात्मिकायै १०८०
रक्तरूपायै
रक्ताकर्षणकारिण्यै
रक्तोत्साहायै
रक्तव्यग्रायै
रक्तपानपरायणायै
शोणितानन्दजनन्यै
कल्लोलस्निग्धरूपिण्यै
साधकान्तर्गतायै
देव्यै
पार्वत्यै १०९०
पापनाशिन्यै
साधूनां हृदि संस्थात्र्यै
साधकानन्दकारिण्यै
साधकानां जनन्यै
साधकप्रियकारिण्यै
साधकप्रचुरानन्दसंपत्ति सुखदायिन्यै
साधकासाधकप्राणायै
साधकासक्तमानसायै
साधकोत्तमसर्वस्वायै
साधकायै ११००
भक्तरक्तपायै
साधकानन्दसन्तोषायै
साधकारिविनाशिन्यै
आत्मविद्यायै
ब्रह्मविद्यायै
परब्रह्मकुटुम्बिन्यै
त्रिकूटस्थायै
पञ्चकूटायै
सर्वकूटशरीरिण्यै
सर्ववर्णमय्यै
वर्णजपमालाविधायिन्यै ११११

श्रीताराष्टोत्तरशतनामावलिः

तारण्यै नमः
तरलायै
तन्व्यै
तारायै
तरुणवल्ल्यै
तीररूपायै
तर्यै
श्यामायै
तनुक्षीणपयोधरायै
तुरीयायै १०
तरलायै
तीव्रगमनायै
नीलवाहिन्यै
उग्रतारायै
जयायै
चण्ड्यै
श्रीमदेकजटाशिरसे
तरुण्यै
शांभव्यै
छिन्नभालायै २०
भद्रतारिण्यै
उग्रायै
उग्रप्रभायै
नीलायै
कृष्णायै
नीलसरस्वत्यै
द्वितीयायै
शोभनायै
नित्यायै
नवीनायै ३०
नित्यनूतनायै
चण्डिकायै
विजयाराध्यायै
देव्यै
गगनवाहिन्यै
अट्टहास्यायै
करालास्यायै
चरास्यायै
दितिपूजितायै
सगुणायै ४०
सगुणाराध्यायै
हरीन्द्रदेवपूजितायै
रक्तप्रियायै
रक्ताक्ष्यै
रुधिरास्यविभूषितायै
बलिप्रियायै
बलिरतायै
दुर्गायै
बलवत्यै
बलायै ५०
बलप्रियायै
बलरतायै
बलरामप्रपूजितायै
अर्धकेशेश्वर्यै

केशायै
केशवासविभूषितायै
पद्ममालायै
पद्माक्ष्यै
कामाख्यायै
गिरिनन्दिन्यै ६०
दक्षिणायै
दक्षायै
दक्षजायै
दक्षिणे रतायै
वज्रपुष्पप्रियायै
रक्तप्रियायै
कुसुमभूषितायै
माहेश्वर्यै
महादेवप्रियायै
पञ्चविभूषितायै ७०
इडायै
पिङ्गलायै
सुषुम्नायै
प्राणरूपिण्यै
गान्धार्यै
पञ्चम्यै
पञ्चाननादिपरिपूजितायै
तथ्यविद्यायै
तथ्यरूपायै
तथ्यमार्गानुसारिण्यै ८०
तत्वप्रियायै
तत्वरूपायै
तत्वज्ञानात्मिकायै
अनघायै
ताण्डवाचारसन्तुष्टायै
ताण्डवप्रियकारिण्यै
तालदानरतायै
क्रूरतापिन्यै
तरणिप्रभायै
त्रपायुक्तायै ९०
त्रपामुक्तायै
तर्पितायै
तृप्तिकारिण्यै
तारुण्यभावसन्तुष्टायै
शक्त्यै
भक्तानुरागिण्यै
शिवासक्तायै
शिवरत्यै
शिवभक्तिपरायणायै
ताम्रद्युतये १००
ताम्ररागायै
ताम्रपत्रप्रभोजिन्यै
बलभद्रप्रेमरतायै
बलिभुजे
बलिकल्पिन्यै
रामरूपायै
रामशक्त्यै
रामरूपानुकारिण्यै १०८

श्री तारासहस्रनामावलिः (तकारादिः) (१)

तारायै नमः
तारादिपञ्चाणार्यै
तारान्यावेदवीर्यजायै
तारायै
तारहितावर्णायै
ताराद्यायै
ताररूपिण्यै
तारारात्रिसमुत्पन्नायै
तारारात्रिवरोद्यतायै
तारारात्रि जपासक्तायै १०
तारारात्रि स्वरूपिण्यै
ताराराज्ञीस्वसन्तुष्टायै
ताराराज्ञीवरप्रदायै
ताराराज्ञीस्वरूपायै
ताराराज्ञीप्रसिद्धिदायै
ताराहृत्पङ्कजागारायै
ताराहृत्पङ्कजापरायै
ताराहृत्पङ्कजाधारायै
ताराहृत्पङ्कजायै
तारेश्वर्यै २०
ताराभायै
तारागणस्वरूपिण्यै
तारागणसमाकीर्णायै
तारागणनिषेवितायै
तारायै
तारान्वितायै
तारारत्नान्वितविभूषणायै
तारागणरणासन्नायै
ताराकृत्यप्रपूजितायै
तारागणकृताहारायै ३०
तारागणकृताश्रयायै
तारागणकृतागारायै
तारागणनतत्परायै
तारागुणगणाकीर्णायै
तारागुणगणप्रदायै
तारागुणगणासक्तायै
तारागुणगणालयायै
तारेश्वर्यै
तारपूज्यायै
ताराजप्यायै ४०
तारणायै
तारमुख्यायै
ताराख्यायै
तारदक्षायै
तारिण्यै
तारागम्यायै
तारस्थायै
तारामृततरङ्गिण्यै
तारभव्यायै
तारार्णायै ५०

तारहव्यायै
तारिण्यै
तारकायै
तारकान्तस्थायै
तारकाराशिभूषणायै
तारकाहारशोभाढ्यायै
तारकावेष्टिताङ्गणायै
तारकाहंसकाकीर्णायै
तारकाकृतभूषणायै
तारकाङ्गदशोभाङ्ग्यै ६०
तारकाश्रितकङ्कणायै
तारकाश्चितकाञ्च्यै
तारकान्वितभक्षणायै
तारकाचित्रवसनायै
तारकासनमण्डलायै
तारकाकीर्णमकुटायै
तारकाश्रितकुण्डलायै
तारकान्विततताटङ्कयुग्म
गण्डस्थलोज्ज्वलायै
तारकाश्रितपादाब्जायै
तारकावरदायिकायै ७०
तारकादत्तहृदयायै
तारकाश्चित सायकायै
तारकान्यासकुशलायै
तारकान्यासविग्रहायै
तारकान्याससन्तुष्टायै
तारकान्याससिद्धिदायै

तारकान्यासनिलयायै
तारकान्यासपूजितायै
तारकान्यास संहृष्टायै
तारकान्याससिद्धिदायै ८०
तारकान्याससंमग्नायै
तारकान्यासवासिन्यै
तारकान्याससंपूर्णमन्त्र
सिद्धिविधायिन्यै
तारकोपासकप्राणायै
तारकोपासकप्रियायै
तारकोपासकासाध्यायै
तारकोपासकेष्टदायै
तारकोपासकासक्तायै
तारकोपासकार्थिन्यै
तारकोपासकाराध्यायै ९०
तारकोपासकाश्रयायै
तारकासुरसंतुष्टायै
तारकासुरपूजितायै
तारकासुरनिर्माणकर्त्र्यै
तारकवन्दितायै
तारकासुरसंमान्यायै
तारकासुरमानदायै
तारकासुरसंसिद्धायै
तारकासुरदेवतायै
तारकासुरदेहस्थायै १००
तारकासुरस्वर्गदायै
तारकासुरसंसृष्टायै

तारकासुरगर्वदायै
तारकासुरसंहन्त्र्यै
तारकासुरमर्दिन्यै
तारकासुरसंग्रामनर्तक्यै
तारकापहायै
तारकासुरसंग्रामकारिण्यै
तारकारिभृते
तारकासुरसङ्ग्रामकबन्ध
बृन्दवन्दितायै११०
तारकारिप्रसुवे
तारकारिमात्रे
तारिकायै
तारकारिमनोहारिवस्त्र
भूषानुशासिकायै
तारकारिविधात्र्यै
तारकारिनिषेवितायै
तारकारिवचस्तुष्टायै
तारकारिसुशिक्षितायै
तारकारिसुसन्तुष्टायै
तारकारिविभूषितायै १२०
तारकारिकृतोत्संग्यै
तारकारिप्रहर्षदायै
तमःसंपूर्णसर्वाङ्ग्यै
तमोलिप्तकलेवरायै
तमोव्याप्तस्थलासङ्गायै
तमःपटलसन्निभायै
तमोहन्त्र्यै

तमःकर्त्र्यै
तमःसञ्चारकारिण्यै
तमोगात्र्यै १३०
तमोदात्र्यै
तमःपात्र्यै
तमोऽपहायै
तमोराशयै
तमोनाशायै
तमोराशिविनाशिन्यै
तमोराशिकृतध्वंस्यै
तमोराशि भयङ्कर्यै
तमोगुण प्रसन्नास्यायै
तमोगुणसुसिद्धिदायै १४०
तमोगुणोक्तमार्गस्थायै
तमोगुणविराजितायै
तमोगुणस्तुतिपरायै
तमोगुणविवर्धिन्यै
तमोगुणाश्रितपरायै
तमोगुणविनाशिन्यै
तमोगुणक्षयकर्यै
तमोगुणकलेवरायै
तमोगुणध्वंसतुष्टायै
तमःपारेप्रतिष्ठितायै १५०
तमोभवभवप्रीतायै
तमोभवभवप्रियायै
तमोभवभवश्रद्धायै
तमोभंवभवाश्रयायै

तमोभवभवप्राणायै
तभोभवभवार्चितायै
तमोभवभवप्रत्यालीढकुंभ
स्थलस्थितायै
तपस्विबृन्दसन्तुष्टायै
तपस्विबृन्दपुष्टिदायै
तपस्विबृन्दसंस्तुत्यायै १६०
तपस्विबृन्दवन्दितायै
तपस्विबृन्दसंपन्नायै
तपस्विबृन्दहर्षदायै
तपस्विबृन्दसंपूज्यायै
तपस्विबृन्दभूषितायै
तपस्विचित्ततल्पस्थायै
तपस्विचित्तमध्यगायै
तपस्विचित्तचित्ताहर्यै
तपस्विचित्तहारिण्यै
तपस्विकल्पवल्ल्याभायै १७०
तपस्विकल्पपादप्यै
तपस्विकामधेनवे
तपस्विकामपूर्तिदायै
तपस्वित्राणनिरतायै
तपस्विगृहसंस्थितायै
तपस्विगृहराजश्रियै
तपस्विराज्यदायिकायै
तपस्विमानसाराध्यायै
तपस्विमानदायिकायै
तपस्वितापसंहर्त्र्यै १८०

तपस्वितापशान्तिकृते
तपस्विसिद्धिविद्यायै
तपस्विमन्त्रसिद्धिकृते
तपस्वि मन्त्रतन्त्रेश्यै
तपस्विमन्त्ररूपिण्यै
तपस्विमन्त्रनिपुणायै
तपस्विकर्मकारिण्यै
तपस्विकर्मसंभूतायै
तपस्वि कर्मसाक्षिण्यै
तपस्सेव्यायै १९०
तपोभव्यायै
तपोभाव्यायै
तपस्विन्यै
तपोवश्यायै
तपोगम्यायै
तपोगेहनिवासिन्यै
तपोधन्यायै
तपोमान्यायै
तपःकन्यायै
तपोवृतायै २००
तपसे
तथ्यायै
तपोगोप्यायै
तपोजप्यायै
तपोऽनृतायै
तपःसाध्यायै
तपोराध्यायै

तपोवन्द्यायै
तपोमय्यै
तपःसन्ध्यायै २१०
तपोवन्द्यायै
तपःसान्निध्यकारिण्यै
तपोध्येयायै
तपोगेयायै
तपस्तप्तायै
तपोबलायै
तपोलेयायै
तपोदेयायै
तपस्तत्वफलप्रदायै
तपोविघ्नवरघ्न्यै २२०
तपोविघ्नविनाशिन्यै
तपोविघ्नचयध्वंस्यै
तपोविघ्नभयङ्कर्यै
तपोभूमिवरप्राणायै
तपोभूमिपतिस्तुतायै
तपोभूमिपतिध्येयायै
तपोभूमिपतीष्टदायै
तपोवनकुरङ्गस्थायै
तपोवन विनाशिन्यै
तपोवनगति प्रीतायै २३०
तपोवनविहारिण्यै
तपोवनफलासक्तायै
तपोवनफलप्रदायै
तपोवनसुसाध्यायै
तपोवनसुसिद्धिदायै
तपोवनसुसेव्यायै
तपोवननिवासिन्यै
तपोधन सुसंसेव्यायै
तपोधन सुसाधितायै
तपोधनसुसंलीनायै २४०
तपोधनमनोमय्यै
तपोधननमस्कारायै
तपोधनविमुक्तिदायै
तपोधनधनासाध्यायै
तपोधनधनात्मिकायै
तपोधनधनाराध्यायै
तपोधनफलप्रदायै
तपोधनधनाढ्यायै
तपोधनधनेश्वर्यै
तपोधनधनप्रीतायै २५०
तपोधनधनालयायै
तपोधनजनाकीर्णायै
तपोधनजनाश्रयायै
तपोधन जनाराध्यायै
तपोधनजनप्रसुवे
तपोधनजनप्राणायै
तपोधनजनेष्टदायै
तपोधनजनासाध्यायै
तपोधनजनेश्वर्यै
तरुणासृक्प्रपानार्तायै २६०
तरुणासृक् प्रतर्पितायै

तरुणासृक् समुद्रस्थायै
तरुणासृक् प्रहर्षदायै
तरुणासृक् सुसन्तुष्टायै
तरुणासृग्विलेपितायै
तरुणासृङ्नदीप्राणायै
तरुणासृग्विभूषणायै
तरुणैणबलिप्रितायै
तरुणैणबलिप्रियायै
तरुणैणबलिप्राणायै २७०
तरुणैणबलीष्टदायै
तरुणाजबलिप्रीतायै
तरुणाजबलिप्रियायै
तरुणाजबलिघ्राणायै
तरुणाजबलिप्रभुजे
तरुणादित्यसङ्काशायै
तरुणादित्यविग्रहायै
तरुणादित्यरुचिरायै
तरुणादित्यनिर्मलायै
तरुणादित्यनिलयायै २८०
तरुणादित्यमण्डलायै
तरुणादित्यललितायै
तरुणादित्यकुण्डलायै
तरुणार्कसमज्योत्स्नायै
तरुणार्कसमप्रभायै
तरुणार्कप्रतीकाशायै
तरुणार्कप्रवर्धितायै
तरुणारुणनेत्रायै
तरुणारुणलोचनायै
तरुणारुणगात्रायै २९०
तरुणारुणभूषणायै
तरुणीदत्तसंकेतायै
तरुणीदत्तभूषणायै
तरुणीगणसन्तुष्टायै
तरुण्यै
तरुणीमणयै
तरुणीमणिसंसेव्यायै
तरुणीमणिवन्दितायै
तरुणीमणिसन्तुष्टायै
तरुणीमणिपूजितायै ३००
तरुणीबृन्द संवन्द्यायै
तरुणीबृन्दवन्दितायै
तरुणीबृन्द संस्तुत्यायै
तरुणीबृन्द मानदायै
तरुणीबृन्दमध्यस्थायै
तरुणीबृन्दवेष्टितायै
तरुणीबृन्द संप्रीतायै
तरुणीबृन्द भूषितायै
तरुणीजपसंसिद्धायै
तरुणीजपमोक्षदायै ३१०
तरुणीपूजकासक्तायै
तरुणीपूजकार्थिन्यै
तरुणीपूजकश्रीदायै
तरुणीपूजकार्तिहायै
तरुणीपूजकप्राणायै

तरुणीनिन्दकार्तिदायै
तरुणीकोटिनिलयायै
तरुणीकोटिविग्रहायै
तरुणीकोटिमध्यस्थायै
तरुणीकोटिवेष्टितायै ३२०
तरुणीकोटिदुस्साध्यायै
तरुणीकोटिविग्रहायै
तरुणीकोटिरुचिरायै
तरुण्यै
तरुणीश्वर्यै
तरुणीमणिहाराढ्यायै
तरुणीमणिकुण्डलायै
तरुणीमणिसन्तुष्टायै
तरुणीमणिमण्डितायै
तरुणीसरणीप्रीतायै ३३०
तरुणीसरणीरतायै
तरुणीसरणीस्थानायै
तरुणीसरणीमतायै
तरणीमण्डलश्रीदायै
तरणीमण्डलेश्वर्यै
तरणीमण्डलश्रद्धायै
तरणीमण्डलस्थितायै
तरणीमण्डलाघ्योढ्यायै
तरणीमण्डलार्चितायै
तरणीमण्डलध्येयायै ३४०
तरणीभवसागरायै
तरणीकारणासक्तायै

तरणीतक्षकार्चितायै
तरणीतक्षकश्रीदायै
तरणीतक्षकार्थिन्यै
तर्यै
तरणशीलायै
तरीतरणतारिण्यै
तरीतरणसंवेद्यायै
तरीतरणकारिण्यै ३५०
तरुरूपायै
तरूपस्थायै
तरवे
तरुलतामय्यै
तरुरूपायै
तरुस्थायै
तरुमध्यनिवासिन्यै
तप्तकाञ्चनगेहस्थायै
तप्तकाञ्चनभूमिकायै
तप्तकाञ्चनप्राकारायै ३६०
तप्तकाञ्चनपादुकायै
तप्तकाञ्चनदीप्ताङ्ग्यै
तप्तकाञ्चनसन्निभायै
तप्तकाञ्चनगौराङ्ग्यै
तप्तकाञ्चनमञ्चगायै
तप्तकाञ्चनवस्त्राढ्यायै
तप्तकाञ्चन रूपिण्यै
तप्तकाञ्चनमध्यस्थायै
तप्तकाञ्चनकारिण्यै

तप्तकाञ्चनमासाच्यीयै ३७०
तप्तकाञ्चनपात्रभुजे
तप्तकाञ्चनशैलस्थायै
तप्तकाञ्चनकुण्डलायै
तप्तकाञ्चनक्षेत्राढ्यायै
तप्तकाञ्चनदण्डधृषे
तप्तकाञ्चनभूषाढ्यायै
तप्तकाञ्चनदानदायै
तप्तकाञ्चन देशेश्यै
तप्तकाञ्चनचापधृषे
तप्तकाञ्चनतूणाढ्यायै ३८०
तप्तकाञ्चनबाणभृते
तलातलविधात्र्यै
तलातलविधायिन्यै
तलातलस्वरूपेभ्यै
तलातलविहारिण्यै
तलातलजनासाध्यायै
तलातलजनेश्वर्यै
तलातलजनाराध्यायै
तलातलजनार्थदायै
तलातलजयाभाक्ष्यै ३९०
तलातलजचञ्चलायै
तलातलजरत्नाढ्यायै
तलातलजदेवतायै
तटिनीस्थानरसिकायै
तटिनीतटवासिन्यै
तटिन्यै
तटिनीतीरगामिन्यै
तटिनीप्रियायै
तटिनीप्लवनप्रीतायै
तटिनीप्लवनोद्यतायै ४००
तटिनीप्लवनश्लाघ्यायै
तटिनीप्लवनार्थदायै
तटलास्यायै
तटस्थानायै
तटेश्यै
तटवासिन्यै
तटपूज्यायै
तटाराध्यायै
तटरोममुखार्थिन्यै
तटजायै ४१०
तटरूपायै
तटस्थायै
तटचञ्चलायै
तटसन्निधिगेहस्थासहितायै
तटशायिन्यै
तरङ्गिण्यै
तरङ्गाभायै
तरङ्गायतलोचनायै
तरङ्ग समदुर्धर्षायै
तरङ्गसमचञ्चलायै ४२०
तरङ्गसमदीर्घाङ्ग्यै
तरङ्गसमवर्धितायै
तरङ्गसमसंवृद्धये

तरङ्गसमनिर्मलायै
तडागमध्यनिलयायै
तडागमध्यसंभवायै
तडागरचनश्लाघ्यायै
तडागरचनोद्यतायै
तडागकुमुदामोद्यै
तडागेश्यै ४३०
तडागिन्यै
तडागनीरसंस्नातायै
तडागनीरनिर्मलायै
तडागकमलागारायै
तडागकमलालयायै
तडागकमलान्तस्थायै
तडागकमलोद्यतायै
तडागकमलाङ्ग्यै
तडागकमलाननायै
तडागकमलप्राणायै ४४०
तडागकमलेक्षणायै
तडागरक्तपद्मस्थायै
तडागश्वेत पद्मगायै
तडागनीलपद्माभायै
तडागनीलपद्मभृते
तन्वे
तनुगतायै
तन्व्यै
तन्वङ्ग्यै
तनुधारिण्यै ४५०
तनुरूपायै
तनुगतायै
तनुधृषे
तनुरूपिण्यै
तनुस्थायै
तनुमध्याङ्ग्यै
तनुकृते
तनुमङ्गलायै
तनुसेव्यायै
तनुजायै ४६०
तनुजातनुसंभवायै
तनुभृते
तनुसंभूतायै
तनुदायै
तनुकारिण्यै
तनुभृते
तनुसंहन्त्र्यै
तनुसञ्चारकारिण्यै
तथ्यवाचे
तथ्यवचनायै ४७०
तथ्यकृते
तथ्यवादिन्यै
तथ्यभृते
तथ्यचरितायै
तथ्यधर्मानुवर्तिन्यै
तथ्यभुजे
तथ्यगमनायै

तथ्यभक्तिवरप्रदायै
तथ्यनीचेश्वर्यै
तथ्यचित्ताचाराशुसिद्धिदायै ४८०
तर्क्यायै
तर्क्यस्वभावायै
तर्कदायै
तर्ककृते
तर्काध्यापनमध्यस्थायै
तर्काध्यापनकारिण्यै
तर्काध्यापनसन्तुष्टायै
तर्काध्यापनरूपिण्यै
तर्काध्यापनसंशीलायै
तर्कार्थप्रतिपादितायै ४९०
तर्काध्यापनसन्तृप्तायै
तर्कार्थप्रतिपादिकायै
तर्कवादाश्रितपदायै
तर्कवादविवर्धिन्यै
तर्कवादैकनिपुणायै
तर्कवादप्रचारिण्यै
तमालदलश्यामाङ्ग्यै
तमालदलमालिन्यै
तमालवनसंकेतायै
तमालपुष्पपूजितायै ५००
तगर्यै
तगराराध्यायै
तगरार्चितपादुकायै
तगरस्रक्सुसन्तुष्टायै

तगरस्रग्विराजितायै
तगराहुतिसन्तुष्टायै
तगराहुतिकीर्तिदायै
तगराहुति संसिद्धायै
तगराहुति मानदायै
तडिते ५१०
तडिल्लताकारायै
तडिच्चंचललोचनायै
तडिल्लतायै
तडित्तन्व्यै
तडिद्दीप्तायै
तडित्प्रभायै
तद्रूपायै
तत्स्वरूपेभ्यै
तन्मय्यै
तत्वरूपिण्यै ५२०
तत्स्थानदाननिरतायै
तत्कर्मफलदायिन्यै
तत्त्वकृते
तत्त्वदायै
तत्त्वायै
तत्त्वविदे
तत्त्वतर्पितायै
तत्त्वाच्यायै
तत्त्वपूज्यायै
तत्त्वाघ्यायै ५३०
तत्त्वरूपिण्यै

तत्त्वज्ञानप्रदानेभ्यै
तत्त्वज्ञानसुमोक्षदायै
त्वरितायै
त्वरितप्रीतायै
त्वरितार्तिविनाशिन्यै
त्वरितासवसन्तुष्टायै
त्वरितासवतर्पितायै
त्वग्वस्त्रायै
त्वक्परीधानायै ५४०
तरलायै
तरलेक्षणायै
तरक्षुचर्मवसनायै
तरक्षुत्वग्विभूषणायै
तरक्षवे
तरक्षुप्राणायै
तरक्षुपृष्ठगामिन्यै
तरक्षुपृष्ठसंस्थानायै
तरक्षुपृष्ठवासिन्यै
उदैस्तर्पितायै ५५०
तर्पणाशायै
तर्पणासक्तमानसायै
तर्पणानन्दहृदयायै
तर्पणाधिपतये
ततये
त्रयीमय्यै
त्रयीसेव्यायै
त्रयीपूज्यायै
त्रयीकथायै
त्रयीभव्यायै ५६०
त्रयीभाव्यायै
त्रयीहव्यायै
त्रयीयुतायै
त्र्यक्षर्यै
त्र्यक्षरेशान्यै
त्र्यक्षरीशीघ्रसिद्धिदायै
त्र्यक्षरेभ्यै
त्र्यक्षरीस्थायै
त्र्यक्षरीपुरुषास्पदायै
तपनायै ५७०
तपनेष्टायै
तपसे
तपनकन्यकायै
तपनांशुसमासह्यायै
तपनकोटिकान्तिकृते
तपनीयायै
तल्पगतायै
तल्पायै
तल्पविधायिन्यै
तल्पकृते ५८०
तल्पगायै
तल्पदात्र्यै
तल्पतलाश्रयायै
तपनीयतलारात्र्यै
तपनीयांशुप्रार्थिन्यै

तपनीयप्रदायै
तप्तायै
तपनीयाद्रिसंस्थितायै
तल्पेश्यै
तल्पदायै ५९०
तल्पसंस्थितायै
तल्पवल्लभायै
तल्पप्रियायै
तल्परतायै
तल्पनिर्माणकारिण्यै
तरसापूजनासक्तायै
तरसावरदायिन्यै
तरसासिद्धिसन्धात्र्यै
तरसामोक्षदायिन्यै
तापस्यै ६००
तापसाराध्यायै
तापसार्ति विनाशिन्यै
तापसार्त्यै
तापसश्रियै
तापसप्रियवादिन्यै
तापसानन्दहृदयायै
तापसानन्ददायिन्यै
तापसाश्रितपादाब्जायै
तापसासक्तमानसायै
तामस्यै ६१०
तामसीपूज्यायै
तामसीप्रणयोत्सुकायै
तामस्यै
तामसीप्रीतायै
तामसीशीघ्रसिद्धिदायै
तालेश्यै
तालभुजे
तालदात्र्यै
तालोपमस्तन्यै
तालवृक्षस्थितायै ६२०
तालवृक्षजायै
तालरूपिण्यै
तार्क्ष्यायै
तार्क्ष्यसमारूढायै
तार्क्ष्येश्यै
तार्क्ष्यपूजितायै
तार्क्ष्येश्वर्यै
तार्क्ष्यमात्रे
तार्क्ष्येशीवरदायिन्यै
ताप्यै ६३०
तपिन्यै
तापसंहन्त्र्यै
तापनाशिन्यै
तापदात्र्यै
तापकर्त्र्यै
तापविध्वंसकारिण्यै
त्रासकर्त्र्यै
त्रासदात्र्यै
त्रासहर्त्र्यै

त्रासहायै ६४०
त्रासितायै
त्रासरहितायै
त्रासनिर्मूलकारिण्यै
त्राणकृते
त्राणसंशीलायै
तानेश्यै
तानदायिन्यै
तानगानरतायै
तानकारिण्यै
तानगायिन्यै ६५०
तारुण्यामृतसंपूर्णायै
तारुण्यामृतवारिधये
तारुण्यामृत सन्तुष्टायै
तारुण्यामृत तर्पितायै
तारुण्यामृतपूर्णाङ्ग्यै
तारुण्यामृत विग्रहायै
तारुण्यगुणसंपन्नायै
तारुण्योक्तिविशारदायै
ताम्बूल्यै
तांबुलेशान्यै ६६०
तांबूलचर्वणोद्यतायै
तांबूलपूरितास्यायै
तांबूलारुणिताधरायै
ताटङ्करत्नविख्यातये
ताटङ्करत्नभूषिण्यै
ताटङ्करत्नमध्यस्थायै
ताटङ्कद्वयभूषितायै
तिथीशायै
तिथिसंपूज्यायै
तिथिस्थायै ६७०
तिथिरूपिण्यै
तिथित्रितयवास्तव्यायै
तिथीशवरदायिन्यै
तिलोत्तमादिकाराध्यायै
तिलोत्तमादिकप्रभायै
तिलोत्तमायै
तिलप्रेक्षायै
तिलाराध्यायै
तिलार्चितायै
तिलभुजे ६८०
तिलसन्दात्र्यै
तिलतुष्टायै
तिलालयायै
तिलदायै
तिलसंकाशायै
तिलतैलविधायिन्यै
तिलतैलोपलिप्तांग्यै
तिलतैलसुगन्धिन्यै
तिलाज्यहोमसन्तुष्टायै
तिलाज्यहोमसिद्धिदायै ६९०
तिलपुष्पाञ्जलिप्रीतायै
तिलपुष्पाञ्जलिप्रियायै
तिलपुष्पाञ्जलिश्रेष्ठायै

तिलपुष्पाभनासिन्यै
तिलकाश्रितसिन्दूरायै
तिलकाङ्कितचन्दनायै
तिलकाहृतकस्तूर्यै
तिलकामोदमोहिन्यै
त्रिगुणायै
त्रिगुणाकारायै ७००
त्रिगुणान्वितविग्रहायै
त्रिगुणाकारविख्यातायै
त्रिमूर्तये
त्रिगुणात्मिकायै
त्रिशिरसे
त्रिपुरेशान्यै
त्रिपुरायै
त्रिपुरेश्वर्यै
त्रिपुरेश्यै
त्रिलोकस्थायै ७१०
त्रिपुर्यै
त्रिपुराम्बिकायै
त्रिपुरारिसमाराध्यायै
त्रिपुरारिवरप्रदायै
त्रिपुरारिशिरोभूषायै
त्रिपुरारिसुखप्रदायै
त्रिपुरारीष्टसन्दात्र्यै
त्रिपुरारीष्टदेवतायै
त्रिपुरारिकृतार्धाङ्ग्यै
त्रिपुरारि विलासिन्यै ७२०
त्रिपुरासुरसंहन्त्र्यै
त्रिपुरासुरमर्दिन्यै
त्रिपुरासुरसंसेव्यायै
त्रिपुरासुरवर्यपायै
त्रिकूटायै
त्रिकुटाराध्यायै
त्रिकूटार्चितविग्रहायै
त्रिकूटाचलमध्यस्थायै
त्रिकूटाचलवासिन्यै
त्रिकूटाचलसञ्जातायै ७३०
त्रिकूटाचलनिर्गतायै
त्रिजटायै
त्रिजटेशान्यै
त्रिजटावरदायिन्यै
त्रिनेत्रेश्यै
त्रिनेत्रायै
त्रिनेत्रवरवर्णिन्यै
त्रिवल्यै
त्रिवलीयुक्तायै
त्रिशूलवरधारिण्यै ७४०
त्रिशूलेश्यै
त्रिशूलीश्यै
त्रिशूलभृते
त्रिशूलिन्यै
त्रिमनवे
त्रिमनूपास्यायै
त्रिमनूपासकेश्वर्यै

त्रिमनुजपसन्तुष्टायै
त्रिमनोस्तूर्णसिद्धिदायै
त्रिमनुपूजनप्रीतायै ७५०
त्रिमनुध्यानमोक्षदायै
त्रिविधायै
त्रिविधायै भक्त्यै
त्रिमतायै
त्रिमतेश्वर्यै
त्रिभावस्थायै
त्रिभावेश्यै
त्रिभावपरिपूरितायै
त्रितत्वात्मने
त्रितत्त्वेश्यै ७६०
त्रितत्त्वज्ञायै
त्रितत्त्वधृषे
त्रितत्त्वाचमनप्रीतायै
त्रितत्त्वाचमनेष्टदायै
त्रिकोणस्थायै
त्रिकोणेश्यै
त्रिकोणचक्रवासिन्यै
त्रिकोणचक्रमध्यस्थायै
त्रिकोणबिन्दुरूपिण्यै
त्रिकोणयन्त्रसंस्थानायै ७७०
त्रिकोणयन्त्ररूपिण्यै
त्रिकोणयन्त्रसंपूज्यायै
त्रिकोणयन्त्र सिद्धिदायै
त्रिवर्णाढ्यायै

त्रिवर्णेश्यै
त्रिवर्णोपासिरूपिण्यै
त्रिवर्णस्थायै
त्रिवर्णाढ्यायै
त्रिवर्णवरदायिन्यै
त्रिवर्णाद्यायै ७८०
त्रिवर्णार्च्यायै
त्रिवर्गफलदायिन्यै
त्रिवर्गाढ्यायै
त्रिवर्गेश्यै
त्रिवर्गाद्यफलप्रदायै
त्रिसन्ध्यार्च्यायै
त्रिसन्ध्येश्यै
त्रिसन्ध्याराधनेष्टदायै
त्रिसन्ध्यार्चनसन्तुष्टायै
त्रिसन्ध्याजपमोक्षदायै ७९०
त्रिपदाराधितपदायै
त्रिपदायै
त्रिपदेश्वर्यै
त्रिपदाप्रतिपाद्येश्यै
त्रिपदाप्रतिपादिकायै
त्रिशक्त्यै
त्रिशक्तीश्यै
त्रिशक्तेष्टफलप्रदायै
त्रिशक्तेष्टायै
त्रिशक्तीष्टायै ८००
त्रिशक्तिपरिवेष्टितायै

त्रिवेण्यै
त्रिवेणीस्त्रियै
त्रिवेणीमाधवार्चितायै
त्रिवेणीजलसन्तुष्टायै
त्रिवेणीस्नानपुण्यदायै
त्रिवेणीजलसंस्नातायै
त्रिवेणीजलरूपिण्यै
त्रिवेणीजलपूताङ्ग्यै
त्रिवेणीजलपूजितायै ८१०
त्रिनाडीस्थायै
त्रिनाडीश्यै
त्रिनाडीमध्यगामिन्यै
त्रिनाडीसन्ध्यसंछ्रेयायै
त्रिनाड्यै
त्रिकोटिन्यै
त्रिपञ्चाशते
त्रिरेखायै
त्रिशक्तिपथगामिन्यै
त्रिपथस्थायै ८२०
त्रिलोकेश्यै
त्रिकोटिकुलमोक्षदायै
त्रिरामेश्यै
त्रिरामार्च्यायै
त्रिरामवरदायिन्यै
त्रिदशाश्रितपादाब्जायै
त्रिदशालयचञ्चलायै
त्रिदशायै
त्रिदशप्रार्थ्यायै
त्रिदशाशुवरप्रदायै ८३०
त्रिदशैश्वर्यसंपन्नायै
त्रिदशेश्वरसेवितायै
त्रियामार्च्यायै
त्रियामेश्यै
त्रियामानन्तसिद्धिदायै
त्रियामेशाधिकज्योत्स्नायै
त्रियामेशाधिकाननायै
त्रियामानाथवत्सौम्यायै
त्रियामानाथभूषणायै
त्रियामानाथलावण्यरत्नको-
टियुताननायै ८४०
त्रिकालस्थायै
त्रिकालज्ञायै
त्रिकालज्ञत्वकारिण्यै
त्रिकालेश्यै
त्रिकालार्च्यायै
त्रिकालज्ञत्वदायिन्यै
तीरभुजे
तीरगायै
तीरसरितायै
तीरवासिन्यै८५०
तीरभुग्देशसञ्जातायै
तीरभुग्देशसंस्थितायै
तिग्मायै
तिग्मांशुसङ्काशायै

तिग्मांशुक्रोडसंस्थितायै
तिग्मांशुकोटिदीप्तांग्यै
तिग्मांशुकोटिविग्रहायै
तीक्ष्णायै
तीक्ष्णतरायै
तीक्ष्णमहिषासुरसंस्थितायै ८६०
तीक्ष्णकर्त्रीलसत्पाणये
तीक्ष्णासिवरधारिण्यै
तीव्रायै
तीव्रगतये
तीव्रासुरसंघविनाशिन्यै
तीव्राष्टनागाभरणायै
तीव्रमुण्डविभूषणायै
तीर्थात्मिकायै
तीर्थमय्यै
तीर्थेश्यै ८७०
तीर्थपूजितायै
तीर्थराजेश्वर्यै
तीर्थफलदायै
तीर्थदानदायै
तुमुल्यै
तुमुलप्राज्ञ्यै
तुमुलासुरघातिन्यै
तुमुलक्षतजप्रीतायै
तुमुलाङ्गणनर्तक्यै
तुरग्यै ८८०
तुरगारूढायै
तुरंगपृष्ठगामिन्यै
तुरंगगमनाह्लादायै
तुरंगवेगगामिन्यै
तुरीयायै
तुलनायै
तुल्यायै
तुल्यवृत्तये
तुल्यकृते
तुलनेश्यै ८९०
तुलाराज्ञ्यै
तुलाराज्ञीत्वसूक्ष्मविदे
तुम्बिकायै
तुम्बिकापात्रभोजनायै
तुम्बिकार्थिन्यै
तुलस्यै
तुलसीवर्यायै
तुलजायै
तुलजेश्वर्यै
तुषाग्निव्रतसन्तुष्टायै ९००
तुषाग्नये
तुषराशिकृते
तुषारकरशीतांग्यै
तुषारकरपूर्तिकृते
तुषाराद्र्यै
तुषाराद्रिसुतायै
तुहिनदीधितये
तुहिनाचलकन्यायै

तुहिनाचलवासिन्यै
तुर्यवर्गेश्वर्यै ९२०
तुर्यवर्गदायै
तुर्यवेददायै
तुर्यवर्यात्मिकायै
तुर्यायै
तुर्येश्वर स्वरूपिण्यै
तुष्टिदायै
तुष्टिकृते
तुष्ट्यै
तूणीरद्वयपृष्ठधृषे
तुंबुराज्ञान सन्तुष्टायै ९३०
तुष्टसंसिद्धिदायिन्यै
तूर्णराज्यप्रदायै
तूर्णगद्गदायै
तूर्णपद्यदायै
तूर्णपाण्डित्यसन्दात्र्यै
तूर्णायै
तूर्णबलप्रदायै
तृतीयायै
तृतीयेश्यै
तृतीयातिथिपूजितायै ९४०
तृतीयाचन्द्रचूडेश्यै
तृतीयाचन्द्रभूषणायै
तृप्त्यै
तृप्तिकर्यै
तृप्तायै
तृष्णायै
तृष्णाविवर्धिन्यै
तृष्णापूर्णकर्यै
तृष्णानाशिन्यै
तृषितायै ९५०
तृषायै
त्रेतासंसाधितायै
त्रेतायै
त्रेतायुगफलप्रदायै
त्रैलोक्यपूज्यायै
त्रैलोक्यदात्र्यै
त्रैलोक्यसिद्धिदायै
त्रैलोक्येश्वरतादात्र्यै
त्रैलोक्यपरमेश्वर्यै
त्रैलोक्यमोहनेशान्यै ९६०
त्रैलोक्यराज्यदायिन्यै
तैत्रिशाखेश्वर्यै
तैत्रिशाखायै
तैत्रविवेकविदे
तोरणान्वितगेहस्थायै
तोरणासक्तमानसायै
तोलकास्वर्णसन्दात्र्यै
तोलकास्वर्णकङ्कणायै
तोमरायुधरूपायै
तोमरायुधधारिण्यै ९७०
तौर्यत्रिकेश्वर्यै
तौर्यत्रिक्यै

तौर्यत्रिकोत्सुक्यै	तन्त्र्यै
तन्त्रकृते	तन्त्रभृते
तन्त्रवत्सूक्ष्मायै	तन्त्रमन्त्रदायै
तन्त्रमन्त्रस्वरूपिण्यै	तन्त्राद्यायै ९९०
तन्त्रकृते	तन्त्रगायै
तन्त्रसंपूज्यायै	तन्त्रायै
तन्त्रेश्यै	तन्त्राच्र्यायै
तन्त्रसंमतायै ९८०	तन्त्रसिद्धिदायै
तन्त्रज्ञायै	तन्त्रविज्ञायै
तन्त्रविदे	तन्त्ररतायै
तन्त्रसाध्यायै	तन्त्रगोप्यायै
तन्त्रस्वरूपिण्यै	तान्त्रिक्यै
तन्त्रस्थायै	तारस्वरेण महितायै
तन्त्रजायै	तन्त्राचारफलप्रदायै (१०००)

श्रीतारासहस्रनामावलिः (२)

तारायै नमः
रात्र्यै
महारात्र्यै
कालरात्र्यै
कपालिन्यै
कालिकायै
कामदायै
मायायै
महामायायै
महोत्सवायै १०
महादानरतायै
यज्ञायै
यज्ञोत्सवविभूषितायै
चन्द्रवक्त्रायै
चकोराक्ष्यै
चारुनेत्रायै
सुलोचनायै
त्रिनेत्रायै
पद्मपत्राक्ष्यै
कुरङ्गाक्ष्यै २०
मनोहरायै
ब्राह्म्यै
नारायण्यै
ज्योत्स्नायै
चारुकेश्यै
सुलोचनायै
वाराह्यै
वारुण्यै
विद्यायै
महाविद्यायै ३०
महेश्वर्यै
पिङ्गायै
कुञ्चितकेश्यै
महायज्ञस्वरूपिण्यै
गौर्यै
चंपकवर्णायै
कृशाङ्ग्यै
कुलपूजितायै
सर्वानन्दस्वरूपायै
सर्वसङ्कटतारिण्यै ४०
नित्यायै
नित्यमय्यै
नन्दायै
भद्रायै
नीलसरस्वत्यै
गायत्र्यै
सुचरित्रायै
कौलव्रतपरायणायै
हिरण्यगर्भायै
भूगर्भायै ५०

विश्वगर्भायै
यशस्विन्यै
हिमवत्तनयायै
दिव्यायै
दिव्यांबरविभूषणायै
जगन्मात्रे
जगद्धात्र्यै
जगतामुपकारिण्यै
ऐन्द्र्यै
सौम्यायै ६०
याम्यायै
वारुण्यै
वायव्यै
आग्नेय्यै
नैर्ऋत्यै
ऐशान्यै
चण्डिकायै
अंबिकायै
सुमेरुतनयायै
वन्यायै ७०
सर्वेषामुपकारिण्यै
ललज्जिह्वायै
सरोजाक्ष्यै
मुण्डस्रजविभूषणायै
सर्वानन्दमय्यै
सर्वायै
सर्वानन्दस्वरूपिण्यै
धृत्यै
मेधायै
लक्ष्म्यै ८०
श्रद्धायै
पन्नगशायिन्यै
रुक्मिण्यै
जानक्यै
दुर्गायै
सत्यायै
सत्यवत्यै
रत्यै
कामाख्यायै
मोक्षदायै ९०
नन्दायै
नारसिंह्यै
सरस्वत्यै
महादेवरतायै
चण्डयै
चण्डदोर्दण्ड खण्डिन्यै
दीर्घकेश्यै
सुकेश्यै
पिङ्गकेश्यै
महाकचायै १००
भवान्यै
भवपत्न्यै
भवभीतिहरायै
शच्यै

पौरन्दर्यै
विष्णोर्जायायै
माहेश्वर्यै
परायै
सर्वेषां जनन्यै
नित्यायै ११०
चार्वङ्ग्यै
दैत्यनाशिन्यै
घोररूपायै
महेशान्यै
कामिन्यै
वरवर्णिन्यै
महाविद्यायै
महामायायै
महामेधायै
महोत्सवायै १२०
विरूपायै
विश्वरूपायै
मृडान्यै
मृडवल्लभायै
महापुण्यप्रदायै
भीमायै
मधुकैटभनाशिन्यै
कोटिचन्द्रप्रतीकाशायै
शतसूर्यसमप्रभायै
जह्नुकन्यायै १३०
मनोज्ञायै
पार्वत्यै
हरवल्लभायै
कामरूपायै
महेशान्यै
नित्योत्साहायै
मनस्विन्यै
वैकुण्ठनाथपत्न्यै
शङ्करवल्लभायै
काश्यप्यै १४०
कमलायै
कृष्णायै
कञ्जपत्रायतेक्षणायै
माहेश्वर्यै
वृषारूढायै
पूर्णचन्द्रनिभाननायै
मान्यायै
मानवत्यै
धन्यायै
कन्यायै १५०
हिमगिरेः सुतायै
अपर्णायै
पद्मपत्राक्ष्यै
नागयज्ञोपवीतिन्यै
महाशंखधरायै
कान्तायै
कमनीयायै
नगात्मजायै

ब्रह्माण्यै
वैष्णव्यै १६०
शंभोर्जायायै
गंगायै
जलेश्वर्यै
भागीरथ्यै
मनसे
बुद्ध्यै
नित्यायै
सदानन्दमय्यै
हरप्रियायै
गिरिसुतायै १७०
हरपत्न्यै
तपस्विन्यै
महाव्याधिहरायै
देव्यै
शुंभासुरनिषूदिन्यै
महापुण्यप्रदायै
भीमायै
मधुकैटभनाशिन्यै
शंखिन्यै
चक्रिण्यै १८०
धात्र्यै
हस्ते पुस्तकधारिण्यै
चामुण्डायै
चपलायै
तुङ्गायै
भद्रायै
दैत्यनिकृन्तन्यै
शान्त्यै
निद्रायै
महानिद्रायै १९०
गुह्यनिद्रायै
रेणुकायै
कौमार्यै
कुलजायै
कुब्जायै
कौलव्रतपरायणायै
नवदुर्गायै
सदाचारायै
द्रौपद्यै
द्रुपदात्मजायै २००
सृष्ट्यै
सर्वाद्यकालीनायै
निशुंभप्राणनाशिन्यै
पद्मिन्यै
वसुधायै
पृथ्व्यै
रोहिण्यै
विन्ध्यवासिन्यै
शिवायै
शक्त्यै २१०
महाशक्त्यै
शाङ्कर्यै

शक्तिवल्लभायै
दैत्यप्राणहरायै
दात्र्यै
दयायै
दामोदरप्रियायै
क्षान्त्यै
क्षेमकर्यै
बुद्ध्यै २२०
बौद्धाचार परायणायै
श्रीविद्यायै
भैरव्यै
भव्यायै
भारत्यै
भयनाशिन्यै
तापस्यै
तारिण्यै
तीक्ष्णायै
तीक्ष्णदैत्यविनाशिन्यै २३०
दात्र्यै
दानपरायै
काल्यै
दुर्गायै
दैत्यविनाशिन्यै
पद्मायै
पद्मावत्यै
हृष्टायै
तुष्टायै
पुष्टायै २४०
ऊर्वश्यै
वज्रिण्यै
वज्रहस्तायै
नारायण्यै
शिवायै
खण्डिन्यै
खड्गहस्तायै
कर्त्तृखर्परधारिण्यै
देवांगनायै
देवमान्यायै २५०
देवकन्यायै
पुलोमजायै
स्रग्विण्यै
स्रग्वदात्र्यै
सर्वसौख्यविवर्धिन्यै
शीलायै
शीलवत्यै
सूक्ष्मायै
सूक्ष्माकारायै
वरप्रदायै २६०
वरेण्यायै
वरदायै
वाण्यै
ज्ञानिन्यै
ज्ञानदायै
अमलायै

उग्रकाल्यै
महाकाल्यै
भद्रकाल्यै
दक्षिणायै २७०
भृगुवंशसमुद्भूतायै
भार्गव्यै
भृगुवल्लभायै
शूलिन्यै
शूलहस्तायै
मयूरवरवाहनायै
महामांसरतायै
रक्तायै
रक्तखर्परधारिण्यै
रक्तांबरधरायै २८०
अनामायै
रमण्यै
सुरनायिकायै
परमानन्ददायै
ज्येष्ठायै
योगिनीगणसेवितायै
अम्बायै
जांबवत्यै
सत्यायै
सत्यभामायै २९०
नगात्मजायै
रौद्र्यै
रौद्रस्वनायै
रौद्रायै
रौद्रदैत्यविनाशिन्यै
कुमार्यै
कौशिक्यै
विद्यायै
कालदैत्यविनाशिन्यै
शंभुपत्न्यै ३००
शंभुरतायै
शंभुजायायै
महोदर्यै
शिवपत्न्यै
शिवरतायै
शिवजायायै
अंबिकायै
हरपत्न्यै
हररतायै
हरजायायै ३१०
शूलिन्यै
मदनान्तककान्तायै
मदनान्तकवल्लभायै
गिरिजायै
गिरिकन्यायै
गिरिशस्य वल्लभायै
भूतभव्यायै
भवायै
पुष्टायै
पावन्यै ३२०

परिपालिन्यै
अदृश्यायै
अव्यक्तरूपायै
इष्टायै
स्वेष्टप्रवर्धिन्यै
अच्युतायै
प्रच्युतायै
प्राणायै
प्राणदायै
वासवेश्वर्यै ३३०
अपांनिधिसमुद्भूतायै
धारिण्यै
प्रतिष्ठितायै
उद्भवायै
क्षोभणायै
क्षेमायै
श्रीगर्भायै
परमेश्वर्यै
करालायै
पुष्टदेहायै ३४०
कारिण्यै
कञ्जलोचनायै
शरण्यायै
कमलायै
प्रीतायै
विमलायै
आनन्दवर्धिन्यै
कपर्दिन्यै
कल्पनाभायै
सुमनानन्दवर्धिन्यै ३५०
उदीर्णभूषणायै
भव्यायै
सुरसेनायै
सुरेश्वर्यै
श्रीमत्यै
शिशिरानन्दायै
शिशिराचलकन्यकायै
सुरमान्यायै
सुरश्रेष्ठायै
ज्येष्ठायै ३६०
प्राणेश्वर्यै
स्थिरायै
तमोघ्न्यै
ध्वान्तसंहन्त्र्यै
प्रयतात्मने
पवित्रितायै
प्रद्योतिन्यै
रथारूढायै
सर्वलोकप्रकाशिन्यै
मेधाविन्यै ३७०
महावीर्यायै
हंस्यै
संसारतारिण्यै
प्रणतप्राणिनामार्तिहारिण्यै

दैत्यनाशिन्यै
डाकिन्यै
शाकिन्यै
शीलायै
वरखट्वाङ्गधारिण्यै
कौमुद्यै ३८०
कुमुदायै
कुन्दायै
कौलिकायै
कुलजात्मजायै
गर्वितायै
गुणसंपन्नायै
नगजायै
खगवाहिन्यै
चन्द्राननायै
महोग्रायै ३९०
चारुमूर्धजशोभितायै
मनोज्ञायै
माधव्यै
मान्यायै
माननीयायै
महद्गुणायै
ज्येष्ठायै
मघायै
पुष्यायै
धनिष्ठायै ४००
पूर्वफल्गुन्यै
रक्तबीजदिहन्त्र्यै
रक्तबीजविनाशिन्यै
चण्डमुण्डारिहन्त्र्यै
चण्डमुण्डविनाशिन्यै
कर्त्र्यै
हर्त्र्यै
सुकर्त्र्यै
विमलायै
अमलवाहिन्यै ४१०
निर्मलायै
भास्कर्यै
भीमायै
महिषासुरघातिन्यै
कालिन्द्यै
यमुनायै
वृद्धायै
युवत्यै
बालिकायै
कौसल्यायै ४२०
कौमुद्यै
माद्र्यै
कन्धत्यै
अरुन्धत्यै
पुरारिगृहिण्यै
पूर्णायै
पूर्णरूपायै
यशस्विन्यै

संपूर्णचन्द्रवदनायै
बालचन्द्रसमप्रभायै ४३०
रेवत्यै
रमण्यै
चित्रायै
विचित्रांबरभूषणायै
वीणायै
वीणावत्यै
विद्यायै
यशोदायै
यशस्विन्यै
नवपुष्पसमुद्भूतायै ४४०
नवपुष्पासवोत्सुकायै
नवपुष्पस्रजायै
मालायै
माल्यभूषणशोभितायै
नवपुष्पसमप्राणायै
नवपुष्पसमुत्सुकायै
नवपुष्पात्मकायै
पुष्पायै
पुष्पस्रजविभूषणायै
नवपुष्पगुणोपेतायै ४५०
नवपुष्पोपशोभितायै
नवपुष्पप्रियायै
प्रीतायै
प्रेममण्डलमध्यगायै
कुलशास्त्रप्रदीप्तायै
कुलमार्गप्रवर्धिन्यै
श्मशानभैरव्यै
कालभैरव्यै
भैरवीप्रियायै
आनन्दभैरव्यै ४६०
ध्यानभैरव्यै
पुरभैरव्यै
महाभैरवपत्न्यै
भैरव्यै
लोकभैरव्यै
सुविद्याभैरव्यै
नीतिभैरव्यै
गुणभैरव्यै
संमोहभैरव्यै
पुष्टिभैरव्यै ४७०
तुष्टिभैरव्यै
सृष्टिस्थितिभैरव्यै
भैरव्यै
स्थितिभैरव्यै
पुण्डरीकाक्षगृहिण्यै
पुण्डरीकाक्षवल्लभायै
आनन्दसुन्दर्यै
वीरसुन्दर्यै
स्थिति सुन्दर्यै
आनन्दसुन्दर्यै ४८०
कालसुन्दर्यै
पुरसुन्दर्यै

मायायै
सुन्दर्यै
सौम्यायै
सुन्दर्यै
लोकसुन्दर्यै
विद्यासुन्दर्यै
नीतिसुन्दर्यै
गुणसुन्दर्यै ४९०
मल्लिकाहाररसिकायै
मल्लिकाहारशोभितायै
नवचंपकवर्णाभायै
नागकेशरशोभितायै
जपाकुसुमसङ्काशायै
जपाकुसुमशोभितायै
प्रियायै
विष्णोः प्रियङ्कर्यै
दानवेन्द्रविनाशिन्यै
ज्ञानेश्वर्यै ५००
ज्ञानदात्र्यै
ज्ञानानन्दप्रदायिन्यै
गुणगौरवसंपन्नायै
गुणशीलसमन्वितायै
रूपयौवनसंपन्नायै
रूपयौवनशोभितायै
गुणाश्रयायै
गुणवत्यै
गुणगौरवसुन्दर्यै
लसत्तारापतिप्रख्यायै ५१०
ताटङ्कद्वयशोभितायै
वृक्षमूलस्थितायै
देव्यै
वृक्षशाखोपरिस्थितायै
वृक्षमध्याग्रनिलयायै
वृक्षमध्यनिवासिन्यै
कुमुद्वत्यै
कुमुदिन्यै
कुमुदायै
कुमुदाकरायै ५२०
कुसुंभरूपरुचिरायै
कुसुंभारुणमस्तकायै
स्वयंभूपुष्पसंकाशायै
स्वयंभूपुष्पधारिण्यै
स्वयंभूपुष्पसरसायै
मग्नायै
सदा ध्यानवत्यै
शुक्रप्रियायै
शुक्ररतायै
शुक्रमज्जनतत्परायै ५३०
पर्णायै
अपर्णायै
सुपर्णायै
निष्पन्नायै
पापनाशिन्यै
मदिरायै

मोदसंपन्नायै
मदिरामोदधारिण्यै
सर्वाश्रयायै
सर्वगुणायै ५४०
आनन्दकन्दलकारिण्यै
नारीपुष्पसमप्राणायै
नारीपुष्पसमुत्सुकायै
नारीपुष्पोत्सवायै
नार्यै
नारीपुष्परतायै
मृग्यै
चतुर्भुजायै
दशभुजायै
अष्टादशभुजायै ५५०
द्विभुजायै
षड्भुजायै
अष्टारपंकजोपरिसंस्थितायै
कौबेर्यै
कौरव्यै
कौर्व्यायै
कुरुकुल्लायै
कपालिन्यै
विपर्यै
कदलीजङ्घायै ५६०
रंभोरवे
रामवल्लभायै
निशाचर्यै
निशामूर्तये
निशायै
चन्द्रसमप्रभायै
चान्द्र्यै
चन्द्रकलायै
चन्द्रायै
चारुचन्द्रसमप्रभायै ५७०
स्रोतस्विन्यै
स्रोतवत्यै
सर्वदुःखार्तिनाशिन्यै
सर्वाधारायै
सर्वमय्यै
सर्वानन्दप्रवर्धिन्यै
सर्वचक्रेश्वर्यै
सर्वायै
सदा सर्वमन्त्रमय्यै
सहस्रनयनप्राणायै ५८०
सहस्रनयनप्रियायै
सहस्रशीर्षायै
सुसमायै
सदंभायै
सर्वभक्षिकायै
षष्टिकायै
षट्सुचक्रस्थायै
षड्वर्गफलदायिन्यै
षड्विंशपद्ममध्यस्थायै
षड्विंशदलमध्यगायै ५९०

हकारवर्ण निलयायै
हकाराक्षरभूषितायै
हारिण्यै
हारवनितायै
हारहीरकशोभितायै
ह्रींकारबीजसहितायै
ह्रींकारैरुपशोभितायै
कन्दर्पस्य कलायै
कुल्यायै
कौलिन्यै ६००
कुलतर्पितायै
केतकीकुसुमप्राणायै
केतकीकृतभूषणायै
केतकीकुसुासक्तायै
केतकीपरिभूषितायै
कर्पूरपूर्णवदनायै
कलानाथसमप्रभायै
कलायै
केलिप्रियायै
कीर्णकदंबकुसुमोत्सुकायै ६१०
कादम्बिन्यै
करिगतये
कुञ्जरेश्वरगामिन्यै
खर्वायै
खञ्जनद्वन्द्वलोचनायै
खड्ग भूषितायै
खद्योत इव दुर्लक्ष्यायै
खद्योत इव चञ्चलायै
गयायै
गदायै ६२०
गुणप्रीतायै
गीतवाद्यप्रियायै
गतये
गणेश्वर्यै
गणेज्यायै
गणपूज्यायै
गणप्रदायै
गुणढ्यायै
गुणसंपत्तये
गुणदात्र्यै ६३०
गुणात्मिकायै
गुर्व्यै
गुरुतरायै
गौर्यै
गाणपत्यफलप्रदायै
घर्मांशुगृहिण्यै
घर्मायै
घर्मसिन्धुनिवासिन्यै
घर्घरायै
घोरवदनायै ६४०
घोरदैत्यविनाशिन्यै
घोषायै
घोषवत्यै
घोष्यायै

6

घोषपुत्र्यै
घनालयायै
चर्व्यै
चारुनयनायै
चारुवक्त्रायै
चतुर्गुणायै ६५०
चतुर्वेदमय्यै
पूर्णचन्द्रास्यायै
चतुराननायै
चलच्चकोरनयनायै
चलत्खञ्जनलोचनायै
चलदंभोजवदनायै
चलदंभोजशोभितायै
छात्र्यै
छत्रप्रियायै
छत्रायै ६६०
छत्रचामरशोभितायै
छिन्नायै
छर्दिच्छिन्नशिरसे
छिन्ननासायै
छलान्वितायै
छलाद्यायै
छलसन्त्रस्तायै
छलरूपायै
छलच्छिरायै
छकारवर्णनिलयायै ६७०
छकाराद्यायै
छलप्रियायै
छद्मिन्यै
छद्मनिरतायै
छद्मायै
छद्मनिवासिन्यै
जगन्नाथप्रियायै
जीवायै
जगन्नाथरतायै
जरायै ६८०
जीर्णायै
जीमूतवनितायै
जीमूतैरुपशोभितायै
जामातृवरदायै
जृंभायै
जमलार्जुनधारिण्यै
जरायै
जरान्वितायै
जृंभायै
जंभारातिवरप्रदायै ६९०
जितायै
जयित्र्यै
जयदायै
जयदात्र्यै
जयप्रदायै
झल्लरायै
झीत्कृत्यै
झिल्ल्यै

झर्यै
झर्झरिकायै ७००
टाङ्कारकारिण्यै
टीत्कारिण्यै
टङ्कधारिण्यै
ठक्कुराज्ञायै
डमरुकरायै
डात्कार्यै
डमरुप्रियायै
ढक्कारवाद्यढक्कार्यै
तुलस्यै
तालभक्षिकायै ७१०
तुलायै
तौलिनिकायै
तीर्णायै
तारायै
तारिणिकायै
तन्त्रविज्ञायै
तन्त्ररतायै
तन्त्रविद्यायै
तन्त्रदायै
तान्त्रिकायै ७२०
तन्त्रगोप्यायै
तन्त्रसारायै
तन्त्रपायै
तन्त्रधात्र्यै
तन्त्रकार्यै
तन्त्रनारीरतातुरायै
तपःप्रभावायै
तन्त्रज्ञायै
तन्त्रसार फलप्रदायै
तपस्यायै ७३०
तौलिन्यै
तार्त्यै
तार्तीयायै
तुलस्यै
तुषायै
तुषारकरपूर्णास्यायै
तुषारकरमण्डितायै
तुहिनांशुसमाभासायै
तुहिनांशुसमप्रभायै
तुषारकरतुल्यांग्यै ७४०
तुषारकरसुन्दर्यै
तुषारधामतुल्यास्यायै
तुषारांशुसमाननायै
तुहिनाद्रिसुतायै
तार्क्ष्यै
तालाङ्ग्यै
तालवर्जितायै
तारस्वरेण सहितायै
तारस्वरविभूषितायै
थकारकूटनिलयायै ७५०
थकाराक्षरमालिन्यै
दयावत्यै

दीनरतायै
दुःखदारिद्र्यनाशिन्यै
दौर्भाग्यदुःखदलिन्यै
दौर्भाग्यापदनाशिन्यै
दुहित्रे
दीनबन्धवे
दानवेन्द्र विमर्दिन्यै
दानदात्र्यै ७६०
दानपरायै
दानसंमानतोषितायै
दाल्भ्यादिसेवितायै
दान्तायै
दामोदरपरायणायै
दधीचिवरदायै
दुष्टायै
दानवेन्द्र विनाशिन्यै
दीर्घनेत्रायै
दीर्घकचायै ७७०
दीर्घनासायै
दीर्घिकायै
दारिद्र्यदुःखशमन्यै
दुष्टासुरनिषूदिन्यै
दंभिकायै
दंभहायै
दंभायै
दनुजेन्द्रविनाशिन्यै
धनधान्यप्रदायै

धन्यायै ७८०
धनेश्वरवरप्रदायै
धर्मिण्यै
धार्मिकायै
धर्म्यायै
धर्माधर्मप्रवर्धिन्यै
धर्मेश्वर्यै
धर्मदात्र्यै
धर्मानन्दप्रवर्धिन्यै
धनाध्यक्षायै
धनप्रीतायै ७९०
धनाढ्यायै
धनतोषितायै
धीरायै
धैर्यवत्यै
धृष्णायै
धवलांभोजसन्निभायै
धरिण्यै
धारिण्यै
धात्र्यै
धुरीणायै ८००
धवलास्पदायै
धार्मिकायै
धर्मसहितायै
धर्मनिन्दकवर्जितायै
नवीनायै
निरजायै

निम्नायै
निम्ननाभये
नगेश्वर्यै
नूतनांभोजनयनायै ८१०
नवीनांभोजसुन्दर्यै
नागर्यै
नागराजेज्यायै
नागराजसुतायै
नगायै
नागराजपतये
नग्नायै
नागराजविभूषितायै
नगेश्वर्यै
नगारूढायै ८२०
नगराजकुलेश्वर्यै
नवीनेन्दुकलानन्दायै
नन्दिकेश्वरवल्लभायै
नीरजायै
नीरजाक्ष्यै
नीरजद्वन्द्वलोचनायै
नीरसूतायै
नीरभवायै
नीरनिर्मलदेहिन्यै
नागयज्ञोपवीताढ्यायै ८३०
नागयज्ञोपवीतिकायै
नागकेसरसन्तुष्टायै
नागकेसरमालिन्यै
नवीनकेतकीकुन्दमन्दार-
स्रजभूषितायै
नायिकायै
नायकप्रीतायै
नायकप्रेमतोषितायै
नायकप्रेमसहितायै
नायकप्रेमपोषितायै
नायकानन्द निलयायै ८४०
नायकानन्दकारिण्यै
नर्मकर्मरतायै
निद्रायै
नर्मकर्मपरायणायै
नर्मकर्मप्रियायै
नर्मायै
नर्मधर्मपरायणायै
नर्मप्रीतायै
नर्मरतायै
नर्मध्यानपरायणायै ८५०
नर्मकर्मैकसहितायै
नर्मकर्मैकपालिकायै
नरनारीगुणप्रीतायै
नरनारीवरप्रदायै
नारायणप्रियायै
निष्कायै
निष्कवर्णायै
नकारहायै
पुष्पप्रियायै

पुष्परतायै ८६०
पौष्पीपानपरायणायै
पुष्पप्रीतायै
पुष्पेज्यायै
पुष्पदामविभूषणायै
पुण्यदायै
पूर्णिमायै
पुण्यायै
पुण्यकोटिफलप्रदायै
पुराणागमवेद्यायै
पुराणागमगोपितायै ८७०
पुराणागमगोप्यायै
पुराणागमतोषितायै
पुराणगोचरायै
पूर्वायै
पूर्णायै
प्रौढविनाशिन्यै
प्रह्लादहृदयाह्लादगेहिन्यै
पुण्यचारिण्यै
फाल्गुन्यै
फाल्गुनप्रीतायै ८८०
फाल्गुनप्रेमधारिण्यै
फल्गुफलप्रदायै
फणिराजविभूषितायै
फणाकारायै
फणिप्रीतायै
फणिहारविभूषितायै
फणीशकृतसर्वाङ्गभूषणायै
फणिवाहिन्यै
फणिप्रीतायै
फणिरतायै ८९०
फणिकंकणधारिण्यै
फलदात्र्यै
फलासक्तायै
फलाभरणभूषितायै
फकारकूटसर्वाङ्ग्यै
फाल्गुनानन्दवर्धिन्यै
वासुदेवरतायै
विज्ञायै
विज्ञविज्ञानकारिण्यै
वीणावत्यै ९००
बलाकीर्णायै
बालपीयूषरोचिषायै
बालायै
वसुमत्यै
विद्यायै
विद्याहारविभूषितायै
विद्यावत्यै
वैद्यपदाप्रीतायै
वैवस्वत्यै
बल्यै ९१०
वाण्यै
विलासकरण्यै
वराङ्गस्थायै

वराननायै
विष्णोर्वक्षः स्थलस्थायै
वाग्वत्यै
विन्ध्यगेहिन्यै
निवारतरुसंस्थायै
नीवारकुसुमोत्सुकायै
भीतिहायै ९२०
भयदायै
भानोरंशुजालसमप्रभायै
भार्गवेज्यायै
भृगोः पूज्यायै
भारद्वाजनमस्कृतायै
भीतिहायै
भयसंपन्नायै
भीमाकाराभ्रसुन्दर्यै
मायाधर्यै
मानरतायै ९३०
मानसंमानतत्परायै
माधवानन्ददायै
माध्व्यै
मदिरायै
मदिरेक्षणायै
महोत्साहगुणोपेतायै
महत्यै
महदद्भुतायै
मदिरामोदरमितायै
मदिरामज्जने रतायै ९४०
यशोधर्यै
यशोविद्यायै
यशोदानन्दवर्धिन्यै
यशःकर्पूरधवलायै
यशोदामविभूषणायै
यमराजस्वस्रे
योगमार्गानन्दप्रवर्धिन्यै
यादवानन्दकरिण्यै
यादवानन्दवर्धिन्यै
यज्ञप्रीतायै ९५०
यज्ञमय्यै
यज्ञकर्मविभूषणायै
रामप्रियायै
रामरतायै
रामतोषणतत्परायै
राज्ञ्यै
राजकुलेज्यायै
राजराजेश्वर्यै
रमायै
रमण्यै ९६०
रामण्यै
रम्यायै
रामानन्द प्रदायिन्यै
रजनीकरपूर्णास्यायै
रक्तोत्पलविलोचनायै
लांगलीप्रेमसन्तुष्टायै
लांगलीप्रणयप्रीयायै

लाक्षारुणायै
ललनायै
लीलायै ९७०
लीलावत्यै
लयायै
लंकेश्वरगुणप्रीतायै
लंकेशवरदायिन्यै
लवंगकुसुमप्रीतायै
लवंगकुसुमस्रजायै
बालायै
विवस्वद्गृहिण्यै
विवस्वत्प्रेमधारिण्यै
शबलायै ९८०
शरलायै
शल्यायै
शरण्यायै
श्रियै
शरद्गुणायै
षट्कोणचक्रमध्यस्थायै
संपदायै
ह्रीविशोभितायै
क्षेमायै
अंबायै ९९०
आज्ञायै
इडायै
ईश्वरवल्लभायै
उग्राख्यायै
ऊर्णायै
ऋकारायै
ॠस्वरोद्भवायै
ऌकारवर्णकूटस्थायै
ॡकारस्वरभूषितायै
एकारवर्ण कूटस्थायै १०००
एकारस्वरभूषितायै
एष्यायै
ऐष्यायै
ओषायै
औकाराक्षररूपिण्यै
अंसायै
अःकारवनितायै
सर्वांगमसुगोपितायै १००८

श्री षोडशी-अष्टोत्तर शतनामावलिः

त्रिपुरायै नमः
षोडश्यै
मात्रे
त्र्यक्षरायै
त्रितयायै
त्रय्यै
सुन्दर्यै
सुमुख्यै
सेव्यायै
सामवेदपरायणायै १०
शारदायै
शब्दनिलयायै
सागरायै
सरिदंबरायै
शुद्धायै
शुद्धतनवे
साध्व्यै
शिवध्यानपरायणायै
स्वामिन्यै
शंभुवनितायै २०
शांभव्यै
सरस्वत्यै
समुद्रमथिन्यै
शीघ्रगामिन्यै
शीघ्रसिद्धिदायै
साधुसेव्यायै
साधुगम्यायै
साधुसन्तुष्टमानसायै
खट्वाङ्गधारिण्यै
खर्वायै ३०
खड्गखर्परधारिण्यै
षड्वर्गभावरहितायै
षड्वर्गपरिचारिकायै
षड्वर्गायै
षडङ्गायै
षोढायै
षोडशवार्षिक्यै
क्रतुरूपायै
क्रतुमत्यै
ऋभुक्ष क्रतुमण्डितायै ४०
कवर्गादिपवर्गान्तायै
अन्तस्थायै
अनन्तरूपिण्यै
अकारायै
आकाररहितायै
कालमृत्युजरापहायै
तन्व्यै
तत्त्वेश्वर्यै
तारायै
त्रिवर्षायै ५०
ज्ञानरूपिण्यै
काल्यै

करात्यै
कामेश्यै
छायायै
संज्ञायै
अरुन्धत्यै
निर्विकल्पायै
महावेगायै
महोत्साहायै ६०
महोदर्यै
मेघायै
बलाकायै
विमलायै
विमलज्ञानदायिन्यै
गौर्यै
वसुन्धरायै
गोप्त्र्यै
गवांपतिनिषेवितायै
भगाङ्गायै ७०
भगरूपायै
भक्तिभावपरायणायै
छिन्नमस्तायै
महाधूमायै
धूम्रविभूषणायै
धर्मकर्मादिरहितायै
धर्मकर्मपरायणायै
सीतायै
मातङ्गिन्यै
मेधायै ८०
मधुदैत्यविनाशिन्यै
भैरव्यै
भुवनायै
मात्रे
अभयदायै
भवसुन्दर्यै
भावुकायै
बगलायै
कृत्यायै
बालायै ९०
त्रिपुरसुन्दर्यै
रोहिण्यै
रेवत्यै
रम्यायै
रंभायै
रावणवन्दितायै
शतयज्ञमय्यै
सत्त्वायै
शतक्रतुवरप्रदायै
शतचन्द्राननायै १००
देव्यै
सहस्रादित्यसन्निभायै
सोमसूर्याग्निनयनायै
व्याघ्रचर्माम्बरावृतायै
अर्धेन्दुधारिण्यै
मत्तायै
मदिरायै
मदिरेक्षणायै १०८

श्री षोडशी (त्रिपुरसुन्दरी)सहस्रनामावलिः

कल्याण्यै
कमलायै
काल्यै
कराल्यै
कामरूपिण्यै
कामाख्यायै
कामदायै
काम्यायै
कामनायै
कामचारिण्यै १०
कालरात्र्यै
महारात्र्यै
कपाल्यै
कालरूपिण्यै
कौमार्यै
करुणायै
मुक्तये
कलिकल्मषनाशिन्यै
कात्यायन्यै
कराधारायै २०
कौमुद्यै
कमलप्रियायै
कीर्तिदायै
बुद्धिदायै
मेधायै
नीतिज्ञायै
नीतिवत्सलायै
माहेश्वर्यै
महामायायै
महातेजसे ३०
महेश्वर्यै
महाजिह्वायै
महाघोरायै
महादंष्ट्रायै
महाभुजायै
महामोहान्धकारघ्न्यै
महामोक्षप्रदायिन्यै
महादारिद्र्यनाशायै
महाशत्रुविमर्दिन्यै
महामायायै ४०
महावीर्यायै
महापातकनाशिन्यै
महामखायै
मन्त्रमय्यै
मणिपूरकवासिन्यै
मानस्यै
मानदायै
मान्यायै
मनश्चक्षुरगोचरायै
गणमात्रे ५०

गायत्र्यै
गणगन्धर्वसेवितायै
गिरिजायै
गिरिशायै
साध्व्यै
गिरिस्थायै
गिरिवल्लभायै
चण्डेश्वर्यै
चण्डरूपायै
प्रचण्डायै ६०
चण्डमालिन्यै
चर्विकायै
चर्चिकाकारायै
चण्डिकायै
चारुरूपिण्यै
यज्ञेश्वर्यै
यज्ञरूपायै
जपयज्ञपरायणायै
यज्ञमात्रे
यज्ञभोक्त्र्यै ७०
यज्ञेश्यै
यज्ञसंभवायै
सिद्धयज्ञक्रियासिद्ध्यै
यज्ञांग्यै
यज्ञरक्षिकायै
यज्ञक्रियायै
यज्ञरूपायै

यज्ञांग्यै
यज्ञरक्षिकायै
यज्ञक्रियायै ८०
यज्ञायै
यज्ञायज्ञक्रियालयायै
जालन्धर्यै
जगन्मात्रे
जातवेदसे
जगत्प्रियायै
जितेन्द्रियायै
जितक्रोधायै
जनन्यै
जन्मदायिन्यै ९०
गंगायै
गोदावर्यै
गोमत्यै
शतद्रुकायै
घर्घरायै
वेदगर्भायै
रेचिकायै
समवासिन्यै
सिन्धवे
मन्दाकिन्यै १००
क्षिप्रायै
यमुनायै
सरस्वत्यै
भद्रायै

रागविपाशायै
गण्डक्यै
विन्ध्यवासिन्यै
नर्मदायै
सिन्धुकावेर्यै
वेत्रवत्यै ११०
सुकौशिक्यै
महेन्द्रतनयायै
अहल्यायै
चर्मकावत्यै
अयोध्यायै
मधुरायै
मायायै
काश्यै
काञ्च्यै
अवन्तिकायै १२०
पुर्यै
द्वारवत्यै
तीर्थायै
महाकिल्बिषनाशिन्यै
पद्मिन्यै
पद्ममध्यस्थायै
पद्मकिञ्जल्कवासिन्यै
पद्मवक्त्रायै
चकोराक्ष्यै
पद्मस्थायै १३०
पद्मसंभवायै

ह्रींकार्यै
कुण्डलाधारायै
हृत्पद्मस्थायै
सुलोचन्यै
श्रीङ्कार्यै
भूषणायै
लक्ष्म्यै
क्लीङ्कार्यै
क्लेशनाशिन्यै १४०
हरिवक्त्रोद्भवायै
शान्तायै
हरिवक्त्रकृतालयायै
हरिवक्त्रोद्भवाशान्तायै
हरिवक्षःस्थलस्थितायै
वैष्णव्यै
विष्णुरूपायै
विष्णुमातृस्वरूपिण्यै
विष्णुमायायै
विशालाक्ष्यै १५०
विशालनयनोज्ज्वलायै
विश्वेश्वर्यै
विश्वात्मने
विश्वेश्यै
विश्वरूपिण्यै
विश्वेश्वर्यै
शिवाराध्यायै
शिवनाथायै

शिवप्रियायै
शिवमात्रे १६०
शिवाख्यायै
शिवदायै
शिवरूपिण्यै
भवेश्वर्यै
भवाराध्यायै
भवेश्यै
भवनायिकायै
भवमात्रे
भवागम्यायै
भवकण्टकनाशिन्यै १७०
भवप्रियायै
भवानन्दायै
भवान्यै
भवमोहिन्यै
गायत्र्यै
सावित्र्यै
ब्रह्माण्यै
ब्रह्मरूपिण्यै
ब्रह्मेश्यै
ब्रह्मदायै १८०
ब्रह्मणे
ब्राह्मण्यै
ब्रह्मवादिन्यै
दुर्गस्थायै
दुर्गरूपायै
दुर्गायै
दुर्गार्तिनाशिन्यै
सुगमायै
दुर्गमायै
दान्तायै १९०
दयायै
दोग्ध्र्यै
दुरापहायै
दुरितघ्न्यै
दुराध्यक्षायै
दुरायै
दुष्कृतनाशिन्यै
पञ्चास्यायै
पञ्चम्यै
पूर्णायै २००
पूर्णपीठनिवासिन्यै
सत्वस्थायै
सत्त्वरूपायै
सत्त्वस्थायै
सत्त्वसंभवायै
रजस्स्थायै
रजोरूपायै
रजोगुणसमुद्भवायै
तमस्स्थायै
तमोरूपायै २१०
तामस्यै
तामसप्रियायै

तमोगुणसमुद्भूतायै
सात्विक्यै
राजस्यै
कलायै
काष्ठायै
मुहूर्तायै
निमिषायै
अनिमेषायै २२०
अर्धमासायै
मासायै
संवत्सरस्वरूपिण्यै
योगस्थायै
योगरूपायै
कल्पस्थायै
कल्परूपिण्यै
नानारत्नविचित्रांग्यै
नानाभरणमण्डितायै
विश्वात्मिकायै २३०
विश्वमात्रे
विश्वपाशविनाशिन्यै
विश्वासकारिण्यै
विश्वायै
विश्वशक्त्यै
विचक्षणायै
जपाकुसुमसंकाशायै
दाडिमीकुसुमोपमायै
चतुरंग्यै
चतुर्बाहवे २४०
चतुराचारवासिन्यै
सर्वेश्यै
सर्वदायै
सर्वायै
सर्वदासर्वदायिन्यै
माहेश्वर्यै
सर्वाद्यायै
शर्वाण्यै
सर्वमङ्गलायै
नलिन्यै २५०
नन्दिन्यै
नन्दायै
आनन्दायै
आनन्दवर्धिन्यै
सर्वभूतेषु व्यापिन्यै
भवभारविनाशिन्यै
सर्वशृंगारवेषाढ्यायै
पाशाङ्कुशकरोद्यतायै
सूर्यकोटिसहस्राभायै
चन्द्रकोटिनिभाननायै २६०
गणेशकोटिलावण्यायै
विष्णुकोट्यरिमर्दिन्यै
दावाग्निकोटिनलिन्यै
रुद्रकोट्युग्ररूपिण्यै
समुद्रकोटिगंभीरायै
वायुकोटिमहाबलायै

आकाशकोटिविस्तारायै
यमकोटिभयंकर्यै
मेरुकोटिसमुच्छ्रायायै
गणकोटिसमृद्धिदायै २७०
निष्कस्तोकायै
निराधारायै
निर्गुणायै
गुणवर्जितायै
अशोकायै
शोकरहितायै
तापत्रयविवर्जितायै
वसिष्ठायै
विश्वजनन्यै
विश्वाख्यायै २८०
विश्ववर्धिन्यै
चित्रायै
विचित्रचित्रांग्यै
हेतुगर्भायै
कुलेश्वर्यै
इच्छाशक्त्यै
ज्ञानशक्त्यै
क्रियाशक्त्यै
शुचिस्मितायै
शुचये २९०
स्मृतिमय्यै
सत्यायै
श्रुतिरूपायै
श्रुतिप्रियायै
महासत्त्वमय्यै
सत्त्वायै
पञ्चतत्त्वोपरिस्थितायै
पार्वत्यै
हिमवत्पुत्र्यै
पारस्थायै ३००
पाररूपिण्यै
जयन्त्यै
भद्रकाल्यै
अहल्यायै
कुलनायिकायै
भूतधात्र्यै
भूतेश्यै
भूतस्थायै
भूतभावनायै
महाकुण्डलिनीशक्त्यै ३१०
महाविभववर्धिन्यै
हंसाक्ष्यै
हंसरूपायै
हंसस्थायै
हंसरूपिण्यै
सोमसूर्याग्निमध्यस्थायै
मणिमण्डलवासिन्यै
द्वादशारसरोजस्थायै
सूर्यमण्डलवासिन्यै
अकलङ्कायै ३२०

शशाङ्काभायै
षोडशारनिवासिन्यै
डाकिन्यै
राकिण्यै
लाकिन्यै
काकिन्यै
शाकिन्यै
हाकिन्यै
षट्चक्रेषु निवासिन्यै
सृष्टिस्थितिविनाशायै ३३०
सृष्टिस्थित्यन्तकारिण्यै
श्रीकण्ठप्रियहृत्कण्ठायै
नन्दाख्यायै
बिन्दुमालिन्यै
चतुःषष्टिकलाधारायै
देहदण्डसमाश्रितायै
मायायै
काल्यै
धृत्यै
मेधायै ३४०
क्षुधायै
तुष्ट्यै
महाद्युतये
हिंगुलायै
मङ्गलायै
सीतायै
सुषुम्नामध्यगामिन्यै
परघोरायै
करालाक्ष्यै
विजयायै ३५०
जयदायिन्यै
हृत्पद्मनिलयायै
भीमायै
महाभैरवनादिन्यै
आकाशलिङ्गसंभूतायै
भुवनोद्यानवासिन्यै
महते
सूक्ष्मायै
कङ्काल्यै
भीमरूपायै ३६०
महाबलायै
मेनकागर्भसंभूतायै
तप्तकाञ्चनसन्निभायै
अन्तरस्थायै
कूटबीजायै
त्रिकूटाचलवासिन्यै
वर्णाख्यायै
वर्णरहितायै
पञ्चाशद्वर्णभेदिन्यै
विद्याधर्यै ३७०
लोकधात्र्यै
अप्सरसे
अप्सरःप्रियायै
दीक्षायै

दाक्षायण्यै
दक्षायै
दक्षयज्ञविनाशिन्यै
यशःपूर्णायै
यशोदायै
यशोदागर्भसंभवायै ३८०
देवक्यै
देवमात्रे
राधिकायै
कृष्णवल्लभायै
अरुन्धत्यै
शच्यै
इन्द्राण्यै
गान्धार्यै
गन्धमालिन्यै
ध्यानातीतायै ३९०
ध्यानगम्यायै
ध्यानज्ञायै
ध्यानधारिण्यै
लम्बोदर्यै
लम्बोष्ठ्यै
जांबवन्त्यै
जलोदर्यै
महोदर्यै
मुक्तकेश्यै
मुक्तकामायै ४००
अर्थसिद्धिदायै
तपस्विन्यै
तपोनिष्ठायै
सुपर्णायै
धर्मवासिन्यै
बाणचापधरायै
धीरायै
पाञ्चाल्यै
पञ्चमप्रियायै
गुह्यांग्यै ४१०
सुभीमायै
गुह्यतत्वायै
निरञ्जनायै
अशरीरायै
शरीरस्थायै
संसारार्णवतारिण्यै
अमृतायै
निष्कलायै
भद्रायै
सकलायै ४२०
कृष्णपिङ्गलायै
चक्रप्रियायै
चक्राह्वायै
पञ्चचक्रादिदारिण्यै
पद्मरागप्रतीकाशायै
निर्मलाकाशसन्निभायै
अधःस्थायै
ऊर्ध्वरूपायै

ऊर्ध्वपद्मनिवासिन्यै
कार्यकारणकर्तृत्वे शश्वद्रूपेषु संस्थितायै ४३०
रसज्ञायै
रसमध्यस्थायै
गन्धस्थायै
गन्धरूपिण्यै
परब्रह्मस्वरूपायै
परब्रह्मनिवासिन्यै
शब्दब्रह्मस्वरूपायै
शब्दस्थायै
शब्दवर्जितायै
सिद्ध्यै ४४०
बुद्ध्यै
परायै बुद्ध्यै
सन्दीप्त्यै
मध्यसंस्थितायै
स्वगुह्यायै
शांभव्यै
शक्त्यै
तत्वस्थायै
तत्वरूपिण्यै
शाश्वत्यै ४५०
भूतमात्रे
महाभूताधिपप्रियायै
शुचिप्रेतायै
धर्मसिद्ध्यै
धर्मवृद्ध्यै
पराजितायै
कामसन्दीपिन्यै
कामायै
सदाकौतूहलप्रियायै
जटाजूटधरायै ४६०
मुक्तायै
सूक्ष्मायै
शक्तिविभूषणायै
द्वीपिचर्मपरीधानायै
चीरवल्कलधारिण्यै
त्रिशूलडमरुधरायै
नरमालाविभूषणायै
अत्युग्ररूपिण्यै
उग्रायै
कल्पान्तदहनोपमायै ४७०
त्रैलोक्यसाधिन्यै
साध्यायै
सिद्धिसाधकवत्सलायै
सर्वविद्यामय्यै
सारायै
असुराणां विनाशिन्यै
दमन्यै

दामन्यै
दान्तायै
दयादोग्ध्र्यै ४८०
दुरापहायै
अग्निजिह्वोपमायै
घोरायै
घोरघोरतराननायै
नारायण्यै
नारसिंह्यै
नृसिंहहृदये स्थितायै
योगेश्वर्यै
योगरूपायै
योगमात्रे ४९०
योगिन्यै
खेचर्यै
खचर्यै
खेलायै
निर्वाणपदसंश्रयायै
नागिन्यै
नागकन्यायै
सुवेशायै
नागनायिकायै
विषज्वालावत्यै ५००
दीप्तायै
कलाशतविभूषणायै
तीव्रवक्त्रायै
महावक्त्रायै
नागकोटित्वधारिण्यै
महासत्वायै
धर्मज्ञायै
धर्मातिसुखदायिन्यै
कृष्णमूर्धायै
महामूर्धायै ५१०
घोरमूर्धायै
वराननायै
सर्वेन्द्रियमनोन्मत्तायै
सर्वेन्द्रियमनोमय्यै
सर्वसंग्रामजयदायै
सर्वप्रहरणोद्यतायै
सर्वपीडोपशमन्यै
सर्वारिष्टनिवारिण्यै
सर्वैश्वर्यसमुत्पन्नायै
सर्वग्रह विनाशिन्यै ५२०
मातङ्ग्यै
मत्तमातङ्ग्यै
मातङ्गीप्रियमण्डलायै
अमृतोदधिमध्यस्थायै
कटिसूत्रैरलंकृतायै
अमृतोदधिमध्यस्थायै
प्रवालवसनांबुजायै
मणिमण्डलमध्यस्थायै
ईषत्प्रहसिताननायै
कुमुदायै ५३०
ललितायै

लोलायै
लाक्षालोहितलोचनायै
दिग्वाससे
देवदूत्यै
देवदेवाधिदेवतायै
सिंहोपरिसमारूढायै
हिमाचलनिवासिन्यै
अट्टाट्टहासिन्यै
घोरायै ५४०
घोरदैत्यविनाशिन्यै
अत्युग्ररक्तवस्त्राभायै
नागकेयूरमण्डितायै
मुक्ताहारलतोपेतायै
तुङ्गपीनपयोधरायै
रक्तोत्पलदलाकारायै
मदाघूर्णितलोचनायै
समस्तदेवतामूर्तये
सुरारिक्षयकारिण्यै
खड्गिन्यै ५५०
शूलहस्तायै
चक्रिण्यै
चक्रमालिन्यै
शंखिन्यै
चापिन्यै
बाण्यै
वज्रिण्यै
वज्रदण्डिन्यै
आनन्दोदधिमध्यस्थायै
कटिसूत्रैरलङ्कृतायै ५६०
नानाभरणदीप्ताङ्ग्यै
नानामणिविभूषितायै
जगदानन्दसंभूतायै
चिन्तामणिगुणान्वितायै
त्रैलोक्यनमितायै
तुर्यायै
चिन्मयायै
आनन्दरूपिण्यै
त्रैलोक्यनन्दिन्यै देव्यै
दुःखदुःस्वप्ननाशिन्यै ५७०
घोराग्निदाहशमन्यै
राजदेवार्थसाधिन्यै
महापराधराशिघ्न्यै
महाचौरभयापहायै
रागदिदोषरहितायै
जरामरणवर्जितायै
चन्द्रमण्डलमध्यस्थायै
पीयूषार्णवसंभवायै
सर्वदेवैः स्तुतायै देव्यै
सर्वसिद्धैर्नमस्कृतायै ५८०
अचिन्त्यशक्तिरूपायै
मणिमन्त्रमहौषध्यै
अस्तिस्वस्तिमय्यै
बालायै
मलयाचलवासिन्यै

धात्र्यै
विधात्र्यै
संहार्यै
रतिज्ञायै
रतिदायिन्यै ५९०
रुद्राण्यै
रुद्ररूपायै
रुद्रायै
रौद्रार्तिनाशिन्यै
सर्वज्ञायै
धर्मज्ञायै
रसज्ञायै
दीनवत्सलायै
अनाहतायै
त्रिनयनायै ६००
निर्भारायै
निर्वृतये
परायै
पराघोरायै
करालाक्ष्यै
सुमत्यै
श्रैष्ठ्यदायिन्यै
मन्त्रालिकायै
मन्त्रगम्यायै
मन्त्रमालायै ६१०
सुमन्त्रिण्यै
श्रद्धायै

नन्दायै
महाभद्रायै
निर्द्वन्द्वायै
निर्गुणात्मिकायै
धरिण्यै
धारिण्यै
पृथ्व्यै
धरायै ६२०
धात्र्यै
वसुन्धरायै
मेरुमन्दरमध्यस्थायै
स्थितये
शङ्करवल्लभायै
श्रीमत्यै
श्रीमय्यै
श्रेष्ठायै
श्रीकर्यै
भावभाविन्यै ६३०
श्रीदायै
श्रीमायै
श्रीनिवासायै
श्रीमत्यै
श्रीमतां गतये
उमायै
सारंगिण्यै
कृष्णायै
कुटिलायै

कुटिलालकायै ६४०
त्रिलोचनायै
त्रिलोकात्मने
पुण्यपुण्यायै
प्रकीर्तितायै
अमृतायै
सत्यसंकल्पायै
तस्यै
सत्यायै
ग्रन्थिभेदिन्यै
परेश्यै ६५०
परमायै
साध्यायै
परायै विद्यायै
परात्परायै
सुन्दराङ्ग्यै
सुवर्णाभायै
सुरासुरनमस्कृतायै
प्रजायै
प्रजावत्यै
धन्यायै ६६०
धनधान्यसमृद्धिदायै
ईशान्यै
भुवनेशान्यै
भवान्यै
भुवनेश्वर्यै
अनन्तायै
अनन्तमहितायै
जगत्सारायै
जगद्भवायै
अचिन्त्यात्मने ६७०
अचिन्त्यशक्तये
चिन्त्यायै
चिन्त्यस्वरूपिण्यै
ज्ञानगम्यायै
ज्ञानमूर्तये
ज्ञानिन्यै
ज्ञानशालिन्यै
असितायै
घोररूपायै
सुधाधारायै ६८०
सुधावहायै
भास्कर्यै
भास्वत्यै
भीत्यै
भास्वदक्षायै
अनुशायिन्यै
अनसूयायै
क्षमायै
लज्जायै
दुर्लभायै ६९०
भरणात्मिकायै
विश्वघ्न्यै
विश्ववीरायै

विश्वघ्न्यै
विश्वसंस्थितायै
शीलस्थायै
शीलरूपायै
शीलायै
शीलप्रदायिन्यै
बोधन्यै ७००
बोधकुशलायै
रोधन्यै
बोधन्यै
विद्योतिन्यै
विचित्रात्मने
विद्युत्पटलसन्निभायै
विश्वयोन्यै
महायोन्यै
कर्मयोन्यै
प्रियात्मिकायै ७००
रोहिण्यै
रोगशमन्यै
महारोगज्वरापहायै
रसदायै
पुष्टिदायै
पुष्टयै
मानदायै
मानवप्रियायै
कृष्णाङ्गवाहिन्यै
कृष्णायै ७१०

अकृष्णायै
कृष्णसहोदर्यै
शांभव्यै
शंभुरूपायै
शंभुस्थायै
शंभुसंभवायै
विश्वोदर्यै
योगमात्रे
योगमुद्रायै
योगिन्यै ७२०
वागीश्वर्यै
योगनिद्रायै
योगिनीकोटिसेवितायै
कौलिकायै
मन्दकन्यायै
शृंगारपीठवासिन्यै
क्षेमङ्कर्यै
सर्वरूपायै
दिव्यरूपायै
दिगंबर्यै ७३०
धूम्रवक्त्रायै
धूम्रनेत्रायै
धूम्रकेश्यै
धूसरायै
पिनाक्यै
रुद्रवेताल्यै
महावेतालरूपिण्यै

तपिन्यै
तापिन्यै
दीक्षायै ७४०
विष्णुविद्यायै
आत्मनाश्रितायै
मन्थरायै
जठरायै
तीव्रायै
अग्निजिह्वायै
भयापहायै
पशुघ्न्यै
पशुरूपायै
पशुहायै ७५०
पशुवाहिन्यै
पित्रे
मात्रे
धीरायै
पशुपाशविनाशिन्यै
चन्द्रप्रभायै
चन्द्ररेखायै
चन्द्रकान्तिविभूषिण्यै
कुङ्कुमाङ्कितसर्वाङ्ग्यै
सुधायै ७६०
सद्गुरुलोचनायै
शुक्लांबरधरायै
देव्यै
वीणापुस्तकधारिण्यै
ऐरावतायै
पद्मधारायै
श्वेतपद्मासनस्थितायै
रक्तांबरधरायै
देव्यै
रक्तपद्मविलोचन्यै ७७०
दुस्तरायै
तारिण्यै
तारायै
तरुण्यै
ताररूपिण्यै
सुधाधारायै
धर्मज्ञायै
धर्मसङ्गायै
उपदेशिन्यै
भगेश्वर्यै ७८०
भगाराध्यायै
भगिन्यै
भगनायिकायै
भगबिम्बायै
भगक्लिन्नायै
भगयोन्यै
भगप्रदायै
भगेश्वर्यै
भगाराध्यायै
भगिन्यै ७९०
भगनायिकायै

भगेश्यै
भगरूपायै
भगगुह्यायै
भगावहायै
भगोदर्यै
भगानन्दायै
भगस्थायै
भगशालिन्यै
सर्वसंक्षोभिण्यै ८००
शक्त्यै
सर्वविद्राविण्यै
मालिन्यै
माधव्यै
माध्व्यै
मधुरूपायै
महोत्कटायै
भेरुण्डायै
चन्द्रिकायै
ज्योत्स्नायै ८१०
विश्वचक्षुषे
तमोऽपहायै
सुप्रसन्नायै
महादूत्यै
यमदूत्यै
भयङ्कर्यै
उन्मादिन्यै
महारूपायै
दिव्यरूपायै
सुरार्चितायै ८२०
चैतन्यरूपिण्यै
नित्यायै
क्लिन्नायै
काममदोद्धतायै
मदिरायै
आनन्दकैवल्यायै
मदिराक्ष्यै
मदालसायै
सिद्धेश्वर्यै
सिद्धविद्यायै ८३०
सिद्धाद्यायै
सिद्धसंभवायै
सिद्धर्द्ध्यै
सिद्धमात्रे
सिद्धयै
सर्वार्थसिद्धिदायै
मनोमय्यै
गुणातीतायै
परज्योतिःस्वरूपिण्यै
परेश्यै ८४०
परगायै

पारायै
परायै सिद्धयै
परायै गत्यै
विमलायै
मोहिन्यै
आद्यायै
मधुपानपरायणायै
वेदवेदाङ्गजनन्यै
सर्वशास्त्रविशारदायै ८५०
सर्वदेवमय्यै
विद्यायै
सर्वशास्त्रमय्यै
सर्वज्ञानमय्यै देव्यै
सर्वधर्ममय्यै
ईश्वर्यै
सर्वयज्ञमय्यै
यज्ञायै
सर्वमन्त्राधिकारिण्यै
सर्वसंपत्प्रतिष्ठात्र्यै ८६०
सर्वविद्राविण्यै
परायै
सर्वसंक्षोभिण्यै देव्यै
सर्वमङ्गलकारिण्यै
त्रैलोक्याकर्षिण्यै देव्यै
सर्वाह्लादनकारिण्यै
सर्वसंमोहिन्यै देव्यै
सर्वस्तंभनकारिण्यै
त्रैलोक्यजृंभिण्यै देव्यै
सर्ववशङ्कर्यै ८७०
त्रैलोक्यरंजिन्यै देव्यै
सर्वसंपत्तिदायिन्यै
सर्वमन्त्रमय्यै देव्यै
सर्वद्वन्द्वक्षयङ्कर्यै
सर्वसिद्धिप्रदायै देव्यै
सर्वसंपत्प्रदायिन्यै
सर्वप्रियकर्यै देव्यै
सर्वमङ्गलकारिण्यै
सर्वकामप्रदायै देव्यै
सर्वदुःखविमोचन्यै ८८०
सर्वमृत्युप्रशमन्यै
सर्वविघ्नविनाशिन्यै
सर्वाङ्गसुन्दर्यै
मात्रे
सर्वसौभाग्य दायिन्यै
सर्वज्ञायै
सर्वशक्त्यै
सर्वैश्वर्यफलप्रदायै
सर्वज्ञानमय्यै देव्यै
सर्वव्याधिविनाशिन्यै ८९०
सर्वाधारस्वरूपायै

सर्वपापहरायै
सर्वानन्दमय्यै देव्यै
सर्वेक्षायाः स्वरूपिण्यै
सर्वलक्ष्मीमय्यै देव्यै
विद्यायै
सर्वेप्सितफलप्रदायै
सर्वारिष्टप्रशमन्यै
परमानन्ददायिन्यै
त्रिकोणनिलयायै ९००
त्रिस्थायै
त्रिमात्रायै
त्रितनुस्थितायै
त्रिवेण्यै
त्रिपथायै
त्रिस्थायै
त्रिमूर्तये
त्रिपुरेश्वर्यै
त्रिधाम्न्यै
त्रिदशाध्यक्षायै ९१०
त्रिविदे
त्रिपुरवासिन्यै
त्रयीविद्यायै
त्रिशिरसे
त्रैलोक्यायै
त्रिपुष्करायै
त्रिकोटरस्थायै
त्रिविधायै
त्रिपुरायै
त्रिपुरात्मिकायै ९२०
त्रिपुराश्रियै
त्रिजनन्यै
त्रिपुरायै
त्रिपुरसुन्दर्यै ९२४★

★अपूर्णा नामावलिः। पूरणं उपासकैः मार्गविद्भिः करणीयम्।

भुवनेश्वरी - अष्टोत्तरशतनामवलिः

महामायायै नमः
महाविद्यायै
महायोगायै
महोत्कटायै
माहेश्वर्यै
कुमार्यै
ब्रह्माण्यै
ब्रह्मरूपिण्यै
वागीश्वर्यै
योगरूपायै १०
योगिनीकोटिसेवितायै
जयायै
विजयायै
कौमार्यै
सर्वमङ्गलायै
हिंगुलायै
विलास्यै
ज्वालिन्यै
ज्वालरूपिण्यै
ईश्वर्यै २०
क्रूरसंहार्यै
कुलमार्गप्रदायिन्यै
वैष्णव्यै
सुभगाकारायै
सुकुल्यायै
कुलपूजितायै
वामाङ्गायै
वामचारायै
वामदेवप्रियायै
डाकिन्यै ३०
योगिनीरूयायै
भूतेश्यै
भूतनायिकायै
पद्मावत्यै
पद्मनेत्रायै
प्रबुद्धायै
सरस्वत्यै
भूचर्यै
खेचर्यै
मायायै ४०
मातङ्ग्यै
भुवनेश्वर्यै
कान्तायै
पतिव्रतायै
साक्ष्यै
सुचक्षुषे
कुण्डवासिन्यै
उमायै
कुमार्यै
लोकेश्यै ५०
सुकेश्यै
पद्मरागिण्यै

इन्द्राण्यै
ब्रह्मचण्डाल्यै
चण्डिकायै
वायुवल्लभायै
सर्वधातुमय्यै
मूर्तये
जलरूपायै
जलोदर्यै ६०
आकाश्यै
रणगायै
नृकपालविभूषणायै
नर्मदायै
मोक्षदायै
धर्मकामार्थदायिन्यै
गायत्र्यै
सावित्र्यै
त्रिसन्ध्यायै
तीर्थगामिन्यै ७०
अष्टम्यै
नवम्यै
दशम्यै
एकादश्यै
पौर्णमास्यै
कुहूरूपायै
तिथिमूर्तिस्वरूपिण्यै
सुरारिनाशकार्यै
उग्ररूपायै
वत्सलायै ८०
अनलायै
अर्धमात्रायै
अरुणायै
पीतलोचनायै
लज्जायै
सरस्वत्यै
विद्यायै
भवान्यै
पापनाशिन्यै
नागपाशधरायै ९०
मूर्तये
अगाधायै
धृतकुण्डलायै
क्षत्ररूपायै
क्षयकर्यै
तेजस्विन्यै
शुचिस्मितायै
अव्यक्तायै
व्यक्तलोकायै
शंभुरूपायै १००
मनस्विन्यै
मातङ्ग्यै
मत्तमातङ्ग्यै
सदामहादेवप्रियायै
दैत्यहायै
वाराह्यै
सर्वशास्त्रमय्यै
शुभायै १०८

श्रीभुवनेश्वरीसहस्रनामावलिः (भकारादिः)

भुवनेश्यै नमः
भुवाराध्यायै
भवान्यै
भयनाशिन्यै
भवरूपायै
भवानन्दायै
भवसागरतारिण्यै
भवोद्भवायै
भवरतायै
भवभारनिवारिण्यै १०
भव्यास्यायै
भव्यनयनायै
भव्यरूपायै
भवौषध्यै
भव्याङ्गनायै
भव्यकेश्यै
भवपाशविमोचिन्यै
भव्यासनायै
भव्यवस्त्रायै
भव्याभरणभूषितायै २०
भगरूपायै
भगानन्दायै
भगेश्यै
भगमालिन्यै
भगविद्यायै
भगवत्यै
भगक्लिन्नायै
भगावहायै
भगाङ्कुरायै
भगक्रीडायै ३०
भगाद्यायै
भगमङ्गलायै
भगलीलायै
भगप्रीतायै
भगसंपदे
भगेश्वर्यै
भगालयायै
भगोत्साहायै
भगस्थायै
भगपोषिण्यै ४०
भगोत्सवायै
भगविद्यायै
भगमात्रे
भगस्थितायै
भगशक्त्यै
भगनिधये
भगपूजायै
भगेषणायै
भगस्वापायै
भगाधीशायै ५०

भगाच्यैं
भगसुन्दर्यै
भगरेखायै
भगस्नेहायै
भगस्नेहविवर्धिन्यै
भगिन्यै
भगबीजस्थायै
भगभोगविलासिन्यै
भगाचारायै
भगाधारायै ६०
भगाकारायै
भगाश्रयायै
भगपुष्पायै
भगश्रीदायै
भगपुष्पनिवासिन्यै
भव्यरूपधरायै
भव्यायै
भव्यपुष्पैरलंकृतायै
भव्यलीलायै
भव्यमालायै ७०
भव्याङ्ग्यै
भव्यसुन्दर्यै
भव्यशीलायै
भव्यलीलायै
भव्याक्ष्यै
भव्यनाशिन्यै
भव्याङ्गिकायै
भव्यवाण्यै
भव्यकान्त्यै
भगालिन्यै ८०
भव्यत्रपायै
भव्यनद्यै
भव्यभोगविहारिण्यै
भव्यस्तन्यै
भव्यमुख्यै
भव्यगोष्ठ्यै
भयापहायै
भक्तेश्वर्यै
भक्तिकर्यै
भक्तानुग्रहकारिण्यै ९०
भक्तिदायै
भक्तिजनन्यै
भक्तानन्दविवर्धिन्यै
भक्तिप्रियायै
भक्तिरतायै
भक्तिभावविहारिण्यै
भक्तिशीलायै
भक्तिलीलायै
भक्तेश्यै
भक्तिपालिन्यै १००
भक्तिविद्यायै
भक्तविद्यायै
भक्त्यै
भक्तिविनोदिन्यै

भक्तिरीत्यै
भक्तिप्रीत्यै
भक्तिसाधनसाधिन्यै
भक्तिसाध्यायै
भक्तसाध्यायै
भक्तिराल्यै ११०
भवेश्वर्यै
भटविद्यायै
भटानन्दायै
भटस्थायै
भटरूपिण्यै
भटमान्यायै
भटस्थान्यायै
भटस्थाननिवासिन्यै
भटिन्यै
भटरूपेश्यै १२०
भटरूपविवर्धिन्यै
भटवेश्यै
भटेश्यै
भगभाजे
भगसुन्दर्यै
भटप्रीत्यायै
भटरीत्यायै
भटानुग्रहकारिण्यै
भटाराध्यायै
भटाबोध्यायै १३०
भटबोधविनोदिन्यै
भटैःसेव्यायै
भटवरायै
भटाच्र्यायै
भटबोधिन्यै
भटकीर्त्यायै
भटकलायै
भटपायै
भटपालिन्यै
भटैश्वर्यायै १४०
भटाधीशायै
भटेक्षायै
भटतोषिण्यै
भटेश्यै
भटजनन्यै
भटभाग्यविवर्धिन्यै
भटमुक्त्यै
भटयुक्त्यै
भटप्रीतिविवर्धिन्यै
भाग्येश्यै १५०
भाग्यजनन्यै
भाग्यस्थायै
भाग्यरूपिण्यै
भावनायै
भावकुशलायै
भावदायै
भाववर्धिन्यै
भावरूपायै

भावरसायै
भावान्तरविहारिण्यै १६०
भावाङ्कुरायै
भावकलायै
भावस्थाननिवासिन्यै
भावातुरायै
भावधृतायै
भावमध्यव्यवस्थितायै
भावऋद्ध्यै
भावसिद्ध्यै
भावादये
भावभाविन्यै १७०
भावालयायै
भावपरायै
भावसाधनतत्परायै
भावेश्वर्यै
भावगम्यायै
भावस्थायै
भावगर्वितायै
भाविन्यै
भावरमण्यै
भारत्यै १८०
भारतेश्वर्यै
भागीरथ्यै
भाग्यवत्यै
भाग्योदयकर्यै
भाग्योदय कलायै
भाग्याश्रयायै
भाग्यमय्यै
भाग्यायै
भाग्यफलप्रदायै
भाग्याचारायै १९०
भाग्यसारायै
भाग्यधारायै
भाग्यदायै
भाग्येश्वर्यै
भाग्यनिधये
भाग्यायै
भाग्यसुमातृकायै
भाग्येक्षायै
भाग्यनायै
भाग्यभाग्यदायै २००
भाग्यमातृकायै
भाग्येक्षायै
भाग्यमानसायै
भाग्यादये
भाग्यमध्यगायै
भ्रात्रीश्वर्यै
भ्रातृमत्यै
भ्रात्रंबायै
भ्रातृपालिन्यै
भ्रातृस्थायै २१०
भ्रातृकुशलायै
भ्रामर्यै

भ्रमराम्बिकायै
भिल्लरूपायै
भिल्लवत्यै
भिल्लस्थायै
भिल्लपालिन्यै
भिल्लमात्रे
भिल्लधात्र्यै
भिल्लिन्यै २२०
भिल्लकेश्वर्यै
भिल्लकीर्त्यै
भिल्लकलायै
भिल्लमन्दिरवासिन्यै
भिल्लक्रीडायै
भिल्ललीलायै
भिल्लार्च्यायै
भिल्लवल्लभायै
भिल्लस्नुषायै
भिल्लपुत्र्यै २३०
भिल्लिन्यै
भिल्लपोषिण्यै
भिल्लपौत्र्यै
भिल्लगोष्ठ्यै
भिल्लाचारनिवासिन्यै
भिल्लपूज्यायै
भिल्लवाण्यै
भिल्लान्यै
भिल्लभीतिहायै
भीतस्थायै २४०
भीतजनन्यै
भीत्यै
भीतिविनाशिन्यै
भीतिदायै
भीतिहायै
भीत्यायै
भीत्याकारविहारिण्यै
भीतेश्यै
भीतिशमन्यै
भीतस्थाननिवासिन्यै २५०
भीतिरीत्यायै
भीतिकलायै
भीतीक्षायै
भीतिहारिण्यै
भीमेश्यै
भीमजनन्यै
भीमायै
भीमनिवासिन्यै
भीमेश्वर्यै
भीमरतायै २६०
भीमाङ्ग्यै
भीमपालिन्यै
भीमनादायै
भीमतन्त्र्यै
भीमैश्वर्यविवर्धिन्यै
भीमगोष्ठ्यै

भीमधात्र्यै
भीमविद्याविनोदिन्यै
भीमविक्रमदात्र्यै
भीमविक्रमवासिन्यै २७०
भीमानन्दकर्यै
भीमदेव्यै
भीमानन्द विहारिण्यै
भीमोपदेशिन्यै
भीमनित्यायै
भीमभाग्यप्रदायिन्यै
भीमसिद्ध्यै
भीमऋद्ध्यै
भीमभक्तिविवर्धिन्यै
भीमस्थायै २८०
भीमवरदायै
भीमधर्मोपदेशिन्यै
भीष्मेश्वर्यै
भीष्मभृत्यै
भीष्मबोधप्रबोधिन्यै
भीष्मश्रियै
भीष्मजनन्यै
भीष्मज्ञानोपदेशिन्यै
भीष्मस्थायै
भीष्मतपसायै २९०
भीष्मेश्यै
भीष्मतारिण्यै
भीष्मलीलायै
भीष्मशीलायै
भीष्मरोधोनिवासिन्यै
भीष्माश्रयायै
भीष्मवरायै
भीष्महर्षविवर्धिन्यै
भुवनायै
भुवनेशान्यै ३००
भुवनानन्दकारिण्यै
भुविस्थायै
भुविरूपायै
भुविभारनिवारिण्यै
भुक्तिस्थायै
भुक्तिदायै
भुक्त्यै
भुक्तेश्यै
भुक्तिरूपिण्यै
भुक्तेश्वर्यै ३१०
भुक्तिदात्र्यै
भुक्त्यै
भुक्त्याकाररूपिण्यै
भुजङ्गस्थायै
भुजङ्गेश्यै
भुजङ्गाकाररूपिण्यै
भुजङ्ग्यै
भुजगावासायै
भुजङ्गानन्ददायिन्यै
भूतेश्यै ३२०

भूतजनन्यै
भूतस्थायै
भूतरूपिण्यै
भूतेश्वर्यै
भूतलीलायै
सदाभूतवेषकर्यै
भूतदात्र्यै
भूतकेश्यै
भूतधात्र्यै
भूतमहेश्वर्यै ३३०
भूतरीत्यायै
भूतपत्न्यै
भूतलोकनिवासिन्यै
भूतसिद्ध्यै
भूतऋद्ध्यै
भूतानन्दनिवासिन्यै
भूतकीर्त्यै
भूतलक्ष्म्यै
भूतभाग्यविवर्धिन्यै
भूतार्च्यायै ३५०
भूतरमण्यै
भूतविद्याविनोदिन्यै
भूतपौत्र्यै
भूतपुत्र्यै
भूतभार्यायै
भूतविधीश्वर्यै
भूतस्थायै
भूतरमण्यै
भूतेश्यै
भूतपालिन्यै ३५०
भूपमात्रे
भूपनिभायै
भूपैश्वर्यप्रदायिन्यै
भूपचेष्टायै
भूपनिष्ठायै
भूपभावविवर्धिन्यै
भूपस्वस्रे
भूपभूर्यै
भूपपौत्र्यै
भूपवध्वै ३६०
भूपकीर्तये
भूपनीत्यै
भूपभाग्यविवर्धिन्यै
भूपक्रियायै
भूपक्रीडायै
भूपमन्दिरवासिन्यै
भूपार्च्यायै
भूपसंराध्यायै
भूपभोगविवर्धिन्यै
भूपाश्रयायै ३७०
भूपकलायै
भूपकौतुकदण्डिन्यै
भूषणस्थायै
भूषणेश्यै

भूषायै
भूषणधारिण्यै
भूषणाधारधर्मेश्यै
भूषणाकाररूपिण्यै
भूपताचार निलयायै
भूपताचारभूषितायै ३८०
भूपताचाररचनायै
भूपताचारमण्डितायै
भूपताचारधर्मेश्यै
भूपताचारकारिण्यै
भूपताचारचरितायै
भूपताचारवर्जितायै
भूपताचारवृद्धिस्थायै
भूपताचारवृद्धिदायै
भूपताचारकरणायै
भूपताचारकर्मदायै ३९०
भूपताचारकर्मेश्यै
भूपताचारकर्मदायै
भूपताचारदेहस्थायै
भूपताचारकर्मिण्यै
भूपताचारसिद्धिस्थायै
भूपताचारसिद्धिदायै
भूपताचारधर्माण्यै
भूपताचारधारिण्यै
भूपतानन्दलहर्यै
भूपतेश्वररूपिण्यै ४००
भूपतेर्नीत्यै
भूपतेर्नीतिस्थायै
भूपतिस्थानवासिन्यै
भूपतिस्थानगीर्वाण्यै
भूपतेर्वरधारिण्यै
भेषजानन्दलहर्यै
भेषजानन्दरूपिण्यै
भेषजानन्दमहिष्यै
भेषजानन्द धारिण्यै
भेषजानन्द कर्मेश्यै ४१०
भेषजानन्द दायिन्यै
भैषज्यै
भैषजाकन्दायै
भेषजस्थानवासिन्यै
भेषजेश्वर रूपायै
भेषजेश्वर सिद्धिदायै
भेषजेश्वर धर्मेश्यै
भेषजेश्वर कर्मदायै
भेषजेश्वर कर्मेश्यै
भेषजेश्वर कर्मिण्यै ४२०
भेषजाधीशजनन्यै
भेषजाधीशपालिन्यै
भेषजाधीशरचनायै
भेषजाधीशमङ्गलायै
भेषजारण्य मध्यस्थायै
भेषजारण्य रक्षिण्यै
भैषज्यविद्यायै
भैषज्यायै

भैषज्येप्सितदायिन्यै
भैषज्यस्थायै ४३०
भैषजेभ्यै
भैषज्यानन्दवर्धिन्यै
भैरव्यै
भैरवाचारायै
भैरवाकाररूपिण्यै
भैरवाचारचतुरायै
भैरवाचारमण्डितायै
भैरवायै
भैरवेभ्यै
भैरवानन्ददायिन्यै ४४०
भैरवानन्दरूपेभ्यै
भैरवानन्दरूपिण्यै
भैरवानन्दनिपुणायै
भैरवानन्द मन्दिरायै
भैरवानन्द तत्वज्ञायै
भैरवानन्द तत्परायै
भैरवानन्द कुशलायै
भैरवानन्द नीतिदायै
भैरवानन्द प्रीतिस्थायै
भैरवानन्द प्रीतिदायै ४५०
भैरवानन्द महिष्यै
भैरवानन्द मालिन्यै
भैरवानन्द मतिदायै
भैरवानन्द मातृकायै
भैरवाधार जनन्यै
भैरवाधार रक्षिण्यै
भैरवाधार रूपेभ्यै
भैरवाधाररूपिण्यै
भैरवाधार निचयायै
भैरवाधार निश्चयायै ४६०
भैरवाधार तत्वज्ञायै
भैरवाधार तत्वदायै
भैरवाश्रय तन्त्रेभ्यै
भैरवाश्रय मन्त्रिण्यै
भैरवाश्रय रचनायै
भैरवाश्रय रञ्जितायै
भैरवाश्रय निर्भारायै
भैरवाश्रय निर्भरायै
भैरवाश्रय निर्धारायै
भैरवाश्रय निर्धरायै ४७०
भैरवानन्द बोधेभ्यै
भैरवानन्द बोधिन्यै
भैरवानन्द बोधस्थायै
भैरवानन्द बोधदायै
भैरव्यैश्वर्य वरदायै
भैरव्यैश्वर्य दायिन्यै
भैरव्यैश्वर्य रचनायै
भैरव्यैश्वर्य वर्धिन्यै
भैरव्यैश्वर्य सिद्धिस्थायै
भैरव्यैश्वर्यसिद्धिदायै ४८०
भैरव्यैश्वर्यसिद्धेभ्यै
भैरव्यैश्वर्य रूपिण्यै

भैरव्यैश्वर्य सुपथायै
भैरव्यैश्वर्य सुप्रभायै
भैरव्यैश्वर्य वृद्धिस्थायै
भैरव्यैश्वर्य वृद्धिदायै
भैरव्यैश्वर्य कुशलायै
भैरव्यैश्वर्य कामदायै
भैरव्यैश्वर्य सुलभायै
भैरव्यैश्वर्य संप्रदायै ४९०
भैरव्यैश्वर्य विशदायै
भैरव्यैश्वर्य विक्रियायै
भैरव्यैश्वर्य विनयायै
भैरव्यैश्वर्य वेदितायै
भैरव्यैश्वर्यमहिमायै
भैरव्यैश्वर्य मानिन्यै
भैरव्यैश्वर्यै निरतायै
भैरव्यैश्वर्य निर्मितायै
भोगेश्वर्यै
भोगमात्रे ५००
भोगस्थायै
भोगरक्षिण्यै
भोगक्रीडायै
भोग लीलायै
भोगेश्यै
भोगवर्धिन्यै
भोगांग्यै
भोगरमण्यै
भोगाचारविचारिण्यै
भोगाश्रयायै ५१०
भोगवत्यै
भोगिन्यै
भोगरूपिण्यै
भोगाङ्कुरायै
भोगविधायै
भोगाधारनिवासिन्यै
भोगांबिकायै
भोगरतायै
भोगसिद्धिविधायिन्यै
भोजस्थायै ५२०
भोजनिरतायै
भोजनानन्ददायिन्यै
भोजनानन्दलहर्यै
भोजनान्तर्विहारिण्यै
भोजनानन्दमहिमायै
भोजनानन्द भोग्यदायै
भोजनानन्दरचनायै
भोजनानन्दहर्षितायै
भोजनाचारचतुरायै
भोजनाचारमण्डितायै ५३०
भोजनाचार चरितायै
भोजनाचार चर्चितायै
भोजनाचार संपन्नायै
भोजनाचारसंयुतायै
भोजनाचार चित्तस्थायै
भोजनाचार रीतिदायै

भोजनाचारविभवायै
भोजनाचार विस्तृतायै
भोजनाचार रमण्यै
भोजनाचार रक्षिण्यै ५४०
भोजनाचार हरिण्यै
भोजनाचारभक्षिण्यै
भोजनाचार सुखदायै
भोजनाचार सुस्पृहायै
भोजनाहार सुरसायै
भोजनाहार सुन्दर्यै
भोजनाहार चरितायै
भोजनाहार चञ्चलायै
भोजनास्वाद विभवायै
भोजनास्वाद वल्लभायै ५५०
भोजनास्वादसन्तुष्टायै
भोजनास्वादसंप्रदायै
भोजनास्वादसुपथायै
भोजनास्वादसंश्रयायै
भोजनास्वादनिरतायै
भोजनास्वादनिर्णिताय
भौक्षरायै
भौक्षरेशान्यै
भौकाराक्षररूपिण्यै
भौक्षरस्थायै ५६०
भौक्षरादये
भौक्षरस्थानवासिन्यै
भङ्कार्यै
भर्मिण्यै
भर्म्यै
भस्मेश्यै
भस्मरूपप्रियै
भङ्कारायै
भञ्जनायै
भस्मायै ५७०
भस्मस्थायै
भस्मवासिन्यै
भक्षर्यै
भक्षराकारायै
भक्षरस्थानवासिन्यै
भक्षराढ्यायै
भक्षरेश्यै
भरूपायै
भस्वरूपिण्यै
भूधरस्थायै ५८०
भूधरेश्यै
भूधर्यै
भूधरेश्वर्यै
भूधरानन्दरमण्यै
भूधरानन्दपालिन्यै
भूधरानन्द जनन्यै
भूधरानन्द वासिन्यै
भूधरानन्द रमण्यै
भूधरानन्द रक्षितायै
भूधरानन्द महिमायै ५९०

भूधरानन्द मन्दिरायै
भूधरानन्द सर्वेश्यै
भूधरानन्द सर्वसुवे
भूधरानन्द महिष्यै
भूधरानन्द दायिन्यै
भूधरानन्दधर्मेश्यै
भूधरानन्द धर्मिण्यै
भूधराधीश धर्मेश्यै
भूधराधीशसिद्दिदायै
भूधराधीश कर्मेश्यै ६००
भूधराधीश कामिन्यै
भूधराधीश निरतायै
भूधराधीश निर्णितायै
भूधराधीश नीतिस्थायै
भूधराधीश नीतिदायै
भूधराधीश भाग्येश्यै
भूधराधीश भामिन्यै
भूधराधीश बुद्धिस्थायै
भूधराधीश बुद्धिदायै
भूधराधीश वरदायै ६१०
भूधराधीश वन्दितायै
भूधराधीश संराध्यायै
भूधराधीशचर्चितायै
भंगेश्वर्यै
भंगमय्यै
भंगस्थायै
भंगरूपिण्यै
भंगाक्षतायै
भंगरतायै
भंगाच्यायै ६२०
भंगरक्षिण्यै
भंगावत्यै
भंगलीलायै
भंगभोगविलासिन्यै
भंगरंगप्रतीकाशायै
भंगरंगनिवासिन्यै
भंगाशिन्यै
भंगमूल्यै
भंगभोगविधायिन्यै
भंगाश्रयायै ६३०
भंगबीजायै
भंगबीजांकुरेश्वर्यै
भंगयन्त्रचमत्कारायै
भंगयन्त्रेश्वर्यै
भंगयन्त्रविमोहस्थायै
भंगयन्त्र विनोदिन्यै
भंगयन्त्र विचारस्थायै
भंगयन्त्र विचारिण्यै
भंगयन्त्र रसानन्दायै
भंगयन्त्र रसेश्वर्यै ६४०
भंगयन्त्र रसास्वादायै
भंगयन्त्र रसस्थितायै
भंगयन्त्र रसाधारायै
भंगयन्त्र रसाश्रयायै

भूधरात्मज रूपेश्यै
भूधरात्मज रूपिण्यै
भूधरात्मज योगेश्यै
भूधरात्मज पालिन्यै
भूधरात्मज महिमायै
भूधरात्मज मालिन्यै ६५०
भूधरात्मज भूतेश्यै
भूधरात्मज रूपिण्यै
भूधरात्मज सिद्धिस्थायै
भूधरात्मज सिद्धिदायै
भूधरात्मज भावेश्यै
भूधरात्मज भाविन्यै
भूधरात्मज भोगस्थायै
भूधरात्मज भोगदायै
भूधरात्मजभोगेश्यै
भूधरात्मज भोगिन्यै ६६०
भव्यायै
भव्यतरायै
भव्याभाविन्यै
भववल्लभायै
भावातिभावायै
भावाख्यायै
भातिभायै
भीतिभान्तिकायै
भासान्तिभासायै
भासस्थायै ६७०
भासामायै
भास्करोपमायै
भास्करस्थायै
भास्करेश्यै
भास्करैश्वर्यवर्धिन्यै
भास्करानन्द जनन्यै
भास्करानन्द दायिन्यै
भास्करानन्द महिमायै
भास्करानन्द मातृकायै
भास्करानन्दनैश्वर्यायै ६८०
भास्करानन्दनेश्वरायै
भास्करानन्द सुपथायै
भास्करानन्द सुप्रभायै
भास्करानन्द निचयायै
भास्करानन्द निर्मितायै
भास्करानन्द नीतिस्थायै
भास्करानन्द नीतिदायै
भास्करोदय मध्यस्थायै
भास्करोदय मध्यगायै
भास्करोदय तेजस्स्थायै ६९०
भास्करोदय तेजसायै
भास्कराचार चतुरायै
भास्कराचार चन्द्रिकायै
भास्कराचारपरभायै
भास्कराचार चण्डिकायै
भास्कराचार परमायै
भास्कराचार पारदायै
भास्कराचार मुक्तिस्थायै

भास्कराचार मुक्तिदायै
भास्कराचार सिद्धिस्थायै ७००
भास्कराचार सिद्धिदायै
भास्कराचरणाधारायै
भास्कराचरणाश्रितायै
भास्कराचारमन्त्रेश्यै
भास्कराचार मन्त्रिण्यै
भास्कराचार वित्तेश्यै
भास्कराचार चित्रिण्यै
भास्कराधार धर्मेश्यै
भास्कराधार धारिण्यै
भास्कराधार रचनायै ७१०
भास्कराधार रक्षितायै
भास्कराधार कर्माण्यै
भास्कराधार कर्मदायै
भास्कराधार रूपेश्यै
भास्कराधार रूपिण्यै
भास्कराधार काम्येश्यै
भास्कराधार कामिन्यै
भास्कराधार सांशेश्यै
भास्कराधार सांशिन्यै
भास्कराधार धर्मेश्यै ७२०
भास्कराधार धामिन्यै
भास्कराधार चक्रस्थायै
भास्कराधार चक्रिण्यै
भास्करेश्वरक्षेत्रेश्यै
भास्करेश्वर क्षेत्रिण्यै
भास्करेश्वर जनन्यै
भास्करेश्वर पालिन्यै
भास्करेश्वर सर्वेश्यै
भास्करेश्वर शर्वर्यै
भास्करेश्वर सद्भीमायै ७३०
भास्करेश्वर सन्निभायै
भास्करेश्वर सुपथायै
भास्करेश्वर सुप्रभायै
भास्करेश्वर युवत्यै
भास्करेश्वर सुन्दर्यै
भास्करेश्वर मूर्तेश्यै
भास्करेश्वर मूर्तिन्यै
भास्करेश्वर मित्रेश्यै
भास्करेश्वर मन्त्रिण्यै
भास्करेश्वर सानन्दायै ७४०
भास्करेश्वर साश्रयायै
भास्करेश्वर चित्रस्थायै
भास्करेश्वर चित्रदायै
भास्करेश्वर चित्रेश्यै
भास्करेश्वर चित्रिण्यै
भास्करेश्वर भाग्यस्थायै
भास्करेश्वर भाग्यदायै
भास्करेश्वर भाग्येश्यै
भास्करेश्वर भाविन्यै
भास्करेश्वर कीर्त्येश्यै ७५०
भास्करेश्वर कीर्तिन्यै
भास्करेश्वर कीर्तिस्थायै

भास्करेश्वर कीर्तिदायै
भास्करेश्वर करुणायै
भास्करेश्वर कारिण्यै
भास्करेश्वर गीर्वाण्यै
भास्करेश्वर गारुड्यै
भास्करेश्वर देहस्थायै
भास्करेश्वर देहदायै
भास्करेश्वर नादस्थायै ७६०
भास्करेश्वर नादिन्यै
भास्करेश्वर नादेश्यै
भास्करेश्वर नादिन्यै
भास्करेश्वर कोशस्थायै
भास्करेश्वर कोशदायै
भास्करेश्वर कोशेश्यै
भास्करेश्वर कोशिन्यै
भास्करेश्वर शक्तिस्थायै
भास्करेश्वर शक्तिदायै
भास्करेश्वर तोषेश्यै ७७०
भास्करेश्वर तोषिण्यै
भास्करेश्वर क्षेत्रेश्यै
भास्करेश्वर क्षेत्रिण्यै
भास्करेश्वर योगस्थायै
भास्करेश्वर योगदायै
भास्करेश्वर योगेश्यै
भास्करेश्वर योगिन्यै
भास्करेश्वर पद्मेश्ये
भास्करेश्वर पद्मिन्यै
भास्करेश्वर हृद्बीजायै ७८०
भास्करेश्वर हृद्वरायै
भास्करेश्वर हृद्योनये
भास्करेश्वर हृद्द्युतये
भास्करेश्वर बुद्धिस्थायै
भास्करेश्वर सद्विधायै
भास्करेश्वर सद्वाण्यै
भास्करेश्वर सद्वरायै
भास्करेश्वर राज्यस्थायै
भास्करेश्वर राज्यदायै
भास्करेश्वर राज्येश्यै ७९०
भास्करेश्वर पोषिण्यै
भास्करेश्वर ज्ञानस्थायै
भास्करेश्वर ज्ञानदायै
भास्करेश्वर ज्ञानेश्यै
भास्करेश्वर गामिन्यै
भास्करेश्वर लक्षेश्यै
भास्करेश्वर क्षालितायै
भास्करेश्वर लक्षितायै
भास्करेश्वर रक्षितायै
भास्करेश्वर खड्गस्थायै ८००
भास्करेश्वर खड्गदायै
भास्करेश्वर खड्गेश्यै
भास्करेश्वर खड्गिन्यै
भास्करेश्वर कार्येश्यै
भास्करेश्वर कामिन्यै
भास्करेश्वर कायस्थायै

भास्करेश्वर कायदायै
भास्करेश्वर चक्षुःस्थायै
भास्करेश्वर चक्षुषायै
भास्करेश्वर सन्नाभायै ८१०
भास्करेश्वर सार्चितायै
भ्रूणहत्या-प्रशमिन्यै
भ्रूणपापविनाशिन्यै
भ्रूणदारिद्र्यशमन्यै
भ्रूणरोगविनाशिन्यै
भ्रूणशोकप्रशमन्यै
भ्रूणदोषनिवारिण्यै
भ्रूणसन्तापशमन्यै
भ्रूणविभ्रमनाशिन्यै
भवाब्धिस्थायै ८२०
भवाब्धीशायै
भवाब्धिभयनाशिन्यै
भवाब्धिपारकरण्यै
भवाब्धिसुखवर्धिन्यै
भवाब्धिकार्यकरण्यै
भवाब्धिकरुणानिधये
भवाब्धिकालशमन्यै
भवाब्धिवरदायिन्यै
भवाब्धिभजनस्थानायै
भवाब्धिभजनस्थितायै ८३०
भवाब्धिभजनाकारायै
भवाब्धिभजनक्रियायै
भवाब्धिभजनाचारायै
भवाब्धिभजनाङ्कुरायै
भवाब्धिभजनानन्दायै
भवाब्धिभजनाधिपायै
भवाब्धिभजनेश्वर्यायै
भवाब्धिभजनेश्वर्यै
भवाब्धिभजनासिद्धयै
भवाब्धिभजनारत्यै ८४०
भवाब्धिभजनानित्यायै
भवाब्धिभजनानिशायै
भवाब्धिभजनानिम्नायै
भवाब्धि भवभीतिहायै
भवाब्धिभजनाकाम्यायै
भवाब्धिभजनाकलायै
भवाब्धिभजनाकीर्त्यै
भवाब्धिभजनाकृतायै
भवाब्धिशुभदायै
भवाब्धिनित्यायै ८५०
भवाब्धिशुभदायिन्यै
भवाब्धिसकलानन्दायै
भवाब्धिसकलाकलायै
भवाब्धिसकलासिद्ध्यै
भवाब्धिसकलानिध्यै
भवाब्धिसकलासारायै
भवाब्धिसकलार्थदायै
भवाब्धिभवनामूर्त्यै
भवाब्धिभवनाकृत्यै
भवाब्धिभवनाभव्यायै ८६०

भवाब्धिभवनांभसायै
भवाब्धिमदनारूपायै
भवाब्धिमदनातुरायै
भवाब्धिमदनेशान्यै
भवाब्धिमदनेश्वर्यै
भवाब्धिभाग्यरचनायै
भवाब्धिभाग्यदायै
भवाब्धिभाग्यदाकूलायै
भवाब्धिभाग्यनिर्भरायै
भवाब्धिभाग्यनिरतायै ८७०
भवाब्धिभाग्यभावितायै
भवाब्धिभाग्यसञ्चारायै
भवाब्धिभाग्यसञ्चितायै
भवाब्धिभाग्यसुपथायै
भवाब्धिभाग्यसुप्रदायै
भवाब्धिभाग्यरीतिज्ञायै
भवाब्धिभाग्यनीतिदायै
भवाब्धिभाग्यरीत्येभ्यै
भवाब्धिभाग्यरीतिन्यै
भवाब्धिभोगनिपुणायै ८८०
भवाब्धिभोगसंप्रदायै
भवाब्धिभाग्यगहनायै
भवाब्धिभोग्यगुंफितायै
भावाब्धिभोगगान्धार्यै
भवाब्धि भोगगुंफितायै
भवाब्धिभोगसुरसायै
भवाब्धिभोगसुस्पृहायै
भवाब्धिभोगग्रथिन्यै
भवाब्धिभोगयोगिन्यै
भवाब्धिभोगरसनायै ८९०
भवाब्धिभोगराजितायै
भवाब्धिभोगविभवायै
भवाब्धिभोगविस्तृतायै
भवाब्धिभोगवरदायै
भवाब्धिभोगवन्दितायै
भवाब्धिभोगकुशलायै
भवाब्धिभोगशोभितायै
भवाब्धिभेदजनन्यै
भवाब्धिभेदपालिन्यै
भवाब्धिभेदरचनायै ९००
भवाब्धिभेदरक्षितायै
भवाब्धिभेदनियतायै
भवाब्धिभेदनिस्पृहायै
भवाब्धिभेदरचनायै
भवाब्धिभेदरोषितायै
भवाब्धिभेदराशिघ्न्यै
भवाब्धिभेदराशिन्यै
भवाब्धिभेदकर्मेभ्यै
भवाब्धि भेदकर्मिण्यै
भद्रेभ्यै ९१०
भद्रजनन्यै
भद्रायै
भद्रनिवासिन्यै
भद्रेश्वर्यै

भद्रवत्यै
भद्रस्थायै
भद्रदायिन्यै
भद्ररूपायै
भद्रमध्यै
भद्रदायै ९२०
भद्रभाषिण्यै
भद्रकर्णायै
भद्रवेशायै
भद्रांबायै
भद्रमन्दिरायै
भद्रक्रियायै
भद्रकलायै
भद्रिकायै
भद्रवर्धिन्यै
भद्रक्रीडायै ९३०
भद्रकलायै
भद्रलीलाभिलाषिण्यै
भद्राङ्कुरायै
भद्ररतायै
भद्राङ्ग्यै
भद्रमन्त्रिण्यै
भद्राविद्यायै
भद्रविद्यायै
भद्रवाचे
भद्रवादिन्यै ९४०
भूपमंगलदायै
भूपायै
भूलतायै
भूमिवाहिन्यै
भूपभोगायै
भूपशोभायै
भूपाशायै
भूपरूपदायै
भूपाकृत्यै
भूपत्यै ९५०
भूपश्रियै
भूपश्रेयस्यै
भूपनीत्यै
भूपरीत्यै
भूपभीत्यै
भयङ्कर्यै
भवदानन्दलहर्यै
भवदानन्दसुन्दर्यै
भवदानन्दकरण्यै
भवदानन्दवर्धिन्यै ९६०
भवदानन्दरमण्यै
भवदानन्ददायिन्यै
भवदानन्दजनन्यै
भवदानन्दरूपिण्यै ९६४

अपूर्णा संख्या

श्रीछिन्नमस्ता-अष्टोत्तरशतनामावलिः

छिन्नमस्तायै नमः
महाविद्यायै
महाभीमायै
महोदर्यै
चण्डेश्वर्यै
चण्डमात्रे
चण्डमुण्डप्रभञ्जिन्यै
महाचण्डायै
चण्डरूपायै
चण्डिकायै १०
चण्डखण्डिन्यै
क्रोधिन्यै
क्रोधजनन्यै
क्रोधरूपायै
कुह्वै
कलायै
कोपातुरायै
कोपयुतायै
कोपसंहारकारिण्यै
वज्रवैरोचन्यै २०
वज्रायै
वज्रकल्पायै
डाकिन्यै
डाकिनीकर्मनिरतायै
डाकिनीकर्मपूजितायै
डाकिनी सङ्गनिरतायै
डाकिनीप्रेमपूरितायै
खट्वाङ्गधारिण्यै
खर्वायै
खड्गखर्परधारिण्यै ३०
प्रेताशनायै
प्रेतयुतायै
प्रेतसङ्गविहारिण्यै
छिन्नमुण्डधरायै
छिन्नचण्डविद्यायै
चित्रिण्यै
घोररूपायै
घोरदृष्टये
घोररावायै
घनोदर्यै ४०
योगिन्यै
योगनिरतायै
जपयज्ञपरायणायै
योनिचक्रमय्यै
योनये
योनिचक्रप्रवर्तिन्यै
योनिमुद्रायै
योनिगम्यायै
योनियन्त्रनिवासिन्यै
यन्त्ररूपायै ५०
यन्त्रमय्यै
यन्त्रेश्यै

यन्त्रपूजितायै
कीर्त्यायै
कपर्दिन्यै
काल्यै
कङ्काल्यै
कलविकारिण्यै
आरक्तायै
रक्तनयनायै ६०
रक्तपानपरायणायै
भवान्यै
भूतिदायै
भूतये
भूतिदात्र्यै
भैरव्यै
भैरवाचारनिरतायै
भूतभैरवसेवितायै
भीमायै
भीमेश्वर्यै ७०
देव्यै
भीमनादपरायण्यै
भवाराध्यायै
भवनुतायै
भवसागरतारिण्यै
भद्रकाल्यै
भद्रतनवे
भद्ररूपायै
भद्रिकायै
भद्ररूपायै ८०
महाभद्रायै
सुभद्रायै
भद्रपालिन्यै
सुभव्यायै
भव्यवदनायै
सुमुख्यै
सिद्धसेवितायै
सिद्धिदायै
सिद्धनिवहायै
सिद्धायै ९०
सिद्धनिषेवितायै
शुभदायै
शुभगायै
शुद्धायै
शुद्धसत्वायै
शुभावहायै
श्रेष्ठायै
दृष्टिमय्यै देव्यै
दृष्टिसंहारकारिण्यै
शर्वाण्यै १००
सर्वगायै
सर्वायै
सर्वमङ्गलकारिण्यै
शिवायै
शान्तायै
शान्तिरूपायै
मृडान्यै
मदनातुरायै १०८

श्री छिन्नमस्ता-सहस्रनामावलिः

प्रचण्डचण्डिकायै
चण्डायै
चण्डदेव्यै
अविनाशिन्यै
चामुण्डायै
सुचण्डायै
चपलायै
चारुदेहिन्यै
ललज्जिह्वायै
चलद्रक्तायै १०
चारुचन्द्रनिभाननायै
चकोराक्ष्यै
चण्डनादायै
चञ्चलायै
मनोन्मदायै
चेतनायै
चितिसंस्थायै
चित्कलायै
ज्ञानरूपिण्यै
महाभयङ्करीदेव्यै २०
वरदाभयधारिण्यै
भयाढ्यायै
भवरूपायै
भवबन्धविमोचिन्यै
भवान्यै
भुवनेश्यै
भवसंसारतारिण्यै
भवाब्धये
भवमोक्षायै
भवबन्धविघातिन्यै ३०
भागीरथ्यै
भगस्थायै
भाग्यभोग्यप्रदायिन्यै
कमलायै
कामदायै
दुर्गायै
दुर्गबन्धविमोचिन्यै
दुर्दर्शनायै
दुर्गरूपायै
दुर्ज्ञेयायै ४०
दुर्गनाशिन्यै
दीनदुःखहरायै
नित्यायै
नित्यशोकविनाशिन्यै
नित्यानन्दमयीदेव्यै
नित्यकल्याणरूपिण्यै
सर्वार्थसाधनकर्यै
सर्वसिद्धिस्वरूपिण्यै
सर्वक्षोभणशक्त्यै
सर्वविद्राविण्यै ५०

परायै
सर्वरञ्जनशक्त्यै
सर्वोन्मादस्वरूपिण्यै
सर्वज्ञायै
सिद्धिदात्र्यै
सिद्धिविद्यास्वरूपिण्यै
सकलायै
निष्कलायै
सिद्धायै
कलातीतायै ६०
कलामय्यै
कुलज्ञायै
कुलरूपायै
चक्षुरानन्ददायिन्यै
कुलीनायै
सामरूपायै
कामरूपायै
मनोहरायै
कमलस्थायै
कञ्जमुख्यै ७०
कुञ्जरेश्वरगामिन्यै
कुलरूपायै
कोटराक्ष्यै
कमलायै
ऐश्वर्यदायिन्यै
कुन्त्यै
ककुद्मिन्यै
कुल्लायै
कुरुकुल्लायै
करालिकायै ८०
कामेश्वर्यै
काममात्रे
कामतापविमोचिन्यै
कामरूपायै
कामसत्वायै
कामकौतुककारिण्यै
कारुण्यहृदयायै
क्रींनमः
क्रींमन्त्ररूपायै
कोटरायै ९०
कौमोदक्यै
कुमुदिन्यै
कैवल्यायै
कुलवासिन्यै
केशव्यै
केशवाराध्यायै
केशिदैत्यनिषूदिन्यै
क्लेशहायै
क्लेशरहितायै
क्लेशसंघविनाशिन्यै १००
कराल्यै
करालास्यायै
करालासुरनाशिन्यै
करालचर्मासिधरायै

करालकुलनाशिन्यै
कङ्किन्यै
कङ्कनिरतायै
कपालवरधारिण्यै
खड्गहस्तायै
त्रिणेत्रायै ११०
खण्डमुण्डासिधारिण्यै
खलहायै
खलहन्त्र्यै
क्षरत्यै
सदा खगत्यै
गङ्गायै
गौतमपूज्यायै
गौर्यै
गन्धर्ववासिन्यै
गन्धर्वायै १२०
गगणाराध्यायै
गणायै
गन्धर्वसेवितायै
गणत्कारगणादेव्यै
निर्गुणायै
गुणात्मिकायै
गुणतायै
गुणदात्र्यै
गुणगौरवदायिन्यै
गणेशमात्रे १३०
गंभीरायै

गगणायै
ज्योतिकारिण्यै
गौरांग्यै
गयायै
गम्यायै
गौतमस्थानवासिन्यै
गदाधरप्रियायै
ज्ञेयायै
ज्ञानगम्यायै १४०
गुहेश्वर्यै
गायत्र्यै
गुणवत्यै
गुणातीतायै
गुणेश्वर्यै
गणेशजननीदेव्यै
गणेशवरदायिन्यै
गणाध्यक्षनुतायै नित्यायै
गणाध्यक्षप्रपूजितायै
गिरीशरमणीदेव्यै १५०
गिरीशपरिवन्दितायै
गतिदायै
गतिहायै
गीतायै
गौतम्यै
गुरुसेवितायै
गुरुपूज्यायै
गुरुयुतायै

गुरुसेवनतत्परायै
गन्धद्वारायै १६०
गन्धाढ्यायै
गन्धात्मने
गन्धकारिण्यै
गीर्वाणपतिसंपूज्यायै
गीर्वाणपतितुष्टिदायै
गीर्वाणाधीश रमण्यै
गीर्वाणाधीश वन्दितायै
गीर्वाणाधीश संसेव्यायै
गीर्वाणाधीश हर्षदायै
गानशक्त्यै १७०
गानगम्यायै
गानशक्तिप्रदायिन्यै
गानविद्यायै
गानसिद्धायै
गानसन्तुष्टमानसायै
गानातीतायै
गानगीतायै
गानहर्षप्रपूरितायै
गन्धर्वपतिसंहृष्टायै
गन्धर्व गुणमण्डितायै १८०
गन्धर्वगणसंसेव्यायै
गन्धर्व गणमध्यगायै
गन्धर्व गणकुशलायै
गन्धर्व गणपूजितायै
गन्धर्व गणनिरतायै
गन्धर्व गणभूषितायै
घर्घरायै
घोररूपायै
घोरघुर्घुरनादिन्यै
घर्मबिन्दुसमुद्भूतायै १९०
घर्मबिन्दुस्वरूपिण्यै
घण्टारवायै
घनरवायै
घनरूपायै
घनोदर्यै
घोरसत्वायै
घनदायै
घण्टानादविनोदिन्यै
घोरचाण्डालिन्यै
घोरायै २००
घोरचण्ड विनाशिन्यै
घोरदानव दमन्यै
घोरदानवनाशिन्यै
घोरकर्मादिरहितायै
घोरकर्मनिषेवितायै
घोरतत्वमय्यै देव्यै
घोरतत्वविमोचिन्यै
घोरकर्मादिरहितायै
घोरकर्मादिपूरितायै
घोर कर्मादिनिरतायै २१०
घोर कर्मप्रवर्धिन्यै
घोर भूतप्रमथन्यै

घोर वेतालनाशिन्यै
घोर दावाग्निदमन्यै
घोर शत्रुनिषूदिन्यै
घोर मन्त्रयुतायै
घोर मन्त्रप्रपूजितायै
घोर मन्त्रमनोऽभिज्ञायै
घोर मन्त्रफलप्रदायै
घोर मन्त्रनिधयै २२०
घोर मन्त्रकृतास्पदायै
घोर मन्त्रेश्वर्यै देव्यै
घोर मन्त्रार्थमानसायै
घोर मन्त्रार्थतत्वज्ञायै
घोर मन्त्रार्थपारगायै
घोर मन्त्रार्थविभवायै
घोर मन्त्रार्थबोधिन्यै
घोर मन्त्रार्थनिचयायै
घोर मन्त्रार्थजन्मभुवे
घोर मन्त्रजपरतायै २३०
घोरमन्त्रजपोद्यतायै
ङकारवर्णनिलयायै
ङकाराक्षरमण्डितायै
ङकारापररूपायै
ङकाराक्षररूपिण्यै
चित्ररूपायै
चित्रनाड्यै
चारुकेश्यै
चयप्रभायै
चञ्चलायै २४०
चञ्चलाकारायै
चारुरूपायै
चण्डिकायै
चतुर्वेदमय्यै
चण्डायै
चाण्डालगणमण्डितायै
चाण्डालच्छेदिन्यै
चण्डतापनिर्मूलकारिण्यै
चतुर्भुजायै
चण्डरूपायै २५०
चण्डमुण्डविनाशिन्यै
चन्द्रिकायै
चन्द्रकीर्तये
चन्द्रकान्त्यै
चन्द्रास्यायै
चन्द्ररूपायै
चन्द्रमौलिस्वरूपिण्यै
चन्द्रमौलिप्रियायै
चन्द्रमौलिसन्तुष्टमानसायै
चकोरबन्धुरमण्यै २६०
चकोरबन्धु पूजितायै
चक्ररूपायै
चक्रमय्यै
चक्राकारस्वरूपिण्यै
चक्रपाणिप्रियायै
चक्रपाणिप्रीतिप्रदायिन्यै

चक्रपाणिरसाभिज्ञायै
चक्रपाणि वरप्रदायै
चक्रपाणि वरोन्मत्तायै
चक्रपाणि स्वरूपिण्यै २७०
चक्रपाणीश्वर्यै
नित्यं चक्रपाणिनमस्कृतायै
चक्रपाणि समुद्भूतायै
चक्रपाणि गुणास्पदायै
चन्द्रावल्यै
चन्द्रवत्यै
चन्द्रकोटिसमप्रभायै
चन्दनार्चितपादाब्जायै
चन्दनान्वितमस्तकायै
चारुकीर्त्यै २८०
चारुनेत्रायै
चारुचन्द्रविभूषणायै
चारुभूषायै
चारुवेषायै
चारुवेषप्रदायिन्यै
चारुभूषाभूषिताङ्ग्यै
चतुर्वक्त्र वरप्रदायै
चतुर्वक्त्र समाराध्यायै
चतुर्वक्त्र समाश्रितायै
चतुर्वक्त्रायै २९०
चतुर्बाहायै
चतुर्थ्यै
चतुर्दश्यै
चित्रायै
चर्मण्वत्यै
चैत्र्यै
चन्द्रभागायै
चंपकायै
चतुर्दशयमाकारायै
चतुर्दश यमानुगायै ३००
चतुर्दश यमप्रीतायै
चतुर्दश यमप्रियायै
छलस्थायै
छिद्ररूपायै
छद्मदायै
छद्मराजिकायै
छिन्नमस्तायै
छिन्नायै
छिन्नमुण्डविधारिण्यै
जयदायै ३१०
जयरूपायै
जयन्त्यै
जयमोहिन्यै
जयायै
जीवनसंस्थायै
जालन्धरनिवासिन्यै
ज्वालामुख्यै
ज्वालदात्र्यै
जाज्वल्यदहनोपमायै
जगद्वन्द्यायै ३२०

जगत्पूज्यायै
जगत्त्राणपरायण्यै
जगत्यै
जगदाधारायै
जन्ममृत्युजरापहायै
जनन्यै
जन्मभूम्यै
जन्मदायै
जयशालिन्यै
ज्वररोगहरायै ३३०
ज्वालायै
ज्वालामालाप्रपूरितायै
जंभारातीश्वर्यै
जंभारातिवैभवकारिण्यै
जंभारातिस्तुतायै
जंभाराति शत्रुनिषूदिन्यै
जयदुर्गायै
जयाराध्यायै
जयकाल्यै
जयेश्वर्यै ३४०
जयतारायै
जयातीतायै
जयशङ्करवल्लभायै
जलदायै
जह्नुतनयायै
जलधित्रासकारिण्यै
जलधिव्याधिदमन्यै
जलधिज्वरनाशिन्यै
जङ्गमेश्यै
जाड्यहरायै ३५०
जाड्यसङ्गनिवारिण्यै
जाड्यग्रस्तजनातीतायै
जाड्यरोगनिवारिण्यै
जन्मदात्र्यै
जन्महर्त्र्यै
जयघोषसमन्वितायै
जपयोगसमायुक्तायै
जपयोगविनोदिन्यै
जपयोगप्रियायै
जाप्यायै ३६०
जपातीतायै
जयस्वनायै
जायाभावस्थितायै
जायायै
जायाभावप्रपूरिण्यै
जपाकुसुमसंकाशायै
जपाकुसुम पूजितायै
जपाकुसुम संप्रीतायै
जपाकुसुम मण्डितायै
जपाकुसुमवद्भासायै ३७०
जपाकुसुम रूपिण्यै
जमदग्निस्वरूपायै
जानक्यै
जनकात्मजायै

झंझावातप्रमुक्तांग्यै
झोरझङ्काररवासिन्यै
झङ्कारकारिण्यै
झञ्झावातरूपायै
झङ्‌र्यै
ञकाराणुस्वरूपायै ३८०
टवट्टंकारनादिन्यै
टङ्कार्यै
टकुवाण्यै
ठकाराक्षररूपिण्यै
डिण्डिमायै
डिंभायै
डिण्डुडिण्डिमवादिन्यै
ढक्कामय्यै
ढिलमय्यै
नृत्यशब्दविलासिन्यै ३९०
ढक्कायै
ढक्केश्वर्यै
ढक्काशब्दरूपायै
ढक्कानादप्रियायै
ढक्कानादसन्तुष्टमानसायै
णकारायै
णाक्षरमय्यै
णाक्षरादिस्वरूपिण्यै
त्रिपुरायै
त्रिपुरमय्यै ४००
त्रिशक्त्यै
त्रिगुणात्मिकायै
तामस्यै
त्रिलोकेश्यै
त्रिपुरायै
त्रयीश्वर्यै
त्रिविद्यायै
त्रिरूपायै
त्रिनेत्रायै
त्रिरूपिण्यै ४१०
तारिण्यै
तरलायै
तारायै
तारकारिप्रपूजितायै
तारकारिसमाराध्यायै
तारकारिवरप्रदायै
तारकारिप्रसुवे
तन्व्यै
तरुण्यै
तरलप्रभायै ४२०
त्रिरूपायै
त्रिपुरगायै
त्रिशूलवरधारिण्यै
त्रिशूलिन्यै
तन्त्रमय्यै
तन्त्रशास्त्रविशारदायै
तन्त्ररूपायै
तपोमूर्त्यै

तन्त्रमन्त्रस्वरूपिण्यै
तडिते ४३०
तडिल्लताकारायै
तत्वज्ञानप्रदायिन्यै
तत्वज्ञानेश्वर्यै देव्यै
तत्वज्ञानप्रमोदिन्यै
त्रयीमय्यै
त्रयीसेव्यायै
त्र्यक्षर्यै
त्र्यक्षरेश्वर्यै
तापविध्वंसिन्यै
तापसंघनिर्मूलकारिण्यै ४४०
त्रासकर्त्र्यै
त्रासहर्त्र्यै
त्रासदात्र्यै
त्रासहायै
तिथीशायै
तिथिरूपायै
तिथिस्थायै
तिथिपूजितायै
तिलोत्तमायै
तिलदायै ४५०
तिलप्रीतायै
तिलेश्वर्यै
त्रिगुणायै
त्रिगुणाकारायै
त्रिपुर्यै
त्रिपुरात्मिकायै
त्रिकूटायै
त्रिकुटाकारायै
त्रिकूटाचलमध्यगायै
त्रिजटायै ४६०
त्रिनेत्रायै
त्रिनेत्रवरसुन्दर्यै
तृतीयायै
त्रिवर्षायै
त्रिविधायै
त्रिमतेश्वर्यै
त्रिकोणस्थायै
त्रिकोणेश्यै
त्रिकोणयन्त्रमध्यगायै
त्रिसन्ध्यायै ४७०
त्रिरुन्ध्याच्यायै
त्रिपदायै
त्रिपदास्पदायै
स्थानस्थितायै
स्थलस्थायै
धन्यस्थलनिवासिन्यै
थकाराक्षररूपायै
स्थूलरूपायै
स्थूलहस्तायै
स्थूलायै ४८०
स्थैर्यरूपप्रकाशिन्यै
दुर्गायै

दुर्गार्तिहन्त्र्यै
दुर्गबन्धविमोचिन्यै
देव्यै
दानवसंहन्त्र्यै
दनुजेशनिषूदिन्यै
दारापत्यप्रदायै नित्यायै
शङ्करार्धाङ्गधारिण्यै
दिव्याङ्ग्यै ४९०
देवमात्रे
देवदुष्टविनाशिन्यै
दीनदुःखहरायै
दीनतापनिर्मूलकारिण्यै
दीनमात्रे
दीनसेव्यायै
दीनदंभविनाशिन्यै
दनुजध्वंसिन्यै
देव्यै
देवक्यै ५००
देववल्लभायै
दानवारिप्रियायै
दीर्घायै
दानवारिप्रपूजितायै
दीर्घस्वरायै
दीर्घतन्व्यै
दीर्घदुर्गतिनाशिन्यै
दीर्घनेत्रायै
दीर्घचक्षुषे
दीर्घकेश्यै ५१०
दिगंबर्ये
दिगंबरप्रियायै
दान्तायै
दिगंबरस्वरूपिण्यै
दुःखहीनायै
दुःखहरायै
दुःखसागरतारिण्यै
दुःखदारिद्र्यशमन्यै
दुःखदारिद्र्यकारिण्यै
दुःखदायै ५२०
दुःसहायै
दुष्टखण्डनैकस्वरूपिण्यै
देववामायै
देवसेव्यायै
देवशक्तिप्रदायिन्यै
दामिन्यै
दामिनीप्रीतायै
दामिनी शतसुन्दर्यै
दामिनीशतसंसेव्यायै
दामिनी दामभूषितायै ५३०
देवताभावसन्तुष्टायै
देवताशतमध्यगायै
दयार्द्रायै
दयारूपायै
दयायै
दानपरायणायै

दयाशीलायै
दयासारायै
दयासागरसंस्थितायै
दशविद्यात्मिकायै ५४०
देव्यै
दशविद्यास्वरूपिण्यै
धरण्यै
धनदायै
धात्र्यै
धन्यायै
धन्यपरायै
शिवायै
धर्मरूपायै
धनिष्ठायै ५५०
धेयायै
धीरगोचरायै
धर्मराजेश्वर्यै
धर्मकर्मरूपायै
धनेश्वर्यै
धनुर्विद्यायै
धनुर्गम्यायै
धनुर्धरवरप्रदायै
धर्मशीलायै
धर्मलीलायै ५६०
धर्मकर्मविवर्जितायै
धर्मदायै
धर्मनिरतायै

धर्मपाखण्डखण्डिन्यै
धर्मेश्यै
धर्मरूपायै
धर्मराजवरप्रदायै
धर्मिण्यै
धर्मगेहस्थायै
धर्माधर्मस्वरूपिण्यै ५७०
धनदायै
धनदप्रीतायै
धनधान्यसमृद्धिदायै
धनधान्यसमृद्धिस्थायै
धनधान्यविनाशिन्यै
धर्मनिष्ठायै
धर्मधीरायै
सदा धर्ममार्गरतायै
धर्मबीजकृतस्थानायै
धर्मबीजसुरक्षिण्यै ५८०
धर्मबीजेश्वर्यै
धर्मबीजरूपायै
धर्मगायै
धर्मबीजसमुद्भूतायै
धर्मबीजसमाश्रितायै
धराधरपतिप्राणायै
धराधरपतिस्तुतायै
धराधरेन्द्रतनुजायै
धराधरेन्द्रवन्दितायै
धराधरेन्द्रगेहस्थायै ५९०

धराधरेन्द्र पालिन्यै
धराधरेन्द्र सर्वार्तिनाशिन्यै
धर्मपालिन्यै
नवीनायै
निर्मलायै
नित्यायै
नगराजप्रपूजितायै
नागेश्वर्यै
नागमात्रे
नागकन्यायै ६००
नग्निकायै
निर्लेपायै
निर्विकल्पायै
निर्लोमायै
निरुपद्रवायै
निराहारायै
निराकारायै
निरञ्जनस्वरूपिण्यै
नागिन्यै
नागविभवायै ६१०
नागराजपरिस्तुतायै
नागराजगुणज्ञायै
नागराजसुखप्रदायै
नित्यं नागलोकगतायै
नागलोकनिवासिन्यै
नागलोकेश्वर्यै
नागभगिन्यै
नागपूजितायै
नागमध्यस्थितायै
नागमोहसंक्षोभदायिन्यै ६२०
नृत्यप्रियायै
नृत्यवत्यै
नृत्यगीत परायणायै
नृत्येश्वर्यै
नर्तक्यै
नृत्यरूपायै
निराश्रयायै
नारायण्यै
नरेन्द्रस्थायै
नरमुण्डास्थिमालिन्यै ६३०
नित्यं नरमांसप्रियायै
सदा नररक्तप्रियायै
नरराजेश्वर्यै
नारीरूपायै
नारीस्वरूपिण्यै
नारीगणार्चितायै
नारीमध्यगायै
नूतनाम्बरायै
नर्मदायै
नदीरूपायै ६४०
नदीसंगमसंस्थितायै
नर्मदेश्वरसंप्रीतायै
नर्मदेश्वररूपिण्यै
पद्मावत्यै

पद्ममुख्यै
पद्मकिञ्जल्कवासिन्यै
पट्टवस्त्रपराधीनायै
पद्मरागविभूषितायै
परमायै
नित्यं प्रीतिदायै ६५०
प्रेतासननिवासिन्यै
परिपूर्णरसोन्मत्तायै
प्रेमविह्वलवल्लभायै
पवित्रासवनिष्पूतायै
प्रेयस्यै
परमात्मिकायै
नित्यं प्रियव्रतपरायै
परमप्रेमदायिन्यै
पुष्पप्रियायै
पद्मकोशायै ६६०
पद्मधर्मनिवासिन्यै
फेत्कारिणीतन्त्ररूपायै
फेरुफेरवनादिन्यै
वंशिन्यै
वेशरूपायै
बगलायै
वामरूपिण्यै
वाङ्मय्यै
वसुधायै
वृष्यायै ६७०
वाग्भवाख्यायै
वरानरायै
बुद्धिदायै
बुद्धिरूपायै
विद्यायै
वादस्वरूपिण्यै
बालायै
वृद्धमयीरूपायै
वाण्यै
वाक्यनिवासिन्यै ६८०
वरुणायै
वाग्वत्यै
वीरायै
वीरभूषणभूषितायै
वीरभद्रार्चितपदायै
वीरभद्रप्रसुवे
वेदमार्गरतायै
वेदमन्त्ररूपायै
वषट्प्रियायै
वीणावाद्यसमायुक्तायै ६९०
वीणावाद्यपरायणायै
वीणारवायै
वीणाशब्दरूपायै
वैष्णव्यै
वैष्णवाचार निरतायै
वैष्णवाचार तत्परायै
विष्णुसेव्यायै
विष्णु पत्न्यै

विष्णुरूपायै
वराननायै ७००
विश्वेश्वर्यै
विश्वमात्रे
विश्वनिर्माणकारिण्यै
विश्वरूपायै
विश्वेश्यै
विश्वसंहारकारिण्यै
भैरव्यै
भैरवाराध्यायै
भूतभैरवसेवितायै
भैरवेश्यै ७१०
भीमायै
भैरवेश्वरतुष्टिदायै
भैरवाधीशरमण्यै
भैरवाधीशपालिन्यै
भीमेश्वर्यै
भीममात्रे
भीमशब्दपरायणायै
भीमरूपायै
भीमेश्यै
भीमायै ७२०
भीमवरप्रदायै
भीमपूजितपादाब्जायै
भीमभैरवपालिन्यै
भीमासुरध्वंसकर्यै
भीमदुष्टविनाशिन्यै
भुवनायै
भुवनाराध्यायै
भवान्यै
सदा भूतिदायै
भयदायै ७३०
भयहन्त्र्यै
अभयायै
भयरूपिण्यै
भीमनादाविह्वलायै
भयभीतिविनाशिन्यै
मत्तायै
प्रमत्तरूपायै
मदोन्मत्तरूपिण्यै
मान्यायै
मनोज्ञायै ७४०
मानायै
मङ्गलायै
मनोहरायै
माननीयायै
महापूज्यायै
महिषीदुष्टमर्दिन्यै
महिषासुरहन्त्र्यै
मातङ्ग्यै
मयवासिन्यै
माध्व्यै ७५०
मधुमय्यै
मुद्रायै

मुद्रिकामन्त्ररूपिण्यै
महाविश्वेश्वरीदूत्यै
मौलिचन्द्रप्रकाशिन्यै
यशःस्वरूपिण्यै देव्यै
योगमार्ग प्रदायिन्यै
योगिन्यै
योगगम्यायै
याम्येश्यै ७६०
योगरूपिण्यै
यज्ञाङ्ग्यै
योगमय्यै
जपरूपायै
जपात्मिकायै
युगाख्यायै
युगान्तायै
योनिमण्डलवासिन्यै
अयोनिजायै
योगनिद्रायै ७७०
योगानन्दप्रदायिन्यै
रमायै
नित्यं रतिप्रियायै
रतिरागविवर्धिन्यै
रमण्यै
राससंभूतायै
रम्यायै
रासप्रियायै
रसायै
रणोत्कण्ठायै ७८०
रणस्थायै
वरारंगप्रदायिन्यै
रेवत्यै
रणजैत्र्यै
रसोद्भूतायै
रणोत्सवायै
लतायै
लावण्यरूपायै
लवणाब्धिस्वरूपिण्यै
लवङ्गकुसुमाराध्यायै ७९०
लोलजिह्वायै
लेलिहायै
वशिन्यै
वनसंस्थायै
वनपुष्पप्रियायै
वरायै
प्राणेश्वर्यै
बुद्धिरूपायै
बुद्धिदात्र्यै
बुधात्मिकायै ८००
शमन्यै
श्वेतवर्णायै
शाङ्कर्यै
शिवभाषिण्यै
शाम्यरूपायै
शक्तिरूपायै

शक्तिबिन्दुनिवासिन्यै
सर्वेश्वर्यै
सर्वदात्र्यै
सर्वमात्रे ८१०
शर्वर्यै
शांभव्यै
सिद्धिदायै
सिद्धायै
सुषुम्नायै
स्वरभासिन्यै
सहस्रदलमध्यस्थायै
सहस्रदलवर्तिन्यै
हरप्रियायै
हरध्येयायै ८२०
हुंकारबीजरूपिण्यै
लंकेश्वर्यै
तरलायै
लोममांसप्रपूजितायै
क्षेम्यायै
क्षेमकर्यै
क्षामायै
क्षीरबिन्दु स्वरूपिण्यै
क्षिप्तचित्तप्रदायै
नित्यंक्षौमवस्त्रविलासिन्यै ८३०
छिन्नायै
छिन्नरूपायै
क्षुधायै
क्षौत्काररूपिण्यै
सर्ववर्णमय्यै देव्यै
सर्वसंपत्प्रदायिन्यै
सर्वसंपत्प्रदात्र्यै
संपदापद्भूषितायै
सत्वरूपायै
सर्वार्थियै ८४०
सर्वदेवप्रपूजितायै
सर्वेश्वर्यै
सर्वमात्रे
सर्वज्ञायै
सुरसात्मिकायै
सिन्धवे
मन्दाकिन्यै
गङ्गायै
नदीसागररूपिण्यै
सुकेश्यै ८५०
मुक्तकेश्यै
डाकिन्यै
वरवर्णिन्यै
ज्ञानदायै
ज्ञानगगनायै
सोममण्डलवासिन्यै
आकाश निलयायै
नित्यं परमाकाशरूपिण्यै
अन्न पूर्णायै
महानित्यायै ८६०

महादेवरसोद्भवायै
मङ्गलायै
कालिकायै
चण्डायै
चण्डनादातिभीषणायै
चण्डासुरस्य मथन्यै
चामुण्डायै
चपलात्मिकायै
चण्ड्यै
चामरकेश्यै ८७०
चलत्कुण्डलधारिण्यै
नित्यं मुण्डमालाधरायै
खण्डमुण्डविलासिन्यै
खड्गहस्तायै
मुण्डहस्तायै
वरहस्तायै
वरप्रदायै
नित्यं असिचर्मधरायै
पाशाङ्कुशधरायै परायै
शूलहस्तायै ८८०
शिव हस्तायै
घण्टानादविलासिन्यै
धनुर्बाणधरायै
आदित्यायै
नागहस्तायै
नगात्मजायै
महिषासुरहन्त्र्यै
रक्तबीजविनाशिन्यै
रक्तरूपायै
रक्तगात्रायै ८९०
रक्तहस्तायै
भयप्रदायै
असितायै
धर्मधरायै
पाशाङ्कुशधरायै परायै
नित्यं धनुर्बाणधरायै
धूम्रलोचननाशिन्यै
परस्थायै
देवतामूर्त्यै
शर्वाण्यै ९००
शारदायै परायै
नानावर्णविभूषाङ्ग्यै
नानारागसमापिन्यै
पशुवस्त्रपरीधानायै
पुष्पायुधधरायै परायै
मुक्तारञ्जितमालाढ्यायै
मुक्ताहार विलासिन्यै
स्वर्णकुण्डलभूषायै
स्वर्णसिंहासनस्थितायै
सुन्दराङ्ग्यै ९१०
सुवर्णाभायै
शांभव्यै
शकटात्मिकायै
सर्वलोकेशविद्यायै

मोहसंमोहकारिण्यै
श्रेयस्यै
सृष्टिरूपायै
छिन्नच्छद्ममय्यै
छलायै
नित्यं छिन्नमुण्डधरायै ९२०
नित्यानन्दविधायिन्यै
नन्दायै
पूर्णायै
रिक्तायै
तिथिभ्यः
पूर्णषोडश्यै
कुह्वै
संक्रान्तिरूपायै
पञ्चपर्वविलासिन्यै
नित्यं पञ्चबाणधरायै ९३०
पञ्चमप्रीतिदायै परायै
पञ्चपत्राभिलाषायै
पञ्चामृतविलासिन्यै
पाञ्चाल्यै
पञ्चमीदेव्यै
पञ्चरक्तप्रसारिण्यै
नित्यं पञ्चबाणधरायै
नित्यदात्र्यै
दयापरायै
पललादिप्रियायै नित्यायै ९४०
अपशुगम्यायै

परेशितायै
परायै
पररहस्यायै
परमप्रेमविह्वलायै
कुलीनायै
केशिमार्गस्थायै
कुलमार्गप्रकाशिन्यै
कुलाकुलस्वरूपायै
कुलार्णवमय्यै ९५०
कुलायै
रुक्मायै
कालरूपायै
कालकंपनकारिण्यै
विलासरूपिण्यै
भद्रायै
कुलाकुलनमस्कृतायै
कुबेरवित्तधात्र्यै
कुमारजनन्यै परायै
कुमारीरूपसंस्थायै ९६०
कुमारीपूजनांबिकायै
कुरंगनयनायै देव्यै
दिनेशास्यापराजितायै
कुण्डल्यै
कदलीसेनायै
कुमार्गरहितायै
वरायै
अनन्तरूपायै

अनन्तसंस्थायै
आनन्दसिन्धुवासिन्यै १७०
इलास्वरूपिण्यै देव्यै
ईईभेदभयङ्कर्यै
इङ्गलायै
पिङ्गलायै नाड्यै
इकाराक्षररूपिण्यै
उमायै
उत्पत्तिरूपायै
उच्चभावविनाशिन्यै
ऋग्वेदायै
निराराध्यायै १८०
यजुर्वेदप्रपूजितायै
सामवेदेन संगीतायै
अथर्ववेदभाषिण्यै
ऋकाररूपिण्यै
ऋक्षायै
निरक्षरस्वरूपिण्यै
अहिदुर्गासमाचारायै
इकारार्णस्वरूपिण्यै
ओंकार्यै
प्रणवस्थायै १९०
ओंकारादिस्वरूपिण्यै
अनुलोमविलोमस्थायै
थकारवर्णसंभवायै
पञ्चाशद्वर्णबीजाढ्यायै
पञ्चाशन्मुण्डमालिकायै
प्रत्येकादशसंख्यायै
षोडश्यै
छिन्नमस्तकायै
षडङ्गयुवतीपूज्यायै
षडङ्ग रूपवर्जितायै १०००
षड्वक्त्रसंश्रितायै नित्यायै
विश्वेश्यै
षड्गदालयायै
मालामन्त्रमय्यै
मन्त्रजपमात्रे
मदालसायै
सर्वविश्वेश्वरीशक्त्यै
सर्वानन्दप्रदायिन्यै १००८

श्री त्रिपुरभैरवी अष्टोत्तरशतनामावलिः

भैरव्यै नमः
भैरवाराध्यायै
भूतिदायै
भूतभावनायै
आर्यायै
ब्राह्मयै
कामधेनवे
सर्वसंपत्प्रदायिन्यै
त्रैलोक्यवन्दितायै
देव्यै १०
महिषासुरमर्दिन्यै
मोहघ्न्यै
मालत्यै
मालायै
महापातकनाशिन्यै
क्रोधिन्यै
क्रोधनिलयायै
क्रोधरक्तेक्षणायै
कुह्वै
त्रिपुरायै २०
त्रिपुराधारायै
त्रिनेत्रायै
भीमभैरव्यै
देवक्यै
देवमात्रे
देवदुष्टविनाशिन्यै
दामोदरप्रियायै
दीर्घायै
दुर्गायै
दुर्गतिनाशिन्यै ३०
लंबोदर्यै
लंबकर्णायै
प्रलंबितपयोधरायै
प्रत्यङ्गिरायै
प्रतिपदायै
प्रणतक्लेशनाशिन्यै
प्रभावत्यै
गुणवत्यै
गणमात्रे
गुहेश्वर्यै ४०
क्षीराब्धितनयायै
क्षेम्यायै
जगत्त्राणविधायिन्यै
महामार्यै
महामोहायै
महाक्रोधायै
महानद्यै
महापातकसंहन्त्र्यै
महामोहप्रदायिन्यै
विकरालायै ५०
महाकालायै
कालरूपायै

कलावत्यै
कपालखट्वाङ्गधरायै
खड्गखर्परधारिण्यै
कुमार्यै
कुंकुमप्रीतायै
कुंकुमारुणरञ्जितायै
कौमोदक्यै
कुमुदिन्यै ६०
कीर्त्यायै
कीर्तिप्रदायिन्यै
नवीनायै
नीरदायै
नित्यायै
नन्दिकेश्वरपालिन्यै
घर्घरायै
घर्घरारावायै
घोरायै
घोरस्वरूपिण्यै ७०
कलिघ्न्यै
कलिधर्मघ्न्यै
कलिकौतुकनाशिन्यै
किशोर्यै
केशवप्रीतायै
क्लेशसंघनिवारिण्यै
महोन्मत्तायै
महामत्तायै
महाविद्यायै
महीमय्यै ८०
महायज्ञायै
महावाण्यै
महामन्दर धारिण्यै
मोक्षदायै
मोहदायै
मोहायै
भुक्तिमुक्तिप्रदायिन्यै
अट्टाट्टहासनिरतायै
क्वणन्नूपुरधारिण्यै
दीर्घदंष्ट्रायै ९०
दीर्घमुख्यै
दीर्घघोणायै
दीर्घिकायै
दनुजान्तकर्यै
दुष्टायै
दुःखदारिद्र्यभञ्जिन्यै
दुराचारायै
दोषघ्न्यै
दमपत्न्यै
दयापरायै १००
मनोभवायै
मनुमय्यै
मनुवंशप्रवर्धिन्यै
श्यामायै
श्यामतनवे
शोभायै
सौम्यायै
शंभुविलासिन्यै १०८

श्री त्रिपुरभैरवीसहस्रनामावलिः

त्रिपुरायै नमः
परमायै
ईशान्यै
योगसिद्ध्यै
निवासिन्यै
सर्वमन्त्रमय्यै
देव्यै
सर्वसिद्धिप्रवर्तिन्यै
सर्वाधारमय्यै देव्यै
सर्वसंपत्प्रदायै १०
शुभायै
योगिन्यै
योगमात्रे
योगसिद्धिप्रवर्तिन्यै
योगिध्येयायै
योगमय्यै
योगायै
योगनिवासिन्यै
हेलायै
लीलायै २०
क्रीडायै
कालरूपायै
प्रवर्तिन्यै
कालमात्रे
कालरात्र्यै
काल्यै
कमलवासिन्यै
कमलायै
कान्तिरूपायै
कामराजेश्वर्यै ३०
क्रियायै
कद्वै
कपटकेशायै
कपटायै
कुलटाकृत्यै
कुमुदायै
चर्चिकायै
कान्त्यै
कालरात्र्यै
सदा प्रियायै ४०
घोराकारायै
घोरतरायै
धर्माधर्मप्रदायै
मत्यै
घण्टाघर्घरदायै
घण्टायै
सदा घण्टानादप्रियायै
सूक्ष्मायै
सूक्ष्मतरायै
स्थूलायै ५०
अतिस्थूलायै
सदामत्यै

अतिसत्यायै
सत्यवत्यै
सत्यायै
सङ्केतवासिन्यै
क्षमायै
भीमायै
अभीमायै
भीमनादप्रवर्तिन्यै ६०
भ्रमरूपायै
भयहरायै
भयदायै
भयनाशिन्यै
श्मशानवासिन्यै
देव्यै
श्मशानालयवासिन्यै
शवासनायै
शवाहारायै
शवदेहायै ७०
शिवायै
अशिवायै
कण्ठदेशशवाहारायै
शवकङ्कणधारिण्यै
दन्तुरायै
सुदत्यै
सत्यायै
सत्यसंकेतवासिन्यै
सत्यदेहायै
सत्यहारायै ८०
सत्यवादिनिवासिन्यै
सत्यालयायै
सत्यसङ्गायै
सत्यसङ्गरकारिण्यै
असङ्गायै
सङ्गरहितायै
सुसङ्गायै
सङ्गमोहिन्यै
मायायै
मत्यै ९०
महामायायै
महामखविलासिन्यै
गलद्रुधिरधारायै
मुखद्वयनिवासिन्यै
सत्यायासायै
सत्यसङ्गायै
सत्यसङ्गतिकारिण्यै
असङ्गायै
सङ्गनिरतायै
सुसङ्गायै १००
सङ्गवासिन्यै
सदासत्यायै
महासत्यायै
मांसपाशायै
सुमांसकायै
मांसाहारायै
मांसधरायै
मांसाश्यै

मांसभक्षकायै
रक्तपानायै ११०
रक्तरुचये
आरक्तायै
रक्तवल्लभायै
रक्ताहारायै
रक्तप्रियायै
रक्तनिन्दकनाशिन्यै
रक्तपानप्रियायै
बालायै
रक्तदेशायै
सुरक्तिकायै १२०
स्वयंभूकुसुमस्थायै
स्वयंभूकुसुमोत्सुकायै
स्वयंभूकुसुमाहारायै
स्वयंभूनिन्दकासनायै
स्वयंभूपुष्पकप्रीतायै
स्वयंभूपुष्पसंभवायै
स्वयंभूपुष्पहाराढ्यायै
स्वयंभूनिन्दकान्तकायै
कुण्डगोलविलासायै
कुण्डगोलसदामत्यै १३०
कुण्डगोलप्रियकर्यै
कुण्डगोलसमुद्भवायै
शुक्रात्मिकायै
शुक्रकरायै
सुशुक्रायै
सुशुक्तिकायै
शुक्रपूजकपूज्यायै
शुक्रनिन्दकनिन्दकायै
रक्तमाल्यायै
रक्तपुष्पायै १४०
रक्तपुष्पकपुष्पकायै
रक्तचन्दनसिक्ताङ्ग्यै
रक्तचन्दननिन्दकायै
मत्स्यायै
मत्स्यप्रियायै
मान्यायै
मत्स्यभक्षायै
महोदयायै
मत्स्याहारायै
मत्स्यकामायै १५०
मत्स्यनिन्दकनाशिन्यै
केकराक्ष्यै
क्रूरायै
क्रूरसैन्यविनाशिन्यै
क्रूराङ्ग्यै
कुलिशाङ्ग्यै
चक्राङ्ग्यै
चक्रसंभवायै
चक्रदेहायै
चक्रहारायै १६०
चक्रकङ्कालवासिन्यै
निम्ननाभ्यै
भीतिहरायै
भयदायै

भयहारिकायै
भयप्रदायै
भयायै
भीतायै
अभीमायै
भीमनादिन्यै १७०
सुन्दर्यै
शोभनायै
सत्यायै
क्षेम्यायै
क्षेमकर्यै
सिन्दूरायै
अञ्चितसिन्दूरायै
सिन्दूरसदृशाकृत्यै
रक्तायै
रञ्जितनासायै १८०
सुनासायै
निम्ननासिकायै
खर्वायै
लम्बोदर्यै
दीर्घायै
दीर्घघोणायै
महाकुचायै
कुटिलायै
चञ्चलायै
चण्डयै १९०
चण्डनादायै
प्रचण्डिकायै
अतिचण्डायै
महाचण्डायै
श्रीचण्डायै
चण्डवेगिन्यै
चाण्डाल्यै
चण्डिकायै
चण्डशब्दरूपायै
चञ्चलायै २००
चंपायै
चंपावत्यै
चोस्तायै
तीक्ष्णायै
तीक्ष्णप्रियायै
क्षत्यै
जलदायै
जयदायै
योगायै
जगते २१०
आनन्दकारिण्यै
जगद्वन्द्यायै
जगन्मात्रे
जगत्यै
जगतः क्षमायै
जन्यायै
जलजनेत्र्यै
जयिन्यै
जयदायै
जनन्यै २२०

जगद्धात्र्यै
जयाख्यायै
जयरूपिण्यै
जगन्मात्रे
जगन्मान्यायै
जयश्रियै
जयकारिण्यै
जयिन्यै
जयमात्रे
जयायै २३०
विजयायै
खड्गिन्यै
खड्गरूपायै
सुखड्गायै
खड्गधारिण्यै
खड्गरूपायै
खड्गकरायै
खड्गिन्यै
खड्गवल्लभायै
खड्गदायै २४०
खड्गभावायै
खड्गदेहसमुद्भवायै
खड्गायै
खड्गधरायै
खेलायै
खड्गिन्यै
खड्गमण्डिन्यै
शंखिन्यै
चापिन्यै
देव्यै २५०
वज्रिण्यै
शूलिन्यै
मत्यै
वालिन्यै
भिन्दिपाल्यै
पाश्यै
अङ्कुश्यै
शर्यै
धनुष्यै
चटक्यै २६०
चर्मायै
दन्त्यै
कर्णनालिक्यै
मुसल्यै
हलरूपायै
तूणीरगणवासिन्यै
तूणालयायै
तूणहरायै
तूणसंभवरूपिण्यै
सुतूण्यै २७०
तूणखेदायै
तूणाङ्ग्यै
तूणवल्लभायै
नानास्त्रधारिण्यै
देव्यै
नानाशस्त्रसमुद्भवायै

लाक्षायै
लक्षहरायै
लाभायै
सुलाभायै २८०
लाभनाशिन्यै
लाभहारायै
लाभकरायै
लाभिन्यै
लाभरूपिण्यै
धरित्र्यै
धनदायै
धान्यायै
धान्यरूपायै
धरायै २९०
धन्वै
धुरशब्दायै
धुरायै
मान्यायै
धराङ्ग्यै
धननाशिन्यै
धनहायै
धनलाभायै
धनलभ्यायै
महाधन्वै ३००
अशान्तायै
शान्तिरूपायै
श्वासमार्गनिवासिन्यै
गगणायै
गणसेव्यायै
गणाङ्गायै
वाचे
अवल्लभायै
गणदायै
गणहायै ३१०
गम्यायै
गमनायै
आगमसुन्दर्यै
गम्यदायै
गणनाश्यै
गदहायै
गदवर्धिन्यै
स्थैर्यायै
स्थैर्यनाशायै
स्थैर्यान्तकरण्यै ३२०
कुलायै
दात्र्यै
कर्त्र्यै
प्रियायै
प्रेमायै
प्रियदायै
प्रियवर्धिन्यै
प्रियहायै
प्रियभव्यायै
प्रियायै ३३०
प्रेमाङ्घ्रिपायै तन्वै
प्रियजायै

प्रियभव्यायै
प्रियस्थायै
भवनस्थितायै
सुस्थिरायै
स्थिररूपायै
स्थिरदायै
स्थैर्यबर्हिण्यै
चञ्चलायै ३४०
चपलायै
चोलायै
चपलाङ्गनिवासिन्यै
गौर्यै
काल्यै
छिन्नायै
मायायै
मान्यायै
हरप्रियायै
सुन्दर्यै ३५०
त्रिपुरायै
भव्यायै
त्रिपुरेश्वरवासिन्यै
त्रिपुरनाशिनीदेव्यै
त्रिपुरप्राणहारिण्यै
भैरव्यै
भैरवस्थायै
भैरवस्य प्रियायै तन्वे
भवाङ्ग्यै
भैरवाकारायै ३६०

भैरवप्रियवल्लभायै
कालदायै
कालरात्र्यै
कामायै
कात्यायन्यै
क्रियायै
क्रियदायै
क्रियहायै
क्लैब्यायै
प्रियप्राणक्रियायै ३७०
क्रीङ्कार्यै
कमलायै
लक्ष्म्यै
शक्त्यै
स्वाहायै
विभ्वै
प्रभ्वै
प्रकृत्यै
पुरुषाय
पुरुषायै ३८०
पुरुषाकृत्यै
परमाय पुरुषाय
मायायै
नारायण्यै
मत्यै
ब्राह्म्यै
माहेश्वर्यै
कौमार्यै

वैष्णव्यै
वाराह्यै ३९०
चामुण्डायै
इन्द्राण्यै
हरवल्लभायै
भार्ग्यै
माहेश्वर्यै
कृष्णायै
कात्यायन्यै
पूतनायै
राक्षस्यै
डाकिन्यै ४००
चित्रायै
विचित्रायै
विभ्रमायै
हाकिन्यै
राकिण्यै
भीतायै
गन्धर्वायै
गन्धवाहिन्यै
केकर्यै
कोटराक्ष्यै ४१०
निर्मांसायै
उलूकमांसिकायै
ललज्जिह्वायै
सुजिह्वायै
बालदायै
बालदायिन्यै
चन्द्रायै
चन्द्रप्रभायै
चान्द्र्यै
चन्द्रकान्तिषु तत्परायै ४२०
अमृतायै
मानदायै
पूषायै
तुष्ट्यै
पुष्ट्यै
रत्यै
धृत्यै
शशिन्यै
चन्द्रिकायै
कान्त्यै ४३०
ज्योत्स्नायै
श्रियै
प्रीत्यै
अङ्गदायै
पूर्णायै
पूर्णामृतायै
कल्पलतिकायै
कल्पदानदायै
सुकल्पायै
कल्पहस्तायै ४४०
कल्पवृक्षकर्यै
हन्व्यै
कल्पाख्यायै
कल्पभव्यायै

कल्पायै
नन्दकवन्दितायै
सूचीमुख्यै
प्रेतमुख्यै
उल्कामुख्यै
महामुख्यै ४५०
उग्रमुख्यै
सुमुख्यै
काकास्यायै
विकटाननायै
कृकलास्यायै
सन्ध्यास्यायै
मुकुलीशायै
रमाकृत्यै
नानामुख्यै
नानास्यायै ४६०
नानारूपप्रधारिण्यै
विश्वार्च्यायै
विश्वमात्रे
विश्वाख्यायै
विश्वभाविन्यै
सूर्यायै
सूर्यप्रभायै
शोभायै
सूर्यमण्डलसंस्थितायै
सूर्यकान्त्यै ४७०
सूर्यकरायै
सूर्याख्यै

सूर्यभावनायै
तपिन्यै
तापिन्यै
धूम्रायै
मरीचये
ज्वालिन्यै
रुच्यै
सुरदायै ४८०
भोगदायै
विश्वायै
बोधिन्यै
धारिण्यै
क्षमायै
युगदायै
योगहायै
योग्यायै
योग्यहायै
योगवर्धिन्यै ४९०
वह्निमण्डलसंस्थायै
वह्निमण्डलमध्यगायै
वह्निमण्डलरूपायै
वह्निमण्डलसंज्ञकायै
वह्नितेजसे
वह्निरागायै
वह्निदायै
वह्निनाशिन्यै
वह्निक्रियायै
वह्निभुजायै ५००

सदा वह्नौ स्थितायै कलायै
धूम्रार्चिषायै
उज्ज्वलिन्यै
विस्फुलिङ्गिन्यै
शूलिन्यै
सुरूपायै
कपिलायै
हव्यवाहिन्यै
नानातेजस्विन्यै देव्यै
परब्रह्मकुटुंबिन्यै ५१०
ज्योतिषे
ब्रह्ममय्यै देव्यै
परब्रह्मस्वरूपिण्यै
परमात्मने
परायै
पुण्यायै
पुण्यदायै
पुण्यवर्धिन्यै
पुण्यदायै
पुण्यनाम्न्यै ५२०
पुण्यगन्धायै
प्रियायै तन्वै
पुण्यदेहायै
पुण्यकरायै
पुण्यनिन्दकनिन्दकायै
पुण्यकालकरायै
पुण्यायै
सुपुण्यायै
पुण्यमालिकायै
पुण्यखेलायै ५३०
पुण्यकेल्यै
पुण्यनामसुमायै
पुरायै
पुण्यसेव्यायै
पुण्यखेल्यायै
पुराणायै
पुण्यवल्लभायै
पुरुषायै
पुरुषप्राणायै
पुरुषात्मस्वरूपिण्यै ५४०
पुरुषाङ्ग्यै
पुरुष्यै
पुरुषस्य सदा कलायै
सुपुष्पायै
पुष्पकप्राणायै
पुष्पहायै
पुष्पवल्लभायै
पुष्पप्रियायै
पुष्पहारायै
पुष्पवन्दकवन्दकायै ५५०
पुष्पहायै
पुष्पमालायै
पुष्पनिन्दकनाशिन्यै
नक्षत्रप्राणहन्त्र्यै
नक्षत्रायै
लक्ष्यवन्दकायै

लक्ष्यमाल्यायै
लक्षहरायै
लक्ष्यायै
लक्ष्यस्वरूपिण्यै ५६०
नक्षत्राण्यै
सुनक्षत्रायै
नक्षत्राहायै
महोदयायै
महामाल्यायै
महामान्यायै
महत्यै
मातृपूजितायै
महामहाकनीयसे
महाकालेश्वर्यै ५७०
महायै
महास्यायै
वन्दनीयायै
महाशब्दनिवासिन्यै
महाशंखेश्वर्यै
मीनायै
मत्स्यगन्धायै
महोदर्यै
लंबोदर्यै
लंबोष्ठ्यै ५८०
लंबनिम्नतनूदर्यै
लंबोष्ठ्यै
लंबनासायै
लंबघोणायै
ललत्शुकायै
अतिलंबायै
महालंबायै
सुलंबायै
लंबवाहिन्यै
लंबार्हायै ५९०
लंबशक्त्यै
लंबस्थायै
लंबपूर्विकायै
चतुर्घण्टायै
महाघण्टायै
सदा घण्टानादप्रियायै
वाद्यप्रियायै
वाद्यरतायै
सुवाद्यायै
वाद्यनाशिन्यै ६००
रमायै
रामायै
सुबालायै
रमणीयस्वभाविन्यै
सुरम्यायै
रम्यदायै
रंभायै
रंभोरवे
रामवल्लभायै
कामप्रियायै ६१०
कामकरायै
कामाङ्ग्यै

रमण्यै
रत्यै
रतिप्रियायै
रतिरत्यै
रतिसेव्यायै
रतिप्रियायै
सुरभ्यै
सुरभिये ६२०
शोभायै
दिक्शोभायै
अशुभनाशिन्यै
सुशोभायै
महाशोभायै
अतिशोभायै
प्रेततापिन्यै
लोभिन्यै
महालोभायै
सुलोभायै ६३०
लोभवर्धिन्यै
लोभाङ्ग्यै
लोभवन्द्यायै
लोभाढ्यै
लोभभासकायै
लोभप्रियायै
महालोभायै
लोभनिन्दकनिन्दकायै
लोभाङ्गवासिन्यै
गन्धायै ६४०
विगन्धायै
गन्धनाशिन्यै
गन्धाङ्ग्यै
गन्धपुष्टायै
सुगन्धायै
प्रेमगन्धिकायै
दुर्गन्धायै
पूतिगन्धायै
विगन्धायै
अतिगन्धिकायै ६५०
पद्मान्तिकायै
पद्मवहायै
पद्मप्रियप्रियङ्कर्यै
पद्मनिन्दकनिन्दायै
पद्मसन्तोषवाहनायै
रक्तोत्पलवरादेव्यै
सदा रक्तोत्पलप्रियायै
रक्तोत्पल सुगन्धायै
रक्तोत्पल निवासिन्यै
रक्तोत्पलमहामालायै ६६०
रक्तोत्पलमनोहरायै
रक्तोत्पलसुनेत्रायै
रक्तोत्पलस्वरूपधृषे
वैष्णव्यै
विष्णुपूज्यायै
वैष्णवाङ्ग निवासिन्यै
विष्णुपूजकपूज्यायै
वैष्णवे संस्थितायै तन्वे

नारायणस्य देहस्थायै
नारायणमनोहरायै ६७०
नारायणस्वरूपायै
नारायणमनःस्थितायै
नारायणाङ्गसंभूतायै
नारायणप्रियायै तन्वे
नार्यै
नारायण्यै
गण्यायै
नारायणगृहप्रियायै
हरपूज्यायै
हरश्रेष्ठायै ६८०
हरस्य वल्लभायै
क्षमायै
संहार्यै
हरदेहस्थायै
हरपूजनतत्परायै
हरदेहसमुद्भूतायै
हरांगवासिन्यै
कुह्वै
हरपूजकपूज्यायै
हरवन्दकतत्परायै ६९०
हरदेहसमुत्पन्नायै
हरक्रीडायै
सदागत्यै
सुगणायै
सङ्गरहितायै
असङ्गायै
सङ्गनाशिन्यै
निर्जनायै
विजनायै
दुर्गायै ७००
दुर्गक्लेशनिवारिण्यै
दुर्गदेहान्तकायै
दुर्गारूपिण्यै
दुर्गतस्थितायै
प्रेतप्रियायै
प्रेतकरायै
प्रेतदेहसमुद्भवायै
प्रेताङ्गवासिन्यै
प्रेतायै
प्रेतदेहविमर्दकायै ७१०
डाकिन्यै
योगिन्यै
कालरात्र्यै
सदा कालप्रियायै
कालरात्रिहरायै
कालायै
कृष्णदेहायै
महातन्व्यै
कृष्णाङ्ग्यै
कुटिलाङ्ग्यै ७२०
वज्राङ्ग्यै
वज्ररूपधृषे
नानादेहधरायै
धन्यायै

षट्चक्रक्रमवासिन्यै
मूलाधारनिवास्यै
सदा मूलाधारस्थितायै
वायुरूपायै
महारूपायै
वायुमार्गनिवासिन्यै ७३०
वायुयुक्तायै
वायुकरायै
वायुपूरकपूरकायै
वायुरूपधरायै देव्यै
सुषुम्नामार्गगामिन्यै
देहस्थायै
देहरूपायै
देहध्येयायै
सुदेहिकायै
नाडीरूपायै ७४०
महीरूपायै
नाडीस्थाननिवासिन्यै
इङ्गलायै
पिङ्गलायै
सुषुम्नामध्यवासिन्यै
सदाशिवप्रियकर्यै
मूलप्रकृतिरूपधृषे
अमृतेश्यै
महाशाल्यै
शृङ्गाराङ्गनिवासिन्यै ७५०
उत्पत्तिस्थितिसंहन्त्र्यै
प्रलयायै
पदवासिन्यै
महाप्रलययुक्तायै
सृष्टिसंहारकारिण्यै
स्वधायै
स्वाहायै
हव्यवाहायै
हव्यायै
सदाहव्यप्रियायै ७६०
हव्यस्थायै
हव्यभक्षायै
हव्यदेहसमुद्भवायै
हव्यक्रीडायै
कामधेनुस्वरूपायै
रूपसंभवायै
सुरभ्यै
नन्दिन्यै
पुण्यायै
यज्ञाङ्ग्यै ७७०
यज्ञसंभवायै
यज्ञस्थायै
यज्ञदेहायै
योनिजायै
योनिवासिन्यै
अयोनिजायै
सत्यै
सत्यायै
असत्यै
कुटिलातन्व्यै ७८०

अहल्यायै
गौतम्यै
गम्यायै
विदेहायै
देहनाशिन्यै
गान्धार्यै
द्रौपद्यै
दूत्यै
शिवप्रियायै
त्रयोदश्यै ७९०
पौर्णमास्यै
पञ्चदश्यै
पञ्चम्यै
चतुर्दश्यै
षष्ठ्यै
नवम्यै
अष्टम्यै
दशम्यै
एकादश्यै
द्वादश्यै ८००
द्वाररूपायै
अभयप्रदायै
संक्रान्त्यै
सामरूपायै
कुलीनायै
कुलनाशन्यै
कुलकान्तायै
कृशायै
कुंभायै
कुंभदेहविवर्धिन्यै ८१०
विनीतायै
कुलवत्यै
अर्थायै
अन्तर्यै
अनुगायै
उषायै
नद्यै
सागरदायै
शान्त्यै
शान्तिरूपायै ८२०
सुशान्तिकायै
आशायै
तृष्णायै
क्षुधायै
क्षोभ्यायै
क्षोभरूप निवासिन्यै
गङ्गायै
सागरगायै
कान्त्यै
श्रुत्यै ८३०
स्मृत्यै
धृत्यै
महत्यै
दिवा
रात्र्यै
पञ्चभूतदेहायै

सुदेहकायै
तण्डुलायै
छिन्नमस्तायै
नागयज्ञोपवीतिन्यै ८४०
वर्णिन्यै
डाकिन्यै
शक्त्यै
कुरुकुल्लायै
सुकुल्लकायै
प्रत्यंगिरायै
अपरायै देव्यै
अजितायै
जयदायिन्यै
जयायै ८५०
विजयायै
महिषासुरघातिन्यै
मधुकैटभहन्त्र्यै
चण्डमुण्डविनाशिन्यै
निशुंभशुंभहनन्यै
रक्तबीजक्षयंकर्यै
काश्यै
काशीनिवासायै
मधुरायै
पार्वत्यै ८६०
परायै
अपर्णायै
चण्डिकायै देव्यै
मृडान्यै
अंबिकायै
कलायै
शुक्लायै
कृष्णायै
वर्ण्य वर्णायै ८७०
शरदिन्दुकलाकृत्यै
रुक्मिण्यै
राधिकायै ८७३★

★ अपूर्णा नामावलिः । अष्टाधिकसहस्रात्मकतया निर्देशोऽस्ति । मध्येऽन्ते वा श्लोका लुप्ताः स्युः ॥

श्रीधूमावती-अष्टोत्तरशतनामावलिः

धूमावत्यै नमः
धूम्रवर्णायै
धूम्रपानपरायणायै
धूम्राक्षमथिन्यै
धन्यायै
धन्यस्थाननिवासिन्यै
अघोराचारसन्तुष्टायै
अघोराचारमण्डितायै
अघोरमन्त्रसंप्रीतायै
अघोरमन्त्रपूजितायै १०
अट्टाट्टहासनिरतायै
मलिनाम्बरधारिण्यै
वृद्धायै
विरूपायै
विधवायै
विद्यायै
विरलद्विजायै
प्रवृद्धघोणायै
कुमुख्यै
कुटिलायै २०
कुटिलेक्षणायै
कराल्यै
करालास्यायै
कङ्काल्यै
शूर्पधारिण्यै
काकध्वजायै
रथारूढायै
केवलायै
कठिनायै
कुह्वे ३०
क्षुत्पिपासार्दितायै
नित्यायै
ललज्जिह्वायै
दिगम्बर्यै
दीर्घोदर्यै
दीर्घरवायै
दीर्घाङ्ग्यै
दीर्घमस्तकायै
विमुक्तकुन्तलायै
कीर्त्यायै ४०
कैलासस्थानवासिन्यै
क्रूरायै
कालस्वरूपायै
कालचक्रप्रवर्तिन्यै
विवर्णायै
चञ्चलायै
दुष्टायै
दुष्टविध्वंसकारिण्यै
चण्ड्यै
चण्डस्वरूपायै ५०
चामुण्डायै
चण्डनिस्वनायै

चण्डवेगायै
चण्डगतये
चण्डमुण्डविनाशिन्यै
चाण्डालिन्यै
चित्ररेखायै
चित्राङ्ग्यै
चित्ररूपिण्यै
कृष्णायै ६०
कपर्दिन्यै
कुल्लायै
कृष्णारूपायै
क्रियावत्यै
कुंभस्तन्यै
महोन्मत्तायै
मदिरापानविह्वलायै
चतुर्भुजायै
ललज्जिह्वायै
शत्रुसंहारकारिण्यै ७०
शवारूढायै
शवगतायै
श्मशानस्थानवासिन्यै
दुराराध्यायै
दुराचारायै
दुर्जनप्रीतिदायिन्यै
निर्मांसायै
निराकारायै
धूतहस्तायै
वरान्वितायै ८०

कलहायै
कलिप्रीतायै
कलिकल्मषनाशिन्यै
महाकालस्वरूपायै
महाकालप्रपूजितायै
महादेवप्रियायै
मेधायै
महासङ्कटनाशिन्यै
भक्तप्रियायै
भक्तगतये ९०
भक्तशत्रुविनाशिन्यै
भैरव्यै
भुवनायै
भीमायै
भारत्यै
भुवनात्मिकायै
भेरुण्डायै
भीमनयनायै
त्रिनेत्रायै
बहुरूपिण्यै १००
त्रिलोकेश्यै
त्रिकालज्ञायै
त्रिस्वरूपायै
त्रयीतनवे
त्रिमूर्तये
तन्व्यै
त्रिशक्तये
त्रिशूलिन्यै १०८

श्रीधूमावतीसहस्रनामावलिः ।

धूमायै नमः
धूमवत्यै
धूमायै
धूमपानपरायणायै
धौताधौतगिरां धाम्न्यै
धूमेश्वरनिवासिन्यै
अनन्तायै
अनन्तरूपायै
अकाराकाररूपिण्यै
आद्यायै १०
आनन्ददानन्दायै
इकारायै
इन्द्ररूपिण्यै
धनधान्यार्थवाणीदायै
यशोधर्मप्रियेष्टदायै
भाग्यसौभाग्यभक्तिस्थायै
गुहापर्वतवासिन्यै
रामरावणसुग्रीवमोहदायै
हनुमत्प्रियायै
वेदशास्त्रपुराणज्ञायै २०
ज्योतिश्छन्दः स्वरूपिण्यै
चातुर्यचारुरुचिरारञ्जन
प्रेमतोषदायै
कमलाससुधावक्त्रायै
चन्द्रहासस्मिताननायै
चतुरायै
चारुकेश्यै
मुदा चतुर्वर्गप्रदायै
कलाकालधरायै
धीरायै
धारिण्यै ३०
वसुनीरदायै
हीरायै
हीरकवर्णाभायै
हरिणायतलोचनायै
दंभमोहक्रोधलोभस्नेहद्वेषहरायैपरायै
नरदेवकर्यै
रामायै
रामानन्दमनोहरायै
योगभोगक्रोधलोभहरायै
हरनमस्कृतायै ४०
दानमानज्ञानमानपानगानसुखप्रदायै
गजगोऽश्वपदागञ्ञा भूतिदायै
भूतनाशिन्यै
भवभावायै
बालायै
वरदायै
हरवल्लभायै
भगभङ्गभयायै
मालायै

मालत्यै ५०
तालनाददायै
जालवालहालकालकपालप्रियवादिन्यै
करञ्जशीलगुञ्जाढ्यायै
चूताङ्कुरनिवासिन्यै
पनसस्थायै
पानसक्तायै
पनसेशकुटुंबिन्यै
पावन्यै
पावनाधारायै
पूर्णायै ६०
पूर्णमनोरथायै
पूतायै
पूतकलायै
पौरायै
पुराणसुरसुन्दर्यै
परेश्यै
परदायै
परायै
परात्मने
परमोहिन्यै ७०
जगन्मायायै
जगत्कर्त्र्यै
जगत्कीर्तये
जगन्मय्यै
जनन्यै
जयिन्यै
जायायै
जितायै
जिनजयप्रदायै
कीर्तिज्ञानध्यानमानदायिन्यै ८०
दानवेश्वर्यै
काव्यव्याकरणज्ञानायै
प्रज्ञाप्रज्ञानदयिन्यै
विज्ञाज्ञायै
विज्ञजयदायै
विज्ञाविज्ञप्रपूजितायै
परावरेज्यायै
वरदायै
पारदायै
शारदादरायै ९०
दारिण्यै
देवदूत्यै
मदनामदनामदायै
परमज्ञानगम्यायै
परेश्यै
परगायै परायै
यज्ञायज्ञप्रदायै
यज्ञज्ञानकार्यकर्यै
शुभायै
शोभिन्यै १००
शुंभमथिन्यै
निशुंभासुरमर्दिन्यै
शांभव्यै

शंभुपत्न्यै
शंभुजायायै
शुभाननायै
शार्ङ्ग्यै
शङ्कराराध्यायै
सन्ध्यायै
सन्ध्यासुधर्मिण्यै ११०
शत्रुघ्न्यै
शत्रुहायै
शत्रुप्रदायै
शात्रवनाशिन्यै
शैव्यै
शिवलयायै
शैलायै
सदा शैलराजप्रियायै
शर्वर्यै
शबर्यै १२०
शंभ्वै
सुधाढ्यायै
सौधवासिन्यै
सगुणागुणरूपायै
गौरव्यै
भैरवीरवायै
गौराङ्ग्यै
गौरदेहायै
गौर्यै
गुरुमत्यै गुरवे १३०
गवे गवे
गव्यस्वरूपायै
गुणानन्दस्वरूपिण्यै
गणेशगणदायै
गुण्यगुणायै
गौरववाञ्छितायै
गणमात्रे
गणाराध्यायै
गणकोटिविनाशिन्यै
दुर्गायै १४०
दुर्जनहन्त्र्यै
दुर्जनप्रीतिदायिन्यै
स्वर्गापवर्गदायै
दात्र्यै
दीनादीनदयावत्यै
दुर्निरीक्ष्यायै
दुरादुःस्थायै
दौःस्थ्यभञ्जनकारिण्यै
श्वेतपाण्डुरकृष्णाभायै
कालदायै १५०
कालनाशिन्यै
कर्मनर्मकर्यै
नर्मायै
धर्माधर्मविनाशिन्यै
गोरीगौरवदायै
गोदायै
गणदायै

गायनप्रियायै
गङ्गायै
भागीरथ्यै १६०
भङ्गायै
भगायै
भाग्यविवर्धिन्यै
भवान्यै
भवहन्त्र्यै
भैरव्यै
भैरवीसमायै
भीमाभीमरवायै
भैम्यै
भीमानन्दप्रदायिन्यै १७०
शरण्यायै
शरणायै
शम्यायै
शशिन्यै
शंखनाशिन्यै
गुणागुणकर्यै
गौणीप्रियायै
प्रीतिप्रदायिन्यै
जनमोहनकर्त्र्यै
जगदानन्ददायिन्यै १८०
जिताजायायै
विजयायै
विजयाजयदायिन्यै
कामायै
काल्यै
करालास्यायै
खर्वायै
खञ्जायै
खरायै
गदायै-१९०
गर्वायै
गरुत्मत्यै
घर्मायै
घर्घरायै
घोरनादिन्यै
चराचर्यै
चराराध्यायै
छिन्नाच्छिन्नमनोरथायै
छिन्नमस्तायै
जयाजाप्यायै २००
जगज्जायायै
झर्झर्यै
झकारायै
झीष्कृत्यै
टीकायै
टङ्कायै
टङ्कारनादिन्यै
ठीकायै
ठक्कुरठक्काङ्ग्यै
ठठठाङ्कारढुण्ढुरायै २१०
ढुण्ढ्यै

ताराजतीर्णायै
तालस्थभ्रमनाशिन्यै
थकारायै
थकरायै
दात्र्यै
दीपायै
दीपविनाशिन्यै
धन्यायै
धनाधनवत्यै-२२०
नर्मदायै
नर्ममोदिन्यै
पद्मायै
पद्मावत्यै
पीतास्फान्तायै
फूत्कारकारिण्यै
फुल्लायै
ब्रह्ममय्यै
ब्राह्मयै
ब्रह्मानन्दप्रदायिन्यै २३०
भवाराध्यायै
भवाध्यक्षायै
भगालीमन्दगामिन्यै
मदिरायै
मदिरेक्षायै
यशोदायै
यमपूजितायै
याम्यायै
राम्यायै
रामरूपायै २४०
रमण्यै
ललितायै
लतायै
लङ्केश्यै
वाक्प्रदायै
वाच्यायै
सदाश्रमनिवासिन्यै
श्रान्तायै
शकाररूपायै
षकारखरवाहनायै २५०
सह्याद्रिरूपायै
सानन्दायै
हरिणीहरिरूपिण्यै
हराराध्यायै
बालवाचालवङ्गप्रेमतोषितायै
क्षपाक्षयप्रदायै
क्षीरायै
अकारादिस्वरूपिण्यै
कालिकायै
कालमूर्त्यै २६०
कलहायै
कलहप्रियायै
शिवायै
शन्दायिन्यै
सौम्यायै

शत्रुनिग्रहकारिण्यै
भवान्यै
भवमूर्त्यै
शर्वाण्यै
सर्वमङ्गलायै २७०
शत्रुविद्राविण्यै
शैव्यै
शुंभासुरविनाशिन्यै
धकारमन्त्ररूपायै
धूंबीजपरितोषितायै
धनाध्यक्षस्तुतायै
धीरायै
धरारूपायै
धरावत्यै
चर्विण्यै २८०
चन्द्रपूज्यायै
छन्दोरूपायै
छटावत्यै
छायायै
छायावत्यै
स्वच्छायै
छेदिन्यै
भेदिन्यै
क्षमायै
वल्गिन्यै २९०
वर्धिन्यै
वन्द्यायै
वेदमात्रे
बुधस्तुतायै
धारायै
धारावत्यै
धन्यायै
धर्मदानपरायणायै
गर्विण्यै
गुरुपूज्यायै ३००
ज्ञानदात्र्यै
गुणान्वितायै
धर्मिण्यै
धर्मरूपायै
घण्टानादपरायणायै
घण्टानिनादिन्यै
घूर्णाघूर्णितायै
घोररूपिण्यै
कलिघ्न्यै
कलिदूत्यै ३१०
कलिपूज्यायै
कलिप्रियायै
कालनिर्णाशिन्यै
काल्यायै
काव्यदायै
कालरूपिण्यै
वर्षिण्यै
वृष्टिदायै वृष्ट्यै
महावृष्टिनिवारिण्यै

घातिन्यै ३२०
घाटिन्यै
घोण्टायै
घातक्यै
घनरूपिण्यै
धूंबीजायै
धूञपानन्दायै
धूंबीजजपतोषितायै
धूंधूंबीजजपासक्तायै
धूंधूंबीजपरायणायै
धूंकारहर्षिण्यै ३३०
धूमायै
धनदायै
धनगर्वितायै
पद्मावत्यै
पद्ममालायै
पद्मयोनिप्रपूजितायै
अपारायै
पूरण्यै
पूर्णायै
पूर्णिमायै ३४०
परिवन्दितायै
फलदायै
फलभोक्त्र्यै
फलिन्यै
फलदायिन्यै
फूत्कारिण्यै
फलावाप्त्यै
फलभोक्त्र्यै
फलान्वितायै
वारिण्यै ३५०
वारणप्रीतायै
वारिपाथोधिपारगायै
विवर्णायै
धूम्रनयनायै
धूम्राक्ष्यै
धूम्ररूपिण्यै
नीत्यै
नीतिस्वरूपायै
नीतिज्ञायै
नयकोविदायै ३६०
तारिण्यै
ताररूपायै
तत्वज्ञानपरायणायै
स्थूलायै
स्थूलाधरायै
स्थात्र्यै
उत्तमस्थानवासिन्यै
स्थूलायै
पद्मपदस्थानायै
स्थानभ्रष्टायै ३७०
स्थलस्थितायै
शोषिण्यै
शोभिन्यै

शीतायै
शीतपानीयपायिन्यै
शारिण्यै
शंखिन्यै
शुद्धायै
शंखासुरविनाशिन्यै
शर्व्यै ३८०
शर्वरीपूज्यायै
शर्वरीशप्रपूजितायै
शर्वरीजाग्रितायै
योग्यायै
योगिन्यै
योगवन्दितायै
योगिनीगणसंसेव्यायै
योगिनीयोगभावितायै
योगमार्गरतायै
युक्तायै ३९०
योगमार्गानुसारिण्यै
योगभावायै
योगयुक्तायै
यामिनीपतिवन्दितायै
अयोग्यायै
योधिन्यै
योद्ध्र्यै
युद्धकर्मविशारदायै
युद्धमार्गरतायै
नान्तायै ४००

युद्धस्थाननिवासिन्यै
सिद्धायै
सिद्धेश्वर्यै
सिद्ध्यै
सिद्धिगेहनिवासिन्यै
सिद्धरीत्यै
सिद्धप्रीत्यै
सिद्धायै
सिद्धान्तकारिण्यै
सिद्धगम्यायै ४१०
सिद्धपूज्यायै
सिद्धवन्द्यायै
सुसिद्धिदायै
साधिन्यै
साधनप्रीतायै
साध्यायै
साधनकारिण्यै
साधनीयायै
साध्यसाध्यायै
साध्यसंघसुशोभिन्यै ४२०
साध्व्यै
साधुस्वभावायै
तस्यै
साधुसन्ततिदायिन्यै
साधुपूज्यायै
साधुवन्द्यायै
साधुसन्दर्शनोद्यतायै

साधुदृष्टायै
साधुपृष्टायै
साधुपोषणतत्परायै ४३०
सात्विक्यै
सत्वसंसिद्धायै
सत्वसेव्यायै
सुखोदयायै
सत्ववृद्धिकर्यै
शान्तायै
सत्वसंहर्षमानसायै ४४०
सत्वज्ञानायै
सत्वविद्यायै
सत्वसिद्धान्तकारिण्यै
सत्ववृद्ध्यै
सत्वसिद्ध्यै
सत्वसंपन्नमानसायै
चारुरूपायै
चारुदेहायै
चारुचंचललोचनायै
छद्मिन्यै
छद्मसंकल्पायै
छद्मवार्तायै
क्षमाप्रियायै ४५०
हठिन्यै
हठसंप्रीत्यै
हठवार्तायै
हठोद्यमायै
हठकार्यायै
हठधर्मायै
हठकर्मपरायणायै
हठसंभोगनिरतायै
हठात्काररतिप्रियायै
हठसंभेदिन्यै ४६०
हृद्यायै
हृद्यवार्तायै
हरिप्रियायै
हरिण्यै
हरिणीदृष्ट्यै
हरिणीमांसभक्षणायै
हरिणाक्ष्यै
हरिणपायै
हरिणीगणहर्षदायै
हरिणीगणसंहर्त्र्यै ४७०
हरिणीपरिपोषकायै
हरिणीमृगयासक्तायै
हरिणीमानपुरस्सरायै
दीनायै
दीनाकृत्यै
दूनायै
द्राविण्यै
द्रविणप्रदायै
द्रविणाचलसंवासायै
द्रवितायै ४८०
द्रव्यसंयुतायै

दीर्घायै
दीर्घपदायै
दृश्यायै
दर्शनीयायै
दृढाकृत्यै
दृढायै
द्विष्टमत्यै
दुष्टायै
द्वेषिण्यै ४९०
द्वेषिभञ्जिन्यै
दोषिण्यै
दोषसंयुक्तायै
दुष्टशत्रुविनाशिन्यै
देवतार्तिहरायै
दुष्टदैत्यसंघविदारिण्यै
दुष्टदानवहन्त्र्यै
दुष्टदैत्यनिषूदिन्यै
देवताप्राणदायै
देव्यै ५००
देवदुर्गतिनाशिन्यै
नटनायकसंसेव्यायै
नर्तक्यै
नर्तकप्रियायै
नाट्यविद्यायै
नाट्यकर्त्र्यै
नादिन्यै
नादकारिण्यै
नवीननूतनायै
नव्यायै ५१०
नवीनवस्त्रधारिण्यै
नव्यभूषायै
नव्यमाल्यायै
नव्यालङ्कारशोभितायै
नकारवादिन्यै
नम्यायै
नवभूषणभूषितायै
नीचमार्गायै
नीचभूम्यै
नीचमार्गगत्यै गत्यै ५२०
नाथसेव्यायै
नाथभक्तायै
नाथानन्द प्रदायिन्यै
नम्रायै
नम्रगत्यै
नेत्र्यै
निदानवाक्यवादिन्यै
नारीमध्यस्थितायै
नार्यै
नारीमध्यगतायै ५३०
अनघायै
नारीप्रीत्यै
नराराध्यायै
नरनामप्रकाशिन्यै
रत्यै

रतिप्रियायै
रम्यायै
रतिप्रेमायै
रतिप्रदायै
रतिस्थानस्थिताराध्यायै ५४०
रतिहर्षप्रदायिन्यै
रतिरूपायै
रतिध्यानायै
रतिरीतिसुधारिण्यै
रतिरासमहोल्लासायै
रतिरासविहारिण्यै
रतिकान्तस्तुतायै
राश्यै
राशिरक्षणकारिण्यै
अरूपायै ५५०
शुद्धरूपायै
सुरूपायै
रूपगर्वितायै
रूपयौवनसंपन्नायै
रूपराश्यै
रमावत्यै
रोधिन्यै
रोषिण्यै
रुष्टायै
रोषिरुद्धायै ५६०
रसप्रदायै
मादिन्यै
मदनप्रीतायै
मधुमत्तायै
मधुप्रदायै
मद्यपायै
मद्यपध्येयायै
मद्यपप्राणरक्षिण्यै
मद्यपानन्दसन्दात्र्यै
मद्यपप्रेमतोषितायै ५७०
मद्यपानरतायै
मत्तायै
मद्यपानविहारिण्यै
मदिरायै
मदिरासक्तायै
मदिरापानहर्षिण्यै
मदिरापानसन्तुष्टायै
मदिरापानमोहिन्यै
मदिरामानसायै
मुग्धायै ५८०
माध्वीपायै
मदिराप्रदायै
माध्वीदानसदानन्दायै
माध्वीपानरतायै
मदायै
मोदिन्यै
मोदसन्दात्र्यै
मुदितायै
मोदमानसायै

मोदकर्त्र्यै ५९०
मोददात्र्यै
मोदमङ्गलकारिण्यै
मोदकादानसन्तुष्टायै
मोदकग्रहणक्षमायै
मोदकालब्धिसंक्रुद्धायै
मोदकप्राप्तितोषिण्यै
मांसादायै
मांससंभक्षायै
मांसभक्षणहर्षिण्यै
मांसपाकपरप्रेमायै ६००
मांसपाकालयस्थितायै
मत्स्यमांसकृतास्वादायै
मकारपञ्चकान्वितायै
मुद्रायै
मुद्रान्वितायै
मात्रे
महामोहायै
मनस्विन्यै
मुद्रिकायै
मुद्रिकायुक्तायै ६१०
मुद्रिकाकृतलक्षणायै
मुद्रिकालङ्कृतायै
माद्र्यै
मन्दराचलवासिन्यै
मन्दराचलसंसेव्यायै
मन्दराचलवासिन्यै
मन्दरध्येयपादाब्जायै
मन्दरारण्यवासिन्यै
मन्दुरावासिन्यै
मन्दायै ६२०
मारिण्यै
मारिकामितायै
महामार्यै
महामारीशमन्यै
शवसंस्थितायै
शवमांसकृताहारायै
श्मशानालयवासिन्यै
श्मशानसिद्धिसंहृष्टायै
श्मशानभवनस्थितायै
श्मशानशयनागारायै ६३०
श्मशानभस्मलेपितायै
श्मशानभस्मभीमांग्यै
श्मशानावासकारिण्यै
शामिन्यै
शमनाराध्यायै
शमनस्तुतिवन्दितायै
शमनाचारसन्तुष्टायै
शमनागारवासिन्यै
शमनस्वामिन्यै
शान्त्यै ६४०
शान्तसज्जनपूजितायै
शान्तपूजापरायै
शान्तायै

शान्तागारप्रभोजिन्यै
शान्तपूज्यायै
शान्तवन्द्यायै
शान्तग्रहसुधारिण्यै
शान्तरूपायै
शान्तियुक्तायै
शान्तचन्द्रप्रभामलायै ६५०
अमलायै
विमलायै
म्लानायै
मालतीकुञ्जवासिन्यै
मालतीपुष्पसंप्रीतायै
मालतीपुष्पपूजितायै
महोग्रायै
महत्यै
मध्यायै
मध्यदेशनिवासिन्यै ६६०
मध्यमध्वनिसंप्रीतायै
मध्यमध्वनिकारिण्यै
मध्यमायै
मध्यमप्रीत्यै
मध्यप्रेमप्रपूरितायै
मध्याङ्गचित्रवसनायै
मध्यखिन्नायै
महोद्धतायै
महेन्द्रकृतसंपूजायै
महेन्द्रपरिवन्दितायै ६७०

महेन्द्रजालसंयुक्तायै
महेन्द्रजालकारिण्यै
महेन्द्रमानितायै
अमानायै
मानिनीगणमध्यगायै
मानिनीमानसंप्रीतायै
मानविध्वंसकारिण्यै
मानिन्याकर्षिण्यै
मुक्त्यै
मुक्तिदात्र्यै ६८०
सुमुक्तिदायै
मुक्तिद्वेषकर्यै
मूल्यकारिण्यै
मूल्यहारिण्यै
निर्मूलायै
मूलसंयुक्तायै
मूलिन्यै
मूलमन्त्रिण्यै
मूलमन्त्रकृतार्हार्घायै
मूलमन्त्रार्घ्यहर्षिण्यै ६९०
मूलमन्त्रप्रतिष्ठात्र्यै
मूलमन्त्रप्रहर्षिण्यै
मूलमन्त्रप्रसन्नास्यायै
मूलमन्त्रप्रपूजितायै
मूलमन्त्रप्रणेत्र्यै
मूलमन्त्रकृतार्चनायै
मूलमन्त्रप्रहृष्टात्मने

मूलविद्यायै
मलापहायै
विद्यायै ७४०
अविद्यायै
वटस्थायै
वटवृक्षनिवासिन्यै
वटवृक्षकृतस्थानायै
वटपूजापरायणायै
वटपूजापरिप्रीतायै
वटदर्शनलालसायै
वटपूजाकृताह्लादायै
वटपूजाविवर्धिन्यै
वशिन्यै ७१०
विवशराध्यायै
वशीकरणमन्त्रिण्यै
वशीकरणसंप्रीतायै
वशीकारकसिद्धिदायै
वटुकायै
वटुकाराध्यायै
वटुकाहारदायिन्यै
वटुकार्चापरायै
पूज्यायै
वटुकार्चाविवर्धिन्यै ७२०
वटुकानन्दकर्त्र्यै
वटुकप्राणरक्षिण्यै
वटुकेज्याप्रदायै
अपारायै
पारिण्यै
पार्वतीप्रियायै
पर्वताग्रकृतावासायै
पर्वतेन्द्रप्रपूजितायै
पार्वतीपतिपूज्यायै
पार्वतीपति हर्षदायै ७३०
पार्वतीपतिबुद्धिस्थायै
पार्वतीपतिमोहिन्यै
पार्वतीयद्विजाराध्यायै
पर्वतस्थायै
प्रतारिण्यै
पद्मलायै
पद्मिन्यै
पद्मायै
पद्ममालाविभूषितायै
पद्मजेड्यपदायै ७४०
पद्ममालालंकृतमस्तकायै
पद्मार्चितपदद्वन्द्वायै
पद्महस्तपयोधिजायै
पयोधिपारगन्त्र्यै
पाथोधिपरिकीर्तितायै
पाथोधिपारगायै
पूतायै
पल्वलांबुप्रतर्पितायै
पल्वलान्तः पयोमग्नायै
पवमानगत्यै गत्यै ७५०
पयःपानायै

पयोदात्र्यै
पानीयपरिकांक्षिण्यै
पयोजमालाभरणायै
मुण्डमालाविभूषणायै
मुण्डिन्यै
मुण्डहन्त्र्यै
मुण्डितायै
मुण्डशोभितायै
मणिभूषायै ७६०
मणिग्रीवायै
मणिमालाविराजितायै
महामोहायै
महामर्षायै
महामायायै
महाहवायै
मानव्यै
मानवीपूज्यायै
मनुवंशविवर्धिन्यै
मठिन्यै ७७०
मठसंहन्त्र्यै
मठसंपत्तिहारिण्यै
महाक्रोधवत्यै
मूढायै
मूढशत्रुविनाशिन्यै
पाठीनभोजिन्यै
पूर्णायै
पूर्णहारविहारिण्यै
प्रलयानलतुल्याभायै
प्रलयानलरूपिण्यै ७८०
प्रलयार्णवसंमग्नायै
प्रलयाब्धिविहारिण्यै
महाप्रलयसंभूतायै
महाप्रलयकारिण्यै
महाप्रलयसंप्रीतायै
महाप्रलयसाधिन्यै
महामहाप्रलयेज्यायै
महाप्रलयमोदिन्यै
छेदिन्यै
छिन्नमुण्डायै ७९०
उग्रायै
छिन्नायै
छिन्नरुहार्थिन्यै
शत्रुसंछेदिन्यै
छन्नायै
क्षोदिन्यै
क्षोदकारिण्यै
लक्षिण्यै
लक्षसंपूज्यायै
लक्षितायै ८००
लक्षणान्वितायै
लक्षशस्त्रसमायुक्तायै
लक्षबाणप्रमोचिन्यै
लक्षपूजापरायै
अलक्ष्यायै

लक्षकोदण्डखण्डिन्यै
लक्षकोदण्डसंयुक्तायै
लक्षकोदण्डधारिण्यै
लक्षलीलालयायै
लभ्यायै ८१०
लाक्षागार निवासिन्यै
लक्षलोभपरायै
लोलायै
लक्षभक्तप्रपूजितायै
लोकिन्यै
लोकसंपूज्यायै
लोकरक्षणकारिण्यै
लोकवन्दितपादाब्जायै
लोकमोहनकारिण्यै
ललितायै ८२०
लालितालीनायै
लोकसंहारकारिण्यै
लोकलीलाकर्यै
लोक्यायै
लोकसंभवकारिण्यै
भूतशुद्धिकर्यै
भूतरक्षिण्यै
भूततोषिण्यै
भूतवेतालसंयुक्तायै
भूतसेनासमावृतायै ८३०
भूतप्रेतपिशाचादिस्वामिन्यै
भूतपूजितायै
डाकिन्यै
शाकिन्यै
डेयायै
डिण्डिमारावकारिण्यै
डमरूवाद्यसन्तुष्टायै
डमरूवाद्यकारिण्यै
हुंकारकारिण्यै
होत्र्यै ८४०
हाविन्यै
हवनार्थिन्यै
हासिन्यै
ह्रासिन्यै
हास्यहर्षिण्यै
हठवादिन्यै
अट्टाट्टहासिन्यै
टीकायै
टीकानिर्माणकारिण्यै
टङ्किन्यै ८५०
डङ्कितायै
टङ्कायै
टङ्कमात्रसुवर्णदायै
टङ्कारिण्यै
टकाराढ्यायै
शत्रुत्रोटनकारिण्यै
त्रुटितायै
त्रुटिरूपायै
त्रुटिसन्देहकारिण्यै

तर्षिण्यै ८६०
तृट्परिक्लान्तायै
क्षुत्क्षामायै
क्षुत्परिप्लुतायै
अक्षिण्यै
तक्षिण्यै
भिक्षाप्रार्थिन्यै
शत्रुभक्षिण्यै
काङ्क्षिण्यै
कुट्टन्यै
क्रूरायै ८७०
कुट्टनीवेश्मवासिन्यै
कुट्टनीकोटिसंपूज्यायै
कुट्टनीकुलमार्गिण्यै
कुट्टनीकुलसंरक्ष्यायै
कुट्टनीकुलरक्षिण्यै
कालपाशावृतायै
कन्यायै
कुमारीपूजनप्रियायै
कौमुद्यै
कौमुदीहृष्टायै ८८०
करुणादृष्टिसंयुतायै
कौतुकाचारनिपुणायै
कौतुकागारवासिन्यै
काकपक्षधरायै
काकरक्षिण्यै
काकसंवृतायै
काकाङ्करथसंस्थानायै
काकाङ्कस्यन्दनास्थितायै
काकिन्यै
काकदृष्ट्यै ८९०
काकभक्षणदायिन्यै
काकमात्रे
काकयोनये
काकमण्डलमण्डितायै
काकदर्शनसंशीलायै
काकसङ्कीर्णमन्दिरायै
काकध्यानस्थदेहादिध्यानगम्यायै
अधमावृतायै
धनिन्यै
धनिसंसेव्यायै ९४०
धनच्छेदनकारिण्यै
धुन्धुरायै
धुन्धुराकारायै
धूम्रलोचनघातिन्यै
धूङ्कारिण्यै
धूंमन्त्रपूजितायै
धर्मनाशिन्यै
धूम्रवर्णिन्यै
धूम्राक्ष्यै
धूम्राक्षासुरघातिन्यै ९१०
धूंबीजजपसन्तुष्टायै
धूंबीजजपमानसायै
धूंबीजजपपूजार्हायै

धूंबीजजपकारिण्यै
धूंबीजाकर्षितायै
धृष्यायै
धर्षिण्यै
धृष्टमानसायै
धूलीप्रक्षेपिण्यै
धूलीव्याप्तधम्मिल्ल धारिण्यै ९२०
धूंबीजजपमालाढ्यायै
धूंबीजनिन्दकान्तकायै
धर्मविद्वेषिण्यै
धर्मरक्षिण्यै
धर्मतोषितायै
धारास्तंभकर्यै
धूर्तायै
धारावारिविलासिन्यै
धांधींधूंधैंमन्त्रवर्णायै
धौंधः स्वाहास्वरूपिण्यै ९३०
धरित्रीपूजितायै
धूर्वायै
धान्यच्छेदनकारिण्यै
धिक्कारिण्यै
सुधीपूज्यायै
धामोद्याननिवासिन्यै
धामोद्यानपयोदात्र्यै
धामधूलीप्रधूलितायै
महाध्वनिमत्यै
धूप्यधूपामोदप्रहर्षिण्यै ९४०
धूपदानमतिप्रीतायै
धूपदानविनोदिन्यै
धीवरीगणसंपूज्यायै
धीवरीवरदायिन्यै
धीवरीगणमध्यस्थायै
धीवरीधामवासिन्यै
धीवरीगणगोप्त्र्यै
धीवरीगणतोषितायै
धीवरीधनदात्र्यै
धीवरीप्राणरक्षिण्यै ९५०
धात्रीशायै
धातृसंपूज्यायै
धात्रीवृक्षसमाश्रयायै
धात्रीपूजनकर्त्र्यै
धात्रीरोपणकारिण्यै
धूम्रपानरतासक्तायै
धूम्रपानरतेष्टदायै
धूम्रपानकरानन्दायै
धूम्रवर्षणकारिण्यै
धन्यशब्दश्रुतिप्रीतायै ९६०
धुन्धुकारीजनाच्छिदायै
धुन्धुकारीष्टसन्दात्र्यै
धुन्धुकारिसुमुक्तिदायै
धुन्धुकार्याराध्यरूपायै
धुन्धुकारिमनःस्थितायै
धुन्धुकारिहिताकांक्षायै
धुन्धुकारिहितैषिण्यै

धिन्धिमाराविण्यै
ध्यातृध्यानगम्यायै
धनार्थिन्यै ९१०
धोरिणीधोरणप्रीतायै
धारिण्यै
धोररूपिण्यै
धरित्रीरक्षिणीदेव्यै
धराप्रलयकारिण्यै
धराधरसुतायै
अशेषधाराधरसमद्युतये
धनाध्यक्षायै
धनप्राप्त्यै
धनधान्यविवर्धिन्यै ९८०
धनाकर्षणकर्त्र्यै
धनाहरणकारिण्यै
धनच्छेदनकर्त्र्यै
धनहीनायै
धनप्रियायै
धनसंवृद्धिसंपन्नायै
धनदानपरायणायै
धनहृष्टायै
धनपुष्टायै
दानाध्ययनकारिण्यै ९९०
धनरक्षायै
धनप्राणायै
सदा धनानन्दकर्यै
शत्रुहन्त्र्यै
शवारूढायै
शत्रुसंहारकारिण्यै
शत्रुपक्षक्षतिप्रीतायै
शत्रुपक्षनिषूदिन्यै
शत्रुग्रीवाच्छिदाच्छायायै
शत्रुपद्धतिखण्डिन्यै १०००
शत्रुप्राणहराहार्यायै
शत्रून्मूलनकारिण्यै
शत्रुकार्यविहन्त्र्यै
साङ्गशत्रुविनाशिन्यै
साङ्गशत्रुकुलच्छेत्र्यै
शत्रुसद्मप्रदाहिन्यै
साङ्गसायुधसर्वारिसर्व
संपत्तिनाशिन्यै
साङ्गसायुधसर्वारिदेहगेहप्रदाहिन्यै
१००८

श्री बगलामुखी (पीतांबरी) अष्टोत्तरशतनामावलिः

बगलायै
विष्णुवनितायै
विष्णुशङ्करभामिन्यै
बहुलायै
वेदमात्रे
महाविष्णुप्रसुवे
महामत्स्यमहाकूर्ममहा
वाराहरूपिण्यै
नरसिंहप्रियायै
रम्यायै
वामनायै १०
वटुरूपिण्यै
जामदग्न्यस्वरूपायै
रामायै
रामप्रपूजितायै
कृष्णायै
कपर्दिन्यै
कृत्यायै
कलिहायै
कलिकारिण्यै
बुद्धिरूपायै २०
बुद्धभार्यायै
बौद्धपाखण्डखण्डिन्यै
कल्किरूपायै
कलिहरायै
कलिदुर्गतिनाशिन्यै
कोटिसूर्यप्रतीकाशायै
कोटिकन्दर्पमोहिन्यै
केवलायै
कठिनायै
काल्यै ३०
कलायै
कैवल्यदायिन्यै
केशवीकेशवाराध्यायै
किशोर्यै
केशवस्तुतायै
रुद्ररूपायै
रुद्रमूर्तये
रुद्राण्यै
रुद्रदेवतायै
नक्षत्ररूपायै ४०
नक्षत्रायै
नक्षत्रेशप्रपूजितायै
नक्षत्रेशप्रियायै
नित्यायै
नक्षत्रपतिवन्दितायै
नागिन्यै
नागजनन्यै
नागराजप्रवन्दितायै
नागेश्वर्यै
नागकन्यायै ५०
नागर्यै

नगात्मजायै
नगाधिराजतनयायै
नगराजप्रपूजितायै
नवीनायै
नीरदायै
पीतायै
श्यामायै
सौन्दर्यकारिण्यै
रक्तायै ६०
नीलायै
घनायै
शुभ्रायै
श्वेतायै
सौभाग्यदायिन्यै
सुन्दर्यै
सौभगायै
सौम्यायै
स्वर्णाभायै
स्वर्गतिप्रदायै ७०
रिपुत्रासकर्यै रेखायै
शत्रुसंहारकारिण्यै
भामिन्यै
मायास्तंभिन्यै
मोहिन्यै
शुभायै
रागद्वेषकर्यै
रात्र्यै
रौरवध्वंसकारिण्यै
यक्षिणीसिद्धनिवहायै ८०
सिद्धेशायै
सिद्धरूपिण्यै
लंकापतिध्वंसकर्यै
लंकेशरिपुवन्दितायै
लंकानाथकुलहरायै
महारावणहारिण्यै
देवदानवसिद्धौघपूजितायै
परमेश्वर्यै
पराणुरूपायै
परमायै ९०
परतन्त्रविनाशिन्यै
वरदायै
वरदाराध्यायै
वरदानपरायणायै
वरदेशप्रियायै
वीरायै
वीरभूषणभूषितायै
वसुदायै
बहुदायै
वाण्यै १००
ब्रह्मरूपायै
वराननायै
बलदायै
पीतवसनायै
पीतभूषणभूषितायै
पीतपुष्पप्रियायै
पीतहारायै
पीतस्वरूपिण्यै १०८

श्री बगलामुखी-सहस्रनामावलिः ॥

ब्रह्मास्त्राय नमः
ब्रह्मविद्यायै
ब्रह्ममात्रे
सनातन्यै
ब्रह्मेश्यै
ब्रह्मकैवल्यबगलायै
ब्रह्मचारिण्यै
नित्यानन्दायै
नित्यसिद्धायै
नित्यरूपायै १०
निरामयायै
सन्धारिण्यै
महामायायै
कटाक्षक्षेमकारिण्यै
कमलायै
विमलायै
नीलरत्नकान्तिगुणाश्रितायै
कामप्रियायै
कामरतायै
कामकामस्वरूपिण्यै २०
मङ्गलायै
विजयायै
जायायै
सर्वमङ्गलकारिण्यै
कामिन्यै
कामिनीकाम्यायै
कामुकायै
कामचारिण्यै
कामप्रियायै
कामरतायै ३०
कामकामस्वरूपिण्यै
कामाख्यायै
कामबीजस्थायै
कामपीठनिवासिन्यै
कामदायै
कामहायै
काल्यै
कपाल्यै
करालिकायै
कंसारयै ४०
कमलायै
कामायै
कैलासेश्वरवल्लभायै
कात्यायन्यै
केशवायै
करुणायै
कामकेलिभुजे
क्रियाकीर्त्यै
कृत्तिकायै
काशिकायै ५०
मथुरायै
शिवायै

कालाक्ष्यै
कालिकायै
कालिधवलाननसुन्दर्यै
खेचर्यै
खमूर्त्यै
क्षुद्राक्षुद्रक्षुधावरायै
खड्गहस्तायै
खड्गरतायै ६०
खड्गिन्यै
खर्परप्रियायै
गङ्गायै
गौर्यै
गामिन्यै
गीतायै
गोत्रविवर्धिन्यै
गोधरायै
गोकरायै
गोधायै ७०
गन्धर्वपुरवासिन्यै
गन्धर्व्यै
गन्धर्वकलागोपन्यै
गरुडासनायै
गोविन्दभावायै
गोविन्दायै
गान्धार्यै
गन्धमादन्यै
गौराङ्ग्यै
गोपिकामूर्तये ८०
गोपीगोष्ठनिवासिन्यै
गन्धायै
गजेन्द्रगामान्यायै
गदाधरप्रियाग्रहायै
घोरघोरायै
घोररूपायै
घनश्रोण्यै
घनप्रभायै
दैत्येन्द्रप्रबलायै
घण्टावादिन्यै ९०
घोरनिस्वनायै
डाकिन्यै
उमायै
उपेन्द्रायै
उर्वश्यै
उरगासनायै
उत्तमायै
उन्नतायै
उन्नायै
उत्तमस्थानवासिन्यै १००
चामुण्डायै
मुण्डितायै
चण्ड्यै
चण्डदर्पहरायै
उग्रचण्डायै
चण्डचण्डायै
चण्डदैत्यविनाशिन्यै
चण्डरूपायै

प्रचण्डायै
चण्डाचण्डशरीरिण्यै ११०
चतुर्भुजायै
प्रचण्डायै
चराचरनिवासिन्यै
छत्रप्रायशिरोवाहायै
छलाच्छलतरायै
छल्यै
क्षत्ररूपायै
क्षत्रधरायै
क्षत्रियक्षयकारिण्यै
जयायै १२०
जयदुर्गायै
जयन्त्यै
परायै जयदायै
जायिनीजयिन्यै
ज्योत्स्राजटाधरप्रियायै
अजितायै
जितेन्द्रियायै
जितक्रोधायै
जयमानायै
जनेश्वर्यै-१३०
जितमृत्यवे
जरातीतायै
जाह्नव्यै
जनकात्मजायै
झङ्कारायै
झञ्झरीझण्टायै
झङ्कारीझकशोभिन्यै
झखाझमेशायै
झङ्कारीयोनिकल्याणदायिन्यै
झञ्झरायै १४०
झमुरीझारायै
झराझरतरायै परायै
झञ्झाझमेतायै
झङ्कारीझणाकल्याणदायिन्यै
ञमुनामानसीचिन्त्यायै
ञमुनाशङ्करप्रियायै
टङ्कारीटिटिकायै
टीकाटङ्किन्यै
टवर्गगायै
टापाटोपायै १५०
टटपत्यै
टमन्यै
टमनप्रियायै
ठकारधारिण्यै
ठीकाढङ्कर्यै
ठिकरप्रियायै
ठेकठासायै
ठकरतीठामिन्यै
ठमनप्रियायै
डारहायै १६०
डाकिन्यै
डाराडामरायै
डमरप्रियायै
डखिनीडडयुक्तायै

डमरूकरवल्लभायै
ढक्काढक्कीढक्कनादायै
ढोलशब्दप्रबोधिन्यै
ढामिनीढामनप्रीतायै
ढगतन्त्रप्रकाशिन्यै
अनेकरूपिण्यै १७०
अंबायै
अणिमासिद्धिदायिन्यै
अमन्त्रिण्यै
अणुकर्यै
अणुमद्भानुसंस्थितायै
तारातन्त्रवत्यै
तन्त्रतत्त्वरूपायै
तपस्विन्यै
तरङ्गिण्यै
तत्वपरायै १८०
तन्त्रिकातन्त्रविग्रहायै
तपोरूपायै
तत्वदात्र्यै
तपःप्रीतिप्रधर्षिण्यै
तन्त्रयन्त्रार्चनपरायै
तलातलनिवासिन्यै
तल्पदायै
अल्पदायै
काम्यायै
स्थिरायै १९०
स्थिरतरायै स्थित्यै
स्थाणुप्रियायै
स्थाणुपरायै
स्थितास्थानप्रदायिन्यै
दिगंबरायै
दयारूयायै
दावाग्निदमनीदमायै
दुर्गायै
दुर्गपरादेव्यै
दुष्टदैत्यविनाशिन्यै २००
दमनप्रमदायै
दैत्यदयादानपरायणायै
दुर्गार्तिनाशिन्यै
दान्तायै
दंभिन्यै
दंभवर्जितायै
दिगंबरप्रियायै
दंभायै
दैत्यदंभविदारिण्यै
दमनाशनसौन्दर्यायै २१०
दानवेन्द्रविनाशिन्यै
दयाधरायै
दमन्यै
दर्भपत्रविलासिन्यै
धरणीधारिण्यै
धात्र्यै
धराधरधरप्रियायै
धराधरसुतायै देव्यै
सुधर्माधर्मचारिण्यै
धर्मज्ञायै २२०

धवलाधूलायै
धनदायै
धनवर्धिन्यै
धीरायै
अधीरायै
धीरतरायै
धीरसिद्धिप्रदायिन्यै
धन्वन्तरिधराधीरायै
ध्येयध्यानस्वरूपिण्यै
नारायण्यै २३०
नारसिंह्यै
नित्यानन्दनरोत्तमायै
नक्तानक्तवत्यै
नित्यायै
नीलजीमूत सन्निभायै
नीलांग्यै
नीलवस्त्रायै
नीलपर्वतवासिन्यै
सुनीलपुष्पखचितायै
नीलजंबूसमप्रभायै २४०
नित्याख्यायै षोडश्यै
विद्यायै नित्यायै
नित्यसुखावहायै
नर्मदायै
नन्दनानन्दायै
नन्दानन्दविवर्धिन्यै
यशोदानन्दतनयायै
नन्दनोद्यानवासिन्यै
नागान्तकायै
नागवृद्धायै २५०
नागपत्न्यै
नागिन्यै
नमिताशेषजनतायै
नमस्कारवत्यै
नमसे
पीतांबरायै
पार्वत्यै
पीतांबरविभूषितायै
पीतमाल्यांबरधरायै
पीताभायै २६०
पिङ्गमूर्धजायै
पीतपुष्पार्चनरतायै
पीतपुष्पसमर्चितायै
परप्रभायै
पितृपत्यै
परसैन्यविनाशिन्यै
परमायै
परतन्त्रायै
परमन्त्रायै
परात्परायै २७०
परायै विद्यायै
परायै सिद्ध्यै
परास्थानप्रदायिन्यै
पुष्पायै
नित्यं पुष्पवत्यै
पुष्पमालाविभूषितायै

पुरातनायै
पूर्वपरायै
परसिद्धिप्रदायिन्यै
पीतानितंबिन्यै २८०
पीतापीनोन्नतपयस्स्तन्यै
प्रेमाप्रमध्यमाशेषायै
पद्मपत्रविलासिन्यै
पद्मावत्यै
पद्मनेत्रायै
पद्मायै
पद्ममुखीपरायै
पद्मासनायै
पद्मप्रियायै
पद्मरागस्वरूपिण्यै २९०
पावन्यै
पालिकायै
पात्र्यै
परदायै
अवरदायै
शिवायै
प्रेतसंस्थायै
परानन्दायै
परब्रह्मस्वरूपिण्यै
जिनेश्वरप्रियायै देव्यै ३००
पशुरक्तरतप्रियायै
पशुमांसप्रियायै
अपर्णायै
परामृतपरायणायै
पाशिन्यै
पाशिकायै
पशुघ्न्यै
पशुभाषिण्यै
फुल्लारविन्दवदन्यै
फुल्लोत्पलशरीरिण्यै ३१०
परानन्दप्रदायै
वीणायै
पशुपाशविनाशिन्यै
फूत्कारायै
फूत्परायै
फेण्यै
फुल्लेन्दीवरलोचनायै
फट्मन्त्रायै
स्फटिकायै
स्वाहायै ३२०
स्फोटायै
फट्स्वरूपिण्यै
स्फटिकाघुटिकायै
घोरायै
स्फटिकाद्रिस्वरूपिण्यै
वराङ्गनायै
वरधरायै
वाराह्यै
वासुकीवरायै
बिन्दुस्थायै ३३०
बिन्दुनीवाण्यै
बिन्दुचक्रनिवासिन्यै

विद्याधर्यै
विशालाक्ष्यै
काशीवासिजनप्रियायै
वेदवेद्यायै
विरूपाक्ष्यै
विश्वयुजे
बहुरूपिण्यै
ब्रह्मशक्त्यै ३४०
विष्णुशक्त्यै
पञ्चवक्त्रायै
शिवप्रियायै
वैकुण्ठवासिन्यै देव्यै
वैकुण्ठपददायिन्यै
ब्रह्मरूपायै
विष्णुरूपायै
परब्रह्ममहेश्वर्यै
भवप्रियायै
भवोद्भावायै ३५०
भवरूपायै
भवोत्तमायै
भवपारायै
भवाधारायै
भाग्यवत्प्रियकरिण्यै
भद्रायै
सुभद्रायै
भवदायै
शुंभदैत्यविनाशिन्यै
भवान्यै ३६०
भैरव्यै
भीमायै
भद्रकाल्यै
सुभद्रिकायै
भगिन्यै
भगरूपायै
भगमानायै
भगोत्तमायै
भगप्रियायै
भगवत्यै ३७०
भगवासायै
भगाकरायै
भगसृष्टायै
भाग्यवत्यै
भगरूपायै
भगासिन्यै
भगलिङ्गप्रियायै देव्यै
भगलिङ्ग परायणायै
भगलिङ्ग स्वरूपायै
भगलिङ्ग विनोदिन्यै ३८०
भगलिङ्गरतायै देव्यै
भगलिङ्ग निवासिन्यै
भगमालायै
भगकलायै
भगाधारायै
भगांबरायै
भगवेगायै
भगाभूषायै

भगेन्द्रायै
भाग्यरूपिण्यै ३९०
भगलिङ्गाङ्गसंभोगायै
भगलिङ्गासवावहायै
भगलिङ्ग समाधुर्यायै
भगलिङ्ग निवेशितायै
भगलिङ्ग सुपूजायै
भगलिङ्ग समन्वितायै
भगलिङ्ग विरक्तायै
भगलिङ्ग समावृतायै
माधव्यै
माधवीमान्यायै ४००
मधुरायै
मधुमानिन्यै
मन्दहासायै
महामायायै
मोहिन्यै
महदुत्तमायै
महामोहायै
महाविद्यायै
महाघोरायै
महास्मृत्यै ४१०
मनस्विन्यै
मानवत्यै
मोदिन्यै
मधुराननायै
मेनकायै
मानिनीमान्यायै

मणिरत्नविभूषणायै
मल्लिकामौलिकामालायै
मालाधरमदोत्तमायै
मदनासुन्दर्यै ४२०
मेधायै
मधुमत्तायै
मधुप्रियायै
मत्तहंसीसमोन्नासायै
मत्तसिंहमहासन्यै
महेन्द्रवल्लभायै
भीमायै
मौल्यश्चमिथुनात्मजायै
महाकाल्या महाकाल्यै
महाबुद्ध्यै ४३०
महोत्कटायै
माहेश्वर्यै
महामायायै
महिषासुरघातिन्यै
मधुरायै कीर्तिमत्तायै
मत्तमातङ्गगामिन्यै
मदप्रियायै
मांसरतायै
मत्तयुक्कामरूपिण्यै
मैथुन्यवल्लभायै देव्यै ४४०
महानन्दायै
महोत्सवायै
मरीचये
मारत्यै

मायायै
मनोबुद्धिप्रदायिन्यै
मोहायै
मोक्षायै
महालक्ष्म्यै
महत्पदप्रदायिन्यै ४५०
यमरूपायै
यमुनायै
जयन्त्यै
जयप्रदायै
याम्यायै
यमवत्यै
युद्धायै
यदोः कुलविवर्धिन्यै
रमारामायै
रामपत्न्यै ४६०
रत्नमाला रतिप्रियायै
रत्नसिंहासनस्थायै
रत्नाभरणमण्डितायै
रमण्यै
रमणीयायै
रत्यारसपरायणायै
रतानन्दायै
रतवत्यै
रघूणां कुलवर्धिन्यै
रमणारिपरिभ्राज्यायै ४७०
रैधायै
राधिकरत्नजायै
रावीरसस्वरूपायै
रात्रिराजसुखावहायै
ऋतुजायै
ऋतुदायै
ऋद्धायै
ऋतुरूपायै
ऋतुप्रियायै
रक्तप्रियायै ४८०
रक्तवत्यै
रङ्गिण्यै
रक्तदन्तिकायै
लक्ष्म्यै
लज्जायै
लतिकायै
लीलालग्नानिताक्षिण्यै
लीलायै
लीलावत्यै
लोमहर्षाह्लादनपट्टिकायै ४९०
ब्रह्मस्थितायै
ब्रह्मरूपायै
ब्रह्मणा वेदवन्दितायै
ब्रह्मोद्भवायै
ब्रह्मकलायै
ब्रह्माण्यै
ब्रह्मबोधिन्यै
वेदाङ्गनायै
वेदरूपायै
वनितायै ५००

विनतावसायै
बालायै
युवत्यै
वृद्धायै
ब्रह्मकर्मपरायणायै
विन्ध्यस्थायै
विन्ध्यवास्यै
बिन्दुयुग्बिन्दुभूषणायै
विद्यावत्यै
वेदधार्यै ५१०
व्यापिकायै
बर्हिण्यै कलायै
वामाचारप्रियायै
वह्नये
वामाचारपरायणायै
वामाचाररतायै देव्यै
वामदेवप्रियोत्तमायै
बुद्धेन्द्रियायै
विबुद्धायै
बुद्धाचरणमालिन्यै ५२०
बन्धमोचनकर्त्र्यै
वारुणायै
वरुणालयायै
शिवायै
शिवप्रियायै
शुद्धायै
शुद्धांग्यै
शुक्लवर्णिकायै
शुक्लपुष्पप्रियायै
शुक्लायै ५३०
शिवधर्मपरायणायै
शुक्लस्थायै
शुक्लिन्यै
शुक्लरूपशुक्लपशुप्रियायै
शुक्रस्थायै
शुक्रिण्यै
शुक्रायै
शुक्ररूपायै
शुक्रिकायै
षण्मुख्यै ५४०
षडङ्गायै
षट्चक्रविनिवासिन्यै
षड्ग्रन्थियुक्तायै
षोढायै
षण्मात्रे
षडात्मिकायै
षडङ्गयुवत्यै देव्यै
षडङ्गप्रकृत्यै
वश्यै
षडाननायै ५५०
षड्रसायै
षष्ठीषष्ठेश्वरीप्रियायै
षड्जवादायै
षोडश्यै
षोढान्यासस्वरूपिण्यै
षट्चक्रभेदनकर्यै

षट्चक्रस्थस्वरूपिण्यै
षोडशस्वररूपायै
षण्मुख्यै
षट्पदान्वितायै ५६०
सनकादिस्वरूपायै
शिवधर्मपरायणायै
सिद्ध सप्तस्वर्यै
शुद्धायै
सुरमात्रे
सुरोत्तमायै
सिद्धविद्यायै
सिद्धमात्रे
सिद्धासिद्धस्वरूपिण्यै
हरायै ५७०
हरिप्रियाहारायै
हरिणीहारयुजे
हरिरूपायै
हरिधरायै
हरिणाक्ष्यै
हरिप्रियायै
हेतुप्रियायै
हेतुरतायै
हिताहितस्वरूपिण्यै
क्षमायै ५८०
क्षमावत्यै
क्षीतायै
क्षुद्रघण्टाविभूषणायै
क्षयङ्कर्यै
क्षितीशायै
क्षीणमध्यसुशोभनायै
अजायै
अनन्तायै
अपर्णायै
अहल्याशेषशायिन्यै ५९०
साधूनां स्वान्तर्गतायै
अन्तरानन्दरूपिण्यै
अरूपायै
अमलायै
अर्धायै
अनन्तगुणशालिन्यै
स्वविद्यायै
विद्यकाविद्यायै
विद्यायै
चार्विन्दुलोचनायै ६००
अपराजितायै
जातवेदायै
अजपायै
अमरावत्यै
अल्पायै
स्वल्पायै
अनल्पाद्यायै
अणिमासिद्धिदायिन्यै
अष्टसिद्धिप्रदायै देव्यै
रूपलक्षणसंयुतायै ६१०
अरविन्दमुखायै देव्यै
भोगसौख्यप्रदायिन्यै

आदिविद्यायै
आदिभूतायै
आदिसिद्धिप्रदायिन्यै
सीत्काररूपिण्यै देव्यै
सर्वासनविभूषितायै
इन्द्रप्रियायै
इन्द्राण्यै
इन्द्रप्रस्थनिवासिन्यै ६२०
इन्द्राक्ष्यै
इन्द्रवज्रायै
इन्द्रमद्योक्षण्यै
ईलाकामनिवासायै
ईश्वर्यै
ईश्वरवल्लभायै
जनन्यै
ईश्वर्यै
दीनाभेदायै
ईश्वरकर्मकृते ६३०
उमायै
कात्यायन्यै
ऊर्ध्वायै
मीनायै
उत्तरवासिन्यै
उमापतिप्रियायै देव्यै
शिवायै
ओंकाररूपिण्यै
उरगेन्द्रशिरोरत्नायै
उरगायै ६४०
उरगवल्लभायै
उद्यानवासिनीमालायै
प्रशस्तमणिभूषणायै
ऊर्ध्वदन्तायै
उत्तमाङ्ग्यै
उत्तमायै
ऊर्ध्वकेशिन्यै
उमासिद्धिप्रदायै
उरगासनसंस्थितायै
ऋषिपुत्र्यै ६५०
ऋषिच्छन्दायै
ऋद्धिसिद्धिप्रदायिन्यै
उत्सवोत्सवसीमन्तायै
कामिकायै
गुणान्वितायै
एलायै
एकारविद्यायै
एणीविद्याधरायै
ओंकारवलयोपेतायै
ओंकारपरमायै कलायै ६६०
ओंवदवदवाण्यै
ओंकाराक्षरमण्डितायै
ऐन्द्र्यै
कुलिशहस्तायै
ओं लोकपरवासिन्यै
ओंकारमध्यबीजायै
ओं नमोरूपधारिण्यै
परब्रह्मस्वरूपायै

अंशुकायै
अंशुकवल्लभायै ६७०
ओंकारायै
अःफड्मन्त्रायै
अक्षाक्षरविभूषितायै
अमन्त्रायै
मन्त्ररूपायै
पदशोभासमन्वितायै
प्रणवोङ्काररूपायै
प्रणवोच्चारभाजे
ह्रींकाररूपायै
ह्रींकार्यै ६८०
वाग्बीजाक्षरभूषणायै
हृल्लेखासिद्धियोगायै
हृत्पद्मासनसंस्थितायै
बीजाख्यायै
नेत्रहृदयायै
ह्रींबीजायै
भुवनेश्वर्यै
क्लींकामराजायै
क्लिन्नायै
चतुर्वर्गफलप्रदायै ६९०
क्लींक्लींक्लींरूपिकायै देव्यै
क्रींक्रींक्रींनामधारिण्यै
कमलाशक्तिबीजायै
पाशाङ्कुशविभूषितायै
श्रींश्रींकारायै
महाविद्यायै

श्रद्धायै
श्रद्धावत्यै
ओंऐंक्लींह्रींश्रींपरायै
क्लींकार्यै ७००
परमायै कलायै
ह्रींक्लींश्रीं कारस्वरूपायै
सर्वकर्मफलप्रदायै
सर्वाढ्यायै
सर्वदेव्यै
सर्वसिद्धिप्रदायै
सर्वज्ञायै
सर्वशक्त्यै
वाग्विभूतिप्रदायिन्यै
सर्वमोक्षप्रदायै देव्यै ७१०
सर्वभोगप्रदायिन्यै
गुणेन्द्रवल्लभायै वामायै
सर्वशक्तिप्रदायिन्यै
सर्वानन्दमय्यै
सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै
सर्वचक्रेश्वर्यै देव्यै
सर्वसिद्धेश्वर्यै
सर्वप्रियङ्कर्यै
सर्वसौख्यप्रदायिन्यै
सर्वानन्दप्रदायै देव्यै ७२०
ब्रह्मानन्दप्रदायिन्यै
मनोवाञ्छितदात्र्यै
मनोबुद्धिसमन्वितायै
अकारादिक्षकारान्तायै

दुर्गायै
दुर्गार्तिनाशिन्यै
पद्मनेत्रायै
सुनेत्रायै
स्वधास्वाहावषट्कर्यै
स्वर्वर्गायै ७३०
देववर्गायै
तवर्गायै
समन्वितायै
अन्तस्थायै
वेश्मरूपायै
नवदुर्गायै
नरोत्तमायै
तत्वसिद्धिप्रदायै
नीलायै
नीलपताकिन्यै ७४०
नित्यरूपायै
निशाकार्यै
स्तंभिन्यै
मोहिन्यै
वशङ्कर्यै
उच्चाट्यै
उन्माद्यै
कर्षिण्यै
मातंग्यै
मधुमत्तायै ७५०
अणिमायै
लघिमायै

सिद्धायै
मोक्षप्रदायै नित्यायै
नित्यानन्दप्रदायिन्यै
रक्तांग्यै
रक्तनेत्रायै
रक्तचन्दनभूषितायै
स्वल्पसिद्ध्यै
सुकल्पायै ७६०
दिव्यचारणशुक्रभायै
संक्रान्त्यै
सर्वविद्यायै
सप्तवासरभूषितायै
प्रथमायै
द्वितीयायै
तृतीयायै
चतुर्थिकायै
पञ्चम्यै
षष्ठ्यै ७७०
विशुद्धायै सप्तम्यै
अष्टम्यै
नवम्यै
दशम्यै
एकादश्यै
द्वादश्यै
त्रयोदश्यै
चतुर्दश्यै
पूर्णिमायै
अमावास्यायै ७८०

पूर्वायै
उत्तरायै
परिपूर्णिमायै
खड्गिन्यै
चक्रिण्यै
घोरायै
गदिन्यै
शूलिन्यै
भुशुण्डीचापिन्यै
बाणायै ७९०
सर्वायुधविभूषणायै
कुलेश्वर्यै
कुलवत्यै
कुलाचारपरायणायै
कुलकर्मसुरक्तायै
कुलाचारप्रवर्धिन्यै
कीर्त्यै
श्रियै
रमायै
रामायै ८००
धर्मायै
क्षमायै
धृत्यै
स्मृत्यै
मेधायै
कल्पवृक्षनिवासिन्यै
उग्रायै
उग्रप्रभायै
गौर्यै
वेदविद्याविबोधिन्यै ८१०
साध्यायै
सिद्धायै
सुसिद्धायै
विप्ररूपायै
काल्यै
कराल्यै
काल्यायै कलायै
दैत्यविनाशिन्यै
कौलिन्यै
कालिक्यै ८२०
कचटतपवर्णिकायै
जयिन्यै
जययुक्तायै
जयदायै
जृंभिण्यै
स्राविण्यै
द्राविण्यै देव्यै
भेरुण्डायै
विन्ध्यवासिन्यै
ज्योतिर्भूतायै ८३०
जयदायै
ज्वालामालासमाकुलायै
भिन्नाभिन्नप्रकाशायै
विभिन्नाभिन्नरूपिण्यै
अश्विन्यै
भरण्यै

नक्षत्रसंभवानिलायै
काश्यप्यै
विनताख्यातायै
दितिजायै ८४०
अदित्यै
कीर्त्यै
कामप्रियायै देव्यै
कीर्त्या कीर्तिविवर्धिन्यै
सद्योमांससमालब्धायै
सद्यश्छिन्नासिशङ्करायै
दक्षिणायै दिशे
उत्तरायै दिशे
पूर्वायै दिशे
पश्चिमायै दिशे ८५०
अग्निनैरृतिवायव्येशान्यादिशे
ऊर्ध्वाङ्गायै
अधोगतायै
श्वेतायै
कृष्णायै
रक्तायै
पीतकायै
चतुर्वर्गायै
चतुर्वर्णायै
चतुर्मात्रात्मिकाक्षरायै ८६०
चतुर्मुख्यै
चतुर्वेदायै
चतुर्विद्यायै
चतुर्मुखायै
चतुर्गणायै
चतुर्मात्रे
चतुर्वर्गफलप्रदायै
धात्रीविधात्रीमिथुनायै
नार्यै
नायकवासिन्यै ८७०
सुरामुदामुदवत्यै
मेदिन्यै
मेनकात्मजायै
ऊर्ध्वकाल्यै
सिद्धिकाल्यै
दक्षिणाकालिकायै
शिवायै
नीलायै सरस्वत्यै
(सा त्वं) बगलायै
छिन्नमस्तकायै ८८०
सर्वेश्वर्यै
सिद्धविद्यायै परायै
परमदेवतायै
हिङ्गुलायै
हिङ्गुलाङ्ग्यै
हिङ्गुलाधरवासिन्यै
हिंगुलोत्तमवर्णाभायै
हिंगुलाभरणायै
जाग्रत्यै
जगन्मात्रे ८९०
जगदीश्वरवल्लभायै
जनार्दनप्रियायै देव्यै
जययुक्तायै
जयप्रदायै

जगदानन्दकार्यै
जगदाह्लादकारिण्यै
ज्ञानदानकर्यै
यज्ञायै
जानक्यै
जनकप्रियायै ९००
जयन्त्यै
जयदायै नित्यायै
ज्वलदग्निसमप्रभायै
विद्याधरायै
बिंबोष्ठ्यै
कैलासाचलवासिन्यै
विभवायै
वडवाग्न्यै
अग्निहोत्रफलप्रदायै
मन्त्ररूपायै परायै देव्यै ९१०
गुरुरूपिण्यै
गयायै
गङ्गायै
गोमत्यै
प्रभासायै
पुष्करायै
विन्ध्याचलरतायै दैव्यै
विन्ध्याचलनिवासिन्यै
बह्वै
बहुसुन्दर्यै ९२०
कंसासुरविनाशिन्यै
शूलिन्यै
शूलहस्तायै
वज्रायै
वज्रहरायै
दुर्गायै
शिवायै
शान्तिकर्यै
ब्रह्माण्यै
ब्राह्मणप्रियायै ९३०
सर्वलोकप्रणेत्र्यै
सर्वरोगहरायै
मङ्गलायै
शोभनायै
शुद्धायै
निष्कलायै
परमायै कलायै
विश्वेश्वर्यै
विश्वमात्रे
ललिता वासितााननायै ९४०
सदाशिवायै
उमा क्षेमायै
चण्डिकायै
चण्डविक्रमायै
सर्वदेवमय्यै देव्यै
सर्वागमभयापहायै
ब्रह्मेशविष्णुनमितायै
सर्वकल्याणकारिण्यै
योगिनीयोगमात्रे
योगीन्द्र हृदय स्थितायै ९५०
योगिजायायै
योगवत्यै

योगीन्द्रानन्दयोगिन्यै
इन्द्रादिनमितायै देव्यै
ईश्वर्यै
ईश्वरप्रियायै
विशुद्धिदायै
भयहरायै
भक्तद्वेषिभयङ्कर्यै
भववेषायै ९६०
कामिन्यै
भेरुण्डायै
भवकारिण्यै
बलभद्रप्रियाकारायै
संसारार्णवतारिण्यै
पञ्चभूतायै
सर्वभूतायै
विभूत्यै
भूतिधारिण्यै
सिंहवाहायै ९७०
महामोहायै
मोहपाशविनाशिन्यै
मन्दुरायै
मदिरायै
मुद्रायै
मुद्रामुद्गरधारिण्यै
सावित्र्यै
महादेव्यै
परप्रियविनायिकायै
यमदूत्यै ९८०
पिङ्गाक्ष्यै
वैष्णव्यै
शङ्कर्यै
चन्द्रप्रियायै
चन्द्ररतायै
चन्दनारण्यवासिन्यै
चन्दनेन्द्रसमायुक्तायै
चण्डदैत्यविनाशिन्यै
सर्वेश्वर्यै
यक्षिण्यै ९९०
किरात्यै
राक्षस्यै
महाभोगवत्यै देव्यै
महामोक्षप्रदायिन्यै
विश्वहन्त्र्यै
विश्वरूपायै
विश्वसंहारकारिण्यै
सर्वलोकानां धात्र्यै
हितकारणकामिन्यै
कमलायै १०००
सूक्ष्मदायै देव्यै
धात्र्यै
हरविनाशिन्यै
सुरेन्द्रपूजितायै
सिद्धायै
महातेजोवत्यै
परारूपवत्यै देव्यै
त्रैलोक्याकर्षकारिण्यै १००८

श्री मातङ्गी-अष्टोत्तर शतनामस्तोत्रम् ।

महामत्तमातङ्गि नीसिद्धि-
रूपायै नमः
योगिन्यै
भद्रकाल्यै
रमायै
भवान्यै
भवप्रीतिदायै
भूतियुक्तायै
भवाराधितायै
भूतिसंपत्कर्यै
धनाधीशमात्रे १०
धनागारदृष्ट्यै
धनेशार्चितायै
धीरवापीवराङ्ग्यै
प्रकृष्ट प्रभारूपिण्यै
कामरूप प्रहृष्टायै
महाकीर्तिदायै
कर्णनाल्यै
करालीभगाघोररूपायै
भगाङ्ग्यै
भगाह्वायै २०
भगप्रीतिदायै
भीमरूपायै
भवान्यै
महाकौशिक्यै
कोशपूर्णायै
किशोरी किशोरप्रियानन्देहायै
महाकारणाकारणायै
कर्मशीलायै
कपालि प्रसिद्धायै
महासिद्ध खण्डायै ३०
मकारप्रियायै
मानरूपायै
महेश्यै
महोल्लासिनी लास्यलीला
लयाङ्ग्यै
क्षमा क्षेमशीलायै
क्षपाकारिण्यै
अक्षयप्रीतिदायै
भूतियुक्तायै
भवान्यै
भवाराधितायै ४०
भूतिसत्यात्मिकायै
प्रभोद्भासितायै
भानुभास्वत्करायै
धराधीशमात्रे
धरागारदृष्ट्यै
धरेशार्चितायै

धीवराधीवराङ्ग्यै
प्रकृष्टप्रभारूपिण्यै
प्राणरूप प्रकृष्टस्वरूपायै
स्वरूपप्रियायै ५०
चलत्कुण्डलाकामिन्यै
कान्तयुक्तायै
कपालाचलायै
कालकोद्धारिण्यै
कदम्बप्रियायै
कोटरी कोटदेहायै
क्रमायै
कीर्तिदायै
कर्णरूपायै
काक्ष्म्यै ६०
क्षमाङ्ग्यै
क्षयप्रेमरूपायै
क्षपायै
क्षयाक्षायै
क्षयाह्वायै
क्षयप्रान्तरायै
क्षवत्कामिन्यै
क्षारिणी क्षीरपूर्णायै
शिवाङ्ग्यै
शाकंभरी शाकदेहायै ७०
महाशाकयज्ञायै
फलप्राशकायै
शकाह्वायै
शकाह्वाशकाख्यायै
शकायै
शकाक्षान्तरोषायै
सुरोषायै
सुरेखायै
महाशेषयज्ञोपवीतप्रियायै
जयन्त्यै ८०
जयायै
जाग्रती योग्यरूपायै
जयाङ्गायै
जपध्यानसन्तुष्टसंज्ञायै
जयप्राणरूपायै
जयस्वर्णदेहायै
जयज्वालिनीयामिन्यै
याम्यरूपायै
जगन्मातृरूपायै
जगद्रक्षणायै ९०
स्वधावौषडन्तायै
विलंबाविलंबायै
षडङ्गायै
महालम्बरूपासिहस्तायै
पदाहारिणीहारिण्यै
हारिण्यै

महामङ्गलायै
मङ्गलप्रेमकीर्तये
निशुंभच्छिदायै
शुंभदर्पत्वहायै १००
आनन्दबीजादिमुक्तस्वरूपायै
चण्डमुण्डापदा मुख्यचण्डायै
प्रचण्डाप्रचण्डायै
महाचण्डवेगायै
चलच्चामरायै
चामरा चन्द्रकीर्तये
सुचामीकराचित्रभूषोज्ज्वलाङ्ग्यै
सुसङ्गीतगीतायै १०८

श्री मातङ्गीसहस्रनामावलिः

सुमुख्यै नमः
शेमुष्यै
सेव्यायै
सुरसायै
शशिशेखरायै
समानास्यायै
साधन्यै
समस्तसुरसन्मुख्यै
सर्वसंपत्तिजनन्यै
संपदायै १०
सिन्धुसेविन्यै
शंभुसीमन्तिन्यै
सौम्यायै
समाराध्यायै
सुधारसायै
सारंगायै
सवल्यै
वेलायै
लावण्यवनमालिन्यै
वनजाक्ष्यै २०
वनचर्यै
वन्यै
वनविनोदिन्यै
वेगिन्यै
वेगदायै
वेगायै
बगलस्थायै
बलाधिकायै
काल्यै
कालप्रियायै ३०
केल्यै
कमलायै
कालकामिन्यै
कमलायै

कमलस्थायै
कमलस्थायै
कलावत्यै
कुलीनायै
कुटिलायै
कान्तायै ४०
कोकिलायै
कलभाषिण्यै
कीरायै
केलिकरायै
काल्यै
कपालिन्यै
कालिकायै
केशिन्यै
कुशावर्तायै
कौशांभ्यै ५०
केशवप्रियायै
काल्यै
काभ्यै
महाकालसंकाशायै
केशदायिन्यै
कुण्डलायै
कुलस्थायै
कुण्डलाङ्गदमण्डितायै
कुण्डपद्मायै
कुमुदिन्यै ६०
कुमुदप्रीतिवर्धिन्यै
कुण्डप्रियायै
कुण्डरुच्यै
कुरङ्गनयनायै
कुलायै
कुन्दबिम्बालिनदिन्यै
कुसुंभकुसुमाकरायै
काञ्च्यै
कनकशोभाढ्यायै
क्वणत्किङ्किणिकाकट्यै ७०
कठोरकरणायै
काष्ठायै
कौमुद्यै
कण्ठवत्यै
कपर्दिन्यै
कपटिन्यै
कठिन्यै
कलकण्ठिन्यै
कीरहस्तायै
कुमार्यै ८०
कुरूढकुसुमप्रियायै
कुञ्जरस्थायै
कुञ्जरतायै
कुंभ्यै
कुंभस्तन्यै
कलायै
कुंभीकाङ्गायै
करभोरवे

कदलीकुशशायिन्यै
कुपितायै ९०
कोटरस्थायै
कंकाल्यै
कन्दलालयायै
कपालवासिन्यै
केश्यै
कंपमानशिरोरुहायै
कादंबर्यै
कदम्बस्थायै
कुंकुमप्रेमधारिण्यै
कुटुंबिन्यै १००
कृपायुक्तायै
क्रतवे
क्रतुकरप्रियायै
कात्यायन्यै
कृत्तिकायै
कार्तिक्यै
कुशवर्तिन्यै
कामपत्न्यै
कामदात्र्यै
कामेश्यै ११०
कामवन्दितायै
कामरूपायै
कामरत्यै
कामाख्यायै
ज्ञानमोहिन्यै

खड्गिन्यै
खेचर्यै
खञ्जायै
खञ्जरीटेक्षणायै
खगायै १२०
खरगायै
खरनादायै
खरस्थायै
खेलनप्रियायै
खरांशवे
खेलन्यै
खट्वायै
खरायै
खट्वांगधारिण्यै
खरखण्डिन्यै १३०
ख्यात्यै
खण्डितायै
खण्डनप्रियायै
खण्डप्रियायै
खण्डखाद्यायै
खण्डसिन्धवे
खण्डिन्यै
गंगायै
गोदावर्यै
गौर्यै १४०
गोतम्यै
गौतम्यै

गङ्गायै
गयायै
गगनगायै
गारुड्यै
गरुडध्वजायै
गीतायै
गीतप्रियायै
गेयायै १५०
गुणप्रीत्यै
गुरवे
गिर्यै
गवे
गौर्यै
गण्डसदनायै
गोकुलायै
गोप्रतारिण्यै
गोप्त्र्यै
गोविन्दिन्यै १६०
गूढायै
गूढविग्रस्तगुञ्जिन्यै
गजगायै
गोपिन्यै
गोप्यै
गोक्षायै
जयप्रियायै
गणायै
गिरिभूपालदुहित्रे
गोगायै १७०
गोकुलवासिन्यै
घनस्तन्यै
घनरुच्यै
घनोरवे
घननिस्वनायै
घुंकारिण्यै
घुक्षकर्यै
घूघूकपरिवारितायै
घण्टानादप्रियायै
घण्टायै १८०
घोटायै
घोटकवाहिन्यै
घोररूपायै
घोरायै
घृतप्रीत्यै
घृताञ्जन्यै
घृताच्यै
घृतवृष्ट्यै
घण्टायै
घटघटावृतायै १९०
घटस्थायै
घटनायै
घातकर्यै
घातनिवारिण्यै
चञ्चरीक्यै
चकोर्यै

चामुण्डायै
चीरधारिण्यै
चातुर्यै
चपलायै २००
चञ्चवे
चितायै
चिन्तामणिस्थितायै
चातुर्वर्ण्यमय्यै
चञ्चवे
चोराचार्यायै
चमत्कृत्यै
चक्रवर्तिवध्वै
चित्रायै
चक्राङ्ग्यै २१०
चक्रमोदिन्यै
चेतश्चर्यै
चित्तवृत्त्यै
चेतनायै
चेतनप्रियायै
चापिन्यै
चंपकप्रीत्यै
चण्डायै
चण्डालवासिन्यै
चिरञ्जीविन्यै २२०
तच्चिन्तात्तायै
चिञ्चामूलनिवासिन्यै
छुरिकायै
छत्रमध्यस्थायै
छिन्दायै
छिन्दाकर्यै
छिदायै
छुच्छुन्दर्यै
छलप्रीत्यै
छुच्छुन्दरनिभस्वनायै २३०
छलिन्यै
छत्रदायै
छिन्नायै
छिण्टिच्छेदकर्यै
छटायै
छद्मिन्यै
छान्दस्यै
छायायै
छरवे
छन्दाकर्यै २४०
जयदायै
जयदायै
जात्यै
जायिन्यै
जामलायै
जत्वै
जंबूप्रियायै
जीवनस्थायै
जङ्गमायै
जङ्गमप्रियायै २५०

जपापुष्पप्रियायै
जप्यायै
जगज्जीवायै
जगज्जन्यै
जगते
जन्तुप्रधानायै
जगज्जीवपरायै
जपायै
जातिप्रियायै
जीवनस्थायै २६०
जीमूतसदृशीरुच्यै
जन्यायै
जनहितायै
जायायै
जन्मभुवे
जंभस्यै
जभुवे
जयदायै
जगदावासायै
जायिन्यै २७०
ज्वरकृच्छ्रजिते
जपायै
जपत्यै
जप्यायै
जपार्हायै
जायिन्यै
जनायै
जालन्धरमयीजान्वै
जलौकायै
जाप्यभूषणायै २८०
जगज्जीवमय्यै
जीवायै
जरत्कारवे
जनप्रियायै
जगत्यै
जननिरतायै
जगच्छोभाकर्यै
जवायै
जगतीत्राणकृज्जंघायै
जातीफलविनोदिन्यै २९०
जातीपुष्पप्रियायै
ज्वालायै
जातिहायै
जातिरूपिण्यै
जीमूतवाहनरुच्यै
जीमूतायै
जीर्णवस्त्रकृते
जीर्णवस्त्रधरायै
जीर्णायै
ज्वलत्यै ३००
जालनाशिन्यै
जगत्क्षोभकर्यै
जात्यै
जगत्क्षोभविनाशिन्यै

जनापवादायै
जीवायै
जननीगृहवासिन्यै
जनानुरागायै
जानुस्थायै
जलवासायै ३१०
जलार्तिकृते
जलजायै
जलवेलायै
जलचक्रनिवासिन्यै
जलमुक्तायै
जलारोहायै
जलजायै
जलजेक्षणायै
जलप्रियायै
जलौकायै ३२०
जलशोभावत्यै
जलविस्फूर्जितवपुषे
ज्वलत्पावकशोभिन्यै
झिञ्झायै
झिल्लमय्यै
झिञ्झायै
झणत्कारकर्यै
जयायै
झंझ्यै
झंपकर्यै ३३०
झंपायै
झंपत्रासनिवारिण्यै
टंकारस्थायै
टंककर्यै
टङ्कारकरणांहसायै
टङ्कारोट्टकृतष्ठीवायै
डिण्डीरवसनावृतायै
डाकिन्यै
डामर्यै
डिण्डिमध्वनिनादिन्यै ३४०
डकारनिस्वनरुचये
तपिन्यै
तापिन्यै
तरुण्यै
तुन्दिलायै
तुन्दायै
तामस्यै
तमःप्रियायै
ताम्रायै
ताम्रवत्यै ३५०
तन्तवे
तुन्दिलायै
तुलसंभवायै
तुलाकोटिसुवेगायै
तुल्यकामायै
तुलाश्रयायै
तुदिन्यै
तुनिन्यै

तुम्बायै
तुल्यकालायै ३६०
तुलाश्रयायै
तुमुलायै
तुलजायै
तुल्यायै
तुलादानकर्यै
तुल्यवेगायै
तुल्यगतये
तुलाकोटिनिनदिन्यै
ताम्रोष्ठायै
ताम्रपर्ण्यै ३७०
तमःसंक्षोभकारिण्यै
त्वरितायै
त्वरहायै
तीरायै
तारकेश्यै
तमालिन्यै
तमोदानवत्यै
ताम्रतालस्थानवत्यै
तम्यै
तामस्यै ३८०
तमिस्रायै
तीव्रायै
तीव्रपराक्रमायै
तटस्थायै
तिलतैलाक्तायै
तरुण्यै
तपनद्युतये
तिलोत्तमायै
तिलकृते
तारकाधीशशेखरायै ३९०
तिलपुष्पप्रियायै
तारायै
तारकेशकुटुंबिन्यै
स्थाणुपत्न्यै
स्थिरकर्यै
स्थूलसंपद्विवर्धिन्यै
स्थित्यै
स्थैर्यस्थविष्ठायै
स्थपत्यै
स्थूलविग्रहायै ४००
स्थूलस्थूलवत्यै
स्थाल्यै
स्थलसंगविवर्धिन्यै
दण्डिन्यै
दन्तिन्यै
दामायै
दरिद्रायै
दीनवत्सलायै
देवायै
देववध्वै ४१०
दित्यायै
दामिन्यै

देवभूषणायै
दयायै
दमवत्यै
दीनवत्सलायै
दाडिमस्तन्यै
देवमूर्तिकरायै
दैत्यायै
दारिण्यै ४२०
देवतानतायै
दोलाक्रीडायै
दयालवे
दंपतीभ्यां
देवतामय्यै
दशादीपस्थितायै
दोषादोषहायै
दोषकारिण्यै
दुर्गायै
दुर्गार्तिशमन्यै ४३०
दुर्गम्यायै
दुर्गवासिन्यै
दुर्गन्धनाशिन्यै
दुःस्थायै
दुःखप्रशमकारिण्यै
दुर्गन्धायै
दुन्दुभीध्वान्तायै
दूरस्थायै
दूरवासिन्यै
दरदायै ४४०
दरदात्र्यै
दुर्व्याधदयितायै
दम्यै
धुरन्धरायै
धुरीणायै
धौरेय्यै
धनदायिन्यै
धीरारवायै
धरित्र्यै
धर्मदायै ४५०
धीरमानसायै
धनुर्धरायै
धमन्यै
धमनीधूर्तविग्रहायै
धूम्रवर्णायै
धूम्रपानायै
धूमलायै
धूममोदिन्यै
नन्दिन्यै
नन्दिनीनन्दायै ४६०
नन्दिनीनन्दबालिकायै
नवीनायै
नर्मदायै
नर्मनेमये
नियमनिस्वनायै
निर्मलायै

निगमाधारायै
निम्नगायै
नग्नकामिन्यै
नीलायै ४७०
निरत्नायै
निर्वाणायै
निर्लोभायै
निर्गुणायै
नत्यै
नीलग्रीवायै
निरीहायै
निरञ्जनजनायै
नवायै
निर्गुण्डिकायै ४८०
निर्गुण्डायै
निर्नासायै
नासिकाभिधायै
पताकिन्यै
पताकायै
पत्रप्रीत्यै
पयस्विन्यै
पीनायैं
पीनस्तन्यै
पत्न्यै ४९०
पवनाश्यै
निशामय्यै
परायै
परपरायै काल्यै
पारकृत्यभुजप्रियायै
पवनस्थायै
पवनायै
पवनप्रीतिवर्धिन्यै
पशुवृद्धिकर्यै
पुष्पपोषकायै ५००
पुष्टिवर्धिन्यै
पुष्पिण्यै
पुस्तककरायै
पूर्णिमातलवासिन्यै
पेश्यै
पाशकर्यै
पाशायै
पांशुहायै
पांशुलायै
पशवे ५१०
पटवे
पराशायै
परशुधारिण्यै
पाशिन्यै
पापघ्न्यै
पतिपत्न्यै
पतितायै
पतितापिन्यै
पिशाच्यै
पिशाचघ्न्यै ५२०

पिशिताशनतोषिण्यै
पानदायै
पानपात्र्यै
पानदानकरोद्यतायै
पेयायै
प्रसिद्धायै
पीयूषायै
पूर्णायै
पूर्णमनोरथायै
पतङ्गाभायै ५३०
पतङ्गायै
पौनःपुन्यपिबापरायै
पंकिलायै
पंकमग्नायै
पानीयायै
पञ्जरस्थितायै
पञ्चम्यै
पञ्चयज्ञायै
पञ्चतायै
पञ्चमप्रियायै ५४०
पिचुमन्दायै
पुण्डरीकायै
पिक्यै
पिङ्गललोचनायै
प्रियङ्गुमञ्जर्यै
पिण्ड्यै
पण्डितायै
पाण्डुरप्रभायै
प्रेतासनायै
प्रियालस्थायै ५५०
पाण्डुघ्न्यै
पीनसापहायै
फलिन्यै
फलदात्र्यै
फलश्रियै
फलभूषणायै
फूत्कारकारिण्यै
स्फार्यै
फुल्लायै
फुल्लाम्बुजाननायै ५६०
स्फुलिङ्गहायै
स्फीतमत्यै
स्फीतकीर्तिकर्यै
बालमायायै
बलारात्यै
बलिन्यै
बलवर्धिन्यै
वेणुवाद्यायै
वनचर्यै
विरिञ्चिजनयित्र्यै ५७०
विद्याप्रदायै
महाविद्यायै
बोधिन्यै
बोधदायिन्यै

बुद्धमात्रे
बुद्धायै
वनमालावत्यै
वरायै
वरदायै
वारुण्यै ५८०
वीणायै
वीणावादनतत्परायै
विनोदिन्यै
विनोदस्थायै
वैष्णव्यै
विष्णुवल्लभायै
वैद्यायै
वैद्यचिकित्सायै
विवशायै
विश्वविश्रुतायै ५९०
विश्वौघविह्वलायै
वेलायै
वित्तदायै
विगतज्वरायै
विरावायै
विवरीकारायै
बिंबोष्ठ्यै
बिम्बवत्सलायै
विन्ध्यस्थायै
वरवन्द्यायै ६००
वीरस्थानवरायै
विदे
वेदान्तवेद्यायै
विजयायै
विजयाविजयप्रदायै
विरोग्यै
वन्दिन्यै
वन्ध्यायै
वन्द्यायै
बन्धनिवारिण्यै ६१०
भगिन्यै
भगमालायै
भवान्यै
भवनाशिन्यै
भीमायै
भीमाननायै
भीमाभङ्गुरायै
भीमदर्शनायै
भिल्लयै
भिल्लधरायै ६२०
भीरवे
भेरुण्डायै
भियै
भयावहायै
भगसर्पिण्यै
भगायै
भगरूपायै
भगालयायै

भगासनायै
भवाभोगायै ६३०
भेरीझङ्काररञ्जितायै
भीषणायै
भीषणारावायै
भगवत्यै
अहिभूषणायै
भारद्वाजायै
भोगदात्र्यै
भूतिघ्न्यै
भूतिभूषणायै
भूमिदायै ६४०
भूमिदात्र्यै
भूपत्यै
भरदायिन्यै
भ्रमर्यै
भ्रामर्यै
भालायै
भूपालकुलसंस्थितायै
मात्रे
मनोहर्यै
मायायै ६५०
मानिन्यै
मोहिन्यै
महत्यै
महालक्ष्म्यै
मदक्षीबायै
मदिरायै
मदिरालयायै
मदोद्धतायै
मतङ्गस्थायै
माधव्यै ६६०
मधुमर्दिन्यै
मोदायै
मोदकर्यै
मेधायै
मेध्यायै
मध्याधिपस्थितायै
मद्यपायै
मांसलोभस्थायै
मोदिन्यै
मैथुनोद्यतायै ६७०
मूर्धावत्यै
महामायायै
मायायै
महिममन्दिरायै
महामालायै
महाविद्यायै
महामार्यै
महेश्वर्यै
महादेववध्वै
मान्यायै ६८०
मथुरायै
मेरुमण्डितायै

मेदस्विन्यै
मिलिन्दाक्ष्यै
महिषासुरमर्दिन्यै
मण्डलस्थायै
भगस्थायै
मदिरारागगर्वितायै
मोक्षदायै
मुण्डमालायै ६९०
मालायै
मालाविलासिन्यै
मातङ्गिन्यै
मातङ्ग्यै
मातङ्गतनयायै
मधुस्रवायै
मधुरसायै
बन्धूककुसुमप्रियायै
यामिन्यै
यामिनीनाथभूषायै ७००
यावकरञ्जितायै
यवाङ्कुरप्रियायै
यामायै
यवन्यै
यवनार्दिन्यै
यमघ्न्यै
यमकल्पायै
यजमानस्वरूपिण्यै
यज्ञायै
यज्ञयजुषे ७१०
यक्ष्यै
यशोनिष्कंपकारिण्यै
यक्षिण्यै
यक्षजनन्यै
यशोदायै
यासधारिण्यै
यशस्सूत्रप्रदायै
यामायै
यज्ञकर्मकर्यै
यशस्विन्यै ७२०
यकारस्थायै
यूपस्तंभनिवासिन्यै
रञ्जितायै
राजपत्न्यै
रमायै
रेखायै
रवीरणायै
रजोवत्यै
रजश्चित्रायै
रञ्जन्यै ७३०
रजनीपत्यै
रोगिण्यै
रजन्यै
राज्ञ्यै
राज्यदायै
राज्यवर्धिन्यै

राजन्वत्यै
राजनीत्यै
रजतवासिन्यै
रमण्यै ७४०
रमणीयायै
रामायै
रामावत्यै रत्यै
रेतोरत्यै
रतोत्साहायै
रोगघ्न्यै
रोगकारिण्यै
रङ्गायै
रङ्गवत्यै
रागायै ७५०
रागज्ञायै
रागकृद्दयायै
रामिकायै
रजक्यै
रेवायै
रजन्यै
रङ्गलोचनायै
रक्तचर्मधरायै
रङ्ग्यै
रङ्गस्थायै ७६०
रङ्गवाहिन्यै
रमायै
रंभाफलप्रीत्यै

रंभोरवे
राघवप्रियायै
रङ्गायै
रङ्गाङ्गमधुरायै
रोदस्यै
महारवायै
रोधकृते ७७०
रोगहन्त्र्यै
रूपभृते
रोगस्राविण्यै
वन्द्यै
वन्दिस्तुतायै
बन्धवे
बन्धूककुसुमाधरायै
वन्दितायै
वन्द्यमानायै
वैद्राव्यै ७८०
वेदविदे
विधायै
विकोपायै
विकपालायै
विङ्कस्थायै
विङ्कवत्सलायै
वेद्यै
वलग्नलग्नायै
विधिविङ्ककरीविधायै
शंखिन्यै ७९०

5

शंखवलयायै
शंखमालावत्यै
शम्यै
शंखपात्राशिन्यै
शंखस्वनायै
शंखगलायै
शभ्यै
शबर्यै
शंबर्यै
शंभ्वै ८००
शंभुकेशायै
शरासिन्यै
शवायै
श्येनवत्यै
श्यामायै
श्यामाङ्ग्यै
श्यामलोचनायै
श्मशानस्थायै
श्मशानायै
श्मशानस्थानभूषणायै ८१०
शमदायै
शमहन्त्र्यै
शंखिन्यै
शंखरोषणायै
शान्त्यै
शान्तिप्रदायै
शेषाशेषाख्यायै
शेषशायिन्यै
शेमुष्यै
शोषिण्यै ८२०
शेषायै
शौर्यायै
शौर्यशरायै
शर्यै
शापदायै
शापहायै
शापायै
शापपथे
सदाशिवायै
शृंगिण्यै ८३०
शृंगिपलभुजे
शंकर्यै
शांकर्यै
शिवायै
शवस्थायै
शवभुजे
शान्तायै
शवकर्णायै
शवोदर्यै
शाविन्यै ८४०
शवशिंशायै
श्रियै
शवायै
शवशायिन्यै

शवकुण्डलिन्यै
शैवायै
शीकरायै
शिशिराशिन्यै
शवकाञ्च्यै
शवश्रीकायै ८५०
शवमालायै
शवाकृत्यै
स्रवन्त्यै
सङ्कुचायै
शक्त्यै
शन्तन्वै
शवदायिन्यै
सिन्धवे
सरस्वत्यै
सिन्धुसुन्दर्यै ८६०
सुन्दराननायै
साधवे
सिद्धिप्रदात्र्यै
सिद्धायै
सिद्धसरस्वत्यै
सन्तत्यै
संपदायै
संविच्छंकिसंपत्तिदायिन्यै
सपत्न्यै
सरसायै ८७०
सारायै
सारस्वतकर्यै
सुधायै
सुरासमांसाशनायै
समाराध्यायै
समस्तदायै
समधियै
सामदायै
सीमायै
संमोहायै ८८०
समदर्शनायै
सामत्यै
सामधायै
सीमायै
सावित्र्यै
सविधायै
सत्यै
सवनायै
सवनासारायै
सवरायै ८९०
सावरायै
सम्यै
सिमरायै
सततायै
साध्व्यै
सध्रीच्यै
ससहायिन्यै
हंस्यै

हंसगत्यै
हंस्यै ९००
हंसोज्ज्वलनिचोलयुजे
हलिन्यै
हालिन्यै
हालायै
हलश्रियै
हरवल्लभायै
हलायै
हलावत्यै
ह्लेषायै
हेलायै ९१०
हर्षविवर्धिन्यै
हन्त्यै
हन्तायै
हयायै
हाहाहितायै
अहन्तातिकारिण्यै
हंकार्यै
हंकृत्यै
हङ्कायै
हीहीहाहाहितायै ९२०
हितायै
हीत्यै
हेमप्रदायै
हारारािण्यै
हरिम्मंमतायै
होरायै
होत्र्यै
होलिकायै
होमायै
होमहविषे ९३०
हविषे
हरिण्यै
हरिणीनेत्रायै
हिमाचलनिवासिन्यै
लंबोदर्यै
लंबकर्णायै
लंबिकायै
लंबविग्रहायै
लीलायै
लीलावत्यै ९४०
लोलायै
ललनायै
ललितायै
लतायै
ललामलोचनायै
लोभ्यायै
लोलाक्ष्यै
लकुलायै
लयायै
लपन्त्यै ९५०
लपत्यै
लंपायै

लोपामुद्रायै
ललन्तिकायै
लतिकायै
लंघिन्यै
लंघायै
लालिमायै
लघुमध्यमायै
लघीयस्यै ९६०
लघूदर्यायै
लूतायै
लूताविनाशिन्यै
लोमशायै
लोमलंब्यै
लुलन्त्यै
लुलुम्पत्यै
लुलायस्थायै
बलहर्यै
लङ्कापुरपुरन्दरायै ९७०
लक्ष्म्यै
लक्ष्मीप्रदायै
लभ्यायै
लाक्षाक्ष्यै
लुलितप्रभायै
क्षणायै
क्षणक्षुदे
क्षुत्क्षीणायै
क्षमायै
क्षान्त्यै ९८०
क्षमावत्यै
क्षामायै
क्षामोदर्यै
क्षेम्यायै
क्षौमभृते
क्षत्रियांगनायै
क्षयायै
क्षयकर्यै
क्षीरायै
क्षीरदायै ९९०
क्षीरसागरायै
क्षेमङ्कर्यै
क्षयकर्यै
क्षयकृते
क्षणदायै
क्षत्यै
क्षद्रिकायै
क्षुद्रिकाक्षुद्रायै
क्षुत्क्षमायै
क्षीणपातकायै १०००

श्रीकमलाष्टोत्तरशतनामावलिः

महामायायै नमः
महालक्ष्म्यै
महावाण्यै
महेश्वर्यै
महादेव्यै
महारात्र्यै
महिषासुरमर्दिन्यै
कालरात्र्यै
कुह्वै
पूर्णायै १०
नन्दाद्यायै
भद्रिकायै
निशायै
जयायै
रिक्तायै
महाशक्त्यै
देवमात्रे
कृशोदर्यै
शच्यै
इन्द्राण्यै २०
शक्रनुतायै
शङ्करप्रियवल्लभायै
महावराह जनन्यै
मदनायै
उन्मथिन्यै
महत्यै
वैकुण्ठनाथरमण्यै
विष्णुवक्षः स्थलस्थितायै
विश्वेश्वर्यै
विश्वमात्रे ३०
वरदायै
अभयदायै
शिवायै
शूलिन्यै
चक्रिण्यै
मायै
पाशिन्यै
शङ्खधारिण्यै
गदिन्यै
मुण्डमालायै ४०
कमलायै
करुणालयायै
पद्माक्षधारिण्यै
अंबायै
महाविष्णुप्रियङ्कर्यै
गोलोकनाथरमण्यै
गोलोकेश्वरपूजितायै
गयायै
गङ्गायै
यमुनायै ५०
गोमत्यै
गरुडासनायै

गण्डक्यै
सरय्वै
ताप्यै
रेवायै
पयस्विन्यै
नर्मदायै
कावेर्यै
केदारस्थलवासिन्यै ६०
किशोर्यै
केशवनुतायै
महेन्द्रपरिवन्दितायै
ब्रह्मादिदेवनिर्माणकारिण्यै
वेदपूजितायै
कोटिब्रह्माण्डमध्यस्थायै
कोटिब्रह्मण्डकारिण्यै
श्रुतिरूपायै
श्रुतिकर्यै
श्रुतिस्मृतिपरायणायै ७०
इन्दिरायै
सिन्धुतनयायै
मातङ्ग्यै
लोकमातृकायै
त्रिलोकजनन्यै
तन्त्रायै
तन्त्रमन्त्रस्वरूपिण्यै
तरुण्यै
तमोहन्त्र्यै
मङ्गलायै ८०

मङ्गलायनायै
मधुकैटभमथन्यै
शुंभासुरविनाशिन्यै
निशुंभादिहरायै
मात्रे
हरिशङ्करपूजितायै
सर्वदेवमय्यै
सर्वायै
शरणागतपालिन्यै
शरण्यायै ९०
शंभुवनितायै
सिन्धुतीर निवासिन्यै
गन्धर्वगानरसिकायै
गीतायै
गोविन्दवल्लभायै
त्रैलोक्यपालिन्यै
तत्वरूपायै
तारुण्यपूरितायै
चन्द्रावल्यै
चन्द्रमुख्यै १००
चन्द्रिकायै
चन्द्रपूजितायै
चन्द्रायै
शशाङ्कभगिन्यै
गीतवाद्यपरायणायै
सृष्टिरूपायै
सृष्टिकर्यै
सृष्टिसंहारकारिण्यै १०८

श्रीकमला सहस्रनामावलिः

श्रियै नमः
पद्मायै
प्रकृत्यै
सत्वायै
शान्तायै
चिच्छक्त्यै
अव्ययायै
केवलायै
निष्कलायै
शुद्धायै १०
व्यापिन्यै
व्योमविग्रहायै
व्योमपद्मकृताधारायै
परस्मै व्योम्ने
मतोद्भवायै
निर्व्योमायै
व्योममध्यस्थायै
पञ्चव्योमपदाश्रितायै
अच्युतायै
व्योमनिलयायै २०
परमानन्द रूपिण्यै
नित्यशुद्धायै
नित्यतृप्तायै
निर्विकारायै
निरीक्षणायै
ज्ञानशक्त्यै
कर्तृशक्त्यै
भोक्तृशक्त्यै
शिखावहायै
स्नेहाभासायै ३०
निरानन्दायै
विभूत्यै
विमलायै
चलायै
अनन्तायै
वैष्णव्यै
व्यक्तायै
विश्वानन्दायै
विकाशिन्यै
शक्त्यै ४०
विभिन्नसर्वार्त्यै
समुद्रपरितोषिण्यै
मूर्त्यै
सनातन्यै
हार्द्यै
निस्तरङ्गायै
निरामयायै
ज्ञानज्ञेयायै
ज्ञानगम्यायै
ज्ञानज्ञेयविकासिन्यै ५०

स्वच्छन्दशक्त्यै
गहनायै
निष्कंपार्चिषे
सुनिर्मलायै
स्वरूपायै
सर्वगायै
अपारायै
बृंहिण्यै
सुगुणोर्जितायै
अकलङ्कायै ६०
निराधारायै
निस्संकल्पायै
निराश्रयायै
असंकीर्णायै
सुशान्तायै
शाश्वत्यै
भासुर्यै
स्थिरायै
अनौपम्यायै
निर्विकल्पायै ७०
निर्यन्त्रायै
यन्त्रवाहिन्यै
अभेद्यायै
भेदिन्यै
भिन्नायै
भारत्यै
वैखर्यै

खगायै
अग्राह्यायै
ग्राहिकायै ८०
गूढायै
गंभीरायै
विश्वगोपिन्यै
अनिर्देश्यायै
अप्रतिहतायै
निर्बीजायै
पावन्यै
परायै
अप्रतर्क्यायै
अपरिमितायै ९०
भवभ्रान्तिविनाशिन्यै
एकायै
द्विरूपायै
त्रिविधायै
असंख्यातायै
सुरेश्वर्यै
सुप्रतिष्ठायै
महाधात्र्यै
स्थित्यै
वृद्ध्यै १००
ध्रुवायै गत्यै
ईश्वर्यै
महिमायै
ऋद्ध्यै

प्रमोदायै
उज्ज्वलोद्यमायै
अक्षयायै
वर्धमानायै
सुप्रकाशायै
विहङ्गमायै ११०
नीरजायै
जनन्यै
नित्यायै
जयायै
रोचिष्मत्यै
शुभायै
तमोनुदायै
ज्वालायै
सुदीप्त्यै
अंशुमालिन्यै १२०
अप्रमेयायै
त्रिधा सूक्ष्मायै
परायै
निर्वाणदायिन्यै
अवदातायै
सुशुद्धायै
अमोघाख्यायै
परंपरायै
सन्धानक्यै
शुद्धविद्यायै १३०
सर्वभूतमहेश्वर्यै
लक्ष्म्यै
तुष्ट्यै
महाधीरायै
शान्त्यै
आपूरणे नवायै
अनुग्रहाशक्त्यै
आद्यायै
जगज्ज्येष्ठायै
जगद्विध्यै १४०
सत्यायै
प्रह्वायै
क्रियायोग्यायै
अपर्णायै
ह्लादिन्यै
शिवायै
संपूर्णाह्लादिन्यै
शुद्धायै
ज्योतिष्मत्यै
अमतावहायै १५०
रजोवत्यै
अर्कप्रतिभायै
आकर्षिण्यै
कर्षिण्यै
रसायै
परायै वसुमत्यै
देव्यै
कान्त्यै

शान्त्यै
मत्यै १६०
कलायै
कलंकरहितायै कलायै
विशालायै
उद्दीपन्यै
रत्यै
संबोधिन्यै
हारिण्यै
प्रभावायै
भवभूतिदायै
अमृतस्यन्दिन्यै १७०
जीवायै
जनन्यै
खण्डिकायै
स्थिरायै
धूमायै
कलावत्यै
पूर्णायै
भासुरायै
सुमत्यै
रसायै १८०
शुद्धायै
ध्वनये
सृत्यै
सृष्ट्यै
विकृत्यै

कृष्ट्यै
प्रापण्यै
प्राणदायै
प्रह्वायै
विश्वायै १९०
पाण्डुरवासिन्यै
अवन्यै
वज्रनलिकायै
चित्रायै
ब्रह्माण्डवासिन्यै
अनन्तरूपायै
अनन्तात्मने
अनन्तस्थायै
अनन्तसंभवायै
महाशक्त्यै २००
प्राणशक्त्यै
प्राणदात्र्यै
रतिंभरायै
महासमूहायै
निखिलायै
इच्छाधारायै
सुखावहायै
प्रत्यक्षलक्ष्म्यै
निष्कम्पायै
प्ररोहायै २१०
बुद्धिगोचरायै
नानादेहायै

महावर्तायै
बहुदेहविकासिन्यै
सहस्राण्यै
प्रधानायै
न्यायवस्तुप्रकाशिकायै
सर्वाभिलाषपूर्णायै
इच्छायै
सर्वायै २२०
सर्वार्थभाषिण्यै
नानास्वरूपचिद्धात्र्यै
शब्दपूर्वायै
पुरातनायै
व्यक्तायै
अव्यक्तायै
जीवकेशायै
सर्वेच्छापरिपूरितायै
सङ्कल्पसिद्धायै
सांख्येयायै २३०
तत्वगर्भायै
धरावहायै
भूतरूपायै
चित्स्वरूपायै
त्रिगुणायै
गुणगर्वितायै
प्रजापतीश्वर्यै
रौद्र्यै
सर्वाधारायै
सुखावहायै २४०
कल्याणवाहिकायै
कल्यायै
कलिकल्मषनाशिन्यै
नीरूपायै
उद्भिन्नसन्तानायै
सुयन्त्रायै
त्रिगुणालयायै
महामायायै
योगमायायै
महायोगेश्वर्यै २५०
प्रियायै
महास्त्रियै
विमलायै
कीर्त्यै
जयायै
लक्ष्म्यै
निरञ्जनायै
प्रकृत्यै
भगवन्मायाशक्त्यै
निद्रायै २६०
यशस्कर्यै
चिन्तायै
बुद्ध्यै
यशसे
प्रज्ञायै
शान्त्यै

आप्रीतिवर्धन्यै
प्रद्युम्नमात्रे
साध्व्यै
सुखसौभाग्यसिद्धिदायै २७०
काष्ठायै
निष्ठायै
प्रतिष्ठायै
ज्येष्ठायै
श्रेष्ठायै
जयावहायै
सर्वातिशायिन्यै प्रीत्यै
विश्वशक्त्यै
महाबलायै
वरिष्ठायै २८०
विजयायै
वीरायै
जयन्त्यै
विजयप्रदायै
हृद्गुहायै
गोपिन्यै
गुह्यायै
गणगन्धर्व सेवितायै
योगीश्वर्यै
योगमायायै २९०
योगिन्यै
योगसिद्धिदायै
महायोगेश्वरवृतायै
योगायै
योगेश्वरप्रियायै
ब्रह्मेन्द्ररुद्रनमितायै
सुरासुरवरप्रदायै
त्रिवर्त्मगायै
त्रिलोकस्थायै
त्रिविक्रमपदोद्भवायै ३००
सुतारायै
तारिण्यै
तारायै
दुर्गायै
सन्तारिण्यै परायै
सुतारिण्यै
तारयन्त्यै
भूरितारेश्वरप्रभायै
गुह्यविद्यायै
यज्ञविद्यायै ३१०
महाविद्यासुशोभितायै
अध्यात्मविद्यायै
विघ्नेश्यै
पद्मस्थायै
परमेष्ठिन्यै
आन्वीक्षिक्यै
त्रय्यै
वार्तायै
दण्डनीत्यै
नयात्मिकायै ३२०

गौर्यै
वागीश्वर्यै
गोप्त्र्यै
गायत्र्यै
कमलोद्भवायै
विश्वंभरायै
विश्वरूपायै
विश्वमात्रे
वसुप्रदायै
सिद्ध्यै ३३०
स्वाहायै
स्वधायै
स्वस्त्यै
सुधायै
सर्वार्थसाधिन्यै
इच्छायै
सृष्ट्यै
द्युत्यै
भूत्यै
कीर्त्यै ३४०
श्रद्धायै
दयायै
मत्यै
श्रुत्यै
मेधायै
धृत्यै
ह्रियै
श्रियै
विद्यायै
विबुधवन्दितायै ३५०
अनसूयायै
घृणायै
नीत्यै
निर्वृत्यै
कामधुक्करायै
प्रतिज्ञायै
सन्तत्यै
भूत्यै
दिवे
प्रज्ञायै ३६०
विश्वमानिन्यै
स्मृत्यै
वाचे
विश्वजनन्यै
पश्यन्त्यै
मध्यमायै
समायै
सन्ध्यायै
मेधायै
प्रभायै ३७०
भीमायै
सर्वाकारायै
सरस्वत्यै
कांक्षायै

मायायै
महामायामोहिन्यै
माधवप्रियायै
सौम्याभोगायै
महाभोगायै
भोगिन्यै ३८०
भोगदायिन्यै
सुधौतकनकप्रख्यायै
सुवर्णकमलासनायै
हिरण्यगर्भायै
सुश्रोण्यै
हारिण्यै
रमण्यै
रमायै
चन्द्रायै
हिरण्मय्यै ३९०
ज्योत्स्नायै
रम्यायै
शोभायै
शुभावहायै
त्रैलोक्यमण्डनायै
नारीनरेश्वरवरार्चितायै
त्रैलोक्यसुन्दर्यै
रामायै
महाविभववाहिन्यै
पद्मस्थायै ४००
पद्मनिलयायै
पद्ममालाविभूषितायै
पद्मयुग्मधरायै
कान्तायै
दिव्याभरणभूषितायै
विचित्ररत्नमकुटायै
विचित्रांबरभूषणायै
विचित्र माल्यगन्धाढ्यायै
विचित्रायुधवाहनायै
महानारायणीदेव्यै ४१०
वैष्णव्यै
वीरवन्दितायै
कालसंकर्षिण्यै
घोरायै
तत्वसंकर्षिण्यै कलायै
जगत्संपूरण्यै
विश्वायै
महाविभवभूषणायै
वारुण्यै
वरदायै ४२०
व्याख्यायै
घण्टाकर्णविराजितायै
नृसिंह्यै
भैरव्यै
ब्राह्म्यै
भास्कर्यै
व्योमचारिण्यै
ऐन्द्र्यै

कामधनुस्सृष्ट्यै
कामयोन्यै ४३०
महाप्रभायै
दृष्टायै
काम्यायै
विश्वशक्त्यै
बीजगत्यात्मदर्शनायै
गरुडारूढहृदयायै
चान्द्र्यै श्रियै
मधुराननायै
महोग्ररूपायै
वाराहीनारसिंहीहतासुरायै ४४०
युगान्तहुतभुग्ज्वालायै
करालायै
पिङ्गलायै कलायै
त्रैलोक्यभूषणायै
भीमायै
श्यामायै
त्रैलोक्यमोहिन्यै
महोत्कटायै
महारक्तायै
महाचण्डायै ४५०
महासनायै
शंखिन्यै
लेखिन्यै
स्वस्थालिखितायै
खेचरेश्वर्यै

भद्रकाल्यै
एकवीरायै
कौमार्यै
भगमालिन्यै
कल्याण्यै ४६०
कामधुग्ज्वालामुख्यै
उत्पलमालिकायै
बालिकायै
धनदायै
सूर्यायै
हृदयोत्पलमालिकायै
अजितायै
वर्षिण्यै
रीत्यै
भेरुण्डायै ४७०
गरुडासनायै
वैश्वानरीमहामायायै
महाकाल्यै
विभीषणायै
महामन्दारविभवायै
शिवानन्दायै
रतिप्रियायै
उद्रीत्यै
पद्ममालायै
धर्मवेगायै ४८०
विभावन्यै
सत्क्रियायै

देवसेनायै
हिरण्यरजताश्रयायै
सहसावर्तमानायै
हस्तिनाद प्रबोधिन्यै
हिरण्यपद्मवर्णायै
हरिभद्रायै
सुदुर्धरायै
सूर्यायै ४९०
हिरण्यप्रकटसदृश्यै
हेममालिन्यै
पद्माननायै
नित्यपुष्टायै
देवमात्रे
अमृतोद्भवायै
महाधनायै
शृङ्ग्यै
कार्दम्यै
कंबुकन्धरायै ५००
आदित्यवर्णायै
चन्द्राभायै
गन्धद्वारायै
दुरासदायै
वरार्चितायै
वरारोहायै
वरेण्यायै
विष्णुवल्लभायै
कल्याण्यै
वरदायै ५१०
वामायै
वामेश्यै
विन्ध्यवासिन्यै
योगनिद्रायै
योगरतायै
देवकीकामरूपिण्यै
कंसविद्राविण्यै
दुर्गायै
कौमार्यै
कौशिक्यै ५२०
क्षमायै
कात्यायन्यै
कालरात्र्यै
निशितृप्तायै
सुदुर्जयायै
विरूपाक्ष्यै
विशालाक्ष्यै
भक्तानां परिरक्षिण्यै
बहुरूपास्वरूपायै
विरूपायै ५३०
रूपवर्जितायै
घण्टानिनादबहुलायै
जीमूतध्वनिनिस्वनायै
महासुरेन्द्रमथिन्यै
भ्रुकुटीकुटिलाननायै
सत्योपयाचितायै एकायै

कौबेर्यै
ब्रह्मचारिण्यै
आर्यायै
यशोदासुतदायै ५४०
धर्मकामार्थमोक्षदायै
दारिद्र्यदुःखशमन्यै
घोरदुर्गार्तिनाशिन्यै
भक्तार्तिशमन्यै
भव्यायै
भवभर्गापहारिण्यै
क्षीराब्धितनयायै
पद्मायै
कमलायै
धरणीधरायै ५५०
रुक्मिण्यै
रोहिण्यै
सीतायै
सत्यभामायै
यशस्विन्यै
प्रज्ञाधारायै
अमितप्रज्ञायै
वेदमात्रे
यशोवत्यै
समाध्यै ५६०
भावनायै
मैत्र्यै
करुणायै
भक्तवत्सलायै
अन्तर्वेदीदक्षिणायै
ब्रह्मचर्यपरागत्यै
दीक्षायै
वीक्षायै
परीक्षायै
समीक्षायै ५७०
वीरवत्सलायै
अंबिकायै
सुरभ्यै
सिद्धायै
सिद्धविद्याधरार्चितायै
सुदीप्तायै
लेलिहानायै
करालायै
विश्वपूरकायै
विश्वसंहारिण्यै ५८०
दीप्त्यै
तपिन्यै
ताण्डवप्रियायै
उद्भवायै
विरजाराज्ञ्यै
तापन्यै
बिन्दुमालिन्यै
क्षीरधारासुप्रभावायै
लोकमात्रे
सुवर्चलायै ५९०

हव्यगर्भायै
आज्यगर्भायै
जुह्वतो यज्ञसंभवायै
आप्यायन्यै
पावन्यै
दहन्यै
दहनाश्रयायै
मातृकायै
माधव्यै
मुच्यायै ६००
मोक्षलक्ष्म्यै
महर्धिदायै
सर्वकामप्रदायै
भद्रायै
सुभद्रायै
सर्वमङ्गलायै
श्वेतायै
सुशुक्लवसनायै
शुक्लमाल्यानुलेपनायै
हंसायै ६१०
हीनकर्यै
हंस्यै
हृद्यायै
हृत्कमलालयायै
सितातपत्रायै
सुश्रोण्यै
पद्मपत्रायतेक्षणायै
सावित्र्यै
सत्यसङ्कल्पायै
कामदायै ६२०
कामकामिन्यै
दर्शनीयायै
दृशा दृश्यायै
स्पृश्यायै
सेव्यायै
वराङ्गनायै
भोगप्रियायै
भोगवत्यै
भोगीन्द्रशयनासन्यै
आर्द्रायै ६३०
पुष्करिण्यै
पुण्यायै
पावन्यै
पापसूदन्यै
श्रीमत्यै
शुभाकारायै
परमैश्वर्यभूतिदायै
अचिन्त्यानन्तविभवायै
भवभावविभावन्यै
निश्रेण्यै ६४०
सर्वदेहस्थायै
सर्वभूतनमस्कृतायै
बलायै
बलाधिकायै देव्यै

गौतम्यै
गोकुलालयायै
तोषिण्यै
पूर्णचन्द्राभायै
एकानन्दायै
शताननायै ६५०
उद्याननगरद्वारहर्म्योपवनवासिन्यै
कूष्माण्डयै
दारुणायै
चण्डायै
किरात्यै
नन्दनालयायै
कालायनायै
कालगम्यायै
भयदायै
भयनाशिन्यै ६६०
सौदामिन्यै
मेघरवायै
दैत्यदानवमर्दिन्यै
जगन्मात्रे
अभयकर्यै
भूतधात्र्यै
सुदुर्लभायै
काश्यप्यै
शुभदानायै
वनमालायै ६७०
शुभायै
वरायै
धन्यायै
धन्येश्वर्यै
धन्यायै
रत्नदायै
वसुवर्धिन्यै
गान्धर्व्यै
रेवत्यै
गङ्गायै ६८०
शकुन्यै
विमलाननायै
इडायै
शान्तिकर्यै
तामस्यै
कमलालयायै
आज्यपायै
वज्रकौमार्यै
सोमपायै
कुसुमाश्रयायै ६९०
जगत्प्रियायै
सरथायै
दुर्जयायै
खगवाहनायै
मनोभवायै
कामचारायै
सिद्धचारणसेवितायै
व्योमलक्ष्म्यै

महालक्ष्म्यै
तेजोलक्ष्म्यै ७००
सुजाज्वलायै
रसलक्ष्म्यै
जगद्योनये
गन्धलक्ष्म्यै
वनाश्रयायै
श्रवणायै
श्रावणीनेत्रायै
रसनाप्राणचारिण्यै
विरिञ्चिमात्रे
विभवायै ७१०
वरवारिजवाहनायै
वीर्यायै
वीरेश्वर्यै
वन्द्यायै
विशोकायै
वसुवर्धिन्यै
अनाहतायै
कुण्डलिन्यै
नलिन्यै
वनवासिन्यै ७२०
गान्धारिण्यै
इन्द्रनमितायै
सुरेन्द्रनमितायै
सत्यै
सर्वमङ्गलमाङ्गल्यायै
सर्वकामसमृद्धिदायै
सर्वानन्दायै
महानन्दायै
सत्कीर्त्यै
सिद्धसेवितायै ७३०
सिनीवाल्यै
कुह्वै
राकायै
अमायै
अनुमत्यै
द्युत्यै
अरुन्धत्यै
वसुमत्यै
भार्गव्यै
वास्तुदेवतायै ७४०
मयूर्यै
वज्रवेताल्यै
वज्रहस्तायै
वराननायै
अनघायै
धरण्यै
धीरायै
धमन्यै
मणिभूषणायै
राजश्रीरूपसहितायै ७५०
ब्रह्मश्रियै
ब्रह्मवन्दितायै

जयश्रियै
जयदायै
ज्ञेयायै
सर्गश्रियै
सतां स्वर्गत्यै
सुपुष्पायै
पुष्पनिलयायै
फलश्रियै ७६०
निष्कलप्रियायै
धनुर्लक्ष्म्यै
अमिलितायै
परक्रोधनिवारण्यै
कद्रू वै
धनायवे
कपिलायै
सुरसायै
सुरमोहिन्यै
महाश्वेतायै ७७०
महानीलायै
महामूर्त्यै
विषापहायै
सुप्रभायै
ज्वालिन्यै
दीप्त्यै
तृप्त्यै
व्याप्त्यै
प्रभाकर्यै
तेजोवत्यै ७८०
पद्मबोधायै
मदलेखायै
अरुणावत्यै
रत्नायै
रत्नावलीभूतायै
शतधामायै
शतापहायै
त्रिगुणायै
घोषिण्यै
रक्ष्यायै ७९०
नर्दिन्यै
घोषवर्जितायै
साध्यायै
अदित्यै
दित्यै
देव्यै
मृगवाहायै
मृगांकगायै
चित्रनीलोत्पलगतायै
वृतरत्नाकराश्रयायै ८००
हिरण्यरजतद्वन्द्वायै
शंखभद्रासनस्थितायै
गोमूत्रगोमयक्षीरदधिसर्पिर्जलाश्रयायै
मरीचये
चीरवसनायै
पूर्णचन्द्रार्कविष्टरायै

सुसूक्ष्मायै
निर्वृत्यै
स्थूलायै
निवृत्तारातये ८१०
मरीच्यै
ज्वालिन्यै
धूम्रायै
हव्यवाहायै
हिरण्यदायै
दायिन्यै
कालिनीसिद्ध्यै
शोषिण्यै
संप्रबोधिन्यै
भास्वरायै ८२०
संहत्यै
तीक्ष्णायै
प्रचण्डज्वलनोज्ज्वलायै
साङ्गायै
प्रचण्डायै
दीप्तायै
वैद्युत्यै
सुमहाद्युत्यै
कपिलायै
नीलरक्तायै ८३०
सुषुम्नायै
विस्फुलिङ्गिन्यै
अर्चिष्मत्यै
रिपुहरायै
दीर्घायै
धूमावल्यै
जरायै
संपूर्णमण्डलायै
पूष्णे(षायै)
स्रंसिन्यै ८४०
सुमनोहरायै
जयायै
पुष्टिकर्यै
छायायै
मानसायै
हृदयोज्ज्वलायै
सुवर्णकरण्यै
श्रेष्ठायै
रणे मृतसञ्जीवन्यै
विशल्यकरण्यै ८५०
शुभ्रायै
सन्धिन्यै
परमौषध्यै
ब्रह्मिष्ठायै
ब्रह्मसहितायै
ऐन्दव्यै
रत्नसंभवायै
विद्युत्प्रभायै
बिन्दुमत्यै
त्रिस्वभावगुणायै ८६०

अंबिकायै
नित्योदितायै
नित्यदृष्टायै
नित्यकामायै
करीषिण्यै
पद्मांकायै
वज्रचिह्नायै
वक्रदण्डायै
विभासिन्यै
विदेहपूजितायै ८७०
कन्यायै
मायायै
विजयवाहिन्यै
मानिन्यै
मङ्गलायै
मान्यायै
मानिन्यै
मानदायिन्यै
विश्वेश्वर्यै
गणवत्यै ८८०
मण्डलायै
मण्डलेश्वर्यै
हरिप्रियायै
भौमसुतायै
मनोज्ञायै
मतिदायिन्यै
प्रत्यंगिरायै
सोमगुप्तायै
मनोऽभिज्ञायै
वदन्मत्यै ८९०
यशोधरायै
रत्नमालायै
कृष्णायै
त्रैलोक्यबन्धिन्यै
अमृतायै
धारिण्यै
हर्षायै
विनतायै
वल्लक्यै
शच्यै ९००
संकल्पायै
भामिन्यै
मिश्रायै
कादंबर्यै
अमृतायै
प्रभायै
आगतायै
निर्गतायै
वज्रायै
सुहितायै ९१०
सहितायै
अक्षतायै
सर्वार्थसाधनकर्यै
धातवे

धारणिकायै
अमलायै
करुणाधारसंभूतायै
कमलाक्ष्यै
शशिप्रियायै
सौम्यरूपायै ९२०
महादीप्तायै
महाज्वालायै
विकासिन्यै
मालायै
काञ्चनमालायै
सद्वज्रायै
कनकप्रभायै
प्रक्रियायै
परमायै
योक्त्र्यै ९३०
क्षोभिकायै
सुखोदयायै
विजृंभणायै
वज्राख्यायै
शृंखलायै
कमलेक्षणायै
जयंकर्यै
मधुमत्यै
हरितायै
शशिन्यै ९४०
शिवायै
मूलप्रकृत्यै
ईशानायै
योगमात्रे
मनोजवायै
धर्मोदयायै
भानुमत्यै
सर्वाभासायै
सुखावहायै
धुरन्धरायै ९५०
बालायै
धर्मसेव्यायै
तथागतायै
सुकुमारायै
सौम्यमुख्यै
सौम्यसंबोधनायै
उत्तमायै
सुमुख्यै
सर्वतोभद्रायै
गुह्यशक्त्यै ९६०
गुहालयायै
हलायुधायै
कावीरायै
सर्वशास्त्रसुधारिण्यै
व्योमशक्त्यै
महादेहायै
व्योमगायै
मधुमन्मय्यै

गंगायै
वितस्तायै ९७०
यमुनायै
चन्द्रभागायै
सरस्वत्यै
तिलोत्तमायै
ऊर्वश्यै
रंभायै
स्वामिन्यै
सुरसुन्दर्यै
बाणप्रहरणायै
बालायै ९८०
बिंबोष्ठ्यै
चारुहासिन्यै
ककुद्मिन्यै
चारुपृष्ठायै
दृष्टादृष्टफलप्रदायै
काम्याचार्यै
काम्यायै
कामाचारविहारिण्यै
हिमशैलेन्द्रसंकाशायै
गजेन्द्रवरवाहनायै ९९०
अशेषसुखसौभाग्यसंपदां योनये
उत्तमायै
सर्वोत्कृष्टायै
सर्वमय्यै
सर्वायै
सर्वेश्वरप्रियायै
सर्वाङ्गयोन्यै
अव्यक्तायै
संप्रदानेश्वरेश्वर्यै
विष्णुवक्षःस्थलगतायै १०००

श्रीदुर्गाष्टोत्तरशतनामावलिः

सत्यै नमः
साध्व्यै
भवप्रीतायै
भवान्यै
भवमोचन्यै
आर्यायै
दुर्गायै
जयायै
आद्यायै
त्रिनेत्रायै १०
शूलधारिण्यै
पिनाकधारिण्यै
चित्रायै
चन्द्रघण्टायै
महातपायै
मनसे
बुद्ध्यै
अहंकारायै
चित्तरूपायै
चितायै २०
चित्यै
सर्वमन्त्रमय्यै
सत्यायै
सत्यानन्दस्वरूपिण्यै
अनन्तायै
भाविन्यै
भाव्यायै
भवायै
भव्यायै
सदागत्यै ३०
शंभुपत्न्यै
देवमात्रे
चिन्तायै
सदारत्नप्रियायै
सर्वविद्यायै
दक्षकन्यायै
दक्षयज्ञविनाशिन्यै
अपर्णायै
पर्णायै
पाटलायै ४०
पटलावत्यै
पट्टांबरपरीधानायै
कलमञ्जीररञ्जिन्यै
अमेयायै
विक्रमायै
क्रूरायै
सुन्दर्यै
कुलसुन्दर्यै
नवदुर्गायै
मातङ्ग्यै ५०
मतङ्गमुनिपूजितायै
ब्राह्म्यै

माहेश्वर्यै
ऐन्द्र्यै
कौमार्यै
वैष्णव्यै
चामुण्डायै
वाराह्यै
लक्ष्म्यै
पुरुषाकृत्यै ६०
विमलायै
उत्कर्षिण्यै
ज्ञानक्रियायै
सत्यायै
वाक्प्रदायै
बहुलायै
बहुलप्रेमायै
सर्ववाहनवाहनायै
निशुंभशुंभहनन्यै
महिषासुरमर्दिन्यै ७०
मधुकैटभहन्त्र्यै
चण्डमुण्डविनाशिन्यै
सर्वासुर विनाशायै
सर्वदानवघातिन्यै
सर्वशास्त्रमय्यै
विद्यायै
सर्वास्त्रधारिण्यै
अनेकशस्त्रहस्तायै
अनेकास्त्रविधारिण्यै
कुमार्यै ८०
कन्यायै
कौमार्यै
युवत्यै
यत्यै
अप्रौढायै
प्रौढायै
वृद्धमात्रे
बलप्रदायै
श्रद्धायै
शान्त्यै ९०
धृत्यै
कान्त्यै
लक्ष्म्यै
जात्यै
स्मृत्यै
दयायै
तुष्ट्यै
पुष्ट्यै
चित्त्यै
भ्रान्त्यै १००
मात्रे
क्षुधे
चेतनायै
मत्यै
विष्णुमायायै
निद्रायै
छायायै
कामप्रपूरण्यै १०८

श्री दुर्गासहस्रनामावलिः

श्रीदुर्गायै नमः
त्रिजगन्मात्रे
श्रीमत्कैलासवासिन्यै
हिमाचलगुहाकान्तमाणिक्य-
मणिमण्डपायै
गिरिदुर्गायै
गौरहस्तायै
गणनाथवृताङ्गणायै
कल्पकारण्यसंवीतमालती
कुञ्जमन्दिरायै
धर्मसिंहासनारूढायै
डाकिन्यादिसमाश्रितायै (१०)
सिद्धविद्याधरामर्त्यवधूटी
निकरस्तुतायै
चिन्तामणिशिलाक्लृप्त
द्वारावलिगृहान्तरायै
कटाक्षवीक्षणापेक्षकमलाक्षि
सुराङ्गनायै
लीलाभाषणसंलोल
कमलासनवल्लभायै
यामलोपनिषन्मन्त्रविलपत्
शुकपुङ्गवायै
दूर्वादलश्यामरूपायै
दुर्वारमदविह्वलायै
नवकोरकसंपत्श्रीकल्पकारण्य-
कुन्तलायै
वेणीकैतकबर्हांशुविजित
स्मरपट्टसायै
कचसीमन्तरेखान्तलंब
माणिक्यलम्बिकायै (२०)
पुष्पबाणशरालीढघन
धंमिल्लभूषणायै
भालचन्द्रकलाप्रांत सत्सुधाबिन्दु
मौक्तिकायै
चूलीकादंबिनीश्लिष्टचन्द्ररेखा
ललाटिकायै
चन्द्रमण्डलसंयुक्तभौमकुंकुम
रेखिकायै
केशाभ्रमुक्तकोदण्डसदृग्भ्रू
लतिकाश्रितायै
मारचापलसच्छुभ्र
मृगनाभिविशेषकायै
कर्णपूरितकल्हारकांक्षिता
पाङ्गवीक्षणायै
क्षीराशयोत्पलाकारविलसत्कृष्ण
तारकायै
नेत्रपङ्केरुहान्तस्स्थ
भ्रमद्भ्रमरतारकायै
गरलावृतकल्लोल निमेषाञ्जन
भासुरायै ३०

तीक्ष्णाग्रधारप्रद्युम्नशस्त्रप्रत्यस्त्र
वीक्षणायै
मुखचन्द्रसुधापूरलुठन्मीनाभ
लीचनायै
मौक्तिकावृतताटङ्कमण्डल
द्वयमण्डितायै
कन्दर्पध्वजताकीर्णमकराङ्कित
कुण्डलायै
कर्णरत्नौघचिन्तार्ककमनीय
मुखांबुजायै
कारुण्यस्यन्दिवदनायै
कण्ठमूलसुकुङ्कुमायै
ओष्ठबिम्बफलामोद
शुकतुण्डाभनासिकायै
तिलचंपकपुष्पश्रीनासिका
भरणोज्ज्वलायै
नासाचंपकसंस्रस्तमधुबिन्दु
कमौक्तिकायै ४०
मुखपङ्कजकिञ्जल्क
मुक्ताजालसुनासिकायै
सालुवेशमुखास्वाद
लोलुपाधरपल्लवायै
रदनांशुनटीरङ्ग
प्रस्तावनपटाधरायै
दन्तलक्ष्मीगृहद्वारनीहा
रांश्वधरच्छदायै
विद्रुमाधरबालार्कमिश्रस्मेरांशु
कौमुदै
मन्त्रबीजाङ्कुराकार
द्विजावलिविराजितायै
सल्लापलक्ष्मीमांगल्य
मौक्तिकस्रग्रदालयायै
तांबूलसारसौगन्धि
सकलाम्नायतालुकायै
कर्णलक्ष्मीविलासार्थ
मणिदर्पणगण्डभुवे
कपोलमुकुराक्रान्त कर्णताटङ्क
दीधितये ५०
मुखपद्मरजस्तूलहरिद्रा
चूर्णमण्डितायै
कण्ठादर्शप्रभासान्द्रविजित
श्रीविराजितायै
देशिकेशहृदानन्दसंपत्
चिबुकपेटिकायै
शरभाधीशसंबद्धमांगल्य
मणिकन्धरायै
कस्तूरीपङ्कसञ्जातगल
नालमुखांबुजायै
लावण्यांभोधिमध्यस्थ
शंखसन्निभकन्धरायै
गलशंख प्रसूतां शुमुक्ता
दामविराजितायै
मालतीमल्लिकातुल्य
भुजद्वयमनोहरायै
कनकाङ्गदकेयूर
च्छविनिर्जितभास्करायै

प्रकोष्ठवलयाक्रान्त
परिवेषग्रहद्युतये ६०
वलयद्वयवैडूर्यज्वाला
लीढकरांबुजायै
बाहुद्वयलताग्रस्थपल्लवाभकरांगुल्यै
करपङ्केरुहभ्राम्यद्रविमण्डलकङ्कणायै
अङ्गुलीविद्रुमलतापर्वस्वर्णाङ्गुलीयकायै
भाग्यप्रदकरान्तस्स्थ
शंखचक्राङ्कमुद्रिकायै
करपद्मदलप्रान्त
भास्वद्रत्ननखाङ्कुरायै
रत्नग्रैवेयहारातिरमणीय
कुचान्तरायै
प्रालंबिकौस्तुभमणिप्रभालिप्त
स्तनान्तरायै
शरभाधीशनेत्रांशुकञ्चुकस्तन
मण्डलायै
रतीविवाहकालश्रीपूर्ण
कुंभस्तनद्वयायै (७०)
अनङ्गजीवनप्राणमन्त्रकुंभस्तनद्वयायै
मध्यवल्लीप्राज्यफलद्वयवक्षोजभासुरायै
स्तनपर्वतपर्यन्त
चित्रकुंकुमपत्रिकायै
भ्रमरालीढराजीवकुड्मलस्तन
चूचुकायै
महाशरभहृद्रागरक्तवस्त्रोत्तरीयकायै
अनौपम्यातिलावण्यपार्ष्णि
भागाभिनन्दितायै
स्तनस्तबकराराजद्रोमवल्लीतलोदरायै
कृष्णरोमावलीकृष्ण
सप्तपत्रोदरच्छवये
सौन्दर्यपूरसंपूर्ण
प्रवाहावर्तनाभिकायै
अनङ्गरसपूराब्धि
तरङ्गाभवलित्रयायै (८०)
सन्ध्यारुणांशुकौसुंभपटावृतकटीतटचै
सप्तकिङ्किणिकाशिञ्जद्रत्नकान्ति
कलापिन्यै
मेखलादामसंकीर्ण
मयूखावृतनीविकायै
सुवर्णसूत्राकलित सूक्ष्मरत्नां
बराचलायै
वीरेश्वरानङ्गसरित्पुलिनी
जघनस्थलायै
असादृश्यनितंबश्रीरम्य
रंभोरुकाण्डयुजे
हलमल्लकनेत्राभाव्याप्त
सन्धिमनोहरायै
जानुमण्डलधिक्कारिराशिकूटकटीतट्यै
स्मरतूणीरसङ्काश
जंघाद्वितयसुन्दर्यै
गुल्फद्वितयसौभाग्यजित
तालफलद्वय्यै ९०
द्युमणिम्रक्षणाभांघ्रि
युग्मनूपुरमण्डलायै

रणद्वलयसंलापद्रत्नमालाभपादुकायै
प्रपदात्मकशास्त्रौघविलसच्च
र्मपुस्तकायै
आधारकूर्मपृष्ठाभपादपृष्ठविराजितायै
पादाङ्गुलिप्रभाजाल
पराजित दिवाकरायै
चक्रचामरमत्स्याङ्क
चरणस्थलपङ्कजायै
सुरेन्द्रकोटिमकुटीरत्न
संक्रान्तपादुकायै
अव्याजकरुणागुप्ततन्वै
अव्याजसुन्दर्यै
शृङ्गाररससाम्राज्य
पदपट्टाभिषेचितायै १००
शिवायै
भवान्यै
रुद्राण्यै
शर्वाण्यै
सर्वमङ्गलायै
उमायै
कात्यायन्यै
भद्रायै
पार्वत्यै
पावनाकृत्यै ११०
मृडान्यै
चण्डिकायै
मात्रे

रत्यै
मङ्गलदेवतायै
काल्यै
हैमवत्यै
वीरायै
कपालशूलधारिण्यै
शरभायै १२०
शांभव्यै
मायातन्त्रायै
तन्त्रार्थरूपिण्यै
तरुण्यै
धर्मदायै
धर्मतापस्यै
तारकाकृत्यै
हरायै
माहेश्वर्यै
मुग्धायै १३०
हंसिन्यै
हंसवाहनायै
भाग्यायै
बलकर्यै
नित्यायै
भक्तिगम्यायै
भयापहायै
मातङ्ग्यै
रसिकायै
मत्तायै १४०

मालिनीमाल्यधारिण्यै
मोहिन्यै
मुदितायै
कृष्णायै
मुक्तिदायै
मोदहर्षितायै
शृङ्गार्यै
श्रीकर्यै
शूरजयिन्यै
जयशृङ्खलायै १५०
सत्यै
तारात्मिकायै
तन्व्यै
तारनादायै
तटित्प्रभायै
अपर्णायै
विजयायै
नीलीरञ्जितायै
अपराजितायै
शङ्कर्यै १६०
रमणीरामायै
शैलेन्द्रतनयायै
मह्यै
बालायै
सरस्वत्यै
लक्ष्म्यै
परमायै
परदेवतायै
गायत्रीरसिकायै
विद्यायै १७०
गङ्गायै
गंभीरवैभवायै
देव्यै
दाक्षायण्यै
दक्षदमन्यै
दारुणप्रभायै
मार्यै
मारकर्यै
मृष्टायै
मन्त्रिण्यै १८०
मन्त्रविग्रहायै
ज्वालामय्यै
परारक्तायै
ज्वालाक्ष्यै
धूम्रलोचनायै
वामाकुतूहलायै
कुल्यै
कोमलायै
कुट्मलस्तन्यै
दण्डिन्यै १९०
मुण्डिन्यै
धीरायै
जयकन्यायै
जयङ्कर्यै

चामुण्ड्यै
चण्डमुण्डेश्यै
चण्डमुण्डनिषूदिन्यै
भद्रकाल्यै
वह्निदुर्गायै
पालितामरसैनिकायै (२००)
योगिनीगणसंवीतायै
प्रबलायै
हंसगामिन्यै
शुंभासुरप्राणहन्त्र्यै
सूक्ष्मायै
शोभनविक्रमायै
निशुंभवीर्यशमन्यै
निर्णिद्रायै
निरुपप्लवायै
धर्मसिंहधृतायै २१०
माल्यै
नारसिंहांगलोलुपायै
भुजाष्टकयुतायै
तुङ्गायै
तुङ्गसिंहासनेश्वर्यै
राजराजेश्वर्यै
ज्योत्स्नायै
राज्यसाम्राज्यदायिन्यै
मन्त्रकेलिशुकालापायै
महनीयायै २२०
महाशनायै
दुर्वारकरुणासिन्धवे
धूमलायै
दुष्टनाशिन्यै
बीरलक्ष्म्यै
वीरपूज्यायै
वीरवेषमहोत्सवायै
वनदुर्गायै
वह्निहस्तायै
वाञ्छितार्थप्रदायिन्यै (२३०)
वनमाल्यै
वाराह्यै
वागासारनिवासिन्यै
एकाकिन्यै
एकसिंहस्थायै
एकदन्तप्रसूतिन्यै
नृसिंहचर्मवसनायै
निर्निरीक्ष्यायै
निरङ्कुशायै
नृपालवीर्यनिर्वेगायै (२४०)
नीचग्रामनिषूदिन्यै
सुदर्शनास्त्रदर्पघ्न्यै
सोमखण्डावतंसिकायै
पुलिन्दकुलसंसेव्यायै
पुष्पधुत्तूरमालिकायै
गुञ्जामणिलसन्मालाशंख
ताटङ्कशोभिन्यै
मातङ्गमदसिन्दूरतिलकायै

मधुवासिन्यै
पुलिन्दिनीश्वर्यै
श्यामायै २५०
चलचेलकटिस्थलायै
बर्हावतंसधम्मिल्लायै
तमालश्यामलाकृतये
शत्रुसंहारशस्त्राङ्गपाशकोदण्ड
धारिण्यै
कंकाल्यै
नारसिंहाङ्गरक्तपानसमुत्सुकायै
वसामलिनवाराहदंष्ट्राप्रालंब
मालिकायै
सन्ध्यारुणजटाधारिकाल-
मेघसमप्रभायै
चतुर्मुखशिरोमालासर्प-
यज्ञोपवीतिन्यै
दक्षयज्ञानलध्वंस-
दलितामरडांभिकायै २६०
वीरभद्रामोदकरवीराटोपविहारिण्यै
जलदुर्गायै
महामत्तदनुजप्राणभक्षिण्यै
परमन्त्रभक्षिवह्निज्वाला-
कीर्णत्रिलोचनायै
शत्रुशल्यमयामोघनाद-
निर्भिन्नदानवायै
राक्षसप्राणमथनवक्र-
दंष्ट्रामहोज्ज्वलायै

क्षुद्रग्रहापहायै
क्षुद्रमन्त्रतन्त्रक्रियापहायै
व्याघ्राजिनांबरधरायै
व्यालकङ्कणभूषणायै २७०
बलिपूजाप्रियक्षुद्रपैशाच-
मदनाशिन्यै
संमोहनास्त्रमन्त्रात्त
दानवौघविनाशिन्यै
कामाक्रान्तमनोवृत्तये
कामकेलिकलारतायै
कर्पूरवीटिकाप्रीतायै
कामिनीजनमोहिन्यै
स्वप्नवत्यै
स्वप्नभोगध्वंसिता-
खिलदानवायै
आकर्षणक्रियालोलायै
आश्रिताभीष्टदायिन्यै २८०
ज्वालामुख्यै
ज्वालनेत्रायै
ज्वालाङ्गायै
ज्वरनाशिन्यै
शल्याकर्यै
शल्यहन्त्र्यै
शल्यमन्त्रचलाचलायै
चतुर्थ्यै
अकुहरायै
रौद्र्यै २९०

तापघ्न्यै
दरनाशिन्यै
दारिद्र्यशमन्यै
क्रुद्धायै
व्याधिन्यै
व्याधिनाशिन्यै
ब्रह्मरक्षोहरायै
ब्राह्म्यै
गणहार्यै
गणेश्वर्यै ३००
आवेशग्रहसंहार्यै
हन्त्र्यै
मन्त्र्यै
हरिप्रियायै
कृत्तिकायै
कृत्तिहरणायै
गौर्यै
गंभीरमानसायै
युद्धप्रीतायै
युक्तकार्यै ३१०
योद्धृगण्यायै
युधिष्ठिरायै
तुष्टिदायै
पुष्टिदायै
पुण्यभोगमोक्षफलप्रदायै
अपापायै
पापशमन्यै
अरूपायै
रूपदारुणायै
अन्नदायै ३२०
धनदायै
पूतायै
अणिमादिफलप्रदायै
सिद्धिदायै
बुद्धिदायै
शूलायै
शिष्टाचारपरायणायै
अमायायै
अमराराध्यायै
हंसमन्त्रायै ३३०
हलायुधायै
क्षामप्रध्वंसिन्यै
क्षोभ्यायै
शार्दूलासनवासिन्यै
सत्वरूपायै
तमोहन्त्र्यै
सौम्यायै
सारङ्गभावनायै
द्विसहस्रकरायै
शुद्धायै ३४०
स्थूलसिंहसुवासिन्यै
नारायण्यै
महावीर्यायै
नादबिन्द्वन्तरात्मिकायै

षड्गुणायै
तत्वनिलयायै
तत्वातीतायै
अमृतेश्वर्यै
सुरमूर्तये
सुराराध्यायै ३५०
सुमुखायै
कालरूपिण्यै
सन्ध्यारूपायै
कान्तिमत्यै
खेचर्यै
भुवनेश्वर्यै
मूलप्रकृत्यै
अव्यक्तायै
महामायायै
मनोन्मन्यै ३६०
ज्येष्ठायै
वामायै
जगन्मूलायै
सृष्टिसंहारकारणायै
स्वतन्त्रायै
स्ववशायै
लोकभोगदायै
सुरनन्दिन्यै
चित्राचित्राकृत्यै
सचित्रवसनप्रियायै ३७०
विषापहायै
वेदमन्त्रायै
वेदविद्याविलासिन्यै
कुण्डलीकन्दनिलयायै
गुह्यायै
गुह्यकवन्दितायै
कालरात्र्यै
कलानिष्ठायै
कौमार्यै
काममोहिन्यै ३८०
वश्यादिन्यै
वरारोहायै
वन्दारुजनवत्सलायै
संज्वालामालिनीशक्त्यै
सुराप्रीतायै
सुवासिन्यै
महिषासुरसंहार्यै
मत्तमातङ्गगामिन्यै
मदगन्धितमातङ्गायै
विद्युद्दामाभिसुन्दर्यै ३९०
रक्तबीजासुरध्वंस्यै
वीरपाणारुणेक्षणायै
महिषोत्तमसंरूढमांसप्रोता
युधाश्चलायै
यशोवत्यै
हेमकूटतुङ्गशृङ्गनिकेतनायै
दानकल्पकसच्छायायै
सन्तानादिफलप्रदायै

आश्रिताभीष्टवरदायै
अखिलागमगोपितायै
दारिद्र्यशैलदंभोलये ४००
क्षुद्रपङ्कजचन्द्रिकायै
रोगान्धकारचण्डांशवे
पापद्रुमकुठारिकायै
भवाटवीदाववह्नये
शत्रुतूलस्फुलिंगरुचे
स्फोटकोरगमायूर्यै
क्षुद्रप्राणनिवारिण्यै
अपस्मारमृगव्याघ्र्यै
चित्तक्षोभविनाशिन्यै
क्षयमातङ्गपञ्चास्यायै ४१०
कृच्छ्रवर्गापहारिण्यै
पीनसश्वासकासघ्न्यै
पिशाचोपाधिमोचिन्यै
विवादशमन्यै
लोकबाधापञ्चकनाशिन्यै
अपवादहरासेव्यायै
संग्रामविजयप्रदायै
रक्तपित्तगलव्याधिहरायै
हरविमोहिन्यै
क्षुद्रशल्यमयायै ४२०
दासकार्यारंभसमुत्सुकायै
कुष्ठगुल्मप्रमेहघ्न्यै
गूढशल्यविनाशिन्यै
भक्तिमत्प्राणसौहार्दायै
सुहृद्वंशाभिवृद्धिकायै
उपास्यायै
अखिलम्लेच्छमदमान-विमोचन्यै
भैरव्यै
भीषणायै
भीषायै ४३०
भिन्नारातिरणाञ्चलायै
व्यूहध्वंस्यै
वीरहव्यायै
वीर्यात्मने
व्यूहरक्षिकायै
महाराष्ट्रायै
महासेनायै
मांसाश्यै
माधवानुजायै
व्याघ्रध्वजायै ४४०
वज्रनख्यै
वज्र्यै
व्याघ्रनिषूदिन्यै
खड्गिनीकन्यकावेषायै
कौमार्यै
खड्गवासिन्यै
सङ्ग्रामवासिन्यस्तास्त्रायै
धीरज्यासायकासनायै
कोदण्डध्वनिकृते
क्रुद्धायै ४५०

क्रूरदृष्टिभयानकायै
वीराग्रगामिन्यै
दुष्टासन्तुष्टायै
शत्रुभक्षिण्यै
सन्ध्याटवीचरायै
वित्तगोपनायै
वित्तकृच्चलायै
कैटभासुरसंहार्यै
काल्यै
कल्याणकोमलायै ४६०
नन्दिन्यै
नन्दिचरितायै
नरकालयमोचनायै
मलयाचलशृंगस्थायै
गन्धिन्यै
सुरतालसायै
कादम्बरीकान्तिमत्यै
कान्तायै
कादम्बराशनायै
मधुदानवविद्राव्यै ४७०
मधुपायै
पाटलारुणायै
रात्रिश्चरायै
राक्षसघ्न्यै
रम्यायै
रात्रिसमर्चितायै
शिवरात्रिमहापूज्यायै
देवलोकविहारिण्यै
ध्यानादिकालसञ्प्यायै
भक्तसन्तानभाग्यदायै ४८०
मध्याह्नकालसन्तर्प्यायै
जयसंहारशूलिन्यै
त्रियंबकायै
मखध्वंस्यै
त्रिपुरायै
पुरशूलिन्यै
रङ्गस्थायै
रञ्जिन्यै
रङ्गायै
सिन्दूरारुणशालिन्यै ४९०
सुन्दोपसुन्दहन्त्र्यै
सूक्ष्मायै
मोहनशूलिन्यै
अष्टमूर्त्यै
कलानाथायै
अष्टहस्तायै
सुतप्रदायै
अङ्गारकायै
कोपनाक्ष्यै
हंसासुरमदापहायै ५००
आपीनस्तननम्राङ्ग्यै
हरिद्रालेपितस्तन्यै
इन्द्राक्ष्यै
हेमसंकाशायै

हेमवस्त्रायै
हरप्रियायै
ईश्वर्यै
इतिहासात्मने
ईतिबाधानिवारिण्यै
उपास्यायै ५७०
उन्मदाकारायै
उल्लंघितसुरापगायै
ऊषरस्थलकासारायै
उत्पलश्यामलाकृत्यै
ऋङ्मय्यै
सामसंगीतायै
शुद्ध्यै
कल्पकवल्ल्यै
सायन्तनाहुतये
दासकामधेनुस्वरूपिण्यै ५२०
पञ्चदशाक्षरीमन्त्रायै
तारकावृतषोडश्यै
ह्रींकार निष्ठायै
ह्रींकारहुंकार्यै
दुरितापहायै
षडङ्गायै
नवकोणस्थायै
त्रिकोणायै
सर्वतोमुख्यै
सहस्रवदनायै ५३०
पद्मायै

शूलिन्यै
सुरपालिन्यै
महाशूलधरायै
शक्त्यै
मात्रे
माहेन्द्रपूजितायै
शूलदुर्गायै
शूलहरायै
शोभनायै ५४०
शूलिन्यै
श्रीशूलिन्यै
जगद्बीजायै
मूलाहङ्कारशूलिन्यै
प्रकाशायै
परमाकाशायै
भावितायै
वीरशूलिन्यै
नारसिंह्यै
महेन्द्राण्यै ५५०
सालीशरभशूलिन्यै
ऋङ्कार्यै
ऋतुमत्यै
अघोरायै
अथर्वण गोपिकायै
घोरघोरायै
जपारागप्रसूनाञ्चितमालिकायै
सुस्वरूपायै

सौहृदाढ्यालीढायै
दाडिमपाटलायै ५६०
लयायै
लंपटायै
लीनायै
कुंकुमारुणकन्धरायै
इकाराध्यायै
इलानाथायै
इलावृतजनावृतायै
ऐश्वर्यनिष्ठायै
हरितायै
हरितालसमप्रभायै ५७०
मुद्गमाषाज्यभोज्यायै
युक्तायुक्तभटान्वितायै
औत्सुक्यै
अणिमद्रम्यायै
अखिलाण्डनिवासिन्यै
हंसमुक्तामणिश्रेण्यै
हंसाख्यायै
हासकारिण्यै
कलिदोषहरायै
क्षीरपायिन्यै ५८०
विप्रपूजितायै
खट्वाङ्गस्थायै
खड्गरूपायै
खबीजायै
खरसूदनायै
आज्यपायिन्यै
अस्थिमालायै
पार्थिवाराध्यपादुकायै
गंभीरनाभिकायै
सिद्धकिन्नरस्त्रीसमावृतायै ५९०
खड्गात्मिकायै
घननिभायै
वैश्याच्यायै
माक्षिकप्रियायै
मकारवर्णायै
गंभीरायै
शूद्राच्यायै
आसवप्रियायै
चातुर्यै
पार्वणाराध्यायै ६००
मुक्ताधावल्यरूपिण्यै
छन्दोमय्यै
भौमपूज्यायै
दुष्टशत्रुविनाशिन्यै
जयिन्यै
अष्टमीसेव्यायै
क्रूरहोमसमन्वितायै
झङ्कार्यै
नवमीपूज्यायै
लांगलीकुसुमप्रियायै ६१०
सदाचतुर्दशीपूज्यायै
भक्तानां पुष्टिकारिण्यै

ज्ञानगम्यायै
दर्शपूज्यायै
डामर्यै
रिपुमारिण्यै
सत्यसङ्कल्पसंवेद्यायै
कलिकालसुसन्धिकायै
डंभाकारायै
कल्पसिद्धायै ६२०
शल्यकौतुकवर्धिन्यै
ठाकृत्यै
कविवराराध्यायै
सर्वसंपत्प्रदायिकायै
नवरात्रि दिनाराध्यायै
राष्ट्रदायै
राष्ट्रवर्धिन्यै
पानासवमदध्वंसिमूलिका-
सिद्धिदायिन्यै
फलप्रदायै
कुबेराध्यायै ६३०
पारिजातप्रसूनभाजे
बलिमन्त्रौघसंसिद्धायै
मन्त्रचिन्त्यफलावहायै
भक्तिप्रियायै
भक्तिगम्यायै
किङ्करायै
भगमालिन्यै
माधवीविपिनान्तस्थायै

महत्यै
महिषार्दिन्यै ६४०
यजुर्वेदगतायै
शंखचक्रहस्तांबुजद्वयायै
राजसायै
राजमातङ्ग्यै
राकाचन्द्रनिभाननायै
लाघवालाधवाराध्यायै
रमणीजनमध्यगायै
वागीश्वर्यै
वकुलमाल्यायै
वाङ्मय्यै ६५०
वारितासुखायै
शरभाधीशवनितायै
चन्द्रमण्डलमध्यगायै
षडध्वान्तरतारायै
रक्तजुष्टहुतावहायै
तत्वज्ञानानन्दकलामयायै
सायुज्यसाधनायै
सदाकर्मसाधकसंलीनधन
दर्शनदायै
हंकारिकायै
स्थावरात्मने ६६०
अमरीलास्यमोदनायै
लकारत्रयसंभूतायै
ललितायै
लक्ष्मणार्चितायै

लक्ष्ममूर्तये
सदाहारायै
प्रासादावासलोचनायै
नीलकण्ठ्यै
हरिद्रभ्म्यै
शुक्यै ६७०
गौर्यै
गोत्रजायै
अपर्णायै
यक्षिण्यै
यक्षायै
हरिद्रायै
हलिन्यै
हल्यै
ददत्यै
उन्मदायै ६८०
ऊर्म्यै
रसायै
विश्वंभरायै
स्थिरायै
पञ्चास्यायै
पञ्चमीरागायै
भाग्ययोगात्मिकायै
अंबिकायै
गणिकायै
काल्यै ६९०
वीणायै
शोणारुणात्मिकायै
रमादूत्यै
कलासिंह्यै
लज्जायै
धूमवत्यै
जडायै
भृङ्गसङ्गिसख्यै
पीनायै
स्नेहारोगमनस्विन्यै ७००
रणीमृडायै
दृढायै
ज्येष्ठायै
रमण्यै
यमुनारतायै
मुसलीकुण्ठितामोटायै
चण्डखण्डायै
गणाबलायै
शुक्लायै
स्रष्ट्रीवशायै ७१०
ज्ञानिमान्यै
लीलालकायै
शच्यै
सूरचन्द्रघृण्यै
योषावीर्याक्रीडारसावहायै
नूत्नायै
सोमायै
महाराज्ञ्यै
गयायागाहुतप्रभायै
धूर्तायै ७२०

सुधाघनालीनपुष्टिमृष्ट
सुधाकरायै
करिणीकामिनीमुक्तामणि
श्रेणीफणीश्वरायै
तार्क्ष्यै
सूक्ष्मायै
नताचार्यायै
गौरिकायै
गिरिजाङ्गनायै
इन्द्रजालायै
इन्दुमुख्यै
इन्द्रोपेन्द्रादिसंस्तुतायै ७३०
शिवदूत्यै
गरलशितिकण्ठकुटुंबिन्यै
ज्वलन्तीज्वलनाकारायै
ज्वलज्ज्वाज्वल्यदंभदायै
ज्वालाशयायै
ज्वालमणये
ज्योतिषां गत्यै
ज्योतिश्शास्त्रानुमेयात्मने
ज्योतिषिज्वलितोज्ज्वलायै
ज्योतिष्मतीदुर्गवासि-
ज्योत्स्नाभायै ७४०
ज्वलनार्चितायै
लंकार्यै
ललितावासायै
ललितालालितात्मिकायै
लङ्काधिपायै
लास्यलोलायै
लयभोगमयालयायै
लावण्यशालिन्यै
लोलायै
लाङ्गलायै ७५०
ललितांबिकायै
लाञ्छनायै
लंपटालंघ्यायै
लकुलार्णवमुक्तिदायै
ललाटनेत्रायै
लज्जाढ्यायै
लास्यालापमुदाकरायै
ज्वालाकृत्यै
ज्वलद्बीजायै
ज्योतिर्मण्डलमध्यगायै ७६०
ज्योतिस्स्तंभायै
ज्वलद्वीर्यायै
ज्वलन्मन्त्रायै
ज्वलत्फलायै
जुषिरायै
जुंपटायै
ज्योतिर्मालिकायै
ज्योतिकास्मितायै
ज्वलद्वलयहस्ताब्जायै
ज्वलत्प्रज्वलकोज्ज्वलायै ७७०
ज्वालमाल्यायै
जगज्ज्वालायै
ज्वलज्ज्वलनसज्ज्वलायै

लंबीजायै
लेलिहानात्मने
लीलाक्लिन्नायै
लयावहायै
लज्जावत्यै
लब्धपुत्र्यै
लाकिन्यै ७८०
लोलकुण्डलायै
लब्धभाग्यायै
लब्धकामायै
लब्धधिये
लब्धमङ्गलायै
लब्धवीर्यायै
लब्धवृतायै
लाभायै
लब्धविनाशिन्यै
लसद्वस्त्रायै ७९०
लसत्पीडायै
लसन्माल्यायै
लसत्प्रभायै
शूलहस्तायै
शूरसेव्यायै
शूलिन्यै
शूलनाशिन्यै
शूङ्कृत्यनुमत्यै
शूर्पशोभनायै
शूर्पधारिण्यै ८००
शूलस्थायै
शूरचित्तस्थायै
शूलायै
शुक्लसुरार्चितायै
शुक्लपद्मासनारूढायै
शुक्लायै
शुक्लांबरांशुकायै
शुकलालितहस्ताब्जायै
श्वेतायै
शुकनुतायै ८१०
शुभायै
ललिताक्षरमध्यस्थायै
लिप्तकुंकुमभासुरायै
लिपिरूपायै
लिप्तभस्मायै
लिप्तचन्दनपङ्किलायै
लीलाभाषणसंलोलायै
लीनकस्तूरिकाद्रवायै
लिखितांबुज चक्रस्थायै
लिख्यालिखित वैभवायै ८२०
नीलालकायै
नीतिमत्यै
नीतिशास्त्रस्वरूपिण्यै

नीचघ्न्यै
निष्कलायै
नित्यायै
नीलकण्ठप्रियाङ्गनायै
निराशायै
निर्गुणानीतायै
निर्मदायै ८३०
निरुपप्लवायै
निर्णीतायै
निर्मलायै
निष्ठायै
निरङ्कुशपराक्रमायै
निर्विण्णदानवबलायै
निश्शेषीकृततारकायै
निरञ्जनकरामन्त्र्यै
निर्विघ्नपरनाशिन्यै
नित्यक्लिन्नायै ८४०
निराहारायै
नीवीनीलांबराञ्चितायै
निशाचरकुलध्वंस्यै
नित्यानन्दपरंपरायै
निम्बप्रियायै
निरावेशायै
निन्दितासुरसुन्दर्यै
निर्घोषायै
निगलाकृष्टकृत्तिजाल वृताङ्गणायै
नीरसायै ८५०
नित्यकल्याण्यै
निरन्तरसुखप्रदायै
निर्लोभायै
नीतिमत्प्रीतायै
निर्विघ्नायै
निमिषापहायै
दुंबीजायै
दुष्टसंहार्यै
दुर्मदायै
दुरितापहायै ८६०
दुरुत्सहमहावीर्यायै
दुर्मेधोत्सवनाशिन्यै
दुर्मांसभक्षिण्यै
दुष्टायै
दूरीकृत निशाचरायै
दूतीदुष्टग्रहमदचुंब्यै
दुर्बलरक्षक्यै
ष्ट्रंकार्यै
ष्ट्रंमय्यै
ष्ट्रंभायै ८७०
ष्ट्रंबीजायै
ष्ट्रंभकीलकायै
ग्रहेश्वर्यै

ग्रहाराध्यायै
ग्रहणीरोगमोचन्यै
ग्रहावेशकर्यै
ग्राह्यायै
ग्रहग्रामाभिरक्षिण्यै
ग्रामौषधमहावीर्यायै
ग्राम्यसर्वभयापहायै ८८०
ग्रहद्वेष्यै
ग्रहारूढायै
ग्रामण्यै
ग्रामदेवतायै
गृहीतब्रह्ममुख्यास्त्रायै
गृहीतायुधशक्तिदायै
ग्रासमांसायै
गृहस्थार्च्यायै
ग्रहभूतनिवारिण्यै
हंभूतायै ८९०
हलधृक्सेव्यायै
हारहारिकुचाञ्चलायै
हर्षप्रदायै
हराराध्यायै
हासनिन्द्यनिशाकरायै
हविर्भोक्त्र्यै
हरिद्राभायै
हरिताश्वाधिरोहिण्यै
हरित्पतिसमाराध्यायै
हलाकृष्टसुरासुरायै ९००
हारीतशुकवत्पाण्यै
हयमेधाभिरक्षक्यै
हंसाक्ष्यै
हंसबीजायै
हाहाकारहराशुगायै
हय्यंगवीनहृद्वृत्त्यै
हारीतांशुमणिद्युतये
हुंकारात्मने
हुताहोम्यायै
हुंकारालयनायिकायै ९१०
हुंकारपञ्जरशुक्यै
हुंकारकमलेन्दिरायै
हुंकाररात्रिकाज्योत्स्नायै
हुंकारद्रुममञ्जर्यै
हुंकारदीपिकाज्वालायै
हुंकारार्णवकौमुद्यै
हुंफट्कर्यै
हुंफट्द्युत्यै
हुंकाराकाशभास्करायै
फट्कार्यै ९२०
स्फाटिकाकारायै
स्फटिकाक्षकरांबुजायै
फट्कीलकायै

फडस्त्रायै
फट्काराहिशिखामणये
फट्कारसुमनोमाध्व्यै
फट्कारकमलेन्दिरायै
फट्कारसौधशृङ्गस्थायै
फट्काराध्वरदक्षिणायै
फट्कारशुक्तिकामुक्तायै ९३०
फट्कारद्रुममञ्जर्यै
फट्कारवीरखड्गास्त्रायै
फट्कारतनुमध्यगायै
फट्कारशिबिकारूढायै
फट्कारच्छत्रलाञ्छितायै
फट्कारपीठनिलयायै
फट्कारवृतमण्डलायै
फट्कारकुञ्जरमदप्रवाहायै
फाललोचनायै
फलाशिन्यै ९४०
फलकर्यै
फलदानपरायणायै
फट्कारास्त्रफलाकारायै
फलन्त्यै
फलवर्जितायै
स्वातन्त्र्यचरितायै
स्वस्थायै
स्वप्नग्रहनिषूदिन्यै
स्वाधिष्ठानांबुजारूढायै
स्वयंभूतायै ९५०
स्वरात्मिकायै
स्वर्गाधिपायै
स्वर्णवर्णायै
स्वाहाकारस्वरूपिण्यै
स्वयंवरायै
स्वरारोहायै
स्वप्रकाशायै
स्वरप्रियायै
स्वचक्रराजनिलयायै
स्वसैन्यविजयप्रदायै ९६०
स्वप्रदानायै
स्वापकार्यै
स्वकृताखिलवैभवायै
स्वैरिणीखेदशमन्यै
स्वरूपजितमोहिन्यै
हानोपादनिर्मुक्तायै
हानितौघनिरासनायै
हस्तिकुंभद्वयकुचायै
हस्तिराजाधिरोहिण्यै
हयग्रीवसमाराध्यायै ९७०
हस्तिकृत्तिप्रियाङ्गनायै
हालीकृतस्वरकुलायै
हानिवृद्धिविवर्जितायै

हाहाहूहूमुखस्तुत्यायै
हठदानितकृत्तिकायै
हतासुरायै
हतद्वेषायै
हाटकाद्रिगुहागृहायै
हल्लीनटनसन्तुष्टायै
हरिगह्वरवल्लभायै ९८०
हनुमद्गीत संगीतहासितायै
हरिसोदर्यै
हकारकन्दरासिंह्यै
हकारकुसुमासवायै
हकार तटिनीपूरायै
हकारजलपङ्कजायै
हकारयामिनीज्योत्स्नायै
हकारखजितारसायै
हकारचक्रवालार्कायै
हकारमरुदीधितये ९९०
हकारवासरङ्ग्यै
हकारगिरिनिर्झरायै
हकारमधुमाधुर्यायै
हकाराश्रमतापस्यै
हकारमधुवासन्त्यै
हकारस्वरकाहल्यै
हकारमन्त्रबीजार्णायै
हकारपटहध्वन्यै
हकारनारीलावण्यायै
हकारपरदेवतायै १०००

श्रीसरस्वती अष्टोत्तरशतनामावलिः

सरस्वत्यै नमः
महाभद्रायै
महामायायै
वरप्रदायै
श्रीप्रदायै
पद्मनिलयायै
पद्माक्ष्यै
पद्मवक्त्रकायै
शिवानुजायै
पुस्तकभृते (१०)
ज्ञानमुद्रायै
रमायै
परायै
कामरूपायै
महाविद्यायै
महापातक-नाशिन्यै
महाश्रयायै
मालिन्यै
महाभोगायै
महाभुजायै (२०)
महाभागायै
महोत्साहायै
दिव्यांगायै
सुरवन्दितायै
महाकाल्यै
महापाशायै
महाकारायै
महांकुशायै
पीतायै
विमलायै (३०)
विश्वायै
विद्युन्मालायै
वैष्णव्यै
चन्द्रिकायै
चन्द्रवदनायै
चन्द्रलेखाविभूपितायै
सावित्र्यै
सुरसायै
देव्यै
दिव्यालंकारभूषितायै (४०)
वाग्देव्यै
वसुदायै
तीव्रायै
महाभद्रायै
महाबलायै
भोगदायै
भारत्यै
भामायै
गोविन्दायै
गोमत्यै (५०)
शिवायै
जटिलायै

विन्ध्यवासायै
विन्ध्याचलबिराजितायै
चण्डिकायै
वैष्णव्यै
ब्राह्मचै
ब्रह्मज्ञानैकसाधनायै
सौदामिन्यै
सुधामूर्त्यै (६०)
सुभद्रायै
सुरपूजितायै
सुवासिन्यै
सुनासायै
विनिद्रायै
पद्मलोचनायै
विद्यारूपायै
विशालाक्ष्यै
ब्रह्मजायायै
महाफलायै (७०)
त्रयीमूर्तये
त्रिकालज्ञायै
त्रिगुणायै
शास्त्ररूपिण्यै
शुंभासुरप्रमथिन्यै
शुभदायै
स्वरात्मिकायै
रक्तबीजनिहन्त्र्यै
चामुण्डायै
अंबिकायै (८०)

मुण्डकायप्रहरणायै
धूम्रलोचन-मर्दनायै
सर्वदेवस्तुतायै
सौम्यायै
सुरासुर-नमस्कृतायै
कालरात्र्यै
कलाधारायै
रूपसौभाग्यदायिन्यै
वाग्देव्यै
वरारोहायै (९०)
वाराह्यै
वारिजासनायै
चित्रांबरायै
चित्रगन्धायै
चित्रमाल्यविभूषितायै
कान्तायै
कामप्रदायै
वन्द्यायै
विद्याधरसुपूजितायै
श्वेताननायै (१००)
नीलभुजायै
चतुर्वर्गफलप्रदायै
चतुरानन-साम्राज्यायै
रक्तमध्यायै
निरंजनायै
हंसासनायै
नीलजंघायै
ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकायै (१०८)

श्रीसरस्वतीसहस्रनामावलिः

वाचे
वाण्यै
वरदायै
वन्द्यायै
वरारोहायै
वरप्रदायै
वृत्त्यै
वागीश्वर्यै
वार्तायै
वरायै (१०)
वागीशवल्लभायै
विश्वेश्वर्यै
विश्ववन्द्यायै
विश्वेशप्रियकारिण्यै
वाग्वादिन्यै
वाग्देव्यै
वृद्धिदायै
वृद्धिकारिण्यै
वृद्ध्यै
वृद्धायै (२०)
विषघ्न्यै
वृष्ट्यै
वृष्टिप्रदायिन्यै
विश्वाराध्यायै
विश्वमात्रे
विश्वधात्र्यै
विनायकायै
विश्वशक्त्यै
विश्वसारायै
विश्वायै (३०)
विश्वविभावर्यै
वेदान्तवेदिन्यै
वेद्यायै
वित्तायै
वेदत्रयात्मिकायै
वेदज्ञायै
वेदजनन्यै
विश्वायै
विश्वविभावर्यै
वरेण्यायै (४०)
वाङ्मय्यै
वृद्धायै
विशिष्टप्रियकारिण्यै
विश्वतोवदनायै
व्याप्तायै
व्यापिन्यै
व्यापकात्मिकायै
व्यालघ्न्यै
व्यालभूषांग्यै
विरजायै (५०)

वेदनायिकायै
वेदवेदान्तसंवेद्यायै
वेदान्तज्ञानरूपिण्यै
विभावर्यै
विक्रान्तायै
विश्वमित्रायै
विधिप्रियायै
वरिष्ठायै
विप्रकृष्टायै
विप्रवर्यप्रपूजितायै (६०)
वेदरूपायै
वेदमय्यै
वेदमूर्त्यै
वल्लभायै
गौर्यै
गुणवत्यै
गोप्यायै
गन्धर्वनगरप्रियायै
गुणमात्रे
गुहांतस्थायै (७०)
गुरुरूपायै
गुरुप्रियायै
गिरिविद्यायै
गानतुष्टायै
गायकप्रियकारिण्यै
गायत्र्यै
गिरिशाराध्यायै
गिरे
गिरीशप्रियङ्कर्यै
गिरिज्ञायै (८०)
ज्ञानविद्यायै
गिरिरूपायै
गिरीश्वर्यै
गीर्मात्रे
गणसंस्तुत्यायै
गणनीयगुणान्वितायै
गूढरूपायै
गुहायै
गोप्यायै
गोरूपायै (९०)
गवे
गुणात्मिकायै
गुर्व्यै
गुर्वंबिकायै
गुह्यायै
गेयजायै
ग्रहनाशिन्यै
गृहिण्यै
गृहदोषघ्न्यै
गवघ्न्यै (१००)
गुरुवत्सलायै
गृहात्मिकायै
गृहाराध्यायै
गृहबाधाविनाशिन्यै

गङ्गायै
गिरिसुतायै
गम्यायै
गजयानायै
गुहस्तुतायै
गरुडासनसंसेव्यायै (११०)
गोमत्यै
गुणशालिन्यै
शारदायै
शाश्वत्यै
शैव्यै
शांकर्यै
शङ्करात्मिकायै
श्रियै
शर्वाण्यै
शतघ्न्यै (१२०)
शरच्चन्द्रनिभाननायै
शर्मिष्ठायै
शमनघ्न्यै
शतसाहस्ररूपिण्यै
शिवायै
शंभुप्रियायै
श्रद्धायै
श्रुतिरूपायै
श्रुतिप्रियायै
शुचिष्मत्यै (१३०)
शर्मकर्यै
शुद्धिदायै
शुद्धिरूपिण्यै
शिवायै
शिवंकर्यै
शुद्धायै
शिवाराध्यायै
शिवात्मिकायै
श्रीमत्यै
श्रीमय्यै (१४०)
श्राव्यायै
श्रुत्यै
श्रवणगोचरायै
शान्त्यै
शान्तिकर्यै
शान्तायै
शान्ताचारप्रियङ्कर्यै
शीललभ्यायै
शीलवत्यै
श्रीमात्रे (१५०)
शुभकारिण्यै
शुभवाण्यै
शुद्धविद्यायै
शुद्धचित्तप्रपूजितायै
श्रीकर्यै
श्रुतपापघ्न्यै
शुभाक्ष्यै
शुचिवल्लभायै

शिवेतरघ्न्यै
शर्वर्यै (१६०)
श्रवणीयगुणान्वितायै
शार्यै
शिरीषपुष्पाभायै
शमनिष्ठायै
शमात्मिकायै
शमान्वितायै
शमाराध्यायै
शितिकण्ठप्रपूजितायै
शुद्ध्यै
शुद्धिकर्यै (१७०)
श्रेष्ठायै
श्रुतानन्तायै
शुभावहायै
सरस्वत्यै
सर्वज्ञायै
सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै
सरस्वत्यै
सावित्र्यै
संध्यायै
सर्वेप्सितप्रदायै (१८०)
सर्वार्तिघ्न्यै
सर्वमय्यै
सर्वविद्याप्रदायिन्यै
सर्वेश्वर्यै
सर्वपुण्यायै
सर्गस्थित्यंतकारिण्यै
सर्वाराध्यायै
सर्वमात्रे
सर्वदेवनिषेवितायै
सर्वैश्वर्यप्रदायै (१९०)
सत्यायै
सत्यै
सत्वगुणाश्रयायै
स्वरक्रमपदाकारायै
सर्वदोषनिषूदिन्यै
सहस्राक्ष्यै
सहस्रास्यायै
सहस्रपदसंयुतायै
सहस्रहस्तायै
साहस्रगुणालंकृतविग्रहायै २००
सहस्रशीर्षायै
सद्रूपायै
स्वधायै
स्वाहायै
सुधामय्यै
षड्ग्रन्थिभेदिन्यै
सेव्यायै
सर्वलोकैकपूजितायै
स्तुत्यायै
स्तुतिमय्यै (२१०)
साध्यायै
सवितृप्रियकारिण्यै

संशयच्छेदिन्यै
सांख्यवेद्यायै
संख्यायै
सदीश्वर्यै
सिद्धिदायै
सिद्धिसंपूज्यायै
सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै
सर्वज्ञायै (२२०)
सर्वशक्त्यै
सर्वसंपत्प्रदायिन्यै
सर्वाशुभघ्न्यै
सुखदायै
सुखायै
संवित्स्वरूपिण्यै
सर्वसंभीषण्यै
सर्वजगत्सम्मोहिन्यै
सर्वप्रियङ्कर्यै
सर्वशुभदायै (२३०)
सर्वमङ्गलायै
सर्वमन्त्रमय्यै
सर्वतीर्थपुण्यफलप्रदायै
सर्वपुण्यमय्यै
सर्वव्याधिघ्न्यै
सर्वकामदायै
सर्वविघ्नहर्यै
सर्ववंदितायै
सर्वमङ्गलायै
सर्वमन्त्रकर्यै (२४०)
सर्वलक्ष्म्यै
सर्वगुणन्वितायै
सर्वानन्दमय्यै
सर्वज्ञानदायै
सत्यनायिकायै
सर्वज्ञानमय्यै
सर्वराज्यदायै
सर्वमुक्तिदायै
सुप्रभायै
सर्वदायै (२५०)
सर्वायै
सर्वलोकवशंकर्यै
सुभगायै
सुन्दर्यै
सिद्धायै
सिद्धांबायै
सिद्धमातृकायै
सिद्धमात्रे
सिद्धविद्यायै
सिद्धेश्यै (२६०)
सिद्धरूपिण्यै
सुरूपिण्यै
सुखमय्यै
सेवकप्रियकारिण्यै
स्वामिन्यै
सर्वदायै

सेव्यायै
स्थूलसूक्ष्मापरांबिकायै
साररूपायै
सरोरूपायै (२७०)
सत्यभूतायै
समाश्रयायै
सितासितायै
सरोजाक्ष्यै
सरोजासनवल्लभायै
सरोरुहाभायै
सर्वांग्यै
सुरेन्द्रादिप्रपूजितायै
महादेव्यै
महेशान्यै (२८०)
महासारस्वतप्रदायै
महासरस्वत्यै
मुक्तायै
मुक्तिदायै
मलनाशिन्यै
महेश्वर्यै
महानन्दायै
महामन्त्रमय्यै
मह्यै
महालक्ष्म्यै (२९०)
महाविद्यायै
मात्रे
मन्दरवासिन्यै
मन्त्रगम्यायै
मन्त्रमात्रे
महामन्त्रफलप्रदायै
महामुक्त्यै
महानित्यायै
महासिद्धिप्रदायिन्यै
महासिद्धायै (३००)
महामात्रे
महदाकारसंयुतायै
महायै
महेश्वर्यै
मूर्त्यै
मोक्षदायै
मणिभूषणायै
मेनकायै
मानिन्यै
मान्यायै (३१०)
मृत्युघ्न्यै
मेरुरूपिण्यै
मदिराक्ष्यै
मदावासायै
मखरूपायै
मखेश्वर्यै
महामोहायै
महामायायै
मातॄणां मूर्ध्नि संस्थितायै
महापुण्यायै (३२०)

मुदावासायै
महासंपत्प्रदायिन्यै
मणिपूरैकनिलयायै
मधुरूपायै
महोत्कटायै
महासूक्ष्मायै
महाशान्तायै
महाशान्तिप्रदायिन्यै
मुनिस्तुतायै
मोहहन्त्र्यै (३३०)
माधव्यै
माधवप्रियायै
मायै
महादेवसंस्तुत्यायै
महिषीगणपूजितायै
मृष्टान्नदायै
माहेन्द्र्यै
महेन्द्रपददायिन्यै
मत्यै
मतिप्रदायै (३४०)
मेधायै
मर्त्यलोकनिवसिन्यै
मुख्यायै
महानिवासायै
महाभाग्यजनाश्रितायै
महिलायै
महिमायै
मृत्युहार्यै
मेधाप्रदायिन्यै
मेध्यायै (३५०)
महावेगवत्यै
महामोक्षफलप्रदायै
महाप्रभाभायै
महत्यै
महादेवप्रियङ्कर्यै
महापोषायै
महर्द्ध्यै
मुक्ताहारविभूपणायै
माणिक्यभूषणायै
मन्त्रायै (३६०)
मुख्यचन्द्रार्धशेखरायै
मनोरूपायै
मनश्शुद्ध्यै
मनश्शुद्धिप्रदायिन्यै
महाकारुण्यसंपूर्णायै
मनोनमनवन्दितायै
महापातकजालघ्न्यै
मुक्तिदायै
मुक्तभूषणायै
मनोन्मन्यै (३७०)
महास्थूलायै
महाक्रतुफलप्रदायै
महापुण्यफलप्राप्यायै
मायात्रिपुरनाशिन्यै

महानसायै
महामेधायै
महामोदायै
महेश्वर्यै
मालाधर्यै
महोपायायै (३८०)
महातीर्थफलप्रदायै
महामङ्गलसंपूर्णायै
महादारिद्र्यनाशिन्यै
महामखायै
महामेघायै
महाकाल्यै
महाप्रियायै
महाभूषायै
महादेहायै
महाराज्ञ्यै (३९०)
मुदालयायै
भूरिदायै
भाग्यदायै
भोग्यायै
भोग्यदायै
भोगदायिन्यै
भवान्यै
भूतिदायै
भूत्यै
भूम्यै (४००)
भूमिसुनायिकायै
भूतधात्र्यै
भयहर्यै
भक्तसारस्वतप्रदायै
भुक्त्यै
भुक्तिप्रदायै
भेक्यै
भक्त्यै
भक्तिप्रदायिन्यै
भक्तसायुज्यदायै (४१०)
भक्तस्वर्गदायै
भक्तराज्यदायै
भागीरथ्यै
भवाराध्यायै
भाग्यसज्जनपूजितायै
भवस्तुत्यायै
भानुमत्यै
भवसागरतारण्यै
भूत्यै
भूषायै (४२०)
भूतेश्यै
भाललोचनपूजितायै
भूतायै
भव्यायै
भविष्यायै
भवविद्यायै
भवात्मिकायै
बाधापहारिण्यै

बन्धुरूपायै
भुवनपूजितायै (४३०)
भवघ्न्यै
भक्तिलभ्यायै
भक्तरक्षणतत्परायै
भक्तार्तिशमन्यै
भाग्यायै
भोगदानकृतोद्यमायै
भुगङ्गभूषणायै
भीमायै
भीमाक्ष्यै
भीमरूपिण्यै (४४०)
भाविन्यै
भ्रातृरूपायै
भारत्यै
भवनायिकायै
भाषायै
भाषावत्यै
भीष्मायै
भैरव्यै
भैरवप्रियायै
भूत्यै (४५०)
भासितसर्वाङ्ग्यै
भूतिदायै
भूतिनायिकायै
भास्वत्यै
भगमालायै
भिक्षादानकृतोद्यमायै
भिक्षुरूपायै
भक्तिकर्यै
भक्तलक्ष्मीप्रदायिन्यै
भ्रान्तिघ्नायै (४६०)
भ्रान्तिरूपायै
भूतिदायै
भूतिकारिण्यै
भिक्षणीयायै
भिक्षुमात्रे
भाग्यवद्दृष्टिगोचरायै
भोगवत्यै
भोगरूपायै
भोगमोक्षफलप्रदायै
भोगश्रान्तायै (४७०)
भाग्यवत्यै
भक्ताघौघविनाशिन्यै
ब्राह्म्यै
ब्रह्मस्वरूपायै
बृहत्यै
ब्रह्मवल्लभायै
ब्रह्मदायै
ब्रह्ममात्रे
ब्रह्माण्यै
ब्रह्मदायिन्यै (४८०)
ब्रह्मेश्यै
ब्रह्मसंस्तुत्यायै

ब्रह्मवेद्यायै
बुधप्रियायै
बालेन्दुशेखरायै
बालायै
बलिपूजाकरप्रियायै
बलदायै
बिन्दुरूपायै
बालसूर्यसमप्रभायै (४९०)
ब्रह्मरूपायै
ब्रह्ममय्यै
ब्रध्नमण्डलमध्यगायै
ब्रह्माण्यै
बुद्धिदायै
बुद्ध्यै
बुद्धिरूपायै
बुधेश्वर्यै
बन्धक्षयकर्यै
बाधानाशिन्यै (५००)
बन्धुरूपिण्यै
बिन्द्वालयायै
बिन्दुभूषायै
बिन्दुनादसमन्वितायै
बीजरूपायै
बीजमात्रे
ब्रह्मण्यायै
ब्रह्मकारिण्यै

बहुरूपायै
बलवत्यै (५१०)
ब्रह्मजायै
ब्रह्मचारिण्यै
ब्रह्मस्तुत्यायै
ब्रह्मविद्यायै
ब्रह्माण्डाधिपवल्लभायै
ब्रह्मेशविष्णुरूपायै
ब्रह्मविष्णवीशसंस्थितायै
बुद्धिरूपायै
बुधेशान्यै
बन्ध्यै (५२०)
बन्धविमोचन्यै
अक्षमालायै
अक्षराकारायै
अक्षरायै
अक्षरफलप्रदायै
अनन्तायै
आनन्दसुखदायै
अनन्तचन्द्रनिभाननायै
अनन्तमहिमायै
अघोरायै ५३०
अनन्तगम्भीरसम्मितायै
अदृष्टायै
अदृष्टदायै
अनन्तायै

अदृष्टभाग्यफलप्रदायै
अरुन्धत्यै
अव्ययीनाथायै
अनेकसद्गुणसंयुतायै
अनेकभूषणायै
अदृश्यायै ५४०
अनेकलेखनिषेवितायै
अनन्तायै
अनन्तसुखदायै
अघोरायै
अघोरस्वरूपिण्यै
अशेषदेवतारूपायै
अमृतरूपायै
अमृतेश्वर्यै
अनवद्यायै
अनेकहस्तायै ५५०
अनेकमाणिक्यभूषणायै
अनेकविघ्नसंहर्त्र्यै
अनेकाभरणान्वितायै
अविद्यायै
अज्ञानसंहर्त्र्यै
अविद्याजालनाशिन्यै
अभिरूपायै
अनवद्याङ्ग्यै
अप्रतर्क्यगतिप्रदायै
अकलङ्कारूपिण्यै ५६०
अनुग्रहपरायणायै

अम्बरस्थायै
अम्बरमयायै
अम्बरमालायै
अम्बुजेक्षणायै
अम्बिकायै
अब्जकरायै
अब्जस्थायै
अंशुमत्यै
अंशुशतान्वितायै ५७०
अम्बुजायै
अनवरायै
अखण्डायै
अम्बुजासनमहाप्रियायै
अजरामरसंसेव्यायै
अजरसेवितपद्युगायै
अतुलार्थप्रदायै
अर्थैक्यायै
अत्युदारायै
अभयान्वितायै ५८०
अनाथवत्सलायै
अनन्तप्रियायै
अनन्तेप्सितप्रदायै
अम्बुजाक्ष्यै
अम्बुरूपायै
अम्बुजातोद्भवमहाप्रियायै
अखण्डायै
अमरस्तुत्यायै

अमरनायकपूजितायै
अजेयायै ५९०
अजसङ्काशायै
अज्ञाननाशिन्यै
अभीष्टदायै
अक्तायै
अघनेनायै
अस्त्रेश्यै
अलक्ष्मीनाशिन्यै
अनन्तसारायै
अनन्तश्रियै
अनन्तविधिपूजितायै ६००
अभीष्टायै
अमर्त्यसम्पूज्यायै
अस्तोदयविवर्जितायै
आस्तिकस्वान्तनिलयायै
अस्त्ररूपायै
अस्त्रवत्यै
अस्खलत्यै
अस्खलद्रूपायै
अस्खलद्विद्याप्रदायिन्यै
अस्खलत्सिद्धिदायै ६१०
आनन्दायै
अम्बुजायै
अमरनायिकायै
अमेयायै
अशेषपापघ्न्यै
अक्षयसारस्वतप्रदायै
जयायै
जयन्त्यै
जयदायै
जन्मकर्मविवर्जितायै ६२०
जगत्प्रियायै
जगन्मात्रे
जगदीश्वरवल्लभायै
जात्यै
जयायै
जितामित्रायै
जप्यायै
जपनकारिण्यै
जीवन्यै
जीवनिलयायै ६३०
जीवाख्यायै
जीवधारिण्यै
जाह्नव्यै
ज्यायै
जपवत्यै
जातिरूपायै
जयप्रदायै
जनार्दनप्रियकर्यै
जोषणीयायै
जगत्स्थितायै ६४०
जगज्ज्येष्ठायै
जगन्मायायै

जीवनत्राणकारिण्यै
जीवातुलतिकायै
जीवजन्म्यै
जन्मनिबर्हण्यै
जाड्यविध्वंसनकर्यै
जगद्योनये
जयात्मिकायै
जगदानन्दजनन्यै ६५०
जम्ब्वै
जलजेक्षणायै
जयन्त्यै
जङ्गपूगघ्न्यै
जनितज्ञानविग्रहायै
जटायै
जटावत्यै
जप्यायै
जपकर्तृप्रियङ्कर्यै
जपकृत्पापसंहर्त्र्यै ६६०
जपकृत्फलदायिन्यै
जपापुष्पसमप्रख्यायै
जपाकुसुमधारिण्यै
जनन्यै
जन्मरहितायै
ज्योतिर्वृत्त्यभिदायिन्यै
जटाजूटनचन्द्रार्धायै
जगत्सृष्टिकर्यै
जगत्त्राणकर्यै
जाड्यध्वंसकर्त्र्यै ६७०
जयेश्वर्यै
जगद्बीजायै
जयावासायै
जन्मभुवे
जन्मनाशिन्यै
जन्मान्त्यरहितायै
जैत्र्यै
जगद्योनयै
जपात्मिकायै
जयलक्षणसम्पूर्णायै ६८०
जयदानकृतोद्यमायै
जंभारात्यादिसंस्तुत्यायै
जंभारिफलदायिन्यै
जगत्त्रयहितायै
ज्येष्ठायै
जगत्त्रयवशङ्कर्यै
जगत्त्रयाम्बायै
जगत्यै
ज्वालायै
ज्वालितलोचनायै ६९०
ज्वालिन्यै
ज्वलनाभासायै
ज्वलन्त्यै
ज्वलनात्मिकायै
जितारातिसुरस्तुत्यायै
जितक्रोधायै

जितेन्द्रियायै
जरामरणशून्यायै
जनित्र्यै
जन्मनाशिन्यै ७००
जलजाभायै
जलमय्यै
जलजासनवल्लभायै
जलजस्थायै
जपाराध्यायै
जनमङ्गलकारिण्यै
कामिन्यै
कामरूपायै
काम्यायै
कामप्रदायिन्यै ७१०
कमौल्यै
कामदायै
कर्त्र्यै
क्रतुकर्मफलप्रदायै
कृतघ्नघ्न्यै
क्रियारूपायै
कार्यकारणरूपिण्यै
कञ्जाक्ष्यै
करुणारूपायै
केवलामरसेवितायै ७२०
कल्याणकारिण्यै
कान्तायै
कान्तिदायै
कान्तिरूपिण्यै
कमलायै
कमलावासायै
कमलोत्पलमालिन्यै
कुमुद्वत्यै
कल्याण्यै
कान्त्यै ७३०
कामेशवल्लभायै
कामेश्वर्यै
कमलिन्यै
कामदायै
कामबन्धिन्यै
कामधेन्वे
काञ्चनाक्ष्यै
काञ्चनाभायै
कलानिधये
क्रियायै ७४०
कीर्तिकर्यै
कीर्त्यै
क्रतुश्रेष्ठायै
कृतेश्वर्यै
क्रतुसर्वक्रियास्तुत्यायै
क्रतुकृत्प्रियकारिण्यै
क्लेशनाशकर्यै
कर्त्र्यै
कर्मदायै
कर्मबन्धिन्यै ७५०

कर्मबन्धहर्यै	करपद्मायै
कृष्टायै	कराभीष्टप्रदायै
क्रमघ्न्यै	क्रतुफलप्रदायै ७८०
कञ्जलोचनायै	कौशिक्यै
कन्दर्पजनन्यै	कोशदायै
कान्तायै	काव्यायै
करुणायै	कर्त्र्यै
करुणावत्यै	कोशेश्वर्यै
क्लींकारिण्यै	कृशायै
कृपाकारायै ७६०	कूर्मयानायै
कृपासिन्धवे	कल्पलतायै
कृपावत्यै	कालकूटविनाशिन्यै
करुणार्द्रायै	कल्पोद्यानवत्यै ७९०
कीर्तिकर्यै	कल्पवनस्थायै
कल्मषघ्न्यै	कल्पकारिण्यै
क्रियाकर्यै	कदम्बकुसुमाभासायै
क्रियाशक्त्यै	कदम्बकुसुमप्रियायै
कामरूपायै	कदम्बोद्यानमध्यस्थायै
कमलोत्पलगन्धिन्यै	कीर्तिदायै
कलायै ७७०	कीर्तिभूषणायै
कलावत्यै	कुलमात्रे
कूर्म्यै	कुलावासायै
कूटस्थायै	कुलाचारप्रियङ्कर्यै ८००
कंजसंस्थितायै	कुलानाथायै
कालिकायै	कामकलायै
कल्मषघ्न्यै	कलानाथायै
कमनीयजटान्वितायै	कलेश्वर्यै

कुन्दमन्दारपुष्पाभायै
कपर्दस्थितचन्द्रिकायै
कवित्वदायै
काव्यमात्रे
कविमात्रे
कलाप्रदायै ८१०
तरुण्यै
तरुणीतातायै
ताराधिपसमाननायै
तृप्तये
तृप्तिप्रदायै
तर्क्यायै
तपन्यै
तापिन्ये
तर्पण्यै
तीर्थरूपायै ८२०
त्रिदशायै
त्रिदशेश्वर्यै
त्रिदिवेश्यै
त्रिजनन्यै
त्रिमात्रे
त्र्यम्बकेश्वर्यै
त्रिपुरायै
त्रिपुरेशान्यै
त्र्यम्बकायै
त्रिपुराम्बिकायै ८३०
त्रिपुरश्रियै
त्रयीरूपायै
त्रयीवेद्यायै
त्रयीश्वर्यै
त्रय्यन्तवेदिन्यै
ताम्रायै
तापत्रितयहारिण्यै
तमालसदृश्यै
त्रातायै
तरुणादित्यसन्निभायै ८४०
त्रैलोक्यव्यापिन्यै
तृप्तायै
तृप्तिकृते
तत्वरूपिण्यै
तुर्यायै
त्रैलोक्यसंस्तुत्यायै
त्रिगुणायै
त्रिगुणेश्वर्यै
त्रिपुरघ्न्यै
त्रिमात्रे ८५०
त्र्यंबकायै
त्रिगुणान्वितायै
तृष्णाच्छेदकर्यै
तृप्तायै
तीक्ष्णायै
तीक्ष्णस्वरूपिण्यै
तुलायै
तुलादिरहितायै

तत्तद्ब्रह्मस्वरूपिण्यै
त्राणकर्त्र्यै ८६०
त्रिपापघ्न्यै
त्रिपदायै
त्रिदशान्वितायै
तथ्यायै
त्रिशक्त्यै
त्रिपदायै
तुर्यायै
त्रैलोक्यसुन्दर्यै
तेजस्कर्यै
त्रिमूर्त्याद्यायै ८७०
तेजोरूपायै
त्रिधा मतायै
त्रिचक्रकर्त्र्यै
त्रिभगायै
तुर्यातीतफलप्रदायै
तेजस्विन्यै
तापहर्यै
तापोपप्लवनाशिन्यै
तेजोगर्भायै
तपस्सारायै ८८०
त्रिपुरारिप्रियङ्कर्यै
तन्व्यै
तापससंतुष्टायै
तपनाङ्गजभीतिनुदे
त्रिलोचनायै
त्रिमार्गायै
तृतीयायै
त्रिदशस्तुतायै
त्रिसुन्दर्यै
त्रिपथगायै ८९०
तुरीयपददायिन्यै
शुभायै
शुभावत्यै
शान्तायै
शान्तिदायै
शुभदायिन्यै
शीतलायै
शूलिन्यै
शीतायै
श्रीमत्यै ९००
शुभान्वितायै
योगसिद्धिप्रदायै
योग्यायै
यज्ञेन परिपूरितायै
यज्यायै
यज्ञमय्यै
यक्ष्यै
यक्षिण्यै
यक्षिवल्लभायै
यज्ञप्रियायै ९१०
यज्ञपूज्यायै
यज्ञतुष्टायै

यमस्तुतायै
यामिनीयप्रभायै
याम्यायै
यजनीयायै
यशस्कर्यै
यज्ञकर्त्र्यै
यज्ञरूपायै
यशोदायै ९२०
यज्ञसंस्तुतायै
यज्ञेश्यै
यज्ञफलदायै
योगयोनयै
यजुस्स्तुतायै
यमिसेव्यायै
यमाराध्यायै
यमिपूज्यायै
यमीश्वर्यै
योगिन्यै ९३०
योगरूपायै
योगकर्तृप्रियङ्कर्यै
योगयुक्तायै
योगमय्यै
योगयीगीश्वराम्बिकायै
योगज्ञानमय्यै
योनये
यमाद्यष्टाङ्गयोगदायै
यन्त्रिताघौघसंहारायै
यमलोकनिवारिण्यै ९४०
यष्टिव्यष्टीशसंस्तुत्यायै
यमाद्यष्टाङ्गयोगयुजे
योगीश्वर्यै
योगमात्रे
योगसिद्धायै
योगदायै
योगारूढायै
योगमय्यै
योगरूपायै
यवीयस्यै ९५०
यन्त्ररूपायै
यन्त्रस्थायै
यन्त्रपूज्यायै
यन्त्रितायै
युगकर्त्र्यै
युगमय्यै
युगधर्मविवर्जितायै
यमुनायै
यमिन्यै
याम्यायै ९६०
यमुनाजलमध्यगायै
यातायातप्रशमन्यै
यातनानां निकृन्तन्यै
योगावासायै
योगिवन्द्यायै
यत्तच्छब्दस्वरूपिण्यै

योगक्षेममय्यै
यन्त्रायै
यावदक्षरमातृकायै
यावत्पदमय्यै ९७०
यावच्छब्दरूपायै
यथेश्वर्यै
यत्तदीयायै
यक्षवन्द्यायै
यद्विद्यायै
यतिसंस्तुतायै
यावद्विद्यामय्यै
यावद्विद्याबृन्दसुवन्दितायै
योगिहृत्पद्मनिलयायै
योगिवर्यप्रियङ्कर्यै ९८०
योगिवन्द्यायै
योगिमात्रे
योगीशफलदायिन्यै
यक्षवन्द्यायै
यक्षपूज्यायै
यक्षराजसुपूजितायै
यज्ञरूपायै
यज्ञतुष्टायै
यायजूकस्वरूपिण्यै
यन्त्राराध्यायै ९९०
यन्त्रमध्यायै
यन्त्रकर्तृप्रियङ्कर्यै
यन्त्रारूढायै
यन्त्रपूज्यायै
योगिध्यानपरायणायै
यजनीयायै
यमस्तुत्यायै
योगयुक्तायै
यशस्कर्यै
योगबद्धायै १०००
यतिस्तुत्यायै
योगज्ञायै
योगनायक्यै
योगिज्ञानप्रदायै
यक्ष्यै
यमबाधाविनाशिन्यै
योगिकाम्यप्रदात्र्यै
योगिमोक्षप्रदायिन्यै १००८

॥ श्री बालाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

ओं कल्याण्यै नमः
त्रिपुरायै
बालायै
मायायै
त्रिपुरसुन्दर्यै
सुन्दर्यै
सौभाग्यवत्यै
क्लींकार्यै
सर्वमङ्गलायै
ह्रींकार्यै (१०)
स्कन्दजनन्यै
परायै
पञ्चदशाक्षर्यै
त्रिलोक्यै
मोहनायै
अधीशायै
सर्वेश्यै
सर्वरूपिण्यै
सर्वसंक्षोभिण्यै
पूर्णायै (२०)
नवमुद्रेश्वर्यै
शिवायै
अनङ्गकुसुमायै
ख्यातायै
अनङ्गभुवनेश्वर्यै
जप्यायै
स्तव्यायै
श्रुत्यै
नित्यायै
नित्यक्लिन्नायै (३०)
अमृतोद्भवायै
मोहिन्यै
परमायै
आनन्दायै
कामेश्यै
तरुण्यै
कलायै
कलावत्यै
भगवत्यै
पद्मरागकिरीटिन्यै (४०)
सौगन्धिन्यै
सरिद्वेण्यै
मन्त्रिण्यै
मन्त्ररूपिण्यै
तत्वत्रय्यै
तत्वमय्यै
सिद्धायै
त्रिपुरवासिन्यै
श्रियै
मत्यै (५०)
महादेव्यै
कालिन्यै

परदेवतायै
कैवल्यरेखायै
वशिन्यै
सर्वेश्यै
सर्वमातृकायै
विष्णुस्वस्रे
देवमात्रे
सर्वसम्पत्प्रदायिन्यै (६०)
आधारायै
हितपत्नीकायै
स्वाधिष्ठानसमाश्रयायै
आज्ञायै
पद्मासनासीनायै
विशुद्धस्थलसंस्थितायै
अष्टत्रिंशत्कलामूर्त्यै
सुषुम्नायै
चारुमध्यमायै
योगीश्वर्यै (७०)
मुनिध्येयायै
परब्रह्मस्वरूपिण्यै
चतुर्भुजायै
चन्द्रचूडायै
पुराण्यै
आगमरूपिण्यै
ओंकारादये
महाविद्याये
महाप्रणवरूपिण्यै
भूतेश्वर्यै (८०)
भूतमय्यै
पञ्चाशद्वर्णरूपिण्यै
षोढान्यासमहाभूषायै
कामाक्ष्यै
दलमातृकायै
आधारशक्त्यै
तरुण्यै
लक्ष्म्यै
श्रीपुरभैरव्यै
त्रिकोणमध्यनिलयायै (९०)
षट्कोणपुरवासिन्यै
नवकोणपुरावासायै
बिन्दुस्थलसमन्वितायै
अघोरायै
मन्त्रितपदायै
भामिन्यै
भवरूपिण्यै
एतस्यै
सङ्कर्षिण्यै
धात्र्यै (१००)
उमायै
कात्यायिन्यै
शिवायै
सुलभायै
दुर्लभायै
शास्त्र्यै
महाशास्त्र्यै
शिखण्डिन्यै (१०८)

श्रीबालासहस्रनामावलिः

ओं सुभगायै नमः
सुन्दर्यै
सौम्यायै
सुषुम्नायै
सुखदायिन्यै
मनोज्ञायै
सुमनसे
रम्यायै
शोभनायै
ललितायै (१०)
शिवायै
कान्तायै
कान्तिमत्यै
कान्त्यै
कामदायै
कमलालयायै
कल्याण्यै
कमलायै
हृद्यायै
पेशलायै (२०)
हृदयङ्गमायै
सुभद्राख्यायै
अतिरमण्यै
सर्वस्यै
साध्व्यै
सुमङ्गलायै
रामायै
भव्यवत्यै
भव्यायै
कमनीयायै (३०)
अतिकोमलायै
शोभायै
अभिरामायै
रमण्यै
रमणीयायै
रतिप्रियायै
मनोन्मन्यै
महामायायै
मातङ्ग्यै
मदिराप्रियायै (४०)
महालक्ष्म्यै
महाशक्त्यै
महाविद्यास्वरूपिण्यै
महेश्वर्यै
महानन्दायै
महानन्दविधायिन्यै
मानिन्यै
माधव्यै
माध्व्यै
मदरूपायै (५०)

मदोत्कटायै
आनन्दकन्दायै
विजयायै
विश्वेश्यै
विश्वरूपिण्यै
सुप्रभायै
कौमुद्यै
शान्तायै
बिन्दुनादस्वरूपिण्यै
कामेश्वर्यै (६०)
कामकलायै
कामिन्यै
कामवर्धिन्यै
भेरुण्डायै
चण्डिकायै
चण्ड्यै
चामुण्ड्यै
मुण्डमालिन्यै
अणुरूपायै
महारूपायै (७०)
भूतेश्यै
भुवनेश्वर्यै
चित्रायै
विचित्रायै
चित्रांग्यै
हेमगर्भस्वरूपिण्यै
चैतन्यरूपिण्यै
नित्यायै
नित्यानित्यस्वरूपिण्यै
ह्रींकार्यै (८०)
कुण्डल्यै
धात्र्यै
विधात्र्यै
भूतसम्प्लवायै
उन्मादिन्यै
महामाल्यै
सुप्रसन्नायै
सुरार्चितायै
परमायै
आनन्दनिष्यन्दायै (९०)
परमार्थस्वरूपिण्यै
योगीश्वर्यै
योगमात्रे
हंसिन्यै
कलहंसिन्यै
कलायै
कलावत्यै
रक्तायै
सुषुम्नावर्त्मशालिन्यै
विन्ध्याद्रिनिलयायै (१००)
सूक्ष्मायै
हेमपद्मनिवासिन्यै
बालायै
सुरूपिण्यै

मायायै
वरेण्यायै
वरदायिन्यै
विद्रुमाभायै
विशालाक्ष्यै
विशिष्टायै (११०)
विश्वनायिकायै
वीरेन्द्रवन्द्यायै
विश्वात्मने
विश्वायै
विश्वादिवर्धिन्यै
विश्वोत्पत्त्यै
विश्वमायायै
विश्वाराध्यायै
विकस्वरायै
मदस्विन्नागै (१२०)
मदोद्भिन्नायै
मानिन्यै
मानवर्धिन्यै
मालिन्यै
मोदिन्यै
मान्यायै
मदहस्तायै
मदालयायै
मदनिष्यन्दिन्यै
मात्रे (१३०)
मदिराक्ष्यै
मदालसायै
मदात्मिकायै
मदावासायै
मधुबिन्दुकृताधरायै
मूलभूतायै
महामूलायै
मूलाधारस्वरूपिण्यै
सिन्दूररक्तायै
रक्ताक्ष्यै (१४०)
त्रिनेत्रायै
त्रिगुणात्मिकायै
वशिन्यै
वाशिन्यै
वाण्यै
वारुण्यै
वारुणीप्रियायै
अरुणायै
तरुणार्काभायै
भामिन्यै (१५०)
बह्निवासिन्यै
सिद्धायै
सिद्धेश्वर्यै
सिद्ध्यै
सिद्धाम्बायै
सिद्धमातृकायै
सिद्धार्थदायिन्यै
विद्यायै

सिद्धाढ्यायै
सिद्धसम्मतायै (१६०)
वाग्भवायै
वाक्प्रदायै
वन्यायै
वाङ्मय्यै
वादिन्यै
परायै
त्वरितायै
सत्वरायै
तुर्यायै
त्वरयित्र्यै (१७०)
त्वरात्मिकायै
कमलायै
कमलावासायै
सकलायै
सर्वमङ्गलायै
भगोदर्यै
भगक्लिन्नायै
भगिन्यै
भगमालिन्यै
भगप्रदायै (१८०)
भगानन्दायै
भगेश्यै
भगनायिकायै
भगात्मिकायै
भगावासायै
भगायै
भगनिपातिन्यै
भगावहायै
भगाराध्यायै
भगाढ्यायै (१९०)
भगवाहिन्यै
भगनिष्यंदिन्यै
भगायै
भगाभायै
भगगर्भिण्यै
भंगादये
भगभोगादये
भगवेद्यायै
भगोद्भवायै
भगमात्रे (२००)
भगाभोगायै
अभगवेद्यायै
अभगोद्भवायै
भगमात्रे
भगाकारायै
भगगुह्यायै
भगेश्वर्यै
भगदेहायै
अभगावासायै
भगोद्भेदायै (२१०)
भगालसायै
भगविद्यायै

भगक्लिन्नायै
भगलिङ्गायै
भगद्रवायै
सकलायै
निष्कलायै
काल्यै
कराल्यै
कलभाषिण्यै (२२०)
कमलायै
हंसिन्यै
कालायै
करुणायै
करुणावत्यै
भास्वरायै
भैरव्यै
भासायै
भद्रकाल्यै
कुलांगनायै (२३०)
रसात्मिकायै
रसावासायै
रसस्यन्दायै
रसावहायै
कामनिष्यंदिन्यै
काम्यायै
कामिन्यै
कामदायिन्यै
विद्यायै
विधात्र्यै (२४०)
विविधायै
विश्वधात्र्यै
विधाविधायै
सर्वाङ्गसुन्दर्यै
सौम्यायै
लावण्यसरिदम्बुधये
चतुरांग्यै
चतुर्बाहवे
चतुरायै
चारुहंसिन्यै (२५०)
मंत्रायै
मन्त्रमय्यै
मात्रे
मणिपूरसमाश्रयायै
मन्त्रात्मिकायै
मन्त्रमात्रे
मन्त्रगम्यायै
सुमंत्रितायै
पुष्पबाणायै
पुष्पजैत्र्यै (२६०)
पुष्पिण्यै
पुष्पवर्धिन्यै
वज्रेश्वर्यै
वज्रहस्तायै
पुराण्यै
पुरवासिन्यै

तारायै
सुतरुण्यै
तारायै
तरुण्यै (२७०)
ताररूपिण्यै
इक्षुचापायै
महापाशायै
शुभदायै
प्रियवादिन्यै
सर्वदायै
सर्वजनन्यै
सर्वार्थायै
सर्वपावन्यै
आत्मविद्यायै (२८०)
महाविद्यायै
ब्रह्मविद्यायै
विवस्वत्यै
शिवायै
ईश्वर्यै
शिवाराध्यायै
शिवनाथायै
शिवात्मिकायै
आत्मिकायै
ज्ञाननिलयायै (२९०)
निर्भेदायै
निर्वृतिप्रदायै
निर्वाणरूपिण्यै
नित्यायै
नियमायै
निष्कलायै
प्रभायै
श्रीफलायै
श्रीप्रदायै
शिष्यायै (३००)
श्रीमय्यै
शिवरूपिण्यै
परायै
कुण्डलिन्यै
कुब्जायै
कुटिलायै
कुटिलालकायै
महोदयायै
महारूपायै
महामायायै (३१०)
कलामय्यै
वशिन्यै
सर्वजनन्यै
चित्रवासायै
विचित्रकायै
सूर्यमण्डलमध्यस्थायै
स्थिरायै
शंकरवल्लभायै
सुरभ्यै
सुमनस्सूर्यायै (३२०)

सुषुम्नायै
सोमभूषणायै
सुधाप्रदायै
सुधाधारायै
सुश्रियै
सम्पत्तिरूपिण्यै
अमृतायै
सत्यसंकल्पायै
सत्यायै
षड्ग्रन्थिभेदिन्यै (३३०)
इच्छाशक्त्यै
महाशक्त्यै
क्रियाशक्त्यै
प्रियंकर्यै
लीलायै
लीलालयायै
आनन्दायै
सूक्ष्मबोधस्वरूपिण्यै
सकलायै
रसनायै (३४०)
सारायै
सारगम्यायै
सरस्वत्यै
परायै
परायण्यै
पद्मायै
परनिष्ठायै
परापरायै
श्रीमत्यै
श्रीकर्यै (३५०)
व्योम्न्यै
शिवयोन्यै
शिवेक्षणायै
निरानन्दायै
निराख्येयायै
निर्द्वंद्वायै
निर्गुणात्मिकायै
बृहत्यै
ब्राह्मण्यै
ब्राह्म्यै (३६०)
ब्रह्माण्यै
ब्रह्मरूपिण्यै
धृत्यै
स्मृत्यै
श्रुत्यै
मेधायै
श्रद्धायै
पुष्ट्यै
स्तुत्यै
मत्यै ३७०
अद्वयानन्दसम्बोधायै
वरायै
सौभाग्यरूपिण्यै
निरामयायै

निराकारायै
जृम्भिण्यै
स्तम्भिन्यै
रत्यै
बोधिकायै
कमलायै (३८०)
रौद्र्यै
द्राविण्यै
क्षोभिण्यै
मत्यै
कुचेल्यै
कुचमध्यस्थायै
मध्यकूटगत्यै
प्रियायै
कुलोत्तीर्णायै
कुलवत्यै (३९०)
बोधायै
वाग्वादिन्यै
सत्यै
उमायै
प्रियव्रतायै
लक्ष्म्यै
वकुलायै
कुलरूपिण्यै
विश्वात्मिकायै
विश्वयोन्यै (४००)
विश्वासक्तायै
विनायकायै
ध्यायिन्यै
नादिन्यै
तीर्थायै
शांकर्यै
मन्त्रसाक्षिण्यै
सन्मन्त्ररूपिण्यै
हृष्टायै
शांकर्यै (४१०)
सुरशंकर्यै
सुन्दराङ्ग्यै
सुरावासायै
सुरवंद्यायै
सुरेश्वर्यै
सुवर्णवर्णायै
सत्कीर्त्यै
सुवर्णायै
वर्णरूपिण्यै
ललितांग्यै (४२०)
वरिष्ठायै
श्रियै
अस्पन्दायै
स्पन्दरूपिण्यै
शांभव्यै
सच्चिदानन्दायै
सच्चिदानन्दरूपिण्यै
जयिन्यै

विश्वजनन्यै
विश्वनिष्ठायै (४३०)
विलासिन्यै
भ्रूमध्यायै
अखिलनिष्पाद्यायै
निर्गुणायै
गुणवर्धिन्यै
हृल्लेखायै
भुवनायै
ईशान्यै
भुवनायै
भुवनात्मिकायै (४४०)
विभूत्यै
भूतिदायै
भूत्यै
सम्भूत्यै
भूतिकारिण्यै
ईशान्यै
शाश्वत्यै
शैव्यै
शर्वाण्यै
शर्मदायिन्यै (४५०)
भवान्यै
भावगायै
भावायै
भावनायै
भावनात्मिकायै
हृत्पद्मनिलयायै
शूरायै
स्वरावृत्त्यै
स्वरात्मिकायै
सूक्ष्मरूपायै (४६०)
परानन्दायै
स्वात्मस्थायै
विश्वदायै
शिवायै
परिपूर्णायै
दयापूर्णायै
मदघूर्णितलोचनायै
शरण्यायै
तरुणार्काभायै
मधुरक्तायै (४७०)
मनस्विन्यै
अनन्तायै
अनन्तमहिमायै
नित्यतृप्तायै
निरञ्जन्यै
अचिन्त्यायै
शक्तिचिन्त्यार्थायै
चिन्त्यायै
चिन्त्यस्वरूपिण्यै
जगन्मय्यै (४८०)
जगन्मात्रे
जगत्सारायै

20

जगद्भवायै
आप्यायिन्यै
परानन्दायै
कूटस्थायै
आवासरूपिण्यै
ज्ञानगम्यायै
ज्ञानमूर्त्यै
ज्ञापिन्यै (४९०)
ज्ञानरूपिण्यै
खेचर्यै
खेचरीमुद्रायै
खेचरीयोगरूपिण्यै
अनाथनाथायै
निर्नाथायै
घोरायै
अघोरस्वरूपिण्यै
सुधाप्रदायै
सुधाधारायै (५००)
सुधारूपायै
सुधामय्यै
दहरायै
दहराकाशायै
दहराकाशमध्यगायै
माङ्गल्यायै
मङ्गलायै
दिव्यायै
महामाङ्गल्यदेवतायै
माङ्गल्यदायिन्यै (५१०)
मान्यायै
सर्वमङ्गलदायिन्यै
स्वप्रकाशायै
महाभासायै
भामिन्यै
भवरूपिण्यै
कात्यायन्यै
कलावासायै
पूर्णकामायै
यशस्विन्यै (५२०)
अर्धावसाननिलयायै
नारायणमनोहरायै
मोक्षमार्गविधानज्ञायै
विरिंचोत्पत्तिभूमिकायै
अनुत्तरायै
महाराध्यायै
दुष्प्रापायै
दुरतिक्रमायै
शुद्धिदायै
कामदायै (५३०)
सौम्यायै
ज्ञानदायै
मानदायिन्यै
स्वधायै
स्वाहायै
सुधायै

मेधायै
मधुरायै
मधुमन्दिरायै
निर्वाणदायिन्यै (५४०)
श्रेष्ठायै
शर्मिष्ठायै
शारदार्चितायै
सुवर्चलायै
सुराराध्यायै
शुद्धसत्वायै
सुरार्चितायै
स्तुत्यै
स्तुतिमय्यै
स्तुत्यायै (५५०)
स्तुतिरूपायै
स्तुतिप्रियायै
कामेश्वर्यै
कामवत्यै
कामिन्यै
कामरूपिण्यै
आकाशगर्भायै
ह्रींकार्यै
कङ्काल्यै
कालरूपिण्यै (५६०)
विष्णुपत्न्यै
विशुद्धार्थायै
विश्वरूपायै
ईशवन्दितायै
विश्ववेद्यायै
महावीरायै
विश्वघ्न्यै
विश्वरूपिण्यै
कुशलायै
आढ्यायै (५७०)
शीलवत्यै
शैलस्थायै
शैलरूपिण्यै
रुद्राण्यै
चण्डयै
खट्वाङ्ग्यै
डाकिन्यै
साकिन्यै
प्रभायै
नित्यायै (५८०)
निर्वेदखट्वाङ्ग्यै
जनन्यै
जनरूपिण्यै
तलोदर्यै
जगत्सूत्र्यै
जगत्यै
ज्वलिन्यै
ज्वल्यै
साकिन्यै
सारसंहृद्यायै (५९०)

सर्वोत्तीर्णायै
सदाशिवायै
स्फुरन्त्यै
स्फुरिताकारायै
स्फूर्त्यै
स्फुरणरूपिण्यै
शिवदूत्यै
शिवायै
शिष्टायै
शिवज्ञायै (६००)
शिवरूपिण्यै
रागिण्यै
रञ्जन्यै
रम्यायै
रजन्यै
रजनीकरायै
विश्वम्भरायै
विनीतायै
इष्टायै
विधात्र्यै (६१०)
विधिवल्लभायै
विद्योतिन्यै
विचित्रायै
अर्थायै
विश्वाद्यायै
विविधाभिधायै
विश्वाक्षरायै
सरसिकायै
विश्वस्थायै
अतिविचक्षणायै (६२०)
ब्रह्मयोन्यै
महायोन्यै
कर्मयोन्यै
त्रयीतनवे
हाकिन्यै
हारिण्यै
सौम्यायै
रोहिण्यै
रोगनाशिन्यै
श्रीप्रदायै (६३०)
श्रियै
श्रीधरायै
श्रीकरायै
श्रीमत्यै
प्रियायै
श्रीमत्यै
श्रीकर्यै
श्रेयसे
श्रेयस्यै
सुरेश्वर्यै (६४०)
कामेश्वर्यै
कामवत्यै
कामगिर्यालयस्थितायै
रुद्रात्मिकायै

रुद्रमात्रे
रुद्रगम्यायै
रजस्वलायै
अकारषोडशान्तस्थायै
भैरव्यै
ह्लादिन्यै (६५०)
परायै
कृपादेहायै
अरुणायै
नाथायै
सुधाबिन्दुसमन्वितायै
काल्यै
कामकलायै
कन्यायै
पार्वत्यै
पररूपिण्यै (६६०)
मायावत्यै
घोरमुख्यै
नादिन्यै
दीपिन्यै
शिवायै
मकारायै
अमृतचक्रेश्यै
महासेनाविमोहिन्यै
उत्सुकायै
अनुत्सुकायै (६७०)
हृष्टायै
ह्रींकार्यै
चक्रनायिकायै
रुद्रायै
भवान्यै
चामुण्डयै
ह्रींकार्यै
सौख्यदायिन्यै
गरुडायै
गरुडयै (६८०)
कृष्णायै
सकलायै
ब्रह्मचारिण्यै
कृष्णाङ्गायै
वाहिन्यै
कृष्णायै
खेचर्यै
कमलायै
प्रियायै
भद्रिण्यै (६९०)
रुद्रचामुण्डायै
ह्रींकार्यै
सौभगायै
ध्रुवायै
गोरुडयै
गारुडयै
ज्येष्ठायै
स्वर्गगायै

ब्रह्मचारिण्यै
पानानुरक्तायै (७००)
पानस्थायै
भीमरूपायै
भयापहायै
रक्तायै
चण्डायै
सुरानन्दायै
त्रिकोणायै
पानदर्पितायै
महोत्सुकायै
क्रतुप्रीतायै (७१०)
कङ्काल्यै
कालदर्पितायै
सर्ववर्णायै
सुवर्णाभायै
परामृतामहार्णवायै
योग्यायै
अर्णवायै
नागबुद्ध्यै
वीरपानायै
नवात्मिकायै (७२०)
द्वादशन्तसरोजस्थायै
निर्वाणसुखदायिन्यै
आदिसत्वायै
ध्यानसत्वायै
श्रीकण्ठस्वान्तमोहिन्यै
परायै
घोरायै
करालाक्ष्यै
स्वमूर्त्यै
मेरुनायिकायै (७३०)
अकाशलिङ्गसंभूतायै
परामृतरसात्मिकायै
शाङ्कर्यै
शाश्वत्यै
रुद्रायै
कपालकुलदीपिकायै
विद्यातनवे
मन्त्रतनवे
चण्डायै
मुण्डायै (७४०)
सुदर्पितायै
वागीश्वर्यै
योगमुद्रायै
त्रिखण्ड्यै
सिद्धमण्डितायै
शृङ्गारपीठनिलयायै
काल्यै
मातङ्गकन्यकायै
संवर्तमण्डलान्तस्थायै
भुवनोद्यानवासिन्यै (७५०)
पादुकाक्रमसंतृप्तायै
भैरवस्थायै

अपराजितायै
निर्वाणसौरभायै
दुर्गायै
महिषासुरमर्दिन्यै
भ्रमराम्बायै
शिखरिकायै
ब्रह्मविष्णवीशतर्पितायै
उन्मत्तहेलायै (७६०)
रसिकायै
योगिन्यै
योगदर्पितायै
सन्तानायै
आनन्दिन्यै
बीजचक्रायै
परमकारुण्यै
खेचर्यै
नायिकायै
योग्यायै (७७०)
परिवृत्तायै
अतिमोहिन्यै
शाकम्भर्यै
सम्भवित्र्यै
सदानन्दायै
मदार्पितायै
क्षेमंकर्यै
सुमाश्वासायै
स्वर्गदायै

बिन्दुकारिण्यै (७८०)
चर्चितायै
चर्चितपदायै
चारुखट्वाङ्गधारिण्यै
अघोरायै
मन्त्रितपदायै
भामिन्यै
भवरूपिण्यै
उषायै
सङ्कर्षिण्यै
धात्र्यै (७९०)
उमायै
कात्यायन्यै
शिवायै
सुलभायै
दुर्लभायै
शास्त्र्यै
महाशास्त्र्यै
शिखण्डिन्यै
योगलक्ष्म्यै
भोगलक्ष्म्यै (८००)
राज्यलक्ष्म्यै
कपालिन्यै
देवयोन्यै
भगवत्यै
धन्विन्यै
नादिन्यै

ईश्वर्यै
मन्त्रात्मिकायै
महाधात्र्यै
बलिन्यै (८१०)
केतुरूपिण्यै
सदानन्दायै
सदाभद्रायै
फल्गुन्यै
रक्तवर्षिण्यै
मन्दारमन्दिरायै
तीव्रायै
ग्राहिकायै
सर्वभक्षिण्यै
अग्निजिह्वायै (८२०)
महाजिह्वायै
शूलिन्यै
शुद्धिदायै
परायै
सुवर्णिकायै
कालदूत्यै
देव्यै
कालस्वरूपिण्यै
शङ्खिन्यै
नयन्यै (८३०)
गुर्व्यै
वाराह्यै
हुंफडात्मिकायै
उग्रात्मिकायै
पद्मवत्यै
धूर्जट्यै
चक्रधारिण्यै
देव्यै
तत्पुरुषायै
शिक्षायै (८४०)
साध्व्यै
स्त्रीरूपधारिण्यै
दक्षायै
दाक्षायण्यै
दीक्षायै
मदनायै
मदनातुरायै
धिष्ण्यायै
हिरण्यायै
सरण्यै (८५०)
धरित्र्यै
धररूपिण्यै
वसुधायै
वसुधाच्छायायै
वसुधामायै
सुधामय्यै
शृङ्गिण्यै
भीषणायै
सान्द्र्यै
प्रेतस्थानायै (८६०)

मतङ्गिन्यै
खण्डिन्यै
योगिन्यै
तुष्ट्यै
नादिन्यै
भेदिन्यै
नट्यै
खट्वाङ्गिन्यै
कालरात्र्यै
मेघमालायै (८८०)
धरात्मिकायै
भापीठस्थायै
भवद्रूपायै
महाश्रियै
धूम्रलोचनायै
सावित्र्यै
सत्कृत्यै
कर्त्र्यै
उमायै
मायायै (८८०)
महोदयायै
गन्धर्व्यै
सुगुणाकारायै
सद्गुणायै
गणपूजितायै
निर्मलायै
गिरिजायै
शब्दायै
शर्वाण्यै
शर्मदायिन्यै (८९०)
एकाकिन्यै
सिन्धुकन्यायै
काव्यसूत्रस्वरूपिण्यै
अव्यक्तरूपिण्यै
व्यक्तायै
योगिन्यै
पीठरूपिण्यै
निर्मदायै
धामदायै
आदित्यायै (९००)
नित्यायै
सेव्यायै
अक्षरात्मिकायै
तपिन्यै
तापिन्यै
दीक्षायै
शोधिन्यै
शिवदायिन्यै
स्वस्ति
स्वस्तिमत्यै (९१०)
बालायै
कपिलायै
विस्फुलिङ्गिन्यै
अर्चिष्मत्यै

द्युतिमत्यै
कौलिन्यै
कव्यवाहिन्यै
जनाश्रितायै
विष्णुविद्यायै
मानस्यै (९२०)
विन्ध्यवासिन्यै
विद्याधर्यै
लोकधात्र्यै
सर्वस्यै
सारस्वरूपिण्यै
पापघ्न्यै
सर्वतोभद्रायै
त्रिस्थायै
शक्तित्रयात्मिकायै
त्रिकोणनिलयायै (९३०)
त्रिस्थायै
त्रयीमात्रे
त्रयीपतये
त्रयीविद्यायै
त्रयीसारायै
त्रयीरूपायै
त्रिपुष्करायै
त्रिवर्णायै
त्रिपुरायै
त्रिश्रियै (९४०)
त्रिमूर्तये
त्रिदशेश्वर्यै
त्रिकोणसंस्थायै
त्रिविधायै
त्रिस्वरायै
त्रिपुरांबिकायै
त्रिविधायै
त्रिदिवेशान्यै
त्रिस्थायै
त्रिपुरदाहिन्यै (९५०)
जङ्गिन्यै
स्फोटिन्यै
स्फूर्त्यै
स्तम्भिन्यै
शोषिण्यै
प्लुतायै
ऐंकाराख्यायै
वासुदेव्यै
खण्डिन्यै
चण्डदण्डिन्यै (९६०)
क्लींकार्यै
वत्सलायै
हृष्टायै
सौःकार्यै
मदहंसिकायै
वज्रिण्यै
द्राविण्यै
जैत्र्यै

श्रीमत्यै
गोमत्यै (९७०)
ध्रुवायै
परतेजोमय्यै
संविदे
पूर्णपीठनिवासिन्यै
त्रिधात्मने
त्रिदशाध्यक्षायै
त्रिघ्न्यै
त्रिपुरमालिन्यै
त्रिपुराश्रिये
त्रिजनन्यै (९८०)
त्रिभुवे
त्रैलोक्यसुन्दर्यै
कुमार्यै
कुण्डल्यै

धात्र्यै
बाल भक्तेष्टदायिन्यै
कलावत्यै
भगवत्यै
भक्तिदायै
भवनाशन्यै ९९०
सौगन्धिन्यै
सरिद्वेण्यै
पद्मरागकिरीटिन्यै
तत्वत्रय्यै
तत्वमय्यै
मन्त्रिण्यै
मन्त्ररूपिण्यै
सिद्धायै
श्री त्रिपुरवासायै
बालात्रिपुरसुन्दर्यै १०००

श्रीकामाक्षीपञ्चशतीनामावलिः

कामाक्ष्यै नमः
करुणामूर्त्यै
कल्याणगिरि-मन्दिरायै
चिदग्निजातायै
चिद्रूपायै
श्रितसंरक्षणोद्यतायै
बालार्ककोटिरुचिर-
वपुस्सन्नद्धयौवनायै
आघृष्टपद्मरागाश्मनिष्पन्न
मकुटोज्ज्वलायै
स्फुरच्चन्द्रकलाक्लृप्तचूडापीड
विराजितायै
सीमन्तरेखारचितसिन्दूर
श्रेणिमञ्जुलायै १०
स्फुरत्कस्तूरितिलककन्दल
नीलकुन्तलायै
कदम्बमञ्जरिलसत् कर्णपूर
मनोहरायै
भ्रूवल्लीस्मरकोदण्डसायकी
भूतलोचनायै
मार्ताण्डमण्डलाकाररत्न
कुण्डलमण्डितायै
विशङ्कटारालकेशकर्णिका
कोशनासिकायै
लसन्मुक्तामणिभ्राजद्नासा
भरणभासुरायै
कस्तूरीक्लृप्तमकरिकादि
राजत्कपोलभुवे
लाक्षालक्ष्मीनिर्व्यपेक्षपाटलोष्ठ
पुटाञ्चितायै
कुन्दकोरकसश्रीक दन्तपक्ति
विराजितायै
अतर्क्यौपम्यचुबुकायै २०
मुग्धस्मेरमुखाम्बुजायै
नितम्बलम्बमानत्रिवेणीचूलात्त
छालिकायै
शिरीषकोमलभुजविभ्राजत्क
नकाङ्गदायै
लम्बवामकराम्भोजायै
दक्षहस्तलसच्छुकायै
नानामणीगणलसत्सुवर्ण
कृतकङ्कणायै
पाशाङ्कुशधनुर्बाणलसत्पाणि
तलोज्ज्वलायै
रत्नाङ्गुलीयसंदोहरमणीय
कराङ्गुलये
लोलचिन्ताकपदकमुक्तावलि
लसद्गलायै

गन्धकस्तूरिकर्पूरकुङ्कुमालंकृतस्तनायै ३०
स्तनभूधरसन्नद्ध सोपानत्रिवलीयुतायै
नवीनरोमलतिकाजितकादम्बिनीद्युतये
अर्धोरुकग्रन्थिलसदूरत्नकाञ्चीगुणान्वितायै
सौन्दर्यपूरविलसदावर्तायितनाभिकायै
जपाकुसुमसच्छायपट्टांशुकपरीवृतायै
जघनाभोगसुभगपृथुश्रोणीभरालसायै
एकाम्रनायकोत्संगकाम्योरुमहिमोच्छ्रयायै
करीन्द्रकुम्भकठिनजानुद्वयविराजितायै
स्मरकाण्डीरतूणीरसंप्रदायकजङ्घिकायै
स्फुरन्माणिक्यमञ्जीररञ्जितांघ्रिसरोरुहायै ४०
कमठीकर्परतटीकठोरप्रपदान्वितायै
यावकश्रीनिर्व्यपेक्षपादलौहित्यवाहिन्यै
हरीन्द्रमुखकोटीरतटीघटितपादुकायै
सौन्दर्यलहरीसीमसर्वावयवपाटलायै
मरालीलालितगत्यै
रामणीयकशेवधये
सर्वशृङ्गारवेषाढ्यायै
सर्वावगुणवर्जितायै
मोहिताशेषजगत्यै
मोहिनीरूपधारिण्यै ५०
महामाय्यै
परस्यै शक्त्यै
मदिरारुणलोचनायै
संपत्करीमहासेनासमृद्धायै
संपदुन्नतायै
अनेककोटिदैत्येन्द्रगर्वनिर्वापणोल्बणायै
चक्रराजरथारूढचक्रिणीचक्रनायिकायै
मन्त्रिणीसेवितपदायै
मन्त्रतन्त्राधिदेवतायै
अश्वारूढासमाराध्यायै ६०
विश्वातीतायै
विरागिण्यै
बालासमेतायै
त्रिपुरायै

कालातीतायै
कलावत्यै
दण्डनाथसमासेव्यायै
भण्डासुरवधोद्यतायै
कामराजप्रियायै
कामसंजीवनमहौषधये ७०
ब्रह्मादिदैवताराध्यायै
ब्रह्मविद्यायै
बृहत्तनवे
चापिन्यै
चन्दनालिप्तायै
चन्द्रविद्यायै
पराङ्कुशायै
मनुविद्यायै
महाराज्ञ्यै
महाविद्यायै ८०
महीयस्यै
सिंहासनेश्यै
सिन्दूररुचये
सूर्याभिवन्दितायै
सुन्दर्यै
सुदत्यै
सुभ्रुवे
वन्दारुजनवत्सलायै
समानाधिकशून्यायार्यायै
सकलार्थप्रदायिन्यै ९०
सम्राज्ञ्यै
सान्द्रकरुणायै
सनकादिमुनिस्तुतायै
महादेव्यै
महेशान्यै
महेश्वरपतिव्रतायै
लोपामुद्रागस्त्यनुतायै
लोभघ्न्यै
लोभवर्जितायै
पावन्यै १००
पशुपाशघ्न्यै
पश्यन्त्यै
परमेश्वर्यै
कदम्बकलिकोत्तंसायै
कामेश्यै
कामपूजितायै
नन्दिविद्यायै
आनन्दमय्यै
नीलस्निग्धाब्जलोचनायै
कल्याण्यै ११०
कामरहितायै
कामदायै
कामकोटिकायै
चराचरजगद्धात्र्यै
चन्द्रिकायै
चन्द्रवर्तिन्यै
शिरीषसुकुमाराङ्ग्यै
शितिकण्ठप्रियायै

शिवायै
अनङ्गवल्लभायै १२०
अनङ्गशास्त्रसिद्धान्तमञ्जर्यै
कुबेरविद्यायै
कुलजायै
कुरुकुल्लायै
कुलेश्वर्यै
कुलाङ्गनायै
त्रिकूटस्थायै
कुरङ्गाङ्ककलाधरायै
दुर्वासःपूजितायै
दुःखहन्त्र्यै १३०
दुर्मतिदूरगायै
आम्नायनाथायै
नाथेश्यै
सर्वाम्नायनिवासिन्यै
सर्वारुणायै
संगहीनायै
सावित्र्यै
सर्वतोमुख्यै
ब्रह्मगीतायै
ब्रह्मयमय्यै १४०
ब्रह्मानन्दरसात्मिकायै
निरामयायै
निरानन्दायै
निर्द्वन्द्वायै
निरहंकृत्यै
निगमादृष्टचरणायै
निराधारायै
निरीश्वर्यै
नियन्त्र्यै
नियत्यै १५०
नित्यायै
निराशायै
निरपायिन्यै
अखण्डानन्दभरितायै
खण्डत्रयपरिष्कृतायै
काञ्चीक्षेत्रगतायै
कामपीठस्थायै
कामपूजितायै
महाश्मशाननिलयायै
गायत्रीमण्टपेश्वर्यै १६०
कैलासनाथदयितायै
कम्पातीरविहारिण्यै
अविच्छिन्नानन्दमूर्त्यै
अप्रमेयायै
अपराजितायै
अगम्यायै
गगनाकारायै
प्रकृतिप्रत्ययात्मिकायै
अवेद्यायै
वेद्यविज्ञात्र्यै १७०

पञ्चकृत्यपरायणायै
सृष्टिस्थितिक्षयतिरोधाना
नुग्रहकारिण्यै
ब्रह्मगोविन्दादिपञ्चप्रेत
मञ्चाधिवासिन्यै
तमोतीतायै
तमोहन्त्र्यै
तत्वातत्वविवेचिन्यै
सर्वतत्वमय्यै
सर्वभूतिदायै
समयप्रियायै
जिताखिलेन्द्रियग्राममानसा
म्बुजहंसिकायै १८०
सुरासुरगणाराध्यायै
सदसद्रूपिण्यै
सत्यै
चण्डिकायै
चारुवदनायै
खण्डितारातिमण्डलायै
अगस्त्यविद्यासंसेव्यायै
नन्दिताशेषविष्टपायै
संविदे
सत्यमय्यै १९०
सौम्यायै
दुर्निरीक्ष्यायै
दुरत्ययायै
त्रिकालस्थायै
त्रिकोणस्थायै
त्रिमूर्तये
त्रिगुणास्पदायै
यज्ञरूपायै
यज्ञभोक्त्र्यै
कार्याकार्यविचक्षणायै २००
नामरूपादिरहितायै
वामदक्षाध्वपूजितायै
विश्वेश्वर्यै
विश्ववन्द्यायै
विद्येश्यै
वेदरूपिण्यै
आदिमध्यान्तरहितायै
सर्वशक्तिस्वरूपिण्यै
अतर्क्यमूर्तये
अजितायै २१०
प्रधानायै
अतर्क्यवैभवायै
चिदूर्मिमालायै
सञ्चिन्त्यायै
चिन्तितार्थप्रदायिन्यै
चिन्तामणिगृहान्तस्स्थायै
चित्रकर्मायै
चिरंतन्यै
मोहहन्त्र्यै
मोक्षदात्र्यै २२०
मुग्धचन्द्रावतंसिन्यै

मुद्रेशीन्यस्तराज्यश्रिये
मृदुमुग्धस्मिताननायै
क्रोडीकृताशेषघृणायै
कोमलाङ्ग्यै
कुटुम्बिन्यै
षडङ्गदेवतासेव्यायै
षडाननमस्कृतायै
शिवाराध्यायै
शिवमय्यै २३०
शिवमायायै
शिवाङ्कगायै
षडूर्मिहन्त्र्यै
तरुण्यै
वन्यायै
षट्चक्रनायिकायै
माधव्यै
माधवाराध्यायै
माधवीकुसुमप्रियायै
ब्रह्मविष्ण्वादिजनन्यै २४०
बृहत्यै
ब्रह्मवादिन्यै
संगीतरसिकायै
रामायै
वीणागानविनोदिन्यै
ज्योतिर्मय्यै
जगद्वन्द्यायै
जयिनीजयदायिन्यै
भक्तिनम्रजनाधीनायै
भक्तानुग्रहकारिण्यै २५०
जामदग्न्यार्चितायै
धौम्यपूजितायै
मूकसंनुतायै
भक्तिगेयायै
भक्तिगतायै
भक्तक्लेशविनाशिन्यै
भुक्तिमुक्तिकर्थ्यै
सिद्धविद्यायै
सिद्धगणार्चितायै
रागद्वेषादिरहितायै २६०
रागिण्यै
रागवर्धन्यै
साम्राज्यदाननिरतायै
रत्यै
सुरतलम्पटायै
राजराजेश्वर्यै
धीरायै
नासीरमुखभासुरायै
क्षेत्रेश्वर्यै
क्षेत्ररूपायै २७०
क्षेत्रज्ञायै
क्षयवर्जितायै
क्षराक्षरमय्यै

रक्षायै
दक्षिणामूर्तिरूपिण्यै
मदिरास्वादरसिकायै
मतङ्गकुलनायिकायै
मन्दारकुसुमापीडायै
मातङ्ग्यै
मदहारिण्यै २८०
कल्पान्तसाक्षिण्यै
कामायै
कल्पनाकल्पनक्षमायै
संकल्पनिर्मिताशेषभुवनायै
भुवनेश्वर्यै
भव्यायै
भवार्णवतर्यै
भावारूढायै
भयापहायै
रहस्ययोगिनीपूज्यायै २९०
रहोगम्यायै
रमार्चितायै
अन्तर्वदनसंदृश्यायै
संततध्यानदीपितायै
कन्दलत्प्रीतिहृदयायै
कमलायै
कर्मसाक्षिण्यै
कान्तार्धदेहायै
दीप्यन्त्यै
कान्तिधूतजपाच्छव्यै ३००
हृदयाकाशतरण्यै
ह्रींकार्यै
हृष्टमानसायै
ह्रीमत्यै
हृदयाकाशज्योत्स्नायै
हार्दतमोपहायै
परापररहस्याख्यसर्वानन्दमयेश्वर्यै
सर्वसिद्धिप्रदारूढातिरहस्याधिदेवतायै
रहस्ययोगिनीक्षेत्रसर्वरोगहराधिपायै
निगर्भयोगिन्यावाससर्वरक्षाकरेश्वर्यै ३१०
सर्वार्थसाधकभ्राजत्कुलोत्तीर्णाभिवन्दितायै
सौभाग्यसत्संप्रदाययोगिनीपरिपूजितायै
क्षोभणोद्यद्गुप्ततरयोगिनीगणसेवितायै
आशापरीपूरकात्तगुप्तयोगिन्यभिष्टुतायै
त्रैलोक्यमोहनस्थप्रकटयोगिन्युपासितायै
कलातिथिनिधीष्विन्दुवर्ण

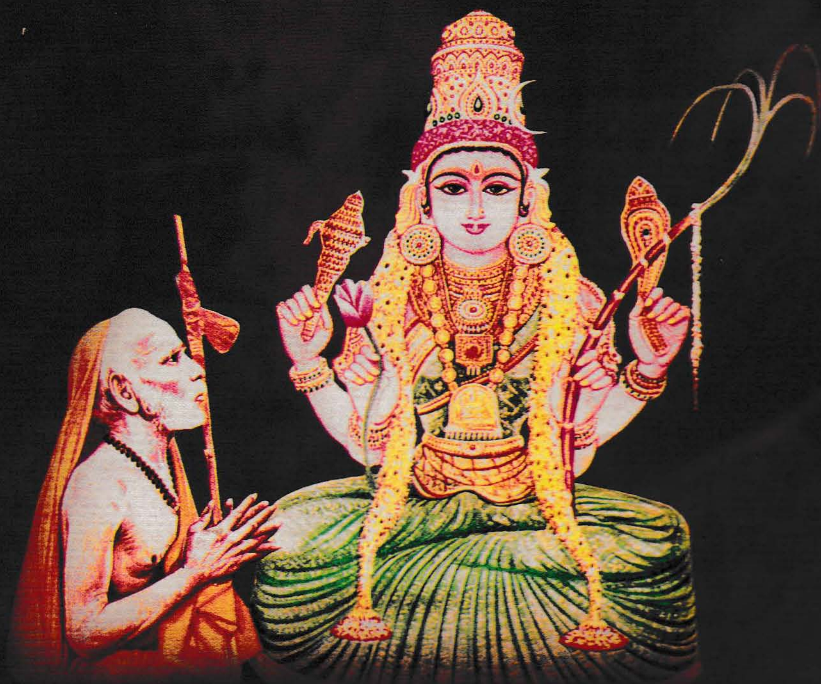
मन्त्रस्वरूपिण्यै
गुणरेखाग्निवृत्तान्तर्नृप
नागदलालयायै
मुनिदिक्पङ्क्तिवसुभूकोणान्त
बिन्दुवासिन्यै
वेदर्तुदिक्सूर्यकलादस्र
पत्राब्जचक्रगायै
मृणालतन्तुसदृश्यै ३२०
सुषमावासिन्यै
वसवे
सदाराध्यायै
सदाध्येयायै
सत्संगत्यै
अनुत्तमायै
पीयूषरससंस्रावसंतर्पित
जगत्त्रय्यै
सन्तत्यै
सन्ततिच्छेदहारिण्यै
धारणायै ३३०
धरायै
स्वाहाकारायै
हविर्भोक्त्र्यै
यजमानाकृत्यै
कृत्यै
पितृप्रसूप्रसुवे
पद्मायै
स्वयंभुवे
आत्मभुवे
अभुवे ३४०
त्र्यक्ष्यै
त्रिगुणातीतायै
क्लींकार्यै
क्लमहारिण्यै
प्रसादरूपायै
पदव्यै
पराप्रासादरूपिण्यै
शर्वाण्यै
शर्मदायै
धात्र्यै ३५०
धर्मरूपायै
परायै गत्यै
मुञ्जकेश्यै
मुक्तसंगायै
पञ्चयज्ञपराकृतये
षट्त्र्येक कर्मनिरतजन
रक्षणदीक्षितायै
स्वीकृतानुग्रहकलायै
दूरस्थापितनिग्रहायै
निरन्तरसुखायै
गौर्यै ३६०
नीपारण्यनिवासिन्यै
मोक्षदेशानमहिष्यै

लक्ष्यालक्ष्यस्वरूपिण्यै
राजस्यै
कमलावासायै
ब्राह्म्यै
सृष्टिविधायिन्यै
सत्वाढ्यायै
वैष्णव्यै
पात्र्यै ३७०
तामस्यै
रुद्ररूपिण्यै
हन्त्र्यै
ईश्वर्यै
तिरोधानकारिण्यै
बहुरूपिण्यै
सदाशिवायै
अनुग्रहदायै
सदाशिवमय्यै
मत्यै ३८०
अखण्डैकरसानन्दतन्वै
पीयूषरूपिण्यै
ऐंकारस्यन्दितत्वाख्य विश्वे
न्द्रियफलप्रदायै
आनन्दाज्याहुतिप्रीतायै
भक्तिज्ञानप्रदायिन्यै
त्रिमुद्रिण्यै
भगाराध्यायै

परनिर्वाणरूपिण्यै
सर्वभूतहितायै
वाण्यै ३९०
ब्रह्मरन्ध्रनिवासिन्यै
तटित्कोटिसमच्छायायै
सर्वविद्यास्वरूपिण्यै
महापद्माटवीसंस्थायै
कारणानन्दविग्रहायै
सिद्धलक्ष्म्यै
महालक्ष्म्यै
राज्यलक्ष्म्यै
पराङ्कुशायै
छन्दोमय्यै ४००
चतुष्षष्टिकला काव्यार्थदर्शिन्यै
ऐंकारिण्यै
कालरूपायै
अणिमादिकफलप्रदायै
महोरूपायै
महायोगिन्यै
अमलायै
भूतिदायै कलायै
कूटत्रयमय्यै
मूलमन्त्ररूपायै ४१०
मनोन्मन्यै
बन्धकासुरसंहर्त्र्यै
कन्यकारूपधारिण्यै

महाबिलगुहालीनायै
महामुनिमनोनत्यै
शृङ्गारमूर्तये
सम्राज्यै
शृङ्गाररसनायिकायै
भद्राकृत्यै
कान्तिमत्यै ४२०
भद्रदायै
भक्तवत्सलायै
महाबलायै
महानन्दायै
महाभैरवमोहिन्यै
सौभाग्यदायिन्यै
स्वामिन्यै
उदग्रायै
संप्रदायिन्यै
गोमत्यै ४३०
गुह्यनिलयायै
गुह्यमूर्तये
गुणास्पदायै
विवेकदायिन्यै
शिष्टायै
शिष्टचेतोनिवासिन्यै
कात्यायन्यै
कामकोटये
अन्नपूर्णायै
अभयंकर्यै ४४०
शाकिन्यै
शांभव्यै
भद्रायै
भैरव्यै
भारतीमय्यै
अभ्याससाध्यायै
जयदायै
विजयायै
भगमालिन्यै
रुक्मिण्यै ४५०
रुक्मसच्छायरोचनातिलकोज्ज्वलायै
वेदान्तमृग्यचरणायै
जरामृत्युभयापहायै
कान्त्यै
कामकलायै
कान्तायै
विधुमण्डलवासिन्यै
शंभुलोचनपीयूषवर्त्यै
आर्तिनिवारिण्यै
विघ्नकादम्बिनीवात्यायै ४६०
सर्वप्राणिमय्यै
स्मृत्यै
लोकहन्त्र्यै
लोकभर्त्र्यै

भोगकर्त्र्यै
परात्परायै
वीरप्रियायै
वीतरागायै
नाशिताशेषवैकृत्यै
नमज्जनाह्लादकर्यै ४७०
नादब्रह्मस्वरूपिण्यै
विप्राधीनायै
विप्ररूपायै
विप्रजिह्वाविहारिण्यै
विप्राराध्यायै
विप्रगणपूजातुष्टायै
वियन्मय्यै
अव्याहताज्ञायै
जनन्यै
जयिन्यै ४८०
प्रणवात्मिकायै
कामरूपायै
कलालापायै
भार्गव्यै
जगदीश्वर्यै
विमानस्थायै
मानवत्यै
नित्यतृप्तजनप्रियायै
परस्यै विभूत्यै
सर्वज्ञायै ४९०
अनादिबोधायै
दयानिधये
अनन्तशक्त्यै
अचलायै
प्रणतप्रियबान्धवायै
अनादये
अखिलाधारायै
सच्चिदानन्दरूपिण्यै
सर्वोपनिदुद्घुष्टवैभवायै
सर्वमङ्गलायै ५००





Printed at : VKN Enterprises, Ph: 2495 0775